



## ﴿جمله حقوق بحق مؤلف محفوظ بين﴾

نام كتاب: دُمُودُ النَّصَرِي شَهِ رِحِدُ بِ الْبَهَ عَلَى مُولَفِ: صوفی محمد ایاز ، او ليی ابو العلائی پروف رید نگف: معلق زاید فاروتی صاحب مولانا محمد می تصوری صاحب ماسل به می تصوری صاحب ماسل به می تصوری صاحب می تاشید و می تاسید می تاسید و تا

بديه :

اشاعت:

﴿ لمنے کا پیتہ ﴾

آستانة عاليه: طاهريه ابوالعلامية اله R-25 ، سيكفر 11-L ، نيوكرا في

# شرفِانتساب بحضور

زمزم اسرارواصلین جلاء قلوب فافلین کبف قلوب سالکین امام طریقه شاذلیه محقق حقائق قدسیه منوریانوارِ محمدیه بدر المصر کافی بحروبر مصاهب هزب البحر

شيخ المشانخ , قطب الاقطاب

شيخ ابهلدسن شاذلي

كر تبول التداري عرو فرف

## هسنٍترتيب

| 19   | تقاريطو تاثرات  |
|--|---|
| العالى   | استاذ العلماء، حضرت علامه نور احمد رياض مد تلك              |
| سعيدي مد علد العال23   | ركيس المدرسين عضرت علامه صديق بزاروي                        |
| وام في منبم  | فقيه العرف الحديث عغرت مفتى الإبحر شاذلي                    |
| 26   | فاطل جليل معرت مفق زابد فاروقي زيد مجده                     |
| 28   | استاذ القراء، قارى عبد الولى خان فارو تى زيد مجده           |
| 29   | مقدمة الكتاب  |
| علام والعربي المحاص | مقدمة الكتاب<br>تعارف في المشائخ سيدى ابوالحون الشاذ لي قدم |
| 36   | The Jet   |
| 36   | ولاوت إسعادت  |
| 36. 37. 37. 37.  | ولاوت إسعادت  |
| 37   | بيعت وظافت كمر المسلم                                       |
| 38   | سيدى ابولحسن شاذ في يحد المبالة المالية كامقام              |
| 40   | وصال  |
| 41   | شان ظهور وخواص حزب البحر                                    |
| 429r0  | واقعه ظهور حزب البحر  |
| 43   | خواص حزب الحر   |
| والوى تشتة المدشقال مَنْيَهِ   | اقوال ملائ كرام: حفرت شاه ولى الله محدث                     |
| 43   | معرت عنايت الله العارى مَعْدُ اللهِ تُعَالَمَتُهِ .         |
| 45   | فيع ابرالعياس بونى تشتة الموثنال ملئيه                      |
| ال معيد<br>15  | فيع ابرابيم ملانى منت في المنتبه                            |
| 16   | فع ابراهم مجتى رَحْمَةُ عَلَى مَنْكِهِ                      |

| 46                                     | تَنْ ابن عما و ذختة الله تتعلل عَلَيْهِ   |
|--|---|
| 48                                     | علامـ عالم تَعْرَى بَسْتَفْهُ فَعَلْ مَلْكِهِ   |
| 49                                     |   |
| 50                                     | 1   |
| 51                                     | حسول روز گاری آسانی   |
| 52                                     | نَقَوْثُ حزب البحرو تتخير سلاطين  |
| 53                                     | دور عاضر من حزب البحرامت مسلم كاتر في وعرون كازيدب  |
| 54                                     | حزب الحرى افزاديتين مانزاديت  |
| 54                                     | كافذوم افح المساحد  |
| 55                                     | حب الحرى ا تفراد يت<br>ما تفذومرا الح<br>ما والوازت<br>ولية اوائ نصاب<br>حب المحرى المرائط المفراد<br>المراث نصاب |
| 61                                     | ريقة اداع نساب المسادات   |
| 62                                     | حزب الحرى شر العلم  |
| 63                                     | لمره نساب المراد  |
| و معقول زاوة كبير                      | يبلاطريقة: حضرت شاه ولى الله محدث وبلوى زختة الموتعلا عَكَ  |
| 2/1/1/                                 | ووسر اطريقة: ويكر حطرت شاه ولى الله محدث وبلوى وشيقة الله   |
| وُ اللهِ تَعَلَّمَانِهِ كَالْمُرِيقِةِ | تيسر اطريقه: في الشاكخ عفرت منايت الله قادري شطاري دخة  |
| 64                                     | چوتماطريقة: اورمعنان مي بامؤكل نصاب كاطريقة   |
|  | ياني الطريقة: عاتى الداد الله مهاجركى دَسْنة الله تَسَالَ مَدْيَهِ ع  |
|  | يِمناطريقة: ويكر حارثي الداو الله مهاجر كلي دَحْنةُ لِنَّهِ تَعَالَ عَلَيْهِ كَامُ                                |
| كاطريقه                                | مانة ال طريقة: باير ميز زكوة صغير، وسيط، كبير، اكبر، اكبر الكبارً   |
| 68                                     | أنه ال المرية : سات روز من نصاب الوسك المرافقين   |
|  | أه ال المريقة: بغير پرميز جلالي و جمالي زكوةٍ كيير ، وسيط وصغير اوا   |
| منقول                                  | ٠ ١١٠ الما المينة: ثَيْخ عبد الرّ تمان قدوى مَعْتَهُ اللهِ تُعَلَّمَ مَنْهِ عَ                                    |

|                                  | كيار موال طريقة : بغير يزهے زكوة كير اداكر في كاطريقة  |
|----------------------------------|--|
| 69                               | بار موال طريقة :برائ تسغير خلائق وفقوعات كثيره   |
| 70                               | جزب الحركانساب اور360 مددك خواص  |
| 73                               | بائے تزب البحرمعہ ترجمہ  |
| 81                               | بوزانصر في شرح حزب البحر   |
| تا ــــ الْعَزِيزُ الرِّحِيْمُ ﴾ | ﴿يَاعَنِي يَاعَظِيْمُ يَاحَلِيْمُ يَاحَلِيْمُ يَاعَلِيْمُ  |
|                                  | ٱلْعَلِيُّ اللَّهِ كَاثْرِت  |
| 83                               | خواص واعال مالان المالان المال |
| 84                               | زكوة كيس واكبر وكمائز واكبر الكيائز وعنقير واصف اعلقه الصفاخ   |
| 84                               | اوح فرن قروز بره   |
| 85 \$ 3                          | اوح شرف قروز بره<br>محق مددی کے خوامی  |
| 85                               | القعانية عالمان فراح   |
| 86                               | آلَعَولِيْدُ عُلِيْكُ مُرْكِ ﴾<br>خواص واعمال  |
| 86 3 8                           | طريقة ادائة كوة انساب دور دور عشر، قل بذل وخ   |
|                                  |  |
| 86                               | اون منفر خلائق (Symine 1/1980)   |
| 87                               | لوح تنغير امر اه وسلاطين وقت   |
|                                  | وې غړ ارادو تا غوارت   |
|                                  | رشتوں کی روکاوٹ دور کرنے کیلئے   |
| 88                               |  |
| 89                               | خواص داعمال  |
| ير                               | زكوة كبير اكبر ، كبائز ، اكبر الكبائر ، صغير ، اصغر ، اصغر العنظ   |
| 89                               | نوټمادک  |

| 90   | عددی تعش کے خواص   |
|--|--|
| 90   | اَلْعَلِيْهُ عُثِينَاكُ ثرت                                  |
| 91   | خواص دا ممال   |
| الصفارّ  | زكوةٍ كبير ، اكبر ، كباز ، اكبر الكبائر ، صغير ، اصغر ، اصغ  |
| 91   | لوچ عطارد و مشتری  |
| 92   | فتش عد دی کے خواص  |
| 93   | يَاعَلِيُّ يَاعَظِيْمُ يَاحَلِيْمُ يَاعَلِيْمُ               |
| 93   | فتم برائے جمع مقامید   |
| 94   | فتش ذوالكاب  |
| 94   | الْتُ رَبِي وَعِلْمُكَ مَسْعِي فِي حَرِي                     |
| 95 3/  | ربی شرح  |
| 95<br>96<br>96 / / / / / / / / / / / / / / / / / / / | خواص واعمال  |
| واصفار   | زكوةٍ كبير ، اكبر ، كبائر ، اكبر الكيائر ، صغير ، اصغر ، اصغ |
| 97   | نوبة عل المستخدمات   |
| 97   | فلاش عدد کا کے خواص  |
| 979/LG0m/mm  | چورى ياكم شدوكينية   |
| 97   | التعيين بالألك كرح   |
| 99   | خواص وافعال  |
| ر العفارُ  |  |
| 100  | قنائے ماجات كاعمل  |
| 100  | لوبة زبره  |
| 100  | مك كى بندش وب بركن دوركرنے كيلئے                             |

| 101 | نتاثی عدوی کے خواص   |
|-----|--|
| 101 | فَيْعَةِ الرُّبُ وَبِهُ وَيِعْمَ الْعَسْبُ عَسْبِي كَ شَرْحٌ   |
| 103 | تَلْفَعُ مَنْ تَشَلَّهُ وَانْتَ الْعَيْدُ الدِّينَ مَل شرع   |
| 103 | آلْعَذِيدُ ﷺ كاڤرت   |
| 104 | خواص واعمال  |
| 105 | ذكوة كبير واكبر ، كياتره اكبر الكياتر ، صغير ، اصغر ، اصغر الصفائر   |
| 105 | لوح شرف كواكب  |
| 105 | التن عددي ك خواص مراز المان ا  |
| 105 | الزَجِيدُ عُلِينَ مُرح مِن المسلمة المعالمة المع |
| 108 | خواس والحال  |
| 108 | زكوة كيير اكبر مهائرة الجرالكيار ومفير اصغر الصفار   |
| 108 | لوح زېرود د ب كايجر ب الجريم عمل   |
| 109 | عض عدوى كے خواص  |
| 110 | يَاعَنُ يَاعَظِيمُ يَأْعَلِيمُ يَاعَلِيمُ حَاءالُعَزِيرُ الرَّحِيدُ عَلَى كَرُوام  |
| 110 | 10 1   |
| 110 | John John John John John John John John  |
| 111 | ر قم کی دالی کاعمل   |
|     | حب منطاه شادى كاعمل  |
| 112 | أنج بوئ كامول كياني  |
| 112 | لورخ كفايت   |
| 112 | لوي شرف زيره   |
|     | لمازمت کے حسول کیلئے   |
|     | ﴿نَسْتَلُكَ الْعِصْمَةَ تا طُعَالَمَةِ الْغُيْرُبِ﴾  |

| 113       | ځ٠٠   |
|-----------|---|
| 118       | مخواص والمال  |
| 118       | لمريقة نصاب: تركيب اوّل                                   |
|           | دومری ترکیب   |
| 119       | تيرى ژيب  |
|           | عددی تعض کے خواص  |
| 120       | المبینان قلبی کے حسول کاعمل                               |
| 120       | ستى،كافى ونيالات قاسدە سے حفاظت كالملك ١٠٠٠               |
| الاعتدرام | وفقر الثالث الناوشيق                                      |
| 120       | 45  |
| 2/4/-     | خواص والمال المساح المال                                  |
| 122       | وهمن كويدوش كرانيكا مل                                    |
| 122       | فالح ولقروكا علاج مستراح                                  |
| 122       | و قمن پر ذات وخواری سلط کر سکا عمل                        |
|           | ﴿ فَكَيْتُكُ أَوْ انْضَرَا وَسُخِيلًا                     |
| 1/1/1/    | 9700099 \$100000000000000000000000000000000               |
| 124       | خواص واعمال   |
| يِّرُيَنْ | فقبتتناة الشزناة سيرلكا لهذا البخر يامت                   |
| 125       | نبت أو في عيا في كالجرب وأزموده عمل                       |
| 126,      | متقل لمازمت وحسب منشاه تهديلي كيك                         |
|           | ﴿ كَمَاسَ لِحَنْ تَالْبَعْنَ - رَيْسًا لِلِيرَا يَالِمِنْ |
| 126       | رن  |
| 129       | خواص واعال  |
|           | 6   |

| 130 | طر <b>ي</b> ة:نساب  |
|-----|---|
| 130 | بإبهى الفت وممبت كيليخ  |
| 130 | المكون كے جوم كيليے   |
| 130 | تنغير وفؤمات وعبت كامجرب عمل  |
| 131 | توټ تخير پيدا کرنے کا ممل   |
| 132 | تبد فتم كران وقيد برالكيك: يَامَن بيدِهِ مَنْكُونُ فَلَ هَنْ كَاجر ب فَن                      |
|     | خاص الخاص عمل:برائ عروج، ترتى، فتوحات، محبت وموافت إدو جين                                    |
|     | طلسماتی انجو عنی كا خاص عمل   |
| 134 | لوج و حل  |
|     | ﴿ كَوْيَعَسَ ٢ ــ الطَّالِينَ ﴾   |
| 135 | فرن   |
| 138 |   |
| 139 | خواص واعمال   |
| 139 | فيي الدادكيليِّة  |
| 139 | خلينتن افضناكا نساب وخواص   |
| 140 | اوې سعادت   |
|     |   |
| 141 | استخاره<br>بمبئ حاجات کیلئے   |
| 141 | حب زوجین در شتول کا عمل   |
| 142 | it is a series of rest  |
| 142 | and the second  |
|     | روز گار، رَ لَى اورا عِنْصِ رَضْحَ كَيْلِيمَةُ الْمُتَمُّ لَنَا غَيْدُ الفَاتِجِينَ كَا عَمْل |
| 142 |   |
| 143 | ذائن کی تجزی کیلئے  |

| 143 | آتش عبت اور توست دور كرف كيليمة المفرات قالك عنو القابل فين كاعمل                    |
|-----|--|
| 144 | شفائ امر اض وجوزول ك وروكيلية و اذ حَدَمَا فَالْتُنْ عَيْرُ الزَّاحِيدُنَّ كَا مُعلى |
| 144 | ائن دعبت كاعمل   |
| 144 | نعتوں کے حصول کیلے وَازْرُفْتَ اَفِافْتَ عَدُرُ الرَّالِقِينَ كَامْسَ                |
| 144 | وَاخْفَلْمَا فَالِمُنْ عَيْرُ الْعَالِيمُ فَت حسار كاعمل                             |
| 144 | خالفین کو خالفت ہے رو کئے عمل  |
| 144 | افعال یدے روکنے ممل  |
| 145 | ي نفين ويد كوكي ذلت كاحمل  |
|     | ﴿ وَمَنْ لِنَا _ تَا _ مَنْ قَدِينَ ﴾  |
| 145 | شرح  |
| 149 | خواس واعال   |
| 148 | نساب عمل   |
| 150 | لوح حمول سعادت   |
| 150 | ني د کيا   |
| 151 | حصول اولا وكيلي  |
| 151 | Nin 37   |
|     | رى دو الله الله الله الله الله الله الله الل   |
| 151 | ر ٢٠   |
|     | ﴿ وَالْمِينَ عَلْ وُجُودٍ تا وَ لَا الْمَعِيرُ إِلَيْنَا ﴾                           |
| 152 | ورن  |
|     | ﴿ وَلَوْ نَشَالُات عَلَى وَلا يَرْجِعُونَ ﴾  |
| 153 | وفات   |
| 154 | خواص واعال (اللَّهُ فِينَا وَقَا _ تا _ وَلا يَرْجِونَ )                             |

| 154  | لحتم برائے سمولت جمح امور  |
|------|--|
| 154  | دين ودنياش كاميالي اورسيف زبان جوف كاعمل                           |
| 155  | ى كالنين كى زيان بندى كاعمل  |
| 155  | الداد في كيلي  |
| 155  | وساوى كاعلاج   |
| 155  | بربشى سے نجات كاممل  |
| 156  | زبان بند ئى اور جمائے بے رو کئے كاعمل                              |
| 156  | امتحان والنرويو على كامهاني كيك                                    |
| 40   | ﴿لِتَنِ ــــ تَا ــــ حَمَلَ كُلُهُ                                |
| 156  | ﴿ن   |
| 158  | خواص داهال   |
| 158  | آياتكانساب   |
| 158  | يئتركامل   |
| 158  | ستدينانت صَلَ اللهُ تُعَالَى مَنْيُم وَاللَّهِ وَسَلْم كُو مُلَّ   |
| 158  | وَالْكُونِ الْمُعَيِيمِ الْمُلْ                                    |
| 158  | المُكَ قَيِنَ الْنُوْسَلِينَ كَا حَلْ                              |
| 158  | عَلْ مِرْ الأَمْ مُنْ تَعِينِم كَا مُل                             |
| 159  | تَنْتِيْلُ الْعَرِيْدِ الرَّحِيْمِ كَامْل                          |
| 159, | يتُكُنِدَ وَوَمَا مُاكَنِدَ لِهِ الْمُعْرِضَةِ عَلِينُونَ كَالْمُل |
| 159  | لوح مشترى  |
| 160  | وقمن كى نظر بندى كامل  |
| 160  | با کے ہوئے کو بالے کا عمل  |
| 161  | حرت بخارا  |
|      |  |

| 161                            | د فع محر  |
|--------------------------------|---|
|                                | ﴿ وَعَنَّتِ الْوُجُوْهُ لِلْمَيِّ الْقَيْوْمِ ﴾                         |
| 162                            | رْن   |
| 163                            | خوام واعمال   |
| 163                            | لزائى ، دو ك كيلي   |
| 163                            | ككست اعداه وعهد ع معزول كرتے كيلے                                       |
| 163                            | اخراج العداء كاعمل  |
| مَا يُرْدُ عُ أُدْيَهُ فِينِهُ | ﴿ لُلسَ طُلتَمْ خُتَعْسَقَ مَرَةُ الْمُحُرَثُونِ يَلْتَعِيَّانِ يَيْنَا |
| 163                            | ﴿ ٢٠  |
| 165                            | خواص والحال   |
| 165                            | نىپ   |
| 165                            | مر کی کا علاق   |
| 166                            | عدادت كالمل   |
| 166                            | مبت کاعمل   |
| 166                            | مجت زوجين كاممل   |
| 166                            | ملت کے خواص   |
| 166                            | شاب   |
| 167                            | لملنو على وعد وى تلتش مع خواص   |
| 167                            | مطالبات منوانے اور رشتہ لینے کاعمل                                      |
| 68                             | المنتق كر خواص  |
| 168                            | نعاب  |
| 68                             | لوح قر  |
| 68                             | مختوق واعداء كومطيخ و تالى كرنے كاعمل                                   |
|                                | 10  |

| 168                                 | محرو تقربات مستقل نجات كالمل   |
|-------------------------------------|--|
| ئَصْنُ لَعَلَيْنَا لَايُنْصَرُونَ ﴾ | ﴿ لَمْ خَمْ خُمْ خُمْ خُمْ خُمْ خُمْ خُمْ مُدُمَّ الْأَصْرُورَ جَمَّاءَ ال |
| 169                                 |  |
| 170                                 | قراص واممال  |
| 170                                 | نماب   |
| 171                                 | اوح شرف مرتخ   |
| 171                                 | توت مر دا كل كيلي  |
| 171                                 | كشادكى روز كاركاو عينه   |
| 171                                 | خالف كومېريان اور غالم وجاير كو قايو كرنے كا عمل                           |
| 171                                 | سمى بھى مشكل سے فورى نجات كالحمل   |
| 172                                 | سلبدا عمال سے حفاظت  |
| 172                                 | حصولِ اولاد  |
| 172                                 | غلبه العداء وفتو مات كيليخ المرارية  |
| 173                                 | عظيم النافع نقش  |
| 173                                 | سخت سے سخت مادو کا توڑ   |
| تمِيْرُ ﴾                           | ﴿ خَمْ * الَّذِيهِ الْـ  |
| 174                                 | مرع  |
| 175                                 | خواص واعمال  |
| 176                                 | نساب   |
| 176                                 | ىلم دىخكىت كاحسول  |
| 176                                 | سحر وجاده كاايك روز من خاتمه المسادين                                      |
| 177                                 | بج ں کا مندو نظر بدہ نجات  |
| 177                                 | لوح شرب عطاره  |
|                                     |  |

| 177   | لوح شرنب مرقع  |
|---|--|
| ن كِفَائِتُنَا خُنفت قَحِنائِتُنَا ﴾          | ﴿بِسْمِ اللهِ بَالِنَا تَبَارَكَ حِيطَالْتَايْسَ مَعْفُنَا كُهَيْهِ  |
| 178   | رْن  |
| 182   | فحواص واعمال   |
| 182   | نماب   |
| 182   | تاديات دماركاعمل   |
| 182   | تشخيرا فسران كاعمل   |
| 182   | محرك هاعت اور آسيب دوركرف كاعمل  |
| 183   | لوب مخس معسق   |
| 183   | فحفة خاص(ناياب عمل)  |
| 184   | لوم سعادت  |
| يْمُ الْعَلِيمُ ﴾                             | وب سعادت<br>﴿ فَسَيَكُمُ مُعَالِمُهُ مُو السَّمَةِ اللَّهُ وَهُو السَّمَةِ اللَّهِ وَهُو السَّمَةِ |
| 185   | رْح  |
| 185   | خواص وافحال  |
| 185   | شاب  |
| 186   | و قمن کو مفلوب کرنے و فتو مات کے حصول کا عمل   |
| 186   | تعنی زہرہ برائے کشاد کی  |
| 186   | عمل واقع اعداء   |
| 187,  | لوح شرف مشتری  |
| 188   | لوح ثرب عمل  |
| يْنَا بِحَوْلِ اللهِ لَا يَغْدِدُ عَلَيْنَا ﴾ | ﴿ سِتُرُالْعَرْشِ مَسْمُولُ عَلَيْتَادَعُيْنَ اللهُ فِالْارَةُ إِلَّا  |
| 188   | مرح  |
| 188   | خواص داعال   |
|   |  |

| 189  | نمابنماب  |
|--|---|
| 189  | عمل رفيقي نسوال   |
| 190  | د شمن سے نجات، حسول قرض و تبند والی لینے کا عمل         |
| 190  | مشاہدة حق وبالمنى ترتى                                  |
| ال مُعِيدُ فِي لَوْمِ مُعَقُولِا ﴾   | ﴿ وَاللَّهُ مِنْ وَرَ آيْهِمُ مُعِيدًا بَلْ مُوَكِّنُ ا |
| 191  | مرح   |
| 192  | څوام وافيال   |
| 192  | نساب  |
| 192  | ئبكا يرب آزموه مل                                       |
| 192  | سلبيا فال كالمريقة                                      |
| 193  | لوح څرنب مرخ  |
| عَمَ الزَّاحِينُ قَ ﴾ ال   | ﴿ فَاللَّهُ عَيْدُ حَالِقًا وَهُوَارُ                   |
| 194  | رح  |
| 195  | څواص واهمال   |
| 195  | نعاب  |
| بن المعمل | كالم ماكم ع نجات وزوجين كي فان التلاقات دوركم           |
| 196  | فتم برائے شفائے امر اض اور حفاظت                        |
| 196  | ر قمن کے خوف و علم ہے نجات                              |
| 196  | برائے دفع مسان  |
| 196  | دفع آبيب كيلة   |
| 197  | لوية على الشاري   |
| و و هُوَيَتُولُ الشالِحِدُن ﴾  | ﴿إِنَّ دَلِينَ اللهُ الَّذِي كُولَ الْكِتَابَ           |
| 197  | ئرن   |
|  |   |

| 198                        | خواص واعمال   |
|----------------------------|---|
| 198                        | نساب  |
| 199                        | فتم برائ اكتباب لين   |
| 199                        | كى بى ريانى ت قرى نجات كين  |
| 199                        | صلَّوة السَّعادت  |
| 199                        | زومین پس میت کاعمل  |
| 199                        | بدحرات ي فويرك اصلات كاعل   |
| بُ الْعَرْشِ الْعَقِائِم ﴾ | ﴿ مَنْهِمَ اللهُ لَا إِلٰهَ إِلَّا هُوْ مَنْ عَلَيْهِ تُوكُّتُ ۖ أَوْهُوْ رَ  |
| 200                        | ﴿ن  |
| 201                        | څواص دا ممال  |
| 201                        | شنب   |
| 202                        | فتم برائے بلندی مراجب، حصول عزت دروز کار  |
| 202                        | دفع شدائد   |
| 202                        | مراهم ك فم وتكيف كودورك كا عل   |
| 202                        | وشمنوں سے حفاظت کا ممل  |
| 202                        | كاروبار عى المحكام  |
| 203                        | كاروبار څوب مطي   |
| 203                        | برهم کے دورول کا علاج   |
| 203                        | ممل برائے جمع ماجات وو فع اعداہ   |
| 203                        | ميت زوجين كيك   |
| 204                        | جيع ما جات عن كفايت كرف والاعظيم ألمت في العض   |
| 205                        | جيح ما جات كيليج  |
| 03                         | کاروبار خوب بیط<br>بر حم کے دوروں کا طائ<br>ممل برائے بچچ حا جات دو ٹیج اعداد<br>عمیت زد جمین کیلئے<br>بچچ حاجات بمی کفارت کرنے والا تقیم اکنون فیش میں۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |

| 206 | رح   |
|-----|--|
|     | خراص دا ممال   |
|     | مُتَ شريف  |
| 208 | عمل سيف زبان   |
| 208 | عمل دافع امر اخل   |
| 208 | عل خيدام اض  |
| 209 | نظر بدكا تعويذ   |
| 209 | بدخواني، فيندش ار نااور خوف نيات   |
| 210 | لوچ مود کی استان کا انتخاب کی در انت |
| -   | ﴿ وُ تَاحَوْلَ وَالْحُوَّةُ اللَّهِ الْعَيْلِ الْعَطِيمِ ﴾   |
| 210 | رْن  |
| 212 | قواص واعمال  |
| 212 | فح قريف  |
| 212 | بر متعد ش كام إلى كيلية  |
| 212 | كام يش ول لكان كيلي  |
| 212 | پريشان کن خوابول کيك   |
| 213 | ممشده اشیاه کے حصول وقیدی کی رہائی کاعمل   |
| 213 | يرائ عمرولادت  |
| 213 | خاص الخاص الخاص الخاص الخاص الخاص الخاص الخاص الخاص الخاص المنظر   |
| 214 | موافقت زو چین کے نایاب اعمال جوٹی زباند برعال کے پاس ہو ناضر وری   |
| 217 | شارات واعمال حزب البحر   |
| 218 | اشارات   |
| 220 | از اقادات شادول الله محدث والوى زخنة الله تعلل ملكيه   |
|     |  |

| 221          | وزالا وفنهم ١١١٥ و ١١ل ي الجات                          |
|--------------|---|
| 221          | فالون كي أظرت جين ادر محفوظ رين كالمنن                  |
| كامل سيد 221 | و شمنوں کو ساکت کرنے اور ان کی جابوں کو پی نے           |
| 221          | تشخير امر اه ،غلبُ اعداه ، كشاد كي ولاعلاتٌ امر امن كيك |
| 221          | ففقة الغيب، كثف اورطب كرامات كيك                        |
| 221          | جمع حاجات و كفايات مجمات كيك<br>*                       |
| 221          | زوجین میں محبت وخاند انی تنازعات کو محتم کرائے کی       |
| 222          | بعا کے اوت کو دائے کیلئے                                |
| 222          |   |
| 222          | چورول و ظالمول سے حفاظت                                 |
| 222          | و فع نظر بدو جادو                                       |
| 222          | طلب علم لدني  |
| 222          | وقع زير وورودل كالحاق المرايد                           |
| 222          | مكارول كے تحرت بيخ كيليے                                |
|              | هاعت اساب   |
| 222          | المقالغيب   |
| 222          | وفع تيه   |
| 222          | توت مر دائلي  |
| 223          | از افادات صالی امداد الشرمها جر کل                      |
| 223          | حسول مال و دولت واستقلال كاعمل                          |
| 223          | يوى مم كوم كرن كيا السال                                |
| 223          | وهمن توكمزور كرنے كيك                                   |
| 223          | ز فم چڅرو نظر پر کیلئے                                  |
|              |   |

| 223  | نسي كوايتي طرف اكل كرف، تعجيروميت كاعمل               |
|--|---|
| 224  | و فع الداء كيلي                                       |
| 224  | سفر کی سلامتی کیلئے                                   |
| 224  | شفائ امراض  |
| 224  | باد شاود منام کی تسخیر کیلیے                          |
| 225  | ادائ قرض  |
| 225  | نعيب كمولف اورروز كاركى بندش دوركرن كيك               |
| 225  | ترتحرى وفارخ البال كيك                                |
| 225  | ق تحری و فارخ البالی کیلئے                            |
| نامه العالي  | از افادات استاذ العلماء معشرت علاميه نور الحدرياض مد  |
| 225  | برائے تنخیرو لومات                                    |
| روى دَحْدَةُ اللهِ تُعَلِيمًا عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الله | جيع ماجات ، مسخرات ، فؤهات كيليخ خواج فور محد مها     |
| 226  | ہر کام وہر مقعدے حصول کیلئے                           |
|  | از افادات فقيه العصر مفتى ابو بكر شاؤلى مد خله العالى |
| 227  | لوت اولاد كيك   |
|  | جادوكى كاث كاطريق                                     |
| 227  | شراه تي وضدي بي كيك                                   |
| 227  | برائے کشدہ  |
| 228  | جاده کی کا ث کا مل                                    |
| 228  | ایک ےزائد افراد کی کاٹ کاعمل                          |
| 228  | فظروبرهم ك أسيما اثرات نجات الملكان                   |
| 228  |   |
| 228  | متغرق اعمال   |

| 228    | برهم كى روكاوك وحروش مالات كاتور                |
|--------|---|
| 229    | تسخير خاص                                       |
| 229    | تسخير خلاكق                                     |
| 229    | حصولِ روز گار ومالد ارى كيلية                   |
| 229    | مادو، جنات وبندش سے نجات                        |
| 230    | مر دان کرداری دور کرنے کیلئے                    |
| 230    | ر تم ك والبحل و تبنه حجز انے كيلئے              |
| 230    | دیرہ، اچھار شد وشادی کے بہتر انتظامت کیلے       |
| 231    | قوش والواح حزب البحر                            |
| 233    | برائے وقع محاتی دے روز کاری                     |
| 233    | برائے شفائے امرامل                              |
| 234    | برائے انقاق واتحاد اور وافع کر                  |
| 234    | برائے حب ولطف ومبریاتی                          |
| 235    | نقل بركاره                                      |
| 23619> | مظیم البر کت و نافع الخلائق، لقتل حزب الحر 19 : |
| 238    | الواح ثر ف كواكب                                |
|        |   |
|        | لوح شرف مطارد                                   |
| 240    |   |
| 240    |   |
| 241    | لوج فرنب زبره                                   |
|        |   |
| 242    | -,-   |
| 242    | ومناحت  |



مسادری سب

#### نابغه ورزگار استاذ العلما والصلحاء فاضل ومحقق حضرت علامه محمد نور احمد ریاض مدخله المانی

فطرب انسانیہ بھیشد اس جتبی میں کوشاں رہی کہ ایسے و تفاقف مصطلع بول جن کے ورد سے عالم روحانیت میں تعرف کر سکے۔ مثانا ایسا اسم اعظم حاصل ہو جو جیج متناصد میں تعرفات عظیر کا میں ہے بعنی ایسے اسم کا حصول ہوجائے کہ اِقا و جج بیسہ آجسات و اِقا شیشل بید اُنسطیٰ اس اسم یاک اجابت دعاجو اور جو چیز طلب کرے وہ مطابو، لیکن اس تک رسائی بغیر فضل الی کے انتمان ہے۔

دعائے حزب الحرجو كه تعليہ عالم حضرت في ابدالحسن شاذ كار منى الله تعالى عند كى تصنيف ب ير وعانمبايت نير عظت والدكر اميت ب اس دعا عمل جملوں كى بندش و الغاظ كا چناؤ اس قدر عظيم ب كه جس كا ايك ايك حرف و لفظ روحانيت كى الحل منازل كو سررة انتهی تک چھولیت ہے۔ اس کی برکات بھی خوسات کو دور کر کے آد کی کو حد درج نامی مقام عطا کرتی ہیں، ہر سو قبلیات والوارات کی بہاری ہمد وقت موسم بہار کا سال بائد ہو بی تی ہیں۔ حقیقت میں ہے کہ میں دعامتنا طیس جذب ہے جس کی اونی جفلاے تھوب منظوب معلو، شابط ارواح و کشف حقائق اسرار عالم مکلوت و تاسوت، محقوقات عالم ارواح وعالم اجسام کے رموز مختشف ہوتے جی میں میں دو یعت اپنے کی لمت خواسان کیلئے ہے۔ ہر ایک اپنے علم کے مطابق اس کے موتوں کو چھٹ سے مقلیس اس کے استیعاب سے جرت میں خوطہ زن جی میں لیا لفائف

آخر میں شارح حزب الجو محترم مجر ایان سکر الرحمن کا بچو تذکرہ۔ موصوف اپنے اللی دماغ د فر بنی مطاحیت بیش نظر تمام طوم پر کمبر کی نگاہ رکھتے ہیں۔ چاہد دو علوم جنر وول یا بیار گان یا علم الاعداد یا تصوف کے مخلی خزینے یا منازل قرک رموز ہوں۔ یہ سب ان کی

دسترس على إلى - اساه حتى كے خواص وول يا تقش شلك، مربع، محنس، مسدس، مسبع ، عمن المتسع يا معشري جاليس يا اس ب آم صدور صد يك ان ي اعلى رسالى طائر مكوتى ہے۔ دائر وصطبط ون ہویا اساء الہيے كے رموز ہول ان ميں مجى يہ مخصيت يراس ارب-یه صرف واقف علوم روحانیت خیس بلکه ان میں بد ملکه بدرجهٔ اتم پایاجاتا ہے۔

مشبور مقوله ب كُنْ مُجْتَهِداً وَ لَا تَدَكُنْ مُقَلِّداً مجتد بنو مقلدند بنو- فقير ال الله في اكثر مجتداند ملاحيت كا يخولي ند مرف الدازه لكايا بلك جارى عقل مجى ورط حرت میں آ جاتی ہے۔ کراٹی میں اس شخصیت کا وجود کراٹی والوں کیلئے نعت ہے۔

الله كريم ان كے فيوضات روحانی جس ترتی عطافرمائے اور كريم ؤات ان كوباعث فين رسال فرمائ آهن بجاه النيّ الكريم صلى الله تعالى عليه وآله وسلم-

> رے سلامت کلستان اماز خدمت وحخاوت فيشان اباز

ن تمام قرطاس الين يرتحريره وعدالله كريم قبول فرماعد يه چند سطور بشعب

وهوالعل العظيم

ايوعمه توراحد رياض طامعه اتوار العلوم مجبرى روذ ملتان T . IA , 5 1.1A

### علامة المُبن قدوة العلماء والفضلاء رئيس المدر سين حضرت علامه محمد صديق بز اروى سعيدى منظه المالى

#### بشيم الله الرحمان الرحيم

اللہ تعالیٰ کی سکت بالف کے مطابق نسل انسانی کو جہاں جسانی بیاد یوں سے دوچار ہونا پڑتا ہے وہال دورد حاتی بیاد یول کا شکار بھی او جاتے ہیں۔ پھر رحمت فداوند کی سے جس طرح جسانی بیاد یوں کے علاج کیلئے معالیٰ محکمت اور ڈاکٹر کی صورت میں موحود ہیں، ای طرح روحاتی بیاد یوں کے علاج کیلئے بھی روحاتی معالیٰ انبیاء کرام علیجم السلام اور ان کے بعد مسلجاء اقت دادلیا برام کی شکل میں تا قیارت موجو درجی گے۔

اولیاد کرام نے جس طرح روح کی پائیزگی اور پالید کی اور روحانی تاریوں سے حفاظت کا علان کا بتایادیں جسائی تاریوں کا بھی گلت الہد کے ساتھ ایسا علانی بتایاجوروح و جسم دونوں کو فائدہ پیچاتا ہے۔ اس ملط عمل دعائے حزب الحراکیک جائج مؤثر اور بابر ممت دعا ہے۔

اس دعا کے مصنف تعلیہ زبال امام شخ ابوالحسن شاذی زشتهٔ لله نفدالم نفیدہ ہیں۔ آپ کا تعلق سادات ہے ہے اور آپ کے آباد اجداد کا مولا و مشاہ سفرب الضی عمر اکش ہے۔ آپ مغرب سے لنقل مکانی کر کے تیولس تفریق کے گئے ، آپ کی ولادت ۵۵۱ھ جمس ہوگی اور ۲۵۵ھ عمل آپ کا درسال ہوا۔

۔ اس لی بر ات ہے ہواموافق پیلنے تکی اور سے اوگ منزلِ مقصود پر تکھی گئے۔ جہاز کا کہتان اور ویر غد اہب کے لوگ آپ کی ہے کر احت و کچھ کر مشرف باسلام ہو گئے۔

منر ورت اس بات کی تھی کہ اردوتر جمہ و تھر تک نے ذریعے موام الناس کو اس دعا کی اہمیت و افادیت سے روشناس کر ایا جائے تاکہ دو اس دعا کے کلمات کا ورد کرنے کے ساتھ ساتھ اس کے معنی د منمیوم سے بھی آگاہ ہو تشکیل۔

المحد دفته فاشل جليل حضرت صوفی محد اياز حد ظله العالى نے اس مشرورت كو يوراكيا اور نهايت عمد وتر جمد و شرح كے ساتھ جزئب الجم كا تخفه است كو چيش كيا۔ الله تعالى حضرت كى قلمى كاوشيس مزيد برآور فرمائے آمين شم آمين بيجيا و سينده السوسيلين عليمه تحيية و

> دعاگو محمد مدین بزاردی سعیدی استاذاله برث جامعه جورید مرکز معارف ادلیاه ، دربار حضرت داتا مجمع بخش ۲۰۱۸ تاکیز ۲۰۱۸

> > التادي سيد

#### شيخ الحديث والتفسير نقيه العصر حضرت شيخ محمد ابوبكر القادرى الشاذلى دام نيوضيم

بنيد الله الرّخس الزيد الحمد لله ربّ العالمين و الصلوة و السّلام على سيّد الانبياء و المرسلين وعل آله و اصحابه اجمعين

الما بعد الرائم الحروف في موفى مجد الازيد ميده كي تناب دُهودُ النُصَهِ في شهر موفود النُصَه بي مرجون النَّبَ على واستعلام والمستعلق والمتعلق والمت

الشر تعالی کی بار گاہ میں وعا ہے کہ الشرع و جل اسپے مجوب نسب الفائد کا الفائد بدؤ جدم زنسے نئے کے وسیانہ جلیلہ سے اس کمآ ہے کہ تولیات عام عطاقر بائے اور اسے مؤلف زیر مجرہ کیلئے باعث اجرو ترتی در جات کا باعث بنائے۔ آئین مجاہ واٹنی الاجمن و معلی اللہ تعالی علی آلدو بارک وسلم۔ بارک وسلم۔

مغتی ابو بکرشاؤلی عفی عند مدرس جامعہ نعیمیہ ۱۵. مغر النظفر ۱۳۴۰ء

متادي سيد

## ﴿تاثرات﴾

### فاضل جلیل روحانی اسکالر استاذ العلماء حضرت علامه مفتی زابدفاروقی زید مجده

خَيْرُ النَّاسِ اَثْقَهُمُ لِلنَّاسِ بِهَرِين فَحْصَ وه ہے جو لوگوں کو فائدہ پیچاہے۔المامۂاتشدیدہ بنین

حضور نی رحمت من المذ تعالی بد رسل کی است کی ہے لوث عدمت ایسا عظیم کار قیر 
ہے کہ خود نی رحمت دوعالم سل الفائدال نتیہ تبدینائی نے ایسے حض کو لوگوں میں 
بہترین قرار دیا ہے اور ایک چگہ تو تاکید آار شاہ قرایا کہ جو کوئی تم میں ہے اپنے 
بمائی کو تف بہتیا سکتا ہو تو آنے نف پہتی نا چاہنے (کی شلم) ۔ ٹی زمانہ اطراف 
واکناف میں کہنے والے بہت ہی کم ایسے لوگ بول سے بھر اپنے حالات ہے 
مطمئن اور پر سکون زندگی اگزارہ بول کین غالب اکثریت ایسے لوگوں کی ہے 
جو کی نہ کی مسائل ہے ووجاد مطالت کی عظی، مسائی پر الیان کو اگر وقتی سکون ل 
موذی امراش ہے پر بیٹان نظر آتے ہیں۔ بیٹینا ایسے لوگوں کو اگر وقتی سکون ل 
جائے تو یہ ان کے لیے لعمت قیر معرقبہ ٹابٹ بونی ہے اوراگر کوئی ان حمال 
نصیب افراد کی پر بیٹان دور کر دے تو یہ لوگ اپنا دامن اٹھا اٹھا کر اس کے لئے 
نصیب افراد کی پر بیٹان دور کر دے تو یہ لوگ اپنا دامن اٹھا اٹھا کر اس کے لئے 
نیمیٹ ما تلکے ہیں۔

جناب مونی ایاز ایو العلائی ساحب زیدہ بجد، مجی فیر التاس لوگوں میں ایک بیں جو شب وروز پریشاں حال است کی روحانی خدمت سرانجام دیتے بہ بی ۔زیر نظر کتاب کے مطالعہ کے بعد میرے محدوج جناب صوفی ایاز ابداطائی ساحب نے سم زود افراد کی پریشانیوں کے ازالہ کے لئے وعائے حزب الحر محین مظیم و عا اور اس کی جائ وائ شرح کر عملیات کے شعب سے وابت ا افراد کے لئے الواح حزب الحر پر کام کرکے اپنے لئے ایک ایسا تجرہ طیب کا ج بیا ہے کہ جس کے قر کے افرات افیل قیاست کل فخے رہیں گے۔ میری دعا ہے اللہ تعالی ان کے زور قالم عمل اور تاثیر مطافرہائے اور حزید وکھیاری است کی خدمت کرتے رہیں۔

> ریسری اسکالر زابد فاردتی شرکی ایدوانو رفیعل ایدن سینجمین آدی ویلگیتر قرست اقدیسشندن شعبیه توسد دار آن هدریل جامعه قور القرآن

> > التادي سي

#### استاذالقراء، هافظالقرآن، علامه، مولانا حضرت عبدالولی خان فاروقی، قادری، نقشبندی دام نیوضم

الحمد لله رب العالمين والضلوة والتسلام على سيّد الانبياء و المرسلين ، امّا بعد :

نہایت سرت کے ساتھ یہ کلمات تھے کا گرف حاصل ہودہاہے کہ محرم جناب صوفی تحد ایاز اولی ابو العلاقی صاحب نے دعائے تزب الحوکی تہایت عمدہ شرح تکسی ہے جو اپنے کا طلاسے منفر و اور معلومات کا فزائد ہے ۔ تمام کھیات و جزئیات کے الگ ملک خصائفس و فضائل ایسے اند از سے تحریر فرمائے تھی کہ جرحصہ قائل ویدو قائل تحسین ہے۔

یہ کام نہایت محت ہے کیا گیاہ۔ وعائے حزب الحمر کی ایکی نوعیت کی ہیہ بہترین شرح وابسٹال شعبہ روحانیت کیلئے کی بیش بہاتھ ہے کم میں۔

الله اتعالی مونی ساحب زید عمده کی اس عظیم سعی کو اپنی بار گاه یس

آدی عبرالول خان فادوتی عنی عند جزل تیکڑی اتحاد علدا المستنت، پاکستان صدد درس، عدوسر محد بیروشوبیه تعلیم القرآن امام وخطیب محری جامع میجد، کراچی

التادي سي



التارق ب

#### بِشيم الله الزخفين الرِّحيم تختذهُ حَمدًا كَثِيرًا وَ نُسَيِّمُ عَلَى

وَسُوْلِهِ الْكَرِيْهِ وَ آلِيهِ الْعَظِيْمِ وَ أَصْحَامِهِ الْفَحِيْم

د نیاے رنگ و بدی انسان کوزندگی کے نگی نظیب و فراز کا سامنا کر تابع تاہد ، کمیس بید انسان خوشی کے گات کو یاد کار بنانے کی کو عشق کرتا ہے تو کمیس خم والم کے تخییاں اس کی زندگی کا حصہ بوتی جیں ،اگر مجمع کا سمایتاں اس کی و بلیز پر دستان دے رہی ہوتی ہیں تو کم کی ہے و دب ناکا بیول سے اس کا بالا پر تا ہے، خوش کہ حوت و حیاب، مزت و ذات، تخت و تخت کی دحوب چھاؤں سے کررنے والا یہ انسان بھیشر میں سکون کا مثلاً تی رہائے اور مشمی ایسے سمارے کی تمنا بھیشر آوم زاد کے مطمع فظر رہی ہے جو بر حال عمل اس کے ساتھ جو رہ

چغیر اسلام شدنی شدہ اتصال عقدہ دائدہ نے شد کے انسانی زندگی جی جی جی آنے والے آمام سائل کا طل احت کو مطافر ہایا ہے ، زندگی کا کوئی ایک پہلوالیا تیمیل جو تقدیدہ ، آپ نے احت کوجو اعمال دیے جی ان بھی امہم اور خیاوی عمل دیا ہے۔ وہا کے لفوی معنی کیارٹا، بلانا روقب کرتا، فریاد والتجا کرتا ہے ہیں۔ شریعت کی اصطلاح جی اللہ تعالیٰ کی تقدرت کا خد اور بھر تیمیر وجت و رپویت پر تصمین رکھتے ہوئے اس کے حضور واقتیائی تولن باندگی کی جائزی وال جاری اور ارتباب ہی

وعای وہ مظیم درواز و بے جہال نے آنام کلو قات کی مشکل کشانی اور حاجت روائی جو تی ب اسکی وجہ ہے کہ کلو قات کی مشرور پات ان اتحد او اور بے شار بھی اور انہیں جانے والی واحد ذات مرخ اور مرف خالق و قادر اور علیم ور تیم کی ہے وی ال شرور پات کو پورا کر سکا ہے، وی ہر ساکل کی حاجت روائی کر تا ہے، ہر امید وارکی امیدیں پوری کر تا ہے، ہر سے مکھ کرنے کے باوجو واسکے فزانے میں کوئی کی تھیں آئی واور شدی اسکے فزانے کمی فالی ہوئے ہیں۔ سرکار ووجہال ضی اند تعالى خانیہ و تعدد نے لیک است کو تھم ارشاد فریا نا صدار عاد ) عمر رش الله تعالى مهم الم حديث عمل سے معتودالقد من سنل الله تصال عَلَيْه وَجَهِ وَسَنَةُ مُراسَكَ عِلَى: يسكم حيادالله بالديصاء ، خداسك بَندو! وعا تؤلازَم بِكُرُود (جائع المُرَدَق، ۱۹۳۳). معترت الس رش الله تعالى من كي معديث عمل ہے سيّدعالم سنل الله تصال عَلَيْهِ وَاللهِ مَسْلَمَ فَرَاسَتَكُ عِلَى: لا تصعيووال الديماء خانف لن يصلف منا الديماد احد، وعاص تحقيم تشكر وجو وعاكم تاريب كا بر كز بلاك شـ بوگار المستورك فق المبيمين الم ۱۹۳۲)

ر سول الله شفل الله فضال منظية البه و تسلله ك احوال واوصاف على غالب ترين وصف اور حال دوعا ب روحاني فيقل ك يش بها حتى تحزال يجو بركار دوعالم نور مجسم شال من شمال مند و يه و تسلله كي طرف اس احد كو عطاج ك ان عمل ايك خزال و خال ينه حزب المحركة محل بجد حزب المحر اكار بن صوفيا و واد اياه كا خاص و عنظ بها و مرقر في و هرب ك قيام سلاس طريقت اس كو حرز جان بنات هي بدي ب و عا احتواد بي نور حرص حضرت مي مصفق من الله تعالى منيه و دوية المراح المراح في المراح المراح المراح في المراح المرا

ذریعے اللہ تعالی سے کوئی سوال کیا جائے تو تھر ٹیت واجارت ہو تی ہے اور جب و عالی جائے تو عطا ہو تی ہے۔ آپ زمنیة اللہ تعدل مذہبہ فرمائے ہیں کہ اگر الل بغداد میر می اس حزب کو جاری رکھتے تو اعاد تحرير عد بابر ور اس ك كمالات بر فض كو حسب صلاحت ماصل بوت ور

حضرت شاہ میرد العزیز کردے والی زشتہ اند تصان مذیرہ قبل: فائد قبل: بالا تقال بے بات
پایہ مختل کی تی تی بھی ہے کہ وعائے فزب المحرد فی اور دنیاوی مقاصد و مفادات کے حصول کیلئے
بائع ترین وعائے۔ اس وعالی طاوت کرنے والے ہے ہم باا و آفت دور رہتی ہے۔ دین ودنیا عمل
عزت و مرتبہ پز حتاہے اور تمام صدموں ہے حفاظت رہتی ہے۔ جس متصد کیلئے اسے پڑ ما جائے
دو آسان ہو جاتا ہے۔ اس وعائر پڑ سے والانہ آگ میں جائے اور شیانی میں وجس کو سر مرتبہ بیا میں بیا ہے اور شیانی میں وجس کر مرتبہ بیا میں بیا ہے اور شیانی اور کیا ہے والانہ آگ میں جائے کہ برحد مفاولے کہ برحد مفاولے کی اس کی افراد کیا ہے کرام میں
ہوگا۔ یہ ایک نافی اور کارآ مدوعاہے کہ برے دے مفاولے اس کی کوشرع کا تعلی ہے۔ "۔

(الجوزاز كمالات مزيزي ص ١١٤)

هيخ احمد بن عمر بن ايوب الازمير ي زينه أنه قفلا منهُ ، وعائدٌ حزب الحمر كي شرح **(خ** العلى البرشرح حزب الحريب فرماح جي كه: "" به وعا بتارول كيليخ شفاه . كي كو كثرت ميں بدلنے والی، حقیر کو عزت دینے والی، قبولیت میں جلد اثر دالی، آثار کورو ٹن کرنے والی، شب وروز انوار و تبلیات کو میاں کرنے وال ، فشک و تر میں کفایت کرنے والی ، منگنوں کیلئے وسید ، ظفر ، طالب م او كيك آمرا، بحكول كيك بناه كاو، موارول كيك من جانفز ااور خوف كروت اس والى ب " -وعائے حزب الحرکے الفاظ نمایت اعلی اور ترتیب نمیایت موزوں ہے۔اس میں وہ تمام اوصاف موجود ہیں جن کی حاش میں دور ماضر کا ہر انسان سر کر دال ہے۔ اس کے مطالبات انسانی زندگی کی تمام ضرور یات کا احاط کے ہوئے یعنی انسان کی سیاس، سانی، تمرنی، مکل، ظاہری، بالمنی ، جسمانی ، روحانی ، علی و عشقی اور جہی خواہشات کے حصول کا مجموعہ و ذریعہ جی ۔ دعائے حزب الحرور حقيقت دعائے أنس مطمئذ ، مر او حاصل ، راحت دل ، مرود قلب ، تسكين كال ، للف يقين ، رو وساوس ، اسم ار سمر ور ، وعلي وايس اور موج روح ب - تسخير وحب ، مخالفين كي زیان بندی، حسول رزق ، طلب جاه و حشمت ، ملاکت آنداه ، برکت آل و مال اور جمع مر ادات ك حصول كيليج بيد دعا بندے كى بہترين رفق ہے۔

دعا کی اصل ہید ہے کہ اے مجھ کو ادداس کے مطالب پر قود کرے پڑھا جائے کہ تکہ چوانگ وہ سے معنی و ملہوم ہے ہے فہر ہوتے ہیں وہ اتفاظ کی برکتوں ہے آئٹر ف ہوتے ہیں پر دہ سے متعقی انوادات سے مخروم رہیجے ہیں۔ لہذا متر ودت اس امر کی محق کہ وعائے تزیب الحرک اردوزبان میں ایک الی شرح بیان کی جائے جو محقق ، جائح اور عام فہم ہور جس کو پڑھ کر ایک عام انسان محی اس مبادک وہ سے مجرم و فائدہ افغائے بتا ہے ای فر من سے یہ محقق خرس ان شوڈ مرکر ک وعاسے کما حقد فائدہ وعاس کر محیس اور سائل میں مجرا انسان اسپینے متعمد کے مطابق مہارت کا استخوان کر کے لیکن مواد کو عاصل کر تھی۔

سناب معذا میں تقریبا ہر عمارت کے ساتھ اس کے مقاصد اور نصاب اوا کرنے کا طریقہ وضاحت کے بیان کہا گیاہے۔ دور حاضر عمل اکثریت کے ساتھ ایسے عالمین کور کھا گیاہے کہ جنیوں نے کا فصاب تو اداکیاہے کر جنیوں نے کا جاتھ ایسے عالمین کور کھا گیاہے کہ جنیوں نے حترات کیلئے بعد از نصاب تعمل حزب الحریات استعال کے طریق کے اور ان سے محصل خوا کہ اس کے حصور کیا اور تی اور تا وادان کے حصور کیا اور تی اور تا میں تاریخ جاتے ہیں اور جن کی تیاری کیلئے آکام جفاد حضرات موام النائی سے خصوص او قات میں تاریخ جاتے ہیں اور جن کی تیاری کیلئے آکم جفاد حضرات موام النائی سے النائی کے خوا کہ بدخ جنید الحرات متعمل ہیں ، موام النائی کے اس اور حق الکا تاج ہو گوام پر نہ والنائی کو بیان کرنے میں اس ایک کو بیان کرنے میں اس بیت کے رومائی علوم و افعال کی طرف

آخریس ، ضروری تعیال کرانداد ال کسائی کتاب کی تالیف بی جن حضرات کی کتب سے استفادہ کیا کیا اور جو احباب اس کار قبر میں میرے معاون رہے ان کان ول سے فکر سے اوا کروں لہذا اللہ تعالی کی بے پایال رحمت ہو حضرت شاود لی اللہ محدث والوی زشند شد فسال مناف ہ جَن كَ تَالِيفَ بَواسَّ وَ تَجُ الْعِرَ وَر وَلَ رَحْتُ فَائِهِ تَصَالَ هَنْدَ بِدِي حِن كَ شَرِ مَ تَوْبِ الْمِح وَ فَجُ الْعِر وَلَ وَلَيْ الْعِر اللّهِ الْمِرْ مَن تَوْبِ الْمِح وَ الْحَالَ مَنْدَ بِهِ كُلُ اللّهِ مِن كَ تَالِيب فَحْ الفَّلِ الْمِرْ مَن تَوْبِ الْمِح وَ الْمِصَافِ جَنْهِ الْمُعِنَّ الْعَلَى الْمِرْ مَنْ تَوْبِ الْمِح وَ اللّهِ مَنْ اللّهِ عَنْهِ اللّهِ مَنْ اللّهُ اللّهِ مَنْ اللّهُ عَلَى الْمِرْ مَنْ اللّهُ اللّهِ مَنْ اللّهُ اللّهِ مَنْ اللّهُ اللّهِ مَنْ اللّهُ عَلَى اللّهِ مَنْ اللّهُ وَاللّهِ مَنْ اللّهُ عَلَى اللّهِ مَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ مَنْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ

قار کین کرام ہے حوش کزار ہوں کر انظی معنوی یا کتابیہ کے احتبارہ اگر کوئی خلطی آپ کی نگاہ ہے گزرے تواس بارے میں ضرور آگاہ فرمائیں تاکہ طبح ثانی میں اس ودست کر دیا جائے۔ امید کر تاہوں کہ اس معالمے میں قار تین فقیر کی انگیل الفر مست و کم علمی کا عذر تجول کر کے معنون فرمائیں کے اور دیا فرمائیں کے کہ الشرکرتھائی کتاب کو لیٹ یار گاہ میں قبول فرمائے اور فقیر کو اعمال صالح کرنے کی توفیق مطافرہ کے۔ آئین

وصلى الله قامال على حبيبه سيدنا و مولنا محمد و آله و اصحابه وبهادك و سلم خادم الفقر ادواعلماء محمد اياز ، ابوالعلق بي ۲. مغر الفقر ، ۱۳۳۰ و



الشارق حب

تظب الزمان ، قدوۃ المائام ، سید اجل ، عادف ربانی ، وارث محدی ، صاحب اشارات علیہ و
حبارات سنیہ ، محقق حقائق قدیم و منور بانوار محربی ، کبف قلوب السائلين ، قبلہ ہم
حریدین ، زحز م اسرا یہ واصلین ، قبائے قلوب غافلین ، قطب کیر ، غوث شہر ، مرائی
کائل ، مر شد اکمل ، صاحب فیوشات کیرو ، المام طریقہ قادر یہ ، شاذ ہے ، صاحب حزب
المحر ، ولی ہو بحر ، محری ، علوی ، حتی ، فاطحی سیدی ا بوالحن علی شاذ لی زئند فائد نشد نشان خاند فقد الله کائر اس امت کے اکابر اولیاء کرام میں ہوتا ہے ۔ آب زئند فائد فقد نشان خاند کا سلسلة
فیض مشرق و مغرب میں عام ہے بیٹ بیزے اولیاء و صلح ، و حال ، آب کے سلسلة
طریقت میں وافل ہو کر واصل بانشہ ہوتا ہے آپ زئند فائد فقد الدی است است کے مسلسلة
قطب و غوث متحد الله بین عام ہے بیٹ کو ایک شان وعظمت عطاء فرمائی متھی کہ
قطب و غوث متحد الله بین شاند نے آپ کو ایک شان وعظمت عطاء فرمائی متھی کہ
الک عظمت ور فعت بہت کم ابو کو ل سے جھے میں آئی ہے۔

تام ونسب اورولاوت: آپ زشنداند نشان نائید کا اسم کرای کی بین عبدالله اورکنیت ایرا محلی بین عبدالله اورکنیت ایرا کسی سبت آپ زشت فی شاق ایرا کسی سبت ایرانی ایرانی میانی میلی شاق ایرانی ایرانی کا شفید دسب اس طرح ہے: چنج بید ایرا کسی علی شاق ای بین بید و بین اس بید و سف پی سید بروشی بین مید در دی مید بطال بین مید ایرانی بین مید توسط بین مید ایرانی می بین بین مید تا علی بین مید ایرانی می بین بین مید تا علی ارد تین مید تا علی ارد شین مید تا علی ارد تین مید ایرانی ای

ولاوت باسعادت: آپ رئٹ فائد ثف ان مذہب کی دلادت باسعادت 593ء مطابق 1197ء ، کو بمقام تصیہ " فمار" مرائش ، مغرب عمل ہوگی۔ وہاں سے قصبہ شاذلہ، حیونس کی طرف ریائش افقیار کی ایک کی نبیت سے "شاذلی" کہلاتے ہیں۔ تعرف کی طرف ریائش افقیار کی ایک کی نبیت سے "شاذلی" کہلاتے ہیں۔

آب زوند فالد فضال منتب كام عم ما تحد شاؤل نسبت كى ايك وجديد محى بيان كى كى ب كد ايك مرجد بطريق الهام آپ كوشاؤلى كها كيا- آپ ف بار كاو الى ش

### تعارف فيخ ابوالحن ثنافل زخنة الدوثعال منيه

عرض کی کسالک میں فد آن معاقد میں پیدا ہو ااور فدائی بیال مستقل قیام بزیر ہول، آق جو اب عطاکیا گیا کہ آپ شاؤلی اس قرید کی نسبت سے فیس بلک است الشاخل ، لیتن آپ خاص میرے لئے ہیں۔

حصول علم البترانى بنيادى تعليم اور حفظ قرآن مجيد اين تعيب الخاره "هي حاصل كل ، في شاؤله هل حاصل كل ، في شاؤله هل كل التحقيق المواقع المراقع ا

بیعت و خلافت: آپ زشد الفه تکان منت قطب الاقطاب مید تاهم و السام من مشیش زشد ا البد نصال مننه کے دست حق پرست پر بیت ہوئے ، اور کاباد ات وسلوک کی معازل مط کرنے کے بعد خلافت واجازت سے مشرف ہوئے۔

شیخ ابوالفتن فندند فندند نامنند میرے ارادے سے مطلع ہو سکے اور بھے تاطب کرکے فرمایا: اسے ابوالحن! تم عراق میں قطب کو حاش کررہے ہو؟ مالانکہ وہ توتمہارے شہر میں بمقام مغارہ میں تشریف فرمایی،ان کااسم کرای " فیخ عبدالسلام بن مضیض" زشفائد فضال منذیہ ہے۔

آپ زنندهٔ الله تفال خلیه قرائے الله علیه طراق سے اپنے شمر کی طراق سے اپنے شمر کی طرف رواند ہوا، حضرت شن قطب خیر السلام بن مشیش زشنهٔ الله تفال خلیه " مفاده " شی پہلا کے اوپر تشریف قربا نتے ۔ شی نے طسل کیا اوراپ خلم و عمل کو دل شی پہلا کے اوراپ خلم و عمل کو دل میں پہلا کی اوراپ خلم و عمل کو دل بارگاہ میں حاصر ہوا ۔ بسے میں آپ کی خدمت میں حاصر ہوا ، آپ نے قربایا، مرحوال ایوالی میں اسلام نیا میں اسلام نام راہا کے اوپر اسلام نیا میں میں اس کی خدمت شخ نے پر اسلسلہ نب وسول الله شدن البار، حضرت شخ نے پر اسلسلہ نب وسول الله شدن البار، حضرت شخ نے پر اسلسلہ اسے عمل اور شابانہ لیاس سے آزادہ کو گھیرانہ اباس میں آپ وہ بمی میں میں دن دباآپ میں بہت سے بر اظلب دورائی دورائی میں معزت کی حمیت میں بہت دورانہ اپنی میں اسلام کے قبل صحیت سے بر اظلب دورائی دورائی میں معزت کی حمیت میں بہت سے بر اظلب دورائی دورائی دورائی۔

(۳) خلعت توحید (۳) خلعت ایمان (۵) خلعت اسلام، مجرار شاد فرمایا :جوالله بن ثانه عربت رکهتاب، اس پر برچیز آسان جو جاتی ہے۔ جوالله تعالی کو معرفت رکهتاب، اس کی نظر میں و نیا دہائیہا حقیر جو جاتی ہے۔ جوالله تعالی کو ایک مات ہے، اور اس کے ساتھ کسی کو شریک میں کر تا تو وہ برچیز سے بے خوف ہو جاتا ہے۔ جواسلام پر جو دہ گناہ کرتے ہوئے شریا تاہے، اگر گناہ کرلے تو وہ تیہ کرلیتا ہے، اوراللہ تعالیٰ اس کی توبہ قبول فرما تاہے۔

صع ابوالعماس مرسی: شهٔ الله فندال مذیبه قرماتے این: میں نے ملکوت الی کی سیر کی توحفرت ابومدين غوث دخنة الله تصال منبه كوساق عرش ع جمناه وايايا- وه سرخ رحكت اور نیلی آ تکھوں والے تھے، میں نے ان سے عرض کی کہ آپ زف الد تفال عند بے علوم اور متنام کیز ہیں؟ انہول نے فرمایا میرے اکہتر الدعلوم ہیں اور میر امتنام چوتھے خلیفہ کا ہے اور بیرسات ایدالوں کے سر دار کا مقام ہے۔ پھر میں نے عرض کی کہ آب میرے من سیدی ابوالحن شاؤل شفان شفان مند کے بارے ش کیا فرماتے ہیں؟ فرمایاوو مجھ ہے چالیس عنوم ہیں زائد ہیں اور ایسے سمندر ہیں ہیں جس کا احاطہ نہیں کیا جاسکتا۔ المعراني دندة اله تكان ملئيد في طيقات كرى من لكما يك جب كى في آب سے یو چھا کہ یاسدی آپ کے شیخ کون ہیں؟ تو آپ دشند فائد تصال عَنیْب فرمایا کہ پہلے میں شخ عبد السلام بن مشیش کی جانب نسبت کیا کرتا تھا اور اب میں کی کی جانب نسبت نہیں کر تابلکہ دس سندروں میں غواصی کر تا ہوں۔ یا نچ سمندر انسانوں کے ہیں: حضور ثى كريم تنسل اللذ قتمال مُنفِيدة إليه وَسَلْمُ وسيد نااليو يكر وسيد ناعم وسيد ناعمنان اورسيد ناعلى ذجن الله تنان فنفد اور یا فی مندر روحانین کے این سیدنا جرائل،سیدنامیا کل،سیدااسرالل، سيدناع زوائل اور روح اكبر سيم الساله

ہے احرین محدین عمادشانی پرشندہ آندہ تعال عقید السفیاش العلیدہ میں لکھتے ہیں کر آپ زخت خاند تعسال عنیہ نے فرایا اگر میری زبان پر خریست کی لگام نہ ہوتی توشق تهمیں کل اور پر سوں بلکہ قیامت تک ہونے والے امور کی خجر دے دیتا۔ ای کتاب پی تکلما ہے کہ تھے وقتر دیا گیا جس میں بیرے مرید ہیں، میرے مرید وال کے مرید ہیں چو قیامت تک ہونے مسب کے نام جی اور وہ سب آگے ہے آزاد ہیں۔ ای کتاب بیش مزید یہ بھی تحریر ہے کہ آپ نے قرمایا: اللہ کی قسم آگر بلک جھیکنے کی مقداد بھی رسول اللہ منذ اعداد تعداد دید استان مجھے سے جھیے جائیں قیس تو و کو مسلمان شارنہ کروں۔

آب زخند فاقد قضال عند کا بهت برامقام سے علاواللام نے آب کی تعریف دار صیف میں بہت کچھ تعالی - اس وقت آب کے سلسلے کا لینان شرق و غرب میں عام ہو چکاہے ۔ آب کی وعائے حزب البحر کے طفیل بہت سے لوگ واصل باللہ ہوئے ہیں ، اور انشاء اللہ تباست بک ہوتے رہیں گے۔

**وصال:** آپ کاوصال 20/زوالقعدہ 656ء،مطابق 18/نومبر 1258ء بروز ہیرہ 63سال کی عمرش ہولہ آپ کامز اروادی "حمیثر ا"معرش مرجع طائق ہے۔

ما خذو مراقع: نفنات الانس، فوائد حزب البحر، نقماً به منبريه في الا فتاص الاسلاميه ... امام ابوالحن شاذ في حياة وخدماته.



ومائے حزب الحرش ایف، مختلف دعاول کا مجود اور بہت مشہورہ معروف و توید بسب بہت مشہورہ معروف و توید بسب بہت سے اولیائے کر ام اس دعا کی بر کت سے مقام ولایت کی منازل فے کر کئے ہیں۔
یہ دعا صوفیاء میں بہت مقبول اور تمام سلاسل کے اوراد میں شامل ہے ۔ اس دعا کے اظہور سے متعلق معتبر عالم بیان فرمائے ہیں کہ یہ دعا تی ابوالحس شاؤی زشندا اور انداز منازل سے سند رش عطائی گئے۔ اس دعا کہ حزب الحریفی سند روالا وطیقہ کہا جاتا ہے۔ اس داقعہ سے متعلق عارف باللہ فتح اس محاری محد من محدود شام فی زشند اندا تعدال عقید کہا جاتا ہے۔ اس داقعہ میں صفائی مارف باللہ فتح اس محدود سشائی وطاعہ نے ایک سند اللہ اور دیگر متحدد سشائی وطاعہ نے ایک کے اس منازل اللہ اور دیگر متحدد سشائی وطاعہ نے ایک کے اس منازل اللہ اور دیگر متحدد سشائی وطاعہ نے ایک کے اس منازل اللہ اور دیگر متحدد سشائی وطاعہ نے ایک کے در اس منازل اللہ اور دیگر متحدد سشائی وطاعہ نے ایک کے در اس منازل اللہ اور دیگر متحدد سشائی وطاعہ نے ایک کے در اس منازل اللہ اور دیگر متحدد سشائی وطاعہ نے ایک کے در اس منازل اللہ اور دیگر متحدد سشائی وطاعہ نے دیا ہے در اس منازل اللہ اور دیگر متحدد سشائی وطاعہ نے دیا ہے دیا ہے در اس منازل اللہ اور دیگر متحدد سشائی وطاعہ نے دیا ہے دیا ہے در اس منازل اللہ اور دیگر متحدد سشائی وطاعہ کے دیا ہے دیا ہے دیا ہے دیا ہے در اس منازل اللہ اور دیگر متحد دستائی وطاعہ کے دیا ہے دی

فیخ ابوالحن شاؤلی دخنه الله تعال عنیه قاہر وسی سے کد ج کے وال قریب آ مجے۔ فیخ نے ان ایام میں اپنے مصاحبوں سے فرمایا کہ اس سال غیب سے مج کرنے کا تھم ہوا ہے۔ جہاز بخاش کرو۔ مرید دل کو بہت تلاش کے بعد آیک پوڑھے نفر انی کے علاده كى كا جباز نه ما چناچ سب اى ير سوار جو كف جب بادبان افعاد يا تو تابره كى آبادی ہے جاتے ہی مخالف ہوا جلنا شروع ہوگئ اور ایک ہفتہ تک قاہر و کے قریب ای طرح تخبرے رے کہ جہاں ہے قاہرہ کے بہاڑد کھائی دیتے تھے۔ بوڑھا لصرانی اور اس كے لاكے شيخ ير طعنہ زن ہوئے كہ شيخ فرماتے ہيں كہ مجھ كو غيب سے ج كا حكم ہوا ب اور مالت بدب كر ج كا وقت قريب آهيا ب اور جم مخالف بوا من مينے بوك ہیں۔ یہ بات من کے لئے ول بے چین کا باعث ہوئی محر ووضيط کی قوت سے لي جاتے تھے۔ ایک دن آب ای اضطراب کے عالم میں قیلولہ کیلئے آرام فرماہوئے توخواب میں سر کار دوعالم کی زارت سے مشرف ہوئے حضور نی کریم نے ارشاد قربایا کہ اے ابو لحن یہ دعا پر مو۔ آپ نے بیدار ہو کر وہ دعا پڑ می اور جباز رال کو فرمایا کہ للکر ا خمالے اس نے کہا کہ اگر نظر افعاؤں تو ای وقت جہاز واپس قاہر و پہنچ جائے کا۔ آپ نے

فرایا کہ تکرا اٹھا اور جیب من اٹھی کا تماش کر۔ آخر کار جب نصر افی تکر کھولئے کیلئے بڑھا تو موائی ہو اس کے بلئے بڑھا آخر کار جب نصر افی تکر کھولئے کیا جہ بلکہ اس کے بلکہ آخر کا دور بیٹے مسلمان ہو گئے گئے۔

آپ کی ہے کر است و کچے کر بوڑھے اسر افی کے دوبیغ مسلمان ہو گئے اور وہ تو دل بین بہت مسلمان ہو گئے اور وہ تو دل بین بہت مسلمان ہو گئے اور وہ تو دل بین بہت مسلمان ہو گئے اور وہ تو دل بین بہت مسلمان ہو گئے اور وہ تو دل بین بہت مسلمان ہو گئے اس اس کے بیشے بھی شخ کے ہمراہ ایس اس کے بیشے بین شخ کے ہمراہ ایس اس کے بیشے بین شخ کے ہمراہ ایس اس کے اس کے بیشے بین شخ کے ہمراہ ایس اس کے بیشے بین کے ہوئے کا در اس کے بیشے کیا کہ دو میں ہوئے اس کی اس میں بین بین کے بین ہوئے کے دار وہ اس کی بینے کے دار وہ کی دور کے دار کئی کیا کہ دو میں کے دار کئی دور کئی اور اس کے بینے کیا کہ دو بین بین کے بینے کے دال ہوئے مینان دوال ہو کہا اور اس طرف کے نو گئی کیا کہ دو بین بین کے دو میں کے دال بین متنان کے دالو ہوئی اور اس کے بینے کے دال ہوئی متنان دوال ہو کہا اور اس طرف کے نو گئی کیا کہ دو بین کے دو میں کے دالی بین مینان کے دالو ہوئی اور اس طرف کے نو گئی مینان کی اس کی بین کے دو میں کے دالوں کی دو کئی دو کیا کہ کو دو بین کیا کہ کیا دو کہا کہ کئی متنان دوالو ہوگیا اور اس طرف کے نو کیا کہ کو دو میں کے طالب

وفواس وبالحرك

هنرت شاده لی الله محدیث دالوی زمنده الله تعالی تانید حزب المحرک مهت براسد عال شخص آن باشد فقد الله تقد من المحت الله تعالی تعالی الله تعالی تعالی تعالی الله تعالی تعال

في الشائخ ابد معارف حضرت محد عمّايت الله تصوري القادري الشفاري نشفانه تُعَلِيمَنِهِ فرياح بي:

بدانكه منقول است از مشائخ كبار و آنمه اعتبار خاصه شيخ العلامه مفتي ارباب الرياضة والكرامة شيخ المشائخ الديار مغرب السيد الجليل الى الحسن الحسيني الشاذلي قدس سره كه جامع أين حرز شيخ المحقق و المدقق شيغ سمنون محب است وايس حرز بقضاء الحاجات وكفايت مهمات وسرعت اجابت الحوائج ودفع الاعداء والهموم والكروب زياده ازكبريت احمروتريان اكبراست عنداصحاب الكشف واليقين حضرت امام فرسوده سركه قبل طلوع وغروب مواظبت نمائيد ازشر شيطان ومكر مكاران وظلم ظالمان وكيدغمازان وطعن طاعنان وحسد حاسدان وقهر سلطان وسحرساحوان وزبان بندئ بدكويان وبدخوا بان وبلاءنا كهان و أفت أخرزمان درحفظ وامان حضرت واجب الغفران باشد ومنظور نظر ارباب دولت واصحاب مكنت كرددوجن وانسي مسخروفرسانبرداراو كردندودر نظرخلائق سرغوب ومحبوب كرددوحضرت شيخ ابوالعماس بوني فرموده سركه سرروزايل حرز يكنوبت بخوانداز جميع بلاسامحفوظ ماندو دشمن اورااز غيب تدارك شو دېفت سزار جن موكل ايي حرز اند ودارنده ابي از أفات دريناه حق باشدوشيخ ابراسيم ساماني گفته اگر مريض كهاطباء ازمعالجه عاجز باشند بمشك وزعفران نوشته بآب باران بنوشد شغايابدوخواننده اين از شرجن وانس ايمن باشدواز خلق مستغنى كرددوحضرت امام إيراهيم حجتي فرسوده كهبنيت دوستي و نظربندى بمشك وزعفران نوشته باخو ددارد وبنيت أنشخص يكنوبت خوانده برخود بدمد بيقرار و ديوانه گرددواتفاق اصحاب ادعيه أنستك

ترجد: جان لو کر بزے مشائظ اور قائل آئد عمل سے مخصوص فی مقامد، ارباب ریاضت و کر امت کے مفتی، دیار مغرب کے مشائل کے فی سید جلیل ابو لحس المسینی، شادلی زمنسیة اند شنسان منبسه جو کہ اس وظفے کے جامی، فی محقق و مدفق بڑے فی این فرائے میں کہ یہ وظفیہ اصحاب کشف و نظین کے نزدیک قضائے حاجات، کھایت مہمات، حوالی کی جلد تولیت، ورشموں، پریشائیل اور فموں کے دور کرنے میں مجریت احراد رحم یاتی انجرے می ازیادہ ہے

حضرت امام ہضا خاند فصل منائدے فرمایا کہ ہو کوئی ہے و گلینہ طلوع و فروب سے پہلے پابندی سے پڑھے تو شیطان سے شر ، مکاروں سے کو ، نامانیوں سے ظلم ، چھل خوروں کی بہال، طبند ز توں سے طبعہ ، حاسدوں سے حسد ، بہاوہ کر وں سے جادہ بر کووں اور بد خواہوں کی زبان بندی ، ساتیوں کی مصیب اور آخر زمانے کی آفت سے حفظ و آمان میں ہوگا ، بخشش و کوئی والد ہوگا، حکم انوں اور رہے وابوں کا منظور نظر ہو جائے گا ، جن والس اس کے تاکی فرنیائیر وار جو جائی گے ، مخلوق کی انظر میں محبوب و مر خوب سے جائے ہا

ضخ ابوالعباس بونی منتخف تندائمند فرائے ہیں کہ جو کوئی یہ وعیف برروز ایک بار پڑھے گا۔ تمام بلائوں سے محفوظ رہے گا اور اس کے وشمنوں کا فیب سے تدارک بوجائے گاکیو نکہ سات بزار جن اس وظیفے کے موکل ہیں۔ اس کے رکھنے والا آفات سے حق تعالی کیناہ شروع جائے گا۔

شیخ ابرا ہیم سابانی زشنافند لفتان منتی کہاہے کہ جو مریض اطباء کے طابق سے عاجز ہو جائے۔مفک وزعفران سے لکھ کر بارش کے پائی کے ساتھ ہے تو فطاپائے گا۔ اس کے پڑھنے والا جن والس کے شرے محفوظ اور فلوق سے مستفنی ہو جائے گا۔ حضرت امام ابراتیم محتی تشخانی نشدندند فرمایا به کدود تی کی نیت اور نظر بندی کی نیت سے حکک وزعفر ان سے لکھ کر اپنے پاس سطح اور ایک بار پڑھ کر اپنے اوپر دم کرے تو دو بے قرار و دیوانہ ہو جائے گا۔ اسحابِ او عید کا انقلاق ہے کدو دی و محبت سے حصول کیلئے کوئی دھا اور ورداس و شیفے سے زیادہ مجرب نہیں ہے۔

حضرت این عمیاد نشت بند نشد اندانید می روایت به کرد کوئی اس حزب کو مطوع آن اس حزب کو مطوع آن محرب کو مطوع آن کا اس کرد با کو می استخداد کو دفت می محلوق میں اس کی قدر و مزد اس کو کیندرواس کے کام کو آسان، میں اس کی قدر و مزد اس کے کام کو آسان، میں و دائس اور ایس کی محافظ کو دور کرکے محلاقرادی کا محلی کو دور کرکے کام کا اس کی محلاقت اور ایس کی محلوق کو دور کرکے کام کار

مام ابوالحن شاذ فی نشخند نند نند قربات میں کد اگر بیر ایے حزب بغداد میں پڑھا جاتا تو بغداد ان سے چینانہ جاتا۔ یہ حزب وفا ہونے والا وعدہ اور حفاظت کرنے والی ڈھال ہے۔ اس میں راہ سلوک کے مبتدی کیلئے اسرار شافی اور منتمی کیلئے اثو ار صافی جیں۔ آپ زشخاند نند نشا نظار عزید فرداتے ہیں کہ

- برروز وشب ایک ایک مرجه پر هغه والا بیشه خد اتعالی کی بناه یس رب گا اور خاتمه الخیر بوگا۔
- اگر کوئی یادشاه یا حاکم یا مخالف در په آزار بو تواس دعا کوایک بار پزده کر دم
   کریں اور باتھوں کو تمام اعمد نام جم پر ل کر حاکم کے روبرد جائیں توہ بادشاه یا
   حاکم زیر بروجائے گا اور اگر کی در ندے کا خوف بو حاقوہ مجی جا تارہے گا۔
- اگر اوانک کوئی مشکل یا مصیت آخاتی تو عمل کرے صاف و پاک لیاس پیش اور کی تھیے کے مقام پر ۵ یا عمر تبد حزب ابھر پڑھیں۔ انشاء اللہ ای وقت دو مشکل مل ہو جائے گی۔

- اکثر اکابرین فرماتے ہیں کہ اس دعا کو عصر کے وقت پڑھناچاہتے کیونکد اس وقت اس دعا کو پڑھنے دائے کی جمیع حاجات اللہ کریم فیب ہے ہوری فرماد بتا ہے۔ اس دعا کو حرز العصریہ بھی کہاجاتا ہے۔
- جو محض وقت مقرر كرك روزان مج ايك مرتبه اور بعد عصر تين مرتبه پرد صفايفا معمول بناك توقيام موجودات عالم اس كه تاخ فرمان رجي كر، بر طرح ك فائد ك اس كو سخيس كم اور دين و دنيا كي توگري اس كو حاصل و كي-
- اگر پوقت طلوع آفتاب ایک سرت معول ش دیمی توجو حابت و و و پوری
   بوگی ، فم سے نجات ، تھوت ش بزت ، بھی امور ش آسانی ، جن وائس اور
   بر وہ شر جوزات کی تاریکی یادن کے اجائے شی ظاہر ہوتے ہیں ان سے عمل
   مامون و مجتوف کریں گی گی ہے۔
- اگر تلک وست ہر نماز کے بعد ایک مرتبہ پڑھے۔ انشاء اللہ بہت جلد اللہ
   تعالیٰ اے فئی کروے گا۔
- جس کو ایسی مشکل چیش آجائے جو کسی طرح حل شد ہوتی ہو تو بعد نماز فجر ۱۰ مر جبہ سورة بس اور ۷۰ مر جبہ دعائے حزب البحر پڑھیں۔ انشاء اللہ کسی می مشکل کیوں شد ہوا می روز عل ہو جائے گی۔
- ، جو محض بید معمول رکھ لے کہ ہر جعد ساحت ادل میں تین مرتبہ پڑھاکرے کو انتقاء اللہ مضبور و معروف ہو جائے گا۔ ہر ایک کی نظر میں معزز و مکرم ہو گااور حاسدین و خالفین کے بیٹ محفوظ رہے گا۔
- جس شئے پر بیہ حزب لکو دی جائے نہ دوشئے چوری ہو، نہ دوسیے ، نہ بطے اور نہ
   جنات اے چھوسکیس۔

چس تھر میں کئی تختی پر لکھ کر اس حزب کو لگا دیا جائے۔ اس تھر میں نہ
چوری ہو ، نہ جنات واخل ہوں ، نہ جادوہ نظر کااڑ ہو ، نہ وہائی امر انش داخل ہو
سکیں اور نہ بی وہاں ہا ہی فساور ہے بر کتی ہو۔

۔ ''سریال امال و کوت بنے گؤھات نجی اس تزاپ کاورد کرتا ہے قوم توکال علوی و اسکی باتھیں ہیں جس اور کئی اقتاب کو ساتھی ہو اسکی باتھیں میں طرح طرح کرتا ہے قوم کے انتہاں ہو جس اور کئی اقسام کے تھے تھا آت افسانے حاصر ہوتے ہیں اور تاکہ عالی محبوب و مطلوب کی تھے گئے تھے تھا اور اگر عالی محبوب کو زغیر تھی جائز کر حاصر کر دیتے ہیں اور اگر عالی اس دعا کو قبر و غضب کی نیت سے محبور کی اعداء کیلئے پڑھتا ہے تھی اور اگر عالی اس دعا کو قبر و غضب کی نیت سے انتہاں محبور کی اعداء کیلئے پڑھتا ہے تھی اور اگر عالی جس کر طرح کے باطنی جسمی اور اگر عالی اس دعا کہ تھی ہو گئے ہیں، عاش جس اللہ و اس جس کے اور کر دیگر لگلتے ہیں، عاش جس قرد یا جائزہ تھی اور وہاں تبائی اور جائزہ تھی۔ اور وہاں تبائی اور جائزہ تھی۔ اور وہاں تبائی اور جائزہ تھی۔

## ﴿ افلاس و تنكدى كاخاتمه و تُطب وقت كامد د كو پنجنا ﴾

خواج حسن نظائی نشفہ فئو تعلق منظنہ فرماتے ہیں کہ ایک صاحب بہت عمیال دار تھے مگر آمد فی کا کوئی زرید نہ قعار جب اخراجات خاصی ہے پریشان ہوئے اور حصول مال کیلئے ہر طرح کی کو ششیں کر چکے اور کہیں ہے کوئی کا ممیانی نہ حاصل ہوئی تو ایک صاحب نے انکو حزب ایھر کا و تحیفہ بتایا اور کہا کہ سات دن کی ذکو تا ہے اس کو اواکر لو۔ فعد انے پاہاتو خزانہ فیب سے تم کو روزی عطا ہوگی۔ انہوں نے کہا کہ پڑھنے ہے مجھے انکار ٹیس مگر سات روز میرے بچوں کا کیا صال ہوگا۔ بھی ما گھلہ تا تک کر لاتا ہوں تو تکمر میں رو محی

ان صاحب نے دوروپ جیب تال کر دیے کہ دیزہ روپ میں والوں کو دو اور آخد آنے اسپنا تری کیلئے پاس رکھو۔ چناچ انجول نے ایسان کی اور ٹوچندی جھرات کو جاسع سعد وی بیل آئے ، عرش پر دفعہ کیا اور جیب دھنوے فار فج ہو سے لڑ دیکھا کہ تو اپنے پاس جو تحق کے جو آخد آن سے دوسوجود نئے تھے۔ بہت تھیر اے کہ شروعات ہی خراب ہو تی کل جو تھ ازادے کے لیے فیے لہذا ای رات سے عمل شروع کیا اور سویا اب رب تعالی بھیے کا تو کھائیں گے۔

تمین روز تو طاقت بحال رق اور وطید جاری رہا گرچ تے روز ہاتھ ، پاؤل اور زہان نے جواب دے ویا اور طاقت بحال ہوں اور نہائی کی اور نہائی کی اور نہائی کی اور کی اور کرتے دے تھا کہ میں جب الحمر کا ورد کرتے دے تھا کہ ایک میں انہوں نے دیکھا کہ ایک صاحب آگی بھٹی ہوئی جاور جو انہوں نے اور کی ہوئی ہوئی جو تیں۔ آگھ کھول کر دیکھا تھ بہ فعل بند تھ بھا کہ میں میں میں کہ تو توں کے جو توں کے خواس کے بارے بھی برزگوں سے سنا تھا کہ یہ حظرت و ملی کے قطب ہیں۔ کے قطب ہیں۔

افترش دو پر انی چادر لے گے اور ایک فی رقشین چادر الکر ان صاحب کے
ادپر قال دی جو و تلیفہ کر رہے تھے اور کہا کہ حزب المحر پڑھتا ہے، خدا پر بھر وسر کرتا

ہے تو کوئی قاہری سب بھی تو اختیار کر۔ تجے بھیے لوگوں نے جن کونہ فدا پر ست آئی ہے
اور نہ بی دنیا پر ستی بھی پر بیٹان کر دیا ہے۔ یہ کر ایک ڈور کی لات ماری جس کے
مدے سے بدیبوش ہو گئے اور وہ دات پھر ای صاحب میں گزر گئی۔ اگھے روز جعد تھا۔
صدے سے بدیبوش ہو گئے اور وہ دات پھر ای صاحب میں گزر گئی۔ اگھے وار جعد تھا۔
سات تھی۔ جب انگی نظر ان مماحب کی دیا تھی چادر پر پڑی تو فورآ پاس آگر صال
احوال پو چھا۔ ان جس طاقت جو یائی کہاں تھی اشارے سے کہا جمو کا جول ۔ شیز اور وہیں
بیٹے کہا۔ لڈو مشکوا کر کھانے ، پائی کیا جا ادر تھم دیں کہ حضر سے کوشائی قلعے میں لے آیا
اور انتجا والی وہی ان جس طاحت کی دہائش کا انتظام کیا گیا اور افتاد کلیفہ مقر رکیا کہ جو انکو

# وحزب الحركافة اوراساه ك بركات

را تم الحروف كي پاس بي محد عمر مد قبل ايك خاتون آيس اور كها كه مير بين كو چهانى كى سر ابدو كى جدوه به تصور به اس كو كى الزى نه اپند دوست كه ساته ظر قتل كه مقدمه شن بيشا يا به اوروه الزى خود بحى زير حراست به بين نه ان كه كها كه اثر آپ كو يقيمن به كه وه به تصور به تو آپ پريشان نه بول اور وعائ حزب الحركا ختم مى روز مين عمل كري اور ايميل وائز كروي براشاه الله آپ كى ايميل منظور بوجائ لى امر زب ايميل خاور بوجائ اور ايميل وائز كروي از رفتان الله آپ كى ايميل منظور بوجائ بينيا ما عاد تر ب الحرك ايم كاري الدر ايميكي كى تاريخ ال جيائة اس تاريخ كا ما كم تاريخ ايميل منظور بوجائ انہوں نے ایسانی کیا اور جب ایش منظور ہوئی اور دوبارہ ویٹی پر جب ان کا بیٹا عدالت میں بیش ہوا تو وہ لاکی جس نے اسے مقدمہ میں بھسایا فقا خو دی بول پڑی کہ بیا ہے تصور ہے اور دیگر کو اہان نے بھی بیک کہا کہ بیالڑکامو فق واردات پر موجود ہی خیس تھا، حتی کہ جس نے محل کن تھا اس نے بھی اس کی ہے محنائی کا افراد اور خود حمل کا اعتراف کیالہذائے صاحب نے اس لاکے کوبڑی کر دیا۔انگودللہ

وصول روز كار من آسانى

میرا ایک دوست جو کے p.c.e.h.s کا رہا تھی ہے۔ نبایت سفوک الحال اور مالی معالمات میں بریشان تھا ۔ ایک روز آیا اور کہا کہ ہر طرف ہے سائل میں گر فبار جو اس بہت پریشان تھا ۔ ایک روز آیا اور کہا کہ ہر طرف ہے سائل میں گر فبار بہت پریشان نہ ہو، مقدا پر بھرد سر رکھ اور اپنے پاس ہے دعائے جزب الجح کا ایک نیز نکال کر دیا اور کہا کہ اس دعا کو بہتا جلد ہو سے حفظ کر لو۔ محر منے چند ہی دفوں میں دعا کو حفظ کر لیا تھا ہے ایک خاص طریق دعا کہ ورکا تعلیم کیا اور کہا کہ کسی مزاد پر جا کر باری مال بار مال بار مال برا

دوست نے دیا کا ورد حضرت عبدالله شاہ غازی بنخه الله شائد کناری متلات کے اس موات کے مرار مبارک پر جاکر شروع کر دیا۔ الله کریم کا کرم ہوگیا۔ جس صاحب کے پاس دوست کی رقم چسی ہوئی تھی اور وہ آج کل کررہ سے تھے انہوں نے دوست کو خو دی قون کر کے بایا اور ماری رقم کیا۔ مشت ادا کردی ۔ اس کے علاوہ multinational کمپنی ہے مازمت کی آخر آگئی۔ اب یہ حالات ہیں کہ خود میاسوف area manager میں اور اس کے علاوہ ہی جس سے مجی ماہات ایک اور ر قم آ جاتی ہے۔ اس واقع کو تقریباً دو سال ہو چکے ہیں اور آن تک دعائے حزب ایحر بلاناف الکامعمول ہے۔

﴿ نَعْوَثُ حِزبِ المحراور تسخير سلاطين ﴾

خواج حسن نظامی زشته دندی منتبه فرباتے ہیں کہ درگاہ حضرت نظام الدین اولیاد شفه دلیا تفال منتبه پر ایک مختص ہر برح کے روز حاضری دیتا۔ پیشے کے اعتبارے مویا تھا۔ گاناہ غیرہ پکھ اتنا خاص نہ آتا تھا ہی جو برا بھلا آتا اور جو کام وغیرہ یاد ہوتے مقید تا حضور میں چیش کردیاکر تا تھا۔ ایک روز حاضری کے دوران و بھا ایک شاہ صاحب درگاہ کی جائی کے پاس بیضے بھود ظفیہ پڑھ رہ ہیں۔ وس نے عادت کے موافق جمک کر ملام کیا اور اینا مدعا بیان کرکے چا کھیا۔

ای رات ان شاومها حب کو مجیوب الی دخت ند بلد خلاف کی زیارت ہو گی۔ آپ فدا تھا کہ تمارا دھائے جنب المحرکا چاہیں دخت ند قدا تعالی مشارا دھائے جنب المحرکا چاہیں المحرکا چاہیں المحرکا چاہیں ہے کا ماس سے کو سے اس انعان سے کا تعالی المحرس روز ہمارے بال جامل ہو جائے اللے حزب المحرک کا ماس سے کا تعویر بنا کہ کر رکھ دو اور المحل بار جب وہ آئے آجائے لئے حزب المحرک کے قال فلال حص کا تعویر بنا کر رکھ دو اور المحل بار جب وہ آئے آجائے ہے کہ کہ کرنے لگا۔ شاو صاحب نے بیری باتوں کا بر اند مانا بلک مسکر ات رہ اور فرمایا کہ عمل نے بیر زادہ اور صاحب نے میری کے آپ ان باتوں کے حالف ہو۔ فیر المحرک ہو اس کا بعد المحرک کے بعد بھے معلوم خیس کہ ہے تعوید شاہ صاحب نے بیری کے بعد بھے معلوم خیس کہ ہے تعوید شاہ صاحب نے ایک تو ک کی دیا گئے گئی گئر الدول بار ان کی صورت نظر ند آئی البت دو شنے بعد بھی الدول بادر ، وزیر اعظم حیدراً باد آسان عالے پر حاصری و نے آئے تھے بھی کہ کا مہاتھا۔ نہ جانے بھی جور از باد آسان عالے پر حاصری و نے آیا تھے کو کا مہاتھا۔ نہ جانے بھی بھی

الدّول كو اس كى كيا بات پيند آئى كه اے اپنے ساتھ حيدرآباد لے ميا اور وہاں تخواہ مقرر يوكن اور چربيد فاقد ست وہيں اپنے بچوں كے ساتھ مقيم ہوگيا۔

رور میں اور ہو ہو ہے۔ اس کوتے کے دن دربار مجوبی میں حاضری اور دع طلی کے سبب الحرب ، تاہم چوک کے اس حاضری اور دع طلی کے سبب الحرب ، تاہم چوک تعوید درجانے کر دعائے جزب المحرکا تعوید دستے کیلئے ارشاد فرمایا تقاس داسطے کہنا چاہئے کہ جوبہ سلطانی اس کے دن حزب المحرکا عقیدہ کے درجد سے مجرکھے۔ اس واقع کے بعدرا تم فقیر کو تملیات تصوصاً حزب المحرکا عقیدہ بیدا بود۔

﴿ دورِ عاصر على حرب الحراقت ملدى ترقى وعروج كازيد ٢٠

خواجہ حسن نظائی زختہ اند تعدالیت فراتے ہیں: میر احتید و پر گرآئ کل کے زبانے شل
جب کداشیائی قوشین جسوسانید و سانی سلمان زوال دولت و محکومت کے سبب پر بیٹائی
وافر و کی کا شکار ہیں، جزب الحر بھی ہے حصل و بہ نظیر و ما کا کھر کھر دوائ ہوتا چاہئے۔
مگر یہ روائ الینا ہو کہ لوگ اس کی عقب و حقیقت و تعظیم کو انھی طرح سبحیس اور
محص عربی الفاظ کے اوپر نہ رہیں بلکہ اس کے معنی مجی زمین نظیم کو انھی طرح سبحیس اور
محص عربی الفاظ کے اوپر نہ رہیں بلکہ اس کے معنی مجی زمین نظیم کر ہی تاکد دلوں میں
خوال و مجب جلد اون و ترقی پر مجنی جا کے گھ د و بیاے کام ای طریقے و اسلوب سے
ہوئے چاہئے جس طرح و نیاشی ہوتے ہیں مگر ان کی محکمل کا بعروسہ خداتی لی بر ہوتا
جائے اور وہ بعروسہ ہوں ہی کہد دینے سے حاصل نمیں ہوتا بلکہ اس کے لئے کسو
مل کی مغرورت ہوتی ہے اور ان میں سے ایک کسب و عمل بھی دعا ہے جے وعائے
حزیر الحرکم کہا جاتا ہے۔

الغرض يد دعائ تزب البحر قضائ حاجات وحل شكلات وفي ودنيدى اور حسول فيوضات وبركات فاهرى وباطنى كيلية اكسير اور از بس آزموده تير بهدف وظيفه ہے۔ خاص طور پر دفع ضرر ، دفع اعداء، شفاء امر انس ، سنر بیں امن و سلامتی ، حفظ مشی ، تحفیر خلق ، تحفیر امر آء سلامین ، ادائے قرض ، مشاکش رزق ، شرح صدر ، زیادتی علم وفتم، کمال معرف و سلامتی ایمان کیلئے آز مودہ ومجرب ہے۔

### ﴿ حزب الحرك انفراديت ﴾

- م مشار مخ عظام كا قول ب كدوعائ حزب الحوايك حم كى وعائ ما لوره ب-في الهام ك ذريع مار كاور سالت ماب من الله تفاد منابه ويده ومنان المفارك
  - دعائے جزب الحر تمام وی و دیادی مہمات کیلئے گرب ب آگرچہ اس کے عال اور مقعود میں شرق و مغرب کا فاصلہ ہی کیوں شہو۔
- دعاے حزب الحرکی دعوت فی زمانہ تمام دعاؤں ہے افتل ہے کیونکہ چیے
   دیم اعمال میں رجعت وغیر و کا اندیشہ ہوتا ہے ، اس میں خییں ہے۔
- د عائے تزب الحرالی جامع ترین دعاہے کہ جس کی ریاضت کرنے والے کو تعفیر ، حب ، عداوت ، رزق ، فتوحات ، کشادگی ، : مثنوں کی زبان بندی و ہلاکت ، حسول رشیۃ اور حصول عزت و مرتبہ و غیرہ جیسے مجرب امحال پر بیک وقت دسترس حاصل ہو جاتی ہے۔

### ماخذومراجع:

و ستور الحل : ابو معارف، شخ عنایت الله شطاری زشته انده تعلا عند اعمال حزب المحر: حواجه حسن نظامی زشته شده تعلا عنید مجوعه امحال: حطرت علامت عالم فقری زشته است تعلق عنده فوائد حزب المحر: شخ الحدیث حضرت مفتی ابو بکر شاذ کی عند احال



التارن ميد

دعائے حزب الجحرے متعلق اقابرین نے یہ شرط رکی ہے کہ جو محض حزب الجرکے

فیصنات و کمالات کال طور پر فیشیاب ہونا چاہے اے چاہتے کہ سب سے پہلے اس
دعائی اجازت میجد حاصل کرے پیخی کی ایسے شخ نے اجازت کا حصول ہو جن کی سند
اجازت فی ایو کھن شاذی ودیں اندہ ہو تک متصل ہو۔ اجازت حزب الجحرے متعلق میر
میر جس دورج ہے کہ حضرت حافظ عبد الکریم صاحب فرماتے ہیں کہ جس ایک اجبی
بزرگ کی رہنمائی جس حضرت خافظ عبد الکریم صاحب فرماتے ہیں کہ جس ایک اجبی
تدان ملبد کی خد مت جس ہوا۔ اس اجنی بزرگ نے حضرت قبلہ عالم رصة النہ تدان ملبه
ہورزگ کے جند الجاری اجازت و حضرت و رہنے الکریم بالا اللہ بحق سجواد بھی سجواد بھی ہے کہ کر
وہ بزرگ سے نے الحظ دوز حضرت رسة اللہ تدان ملبه
بھی عطافر ہا اور معلم ہوا کہ دیرزگ (جو قبل عالم رسة اللہ تدان حدی کیار گاہ علی لاگ

حضرت شاہ دی اللہ محدث و بلوی دیس شدہ مثری تو املی میں اپنی حزب المحر
کی اسناد متصل محج ابو تحسن شاؤی دیس شدہ تک بیان کرتے ہوئے قرماتے ہیں کہ بین
اللی اللہ کا طریقہ ہے کہ حزب المحر کیا اجازت پائشانی اپنی زبان سے بھر کو عطا
فرمائی (بینی حزب المحر کیا اجازت معہ سند اپنی زبان سے بیان کرے مطافرماتے ہیں)۔
المحد لله ، فقیم الی اللہ راقم المحروف کو دعائے حزب المحر کی اجازت معد اسناد کی
مشائح عظام ہے بالمشافد و تحریری طور پر حاصل ہے۔ بطور پر کت ان اسناد کا ذکر کرتا
بوں تاکہ ان اسناد میں شائل جی مشائح عمون ند تدان سبھہ جمعین کی برکات بھی اس

ا ) مکی اجازت مرشد کریم، فیع محرّم صوفی باستا هنرت صوفی شید اعمر اسلم طاہر در اند مددر قدیری قادری ابو العلاقے سے حاصل ہوئی، آپ کو اپنے شیخ صوفی خواجہ عبد القدير ميال ان التدريده بي اور آپ كو صوفى عيد القاور بوراند مدوده العروف كندن ميال ب اور آپ كو صوفى عيدم جيل بوراند اند مروده العروف عار في سركار ب اور آپ كو صوفى شواج حسن بوراند مدوده ايوااهلا مسركار ب اور آپ كو خواج منزايت حسن شاه صاحب بوراند مروده ب اور آپ كو كي رضاشاه صاحب بوراند مروده ب اور آپ كو حضرت عبد المي شاه صاحب بوراند مروده ب اور آپ كو عادف بالله هي العرب والجم حاجى اند اوالله مهاجر كل بوراند مروده ب اور آپ كو مستر فشين در كاه شاؤل حضرت خواج بيد زين العابدين الشاؤلى بوراند مروده ب جو في ايوالي شاؤلى والله عضرت كو اولا و شب ايل

 ) دوسری امبازت طریقته شاذای معد جمیح احزاب د ادراد شاذایه کی را تم الحروف کومندرچه ذیل استاد کے ساتھ ایش الدولیا، مصرت شیخ خلام محدود، تادری ،شاذلی، رق ق سدنده صدارے حاصل او کی۔

حس انسب عب اور آپ کو شخ احمد زروق حس انتساعت اور آپ کو شخ احمد بن محقیہ حس انتساعت اور آپ کو شخ مکی بن احمد القادری حدس انتساعت اور آپ کو شخ کی کلی ایمن حمد بن وفا حدس انتساعت اور آپ کو شخ محمد بن وفایجر السفاء حدس انتساعت اور آپ کو شخ عمر بن واود یا خلی حدس انتساعت اور آپ کو شخ احمد بن بن محمد بن عطاء الله صاحب الحکم حدس انتساعت اور آپ کو شخ ایل المیاس المرک حدس انتساعت اور آپ کو شخ المشارکخ امام ایر الحمن الشاؤی حدس انتساعت و عائد تحزب المحرکی امیازت عطابوئی۔

 اراقم الحروف كو امين الاولياء حفرك فيخ فلام محود مدند العال عد آپ كو حضرت صفح محبوب الرحمن عزد الد مرده وسيه اور آب كو حضرت فيخ عبد الرحمن عزراند مدورہ سے اور آپ کو معفرت می عبد الکر یم ور اند مرورہ سے اور آپ کو معفرت صلح عبد الله كتشبندى ورائه مرودوے اور آپ كو حضرت شاہ عبد الغني مجدوى مورانه مرود دے اور آب کو حضرت شاہ محد الحال و بلوی ہے: مندروں اور آپ کو حضرت شاہ عبد العزيز محدث وبلوى وراشد مردروب اور آب كو حفرت شاه ولى الله محدث وبلوى وراته مردره ے اور آپ کو حفرت فی ابوطاہر مدنی نور اندموددوے اور آپ کو حفرت فی امر تھل عرد الله مروده على اور آب كو حفرت في عين مفرلي در الله مروده عداور آب كو حفرت في إيوالسلاح والمدمر ودوي اورآب كو حفرت في ايوالعباس ورالدرودو اورآب كو حفرت في ابوالسعيدة، الدمرودة ع اور آب كو معرت في عبيد الله محدة، الدمرودة ے اور آپ کو حفرت شیخ ابوالفعنل در شد مردرہ ہے اور آپ کو حفرت شیخ ابوطیب مزر الله مدوره الدار آب كو حفرت شيخ ابوالحن محد نورالله مدوره اور آب كو حفرت في ابوالعزائم درانه مرده و اور آب كوفيخ الشائخ ، الم الطريقة ، محبوب سجاني ، فوث صد انى خواجه نور الدين ابو الحن على بن حيد النَّه بن عبد البيار ، الشاذ لي المتركى رض الله تعلامنهد عطاموكي

م) فقير محد اياز ابوالحلائي كو امن الاولياء حضرت في خلام محمود مدعند تماس ادر آب كو في خلام محمود مدعند تماس ادر آب كو فيخ الميد المدرد كل قدس الله بديات اور آب كو فيخ عمد ابوليا و مدن الله بدين الله بديات اور آب كو فيخ عمد بن الحلاء و دس الله بديات اور آب كو فيخ عمد بن الحلاء و دس الله بديات اور آب كو فيخ تركر يا الا فسارى و دس الله بديات اور آب كو فيخ خوا الرقيع و دس الله بديات اور آب كو فيخ تركر يا الا فسارى و دس الله بديات و اور آب كو فيخ الميدائي و الله بديات اور آب كو فيخ الميدائي و الله بديات الميدائي و الميدائي و الميدائي و في الميدائي و الميدائي

) فقیر محمد ایاز ابوالعل فی اولیک کو آلی فرید حضرت شیخ عبد الرشید چشی فارو فی مدهنده
العمل سے اور آپ کو مفتی محمد نفر چشی فدس شد ساوے اور آپ کو حضرت نعیت الله
قریمی و دس مند سروے اور آپ کو حضرت خواج عبد الرسمنی عمر فی دس مند سروے اور
آپ کو حضرت خواج عبید الله ملمانی و دس المدروے اور آپ کو حضرت خواجہ فدایمش
شیر پوری و دس مند سروے اور آپ کو حضرت خواجہ عافظ اتصال الله ملمانی و دس مند سرو
سے اور آپ کو قبلہ عالم حضرت خواجہ فور محمد مبدادی و دس اند سروے اور آپ کو
حضرت خواجہ فخر المنی مربیاں، فخر الدین و بلوی و دس اند سروے عطامو فی سیاسلہ
منظرت خواجہ المحمد مند الله مندون و الله مسلمة

الله عَوْلَةِ جَالَى كَلَ وَثِهَا وَحَتِينَ مِن الناسِطَاعِ عَظَام رحوانا المدتمال عليهم اجعدن ير اور ان ك صندة مارى ب حساب مغترت موسا آميين بيجا و اللّهِي الأميين صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَاللهِ وسلّم.

متادي سيد



التادق سيد

حضرت شاوولی الله تحدث و بلوی ایشنده این الله الله و قرات این که وعات حزب الحرک و عوت ، و عوت ملی که و مات حزب الحرک و عوت ، و عوت با مکی این و عوت به مکی می که در به الحرک و حوت ، و عوت به مکی من سے به و و حوت با مکی این و عوت به که حس که در به قسل پر حن دال الله من القرف کرتے ہیں معجب و الله کا منافع کا محب و الله کا منافع کا محب و الله با کا منافع کا محب و الله با کا منافع کو الله الله عالم که فظام و طبیعت کو منافع کرد سیة جی اور پر حن دالله الله عمل مرا او که ما الله کرد کا الله با کا منافع کا الله پر حن دالله کی مرا او که منافع که الله علی کر دب طا تکد عمل پر حن دالله کی کرد با با کا منافع کا الله پر حن دالله کی خاام پر ظام رکست و الله کی کرد کے جی اور میک و الله تعدالی ہو کی باجا تا ہے کہ داخاتھ کی داخاتھ کی کردا تھرف کی قوت الربیب طا تک کے تعرف کی بنا بار بوتا ہے جن کو الله تعدالی بنوگی نے ناکم پر تقرف کی قوت عطالی ہو گی ہے۔

وحزب الحرك شرائط

دعائے فزب المحرکی وس شر الکا تھی۔ جس کی رعایت ہر نصاب ادا کرنے والے کیلئے منر وری ہے۔ البتہ کوئی فتح صاحب مجاز سمبولٹ مریدین و معتقدین کیلئے ان شر انکا عمل تید پلی کرناچاہے تاکر سکتاہے۔ ۔ او تو یہ انصوح۔ ۱- اجازت میں سے بارہ اپنی جو ارم۔ ۳۔ جیجت خاطر۔ ۵۔ دوران نصاب احکاف کرنا۔ ۳۔ بغیر بطابوا کیڑ ایمینا۔ کے پابندی شریعت ۸۔ اکل طال۔ ۹ ۔ ہر روز پڑھنے سے قبل دور کست لکل بنیت ایسال ثواب شخ ایو انحس شاذ کی زشتہ اللہ نشان علید ادا کرنادو پڑھنے وقت آپ زشتہ ابنہ تمان علید کی روز مہارک کی طرف اکتباب فیض کیلئے متوجہ رہنا۔ ۱۰۔ اگر ممکن ہو تو ہر روز ورند آخری روز ایک مرغ، درنے مرغ، درنے ایک عرف درنے ایکی مرغ، درنے وقت ترکی روز ایک مرغ،

وطرق تعاب

شخ ابوالحن شاذ لى زمندة مد فعل عند كا ارشاد ي كديد تخص تمام تر العلاكا لحالا ركا كر و كر ال مع كر و با بعض تمام تر العلاكا لحالا ركا كر و بدب العركو و يزيع كا ي جو مراد جائي كا يوك و خاص كر ويذب و وحت ، دفع العداء و خام المن و يش ، المن مخر و منظ من من مخط من منظ من من العرف و تخر المن من المناف المناف و تخر الله من المناف المناف و تخر الله المناف المناف و تنظف المن المناف و تنظف المن المناف و تنظف المن يقول برجاد المناف المناف و تنظف المن يقول برجاد المناف ا

پہلا طریقہ: حضرت شاہ ولی اللہ محدث والوی زمند فدائد تف ال منفیہ قرمات ایں کہ بعض عالموں نے کہا ہے ہیں کہ بعض عالموں نے کہا ہے کہ ترک علاق کے کہ وہ مخص وعات وزید الحرکا عالی ہوتا جا ہے اسے جائے کہ ترک حیوانات جلالی و جمالی کرے اور نوچندی بدج و جسم ات اور جمعد کا احکاف کرے۔ ہر روز روز دور کے اور پڑھے ہے ہے ہیں مورد ورک کے اور کرے اور کہ ہوتے ہیں ہے تاکد میں دوز میں تھی دور کی تھا اور کی تھا اور کہ ہوتے ہیں ہے تاکد کے تعداد ہوری ہوجائے۔

جائے۔ نماب کے مختف طریعے جو اکابرین سے ہم تک پینے دودرج ذیل الل

دو مراطم الله: اگر مندرج بالا طریقے بے پڑھناد خوار معلوم ہو تو یشر انظ فد کورہ بالا باره روز تک بر روز ۲۰ سرتے پڑھے اور تمن سوسانھ کی تعداد تھمل کرے۔

تیمراطر میں: فی المشائع حضرت ایوالمحارف شاد ممتایت قادری، خفادی زشاد نداند نشاند نشاند نشاند نشاند و متور العل می فرمات میں کہ بشر الله خلوت و اجازت کا ل جو شیخ ایوالحس شاؤ کی زخت اور العمل میں فرمات میں کہ متحت فیل روح مرارک فیخ ایوالحسن شاؤ کی زشاند الله نشاند و نظر حضرات سلسلہ جن سے اجازت علیا ہوئی ان کی خدمت میں سورۃ الفاقی و آیے الکری و سوبار دروو پاک پڑھ کر ایسال الواس کی متحد میں سورۃ الفاقی و آیے الکری و سوبار دروو پاک پڑھ کر ایسال او اس کرے دو تو اس اس میں اس سے دو عوت اس دخل میں اس سے دو عوت اس دخل مقاسد، تسخیر و محبت اور جذب و محبودت میں اس سے بڑھ کر کوئی دھوت کیں اس سے بڑھ کر کوئی دھوت کیں اس سے بڑھ کر کوئی دھوت کی اس میں اس سے بڑھ کر کوئی دھوت کی کھوت کی کوئی دھوت کی کھوت کی کوئی دھوت کی کھوت کی کھو

د گوب کیر : بیدے کد ۱۰ اس تبہ ہر روز تاار بعین مینی چالیس روز تک پڑھے د گوب مقوسطان بیدے کہ ۲۰ حر تبہ ہر روز تاار بھین پڑھے۔ د گوب مقیم : بیدے کہ ۲۰ حر تبہ ہر روز تا رواز را پول کٹن باروروز تک پڑھے

چوق طریقہ: اور مضان البادک کے پہلے بدھ عمر کے وقت دریا یا کالب کے پائی سے عشل کریں۔ لہاں طاہر و معلم پہنیں۔ قبل از نماز مغرب دعوت جزب البحر شریف کی نیت سے سرود واوسکاف کیلئے سہدش واغل ہو جائیں۔ واغل ہوتے ہی قبلہ رث چند کر تین مرتبہ الآل و آخر درود شریف اور پانگی مرتبہ حصار پڑھ کر انگلت شہادت و ست داست پر وم کریں۔ وم کرانے کے بعد حصار کی نیت سے تین باد انگلت شہادت کو اپنے یادوں طرف محمالے حصار ہے: لااله الاقة حولنا حسار محمد رسول افقه قفل و مسمار لااله الاقتصد بهزاربار گردس و گردوس و گردوس و گردوس و گردابل و عبنال من حسار باده سستم دل و جان و زبان و دست و بنائے و عقل و پوش و گوش کسانیکه در بیزده بهزار عالم انداز آدمیان و دیوان و بریان و خدا ناترسان و ناحقان و ناشکران و کسانیکه مارا و دوست سارا بدخواه اندو بد بناترسان و ناحقان و ناشکران و کسانیکه مارا و دوست سارا بدخواه اندو بد بنات و بداندیشند بحرست لااله الاقتم می کردم بنام محمد رسول افقه قو لا و معمد نوسم بخم عمی فیم عمی فیم الاینکلون صمیکم عمی فیم لاینکلون صمیکم عمی فیم لاینکلون صمیکم عمی فیم لاینکلون صمیکم عمی فیم الاینکلون صمیکم عمی فیم الاینکلون صمیکم عمی فیم المیمون الله می در خلقه محمد و آله اجمعی الله می ساله المی در الله می ساله علی سید نامحمد و آله اجمعی الله می ساله الله می ساله علی سید نامحمد و آله

بعدہ وحسار حضرب کی گراز پڑھ کر باطبینان خاطر کشورع و تحضوع کے مساتھ مجر ود عائے حزب البحر کو بصحت قمام پڑھیں۔ ای طرح ہر فراز کے بعد تین وان تک یعنی بفت کی معرّب تک ایک ایکیار پڑھاکریں۔ جب آخری مرتبہ حزب البحر پڑھے تو اس کے ساتھ وعائے علمی مجلی پڑھیں تاکد و عموت میں اجازے کے آجار ظاہر ہوں۔ اب روزاند ایک بار وقت معین کر کے حزب البحر معد وعائے علوی پڑھتے رہیں اس د عمرت میں سوائے معنوعات شر عید کے اور کوئی پر ہیز ٹھیں۔

یا تھال طریقہ: یہ طریقہ حاتی امداد الله مهاج کی شنداند فندن شائد مصنع لہدے۔ ترک جلال وجمالی کریں۔ روخوں میں شل کا تیل اور رو خن بادام کی اجازت ہے۔ وریایا تالاب کا پائی استعمال کریں۔ تھائی میں روڈوڈ کا کیے جمیع میں ، ایکی چھری سے جس کا وستہ بھی لوے کا ہواہے پادول طرف زشن پر خط مین کردائر دینادیں ، ایٹدا مسامنے معرب کی طرف سے کریں اور داختی طرف سے لاتے ہوئے خط کو ابتدائی نشان سے ملا کر چھری کو ڈیمس د حنسابوا چھوڑ دیں۔ قبلہ روہو کر نصاب کی نیت سے آیات اعتصام اور دعائے حزب الجھر اور دعائے اعتمام کو بیک وضو پڑھیس اور کؤر مود ولوہان کا لاڑی جلائیں۔

د موج كيير: تمن دن ش تمن مو ما فع كى تعداد اس صاب سے يودى كريں كه بر دوز ١٢٠ مرتبہ يوميس - بحسب شرائك تمام كرنے كے بعد قوليت عمل كے واسعے ايك كائے يا كيك خصى راوخدا يمن قربان كريں اور صافين كوكھلا كي ۔

د عوب ستوسط: باردون میں تین سوساتھ کی تعداد تھل کریں۔ ہر روز تیس بار پر حیس اور ہر روز ایک مرٹے اور ہو سکے قریکھ نفذی مجل صدقہ کریں۔ یہ شرط فقط و موت ستوسط کیلئے ہے۔

وعوت مغیر : چالیس روز بیل به تعداد بذکور پوری کریں۔ بعض کا قول ہے کہ اگر چاہے توجید روز بیس روز آنہ ساتھ مرتبہ پڑھ کر بھی تعداد پوری کی جا سکتی ہے۔

نصاب کا ایک آسمان طریقہ یہ ہی ہے کہ پورے ایک سال تک بانافہ ایک یار دعا کو پڑھ لیا کریں۔ اس میں سوائے گائے کے گوشٹ کے کسی علال شیخے کی کوئی پرمیز خیرں ہے

چھٹا طریقہ: یہ طریقہ بھی حاتی الداد اللہ مہاجر کی زشنہ اند قدال عذیہ سے روایت ہے۔ اس طریقے میں ایاس اور کمانے پینے میں سوائے محموعات شرحیہ کے دوسری کسی حلال منے سے کوئی پر ہیز فیس ہے۔ ترکیب یہ ہے کہ 4 معر النظو کو عروب آتی ہے۔ پہلے بہ نیت خالص عوادت می تعالی جمید عادی جہد سات اور آٹھ یاو صفر کے تحق وان روزور سمیں اور معجد میں احتکاف کریں۔ بعد مقرب ایک یار پو میں اور کھر چھٹی تاریخ مفر المنظرے ہر روز تین بار اس طرح کہ ایک بار بوقت چاشت ، ایک بار بعد نمانر مغرب اور ایک بعد نماز مشاہ پڑھیں۔

نویں شب کو بعد نماز مغرب اعتکاف ب باہر آئیں۔ آگر دوراَت پڑھنے کا وقت مغرب کا مقرر کرنا ہو تو مغرب علی ایک بار پڑھ کر اعتکاف کریں اور آگر روزاَت م کے معمول کینئے کوئی اور وقت مقرر کرنا ہے تو اینے پڑھے اعتکاف سے باہر آجائیں ۔اعتکاس سے باہر آگر چند صلحاء کی وعوت کریں ، فود بھی ان کے ساتھ کھانے علی شرکیے ہوں اور کھانے کا ٹواب حضرت سیدی ایو انجین شاذئی زشنہ اللہ تمال تناب مائین کو بارسے کریں۔ آئندہ جب بھی کہی کو اجازے دیں تو بھی شیر بنی وغیر ہر فاقتے پڑھ کر مسافین کو کھائیں۔ یہ اس طریقے میں معمول ہے۔

ساتوال طریقہ: اس طریقہ علی بائی طرح سے نصاب اداکی جاتا ہے اور ہر ایک برآت فساب اداکی جاتا ہے اور ہر ایک ترکیب علی ادارہ ہے کہ پڑھنے سے پہلے فتح الثیور قامام ابو محس طاز فی دخت اندو نصف اندین کے بحد صدقہ دیں، ہر مرتبہ اعتصام و افتقام کے ساتھ وعایزہ عن چنہ جب عمل کرتے بیٹیں قر مدلہ کے اندر کے اندر کے اندر کے بیٹیں وہ وہ سے کہ کالے ریشم کے سات تاریکر بیٹیس۔ مندلہ ایک ریشم ک سات تاریکر کیا گیا ہے میں اور وہ یہ کہ کالے ریشم کے سات تاریکر کا ایک سراہائ کر اندر جائے لگیاں تو اس کیا گیا ہے سراہائ کر اندر واقع ہو جائی اور اس کے بعد پھر ایک سرے کو دو سرے سرے سے مادی ہو میں اور اس کی بعد پھر ایک سرے کو دو سرے سرے مرے در میں مادی کو دو سرے سرے ادار میں تاریک طرح کے دو اعمال کے لئے مادی پڑھا ہے جو اعمال کے لئے دو سرت کے ساتھ پڑھا ہے جو اعمال کے لئے مقر ایک ایک میں وہ بر میں اور دیس فساب کمل ہو جائے آتو شہب تو آتی گا گئے کہ کری یا سرخ ذری کر کے ادار میں جبر دورا کیس مرتبہ پڑھیں۔

وسيط: باره دوز عل اداكرين اور برتيس مرتبه پرهيس-

كير : اوّل تمن روز اكيس يار روزآند اور اس كے بعد جاليس روز تك جانيس بار روزاند پڑھيں۔

ا کبر: عرون ماہ ش بدھ ، جھرات اور جعد کے روز پڑھیں اور ہر روز • ۱۲ مرتبہ اور ک کریں۔

ا كر الكبائر: چاليس روز تك روزالد ٢٩٩ مر حيد اور اكثاليسوي روز ٣٠ مر حيد پاده كر ١٢٠٠٠ كاتنداد يوري كريس مروزالد ١٢٥٠ ١١١١

اگر کوئی مختص شاکورہ بالا یا تیجاں ترکیبوں سے نصاب ادا کردے تو دعائے حزب المحرکاعال کا ٹن ہو جائے گا لیکن اگر اتنانہ ہوسکے تو کم الرکم منیر اور دسیط تو نسر ور بالضرور اوا کرنا چاہئے۔

آ شوال طریقت: سات روزش اس طور پر نصاب ادا کریل که اوّل چه روز تک اکیاون عربته اور ساتوی روزچه دوم جدیزه کرشن سوسانه کی تشداد پوری کریں۔

نووال طریقہ: اس رَکیب میں کوئی پر بیز شین تکر بہتر ہے کہ رَک حیوانات کریں بلکہ کھانا ہے تمک کھائیں۔ اس میں مجھی تین طریقے ایں۔

كير : چاليس روزش ايك بزرادكى تعداد يورى كريس يعنى پېيس مرتبه روزند پرهيس -وميط: باروروز يس اداكريس برروز تيس مرتبه پرهيس -

سفیر: عرون ماہ میں بدھ ہے شروع کریں اور تھیں روز میں ایک سومیس کی تعداد پوری کریں لیخن ۴۰ مر جبر روزانہ پڑھیں۔ مشکل ترین حاجت کے لئے اس زکوۃ کو بطور شتم مجی اواکیا جاتا ہے۔ ختم کے لئے عرون ماہ کی شرورت ٹینں۔ جب بھی کوئی حاجت پڑ آئے ای طرح تمین روز حزب البحر شریف پڑھنے سے مشکل حل ہو جاتی ہے۔ وسوال طریقت: به طریقت می عبد الرحمان قده ی زمنده ند تنان مذبه فریان قرمایا ب-مفرکی چه ، سات اور آخد کو احتکاف کرین اور لفظ بحرک انداد ۱۰ تا کے مطابق جزب المحرکانساب تمن دوزیش اداکرین مینی بر روز ۵ مر جه بعد نماز ظهر ورد کیا کرین۔

میاد حوال طریقہ: بغیریز مع حزب الحوکا نصاب ادا کریں۔ یہ نہایت نایاب طریقہ ب ادر شاید ای کی کتاب میں درج ہو۔ میرے استاد محترم عظامہ نور احمد ریاض صاحب مد خلد العالی کا عطا کر دوہے۔ جو شخص پڑ مناشہ جاتا ہو ادر چاہے کہ حزب المحرکا نصاب ادا کرے تو اے چاہے کہ جلد خر افظ جو پہلے بیان کی جامحی ہیں ان کا لحاظ کرتے ہوئے ، چالیس روز تک یہ تحق ایک عدد دروز آند ز مقر ان و عرق گلاب ہے تھے ادر پائی میں محول کر بی جایا کرتے ، چالیس روز احد حزب المحرکا عال ہوجائے گا ادر وای تاخیر ظاہر ہو کی جود عوب کیرے خالم ہوتی ہے۔ سیف ذیان ہوجائے گا ادر وای تاخیر

| r994MTA | #442mo- | FARETTE | F99271. |
|---------|---------|---------|---------|
| 799200A | 79947IF | P994777 | raakror |
| F492FIA | MARKET. | r492000 | -99Z    |
| T992777 | P99ZPTY | F94LFFF | PARLETT |

پار ہوال طریقہ: بہ طریقہ تسخیر طفائق و فقوطات کثیر وکیلے نہایت مجرب بے لوچندی جمعۃ المبارک ہوشتہ طلوح آ قباب مسامت اقال مینی ساعت زہرو علی بید نصاب شروع کریں۔ چالیس روز تک روزانہ ۲۰ سریت پر میں اور چالیس عدد نقوش روزانہ کلے کر نم پریا دریاعی بہادیا کریں۔ روزانہ کے نقوش روزانہ بہاہ یں تو بہتر ورنہ پانی روز بعد تمام جمع شدہ نقوش لازی بہتے پانی عن وال ویا کریں۔ ابتدائی پانی ورز بعد تمنیر و تقوات کا سلسلہ جاری ہو جائے گا اور رفتہ رفتہ اس ش اضافہ ہوتا جائے گا۔ چلہ کے بعد سامر تب و عابوت طلوح آ قاب پڑھیں اور پانچ نتش روزانہ لکھتے رہیں۔ جب بھی کوئی حاجتند آ جائے ای ش سے تعلق لیکر اس کے پنچے سائل کی حاجت سے متعلق عبارت تکھیں اور سائل کو دے دیں۔ انشاہ اللہ کرم ہوگا۔ نتش ہیںہ۔

| ~144  | ~     | ~     | ~      |
|-------|-------|-------|--------|
| EHAL  | PITAD | MINA  | 111720 |
| MINAL | F1727 | MINAL | PAPIN  |
| 1724  | 14140 | FINAM | MITA.  |
| MINAM | MIYZA | MIYEA | CITAR  |

## ﴿ حزب الحركانساب اور 360 عد و كے خواص ﴾

اس کے علاوہ حدیث مبارکہ علی تھی تھی سوساٹھ عدد کاؤکر کئی مقامات پر آیا ہے چیے کہ حضور نجی المکرم مل اللہ تابی علیہ، آر، علم نے فرمایا کہ آدی علی تین سوساٹھ (360) چوڑچیں ،اس کے ذمہ متروری ہے کہ ہر جوڑی طرف سے ایک معدق کرے۔
لینی اس بات کے شکر بیس کہ حق تعالی شاند نے سونے کے بعد جو مر جانے کے مشاید
حالت تھی پھر از مر نوزندگی پھٹی اور ہر عضو صحیح سالم رہا۔ سیار بنی اللہ سنم نے عرض
کیا : "اسے صدقے روزاند اواکرنے کی کون طاقت رکھتا ہے؟" محضور اقد س سلی اللہ
مایہ ،سلم نے ارشاد فرمایا:" ہر شیح صدقہ ہے ،ہر تنجیر صدقہ ہے "لوالہ الاللہ" ایک
مر تیہ کہنا صدقہ ہے "اللہ المر" کہنا صدقہ ہے ،واست سے کی تنکیف و سے والی چیز کا
بنا دیناصد قد ہے "الله المر" کہنا صدقہ ہے ،واست سے کی تنکیف و سے والی چیز کا

ملفوظ المحدوم میں ہے: حقد وم جہانیاں جہاں گفت و شدہ نداند مندہ ہے کی عزید ہے کہ بری ہے ۔ کی عزید ہے کہ بری ہے اس ہے کہا کہ جہانیاں جہاں گئے و جہانیاں دیا ہے کہ اس ہے کہا مراد ہے تو آپ نے ارشاد قربایا ذکر کی آئم ہے کم تحد اور اوسط ۱۳۷۰ اور کشیر کی کوئی حد میں ۔ یعنی ۱۳۷۰ فرک کی اور اوسط ۱۳۷۰ فرک کی اور اوسط میں میں میں کہ اور اوسط میں میں میں کہا ہے کہا میں اس کا میں میں اس کا میں کہا ہے کہا میں کہا ہے کہ

بر دل ممن سه صدو شعبت از نظر کی خی پر دوز اے ربٹ البشر میرے دل پر تین سوساٹھ رحمول کی نظر نہاہے ریٹ البشر تو ہر دن کر تا ہے لیک من خافل ز لطف بیکر ال چیٹم دارم ہر زماں باایں و آک لیکن میں ، ہے مدم ہر اٹی ہے خافل ہوں میں ہر دقت اس اور اُس ہے امید بائد حتا ہوں

مندرج بالاروایات سے ظاہر عواتا ہے کد 360 کا عدد کی خصوصیات کا حاف بے۔ یہ عدد دائرة البردن کے درجات کا بے اور ان درجات کو عش ۳۱۵ سروز میں کھمل کرتا ہے۔ انسان تک رزق محتجے میں جو اسباب کار قرماہیں ان کی تعداد بھی 360 در انسانی اعد نارے جوڑی تعداد بھی 360 ہے، بعض اکابرین نے اس عدد کو ذکر کھیر بھی کہااور بقول مولاناروم زمند مائند شعال مفاہد کے رب تعالی اپنے بندے کے قلب پر ہر روز جور حتوں کی نگاہ فرماتا ہے اس کی تعداد مجی 360 ہے۔

ند کورہ بالا تمام خصوصیات کی ہتا پر اگر فور کیا جائے تو حزب البحر جو کہ تمام کمالات کی جائح دعاہے اس کو 360 عدد کے مطابق پڑھنے سے خسسی نظام ، جس کے تحت ہماری زندگی کے شب وروز کر رہتے ہیں ، اس میسی کار قربا تمام ذرائع پڑھنے والے کیلئے آسان ہو جاتے ہیں ، وہ المباہ جو آسائش و کشادگی مہیا کرتے ہیں مسخر ہو جاتے ہیں، پڑھنے والا اور اس کے اگرہ عمال کے جمیح اسمن یہ بدئی بحفوظ ، مامون اور اللہ تعالیٰ کی بناہ میں آ جاتے ہیں اور پڑھنے والا اور اس کے بتمام متعاقبین و خمین رب تعالیٰ کے منظور نظر ہوکر اس کی آخر شار حت میں آجاتے ہیں۔

ر الله الله كريم بم سب كواس عقيم الشان وعاكى بركات سے مستقيض فرمائ واس كى جميع كمالات و تقر فات عطافرات اور دنيا و آخرت ميں است استح قرب اور مارى راحت كا سب بنائے آ مين نيا رَبُ الْعَالَمِينَ بِها وَاللَّهِيُّ الْاَمْدِينَ صَلَّى اللهُ تُعَالَ عَلَيْهِهِ وَاللهِ وسلَّم

مشادری سے



مشادري سميد

# يسم الله الرَّحْلُنِ الرَّحِيْم

يَاعَلِيُ يَاعَظِيْمُ يَاحَلِيْمُ يَاعَلِيْمُ ۞ أَنْتَ رَبِّيْ ۞ وَعِلْمُكَ حَسْبِي \* فَنِعْمَ الرَّبُّ رَبِّي وَنِعْمَ الْحَسْبُ حَسْبِي \* تَنْصُرُ مَنْ تَشَاءُ وَ أَنْتَ الْعَزِيْرُ الرَّحِيْمُ \* نَسْ اللَّ الْعِصْمَةَ فِي الْحَرَكَاتِ وَالسَّكْنَاتِ وَالْكِلِمَاتِ وَالْكِلِمَاتِ وَالْخَطَرَاتِ مِنَ الظُّنُونِ وَ الشُّكُوٰكِ وَالْأَوْهَامِ السَّاتِرَةِ لِلْقُلُوْبِ عَنْ مُطَالَعَةِ الْغُيُوبِ \* فَقَدِ الْبُثِلِ الْمُؤْمِنُونَ وَزُلْزِلُوا زِلْزَالًا شَبِ يُدًّا ﴿ ﴾ وَإِذْ يَقُلُولُ الْمُنْفِقُ وْ ﴾ وَالَّذِينَ فِي قُلُوبِهِمْ مَّرَضٌ مَّا وَعَدَنَا اللهُ وَرَسُولُهُ إِلَّا غُرُورٌ ار ، ﴿ فَثَيِّتُنَا وَ انْصُرْنَا ﴿ وَسَجِّرْلَنَا هُذَا الْبَحْرَكَبَا سَخَّرْتَ الْبَحْرَ لِسَيِّدِنَا مُوْسَى عَلَيْهِ السَّلَامُ وَسَخَّرُتَ الغَّارَ لِسَيِّدِينَا إنزاهينة عكيه السلام وسخزت الجبال والحدين لِسَــيِّدِهُ نَا دَاوُدَ عَلَيْــهِ السَّــلَامُ وَسَـخَّرْتَ الــرَيْحَ وَ الشَّيَاطِيْنَ وَالْحِنَّ لِسَيِّيانَا شَلَيْمَانَ عَلَيْهِ السَّلَامُ وَ سَخِّرْ لَنَاكُلَّ بَحْرِ هُوَ لَكَ فِي الْأَرْضِ وَالسَّمَا ۚ وَالْمُلْكِ

وَالْمَلَكُوْتِ وَبَحْرَ الدُّنْيَا وَ بَحْرَ الْأَخِرَةِ وَسَخِرْ لَنَاكُلَّ شَيْقُ \* يَا مَنُ مِيدِهِ مَلَكُوثُ كُلِ شَيْعٌ \* كَهٰ يَعْضَ \* كَهٰيَعْضَ ﴾ كَهٰيُعْضَ ۞ أَنْصُرْنَافَإِنَّكَ خَيْرُ النَّاصِرِ يُنَ ۞ وَافْتَحُ لَنَا فَإِنَّكَ خَيْرُ الْفَاتِحِيْنَ \* وَاغْفِرْ لَنَا فَإِنَّكَ خَيْرُ الْغَافِرِيْنَ ۞ وَارْحَمُنَا فَإِنَّكَ خَيْرُ الرَّاحِمِيْنَ ۞ وَارْزُقُنَا فَإِنَّكَ خَيْرُ الرَّا زِقِيْنَ ﴿ وَاحْفَظْنَا فَإِنَّكَ خَيْرُ الْحَافِظِيْنَ \* وَاهْدِنَا وَنَجْنَا مِنَ الْقَوْمِ الظُّلِيدِينَ \* وَهَبْ لَنَا مِنْ لَّهُ لَكَ رِيْحًا طَيْبَةً كُمَّا فِيَ فِي عِلْمِكَ وَالْشُوْ مَا عَلَيْنَا مِنْ خَزَآيُنِ رَحْمَتِكَ وَاحْبِلْنَا بِهَا حَمْلَ الْكُرَامَةِ مَعَ السَّلَامَةِ وَالْعَافِيّةِ فِي الدِّيْنِ وَالدُّنْيَا وَالْأَخِرَةِ \* إِنَّكَ عَلَى كُلِّ شَهْعُ قَدِيْرٌ \* اَللَّهُمَّ يَشِرْ لَنَا أُمُوْرَنَّا مَعَ الرَّاحَةِ لِقُلُوبِنَا وَٱبْدَا نِنَا وَالسَّلَامَةِ وَالْعَافِيةِ فِي دِيْنِنَا وَ دُنْيَانَا وَ كُنْ لَنَا صَاحِبًا فِي سَفْرِنَا وَخَلِيْفَةً فِي آهُلِنَا ﴿ وَاطْسِسْ عَلَى وُجُوْهِ أغدائنا وامسخهم على مكانتهم فلا يستطيعون المضي وَلَا الْمَحِيُّ إِلَيْنَا ﴿ وَلَـوْ نَشَاءُ لَكَنَسْنَا عَلَى أَعْيُدِهِمْ

قرارة ومي شافية قدس سروا يسم سيده وقدوق المسوقاء كسان

فَاسْتَبَقُوا الصِّرَاطَ فَا أَنَى يُبْصِرُونَ ﴿ ﴿ } وَكُو نَشَاءُ لَمُسَخُنْهُمْ عَلَى مَكَانَتِهِمْ فَهَااسْتَطَاعُوا مُضِيًّا وَلَا يَرْجِعُونَ رُى لِسَنَ وَالْقُرْانِ الْحَكِيْمِ نَ إِنَّكَ لَبِنَ الْعُرْسَلِيْنَ (\*) عَلَى صِرَاطٍ مُّسْتَقِيْدِ (\*) تَكُرْيُلَ الْعَرْيُرْ الرَّحِيْمِ (، لِتُنْذِر قَوْمًا مَّا أَنْذِرَ أَيَّا زُهُمُ فَهُمْ غُفِلُوْنَ (،) لَقَدْ حَتَّ الْقَوْلُ عَلَّى آكُثُرِ هِمْ فَهُمْ لَا يُؤْمِنُوْنَ (.) إِنَّا جَعَلْنَا فِي ٓ اَعُنَاقِهِمْ اَعُلَا فَصِي إِلَى الْاَذْقَانِ فَهُمْ مُّقُمَّحُوْنَ(٠) وَجَعَلْنَا مِنُ بَيْنِ أَيْدِيْهِمْ سُدًّا وَمِنْ خَلْفِهِمْ سُرًّا فَأَغْشَيْنُهُمْ فَهُمْ لَا يُبْصِرُونَ (٠) \* شَاهَتِ الْوُجُودُهُ ﴿ شَاهَتِ الْوُجُودُهُ ﴿ شَاهَتِ الْوُجُودُ ﴿ وَعَنَتِ الْوُجُوهُ لِلْعَيْ الْقَيُّومِ \* وَقَلْ خَابَ مَنْ حَمَلَ ظُلْمُانِ ، \* طس السّم السّم الم عسق مرج البحرين يلتقيلن (١) بَيْنَهُمَا بَرْزَخٌ لَّا يَبْغِلِن ﴿ أَن حُمَّ الْحَمَّ الْحَمَّ الْحَمَّ الْحَمَّ الْحَمَّ الْحَمّ حُمَّ النَّصُرُ فَعَلَيْنَا لَا يُنْصَـرُونَ \* حُـمَرُ ، تَنْزِيْكُ الْكِتْبِ مِـنَ اللهِ الْعَزِيْنِ

الْعَلِيْمِ ( ) غَافِر الذَّنُّب وَ قَابِلِ التَّوْبِ شَدِيْدِ الْعِقَابِ ذِي الطَّوْلِ \* لَا إِلْهَ إِلَّا هُوَ \* إِلَيْهِ الْهَصِيْرُ ( ) بِسْمِ اللَّهِ بَابْنَا، تَبَارَكَ حِيْطَانُنَا ﴿ يُسْ سَقُفُنَا ﴿ كُمْ يُعْضَ كِفَايَتُنَا ﴿ خَنَعْسَقَ حِمَايَتُنَا ﴿ فَسَيَكُفِيْكُهُمُ اللَّهُ وَوَ هُوَ السَّمِيْعُ الْعَلِيْمُ \* سِبْرُ الْعَرْشِ مَسْبُولٌ عَلَيْنَا وَعَيْنُ اللَّهِ نَاظِرَةٌ إِلَيْنَا بِحَوْلِ اللَّهِ لَا يَقْدِرُ عَلَيْنَا \* وَاللَّهُ مِنْ وَرَآبِهِ مَ مُّحِينِطُّ رَّى بَــَلْ هُـوَ قُــُوْانٌ مُّجِيْتٌ (¿) فِي لَــُوح مَّحُفُوظٍ (فَ) ﴿ فَاللَّهُ خَيْرٌ خَفِظًا ۗ وَ هُوَ أَرْخَمُ الرَّحِينِ ﴾ إِنَّ وَلِيَّ اللَّهُ الَّذِي نَزَّلَ الْكِتْبِ " وَهُو يَتَوَلَّى الصَّاحِينَ \* حَسْبِي اللَّهُ ۚ لَا إِلٰهَ إِلَّا هُوَ \*عَلَيْهِ تُوكِّلُتُ وَهُوَ رَبُّ الْعَرْشِ الْعَظِيْمِ \* بِسْمِ اللَّهِ الَّذِي لَا يَضُرُّ صَعَ اسْمِهِ شَيْئٌ فِي الْأَرْضِ وَلَا فِي السَّمَاءِ وَهُوَ السَّمِيْعُ الْعَلِينِهُ \* وَلَا حَوْلَ وَلَا قُوَّةً إِلَّا بِاللَّهِ العَلِيِّ الْعَظِينُمِ ﴿ وَصَلَّ اللَّهُ تَعَالَى عَلَى خَيْرِ خُلْقِهِ سَيِّدِ نَا مُحَمُّكِ وَعَلَى إليهِ وَأَصْحُبِهِ أَجْمَعِيْنَ \* برَحْمَتِكَ يَاأَرْحَمَ الزَّاحِينِينَ \*

### القد كے نام سے شروع جو برامبر بان ، رحم والا ب

اے بلندر اے عظمت والے اے بروبار اے دانا توی میر ارب ہے اور تیر ال علم مجھے کا نی ہے پس اچھا دوگار میر ایرورو گارہے اور اچھاکا فی میر اکفایت کرنے والا ہے قرحے جاہتاہے امداد دیتاہے اور تو بی غالب بہت رحم والاے و سوال کرتے ہیں ہم تجھ ے حفاظت کا حرکات وسکنات على اورالفاظ و ارادول على اور عيالات على بد کمانیوں، خکوک اور تو ہات ہے، جو ولوں کو مخنی باتوں پر اطلاع بانے سے ذھانب دیتے ہیں 🗢 پس محقیق ایمان والے آز مائش میں ڈال دیئے گئے ہیں اور یوری شدت ہے بلا دیئے کے بیں اور جب منافق اور وولوگ جن کے دلوں میں بیاری ہے کہتے تھے کہ ہم سے اللہ تعالیٰ اور اس کے رسول نے صرف دھو کے کا وعدہ کیاہے کا پان تو ہم کو ٹابت قدم رکھ اور غلیہ دے ہاور تو ہمارے لئے اس سمندر کو تالی بنادے جیسے تو نے سمندر کو ہمارے مر دار موى عليه السلام كيلينة تالع بنايااور آم كو بهارے سر دار ابراہيم عليه السلام كيلينة تابع بنايااور بہاڑوں اور لوہے کو بمارے سم وار داؤد علیہ السلام کیلئے تالع بنایا اور ثبوااور شیاطین وجنات کو بهارے مروار سلیمان علیہ السلام كيلئے تافع بنايا اور جارے لئے اسے ہر سمندر كو تافع بناجو ز مین و آسان اور ملک اور عالم بالا میں ہے اور و نیاو آخرت کے سمندر کو اور بمارے لئے ہر شے کو تابع بنادے ہاے وو ذات جس کے قبلہ على ہرشے كى بد شاہت ، كهيم کھیعمی کھیعمی ہوتو ہاری الداد فرما کونکہ توسب سے بہتر مدد کرنے والاے ہا۔ اور جارے لئے اپنے فشل کے وروازے کھول دے کہ توسب سے بہتر کھولئے والا ب اور جمیں بخش دے کہ توسب سے بہتر بخشے والاہ مادر ہم پر رحم فرما کہ توسب سے بہتر رہم فرمانے والا ہے اور ہمس راوزی وے کہ توسب سے بہتر رزق عطافرمانے والا ہے 4 اور بھاری حفاظت فرما کہ توسب سے بہتر حفاظت فرمانے والا ہ ، اور جمیں بدایت عطا فرمااور جمعیں ظالم قوم سے نجات عظافرماہ اور جمیں اپنے پاس سے پاکیزو بُواعن یت فرما جیسا

کہ وہ تیرے علم عل ہاور تواہ پھیلا دے ہم پر ایک رحمت کے خزانوں سے اور ہمیں اس کے ذریعے سے معزز طور پر سلامتی اور دین ودنیا اور آخرت کی فیریت کے ساتھ آعے بڑھا ، بیشک توہر شے پر قدرت رکھتا ہے اے اللہ ادارے لئے امارے مارے کام آسان فرمادے ہورہے ولول اور بدنوں کی راحت، سلامتی اور دین و د نامیں عافیت کے ساتھ اور تو سفر میں ہمارار فیل اور ہمارے الل و عیال کا تکبیان ہو جا۔ اور ہمارے دشمنوں کے چرے بگاڑ دے اور انہیں ان کے شکانوں میں سے کر دے تاکہ وہ ہم برنہ تو گزر سکیں اورند جاری طرف آسکیں ہ تیر افرمان ہا اگر جم جائیں تو ان کی آ تھسیں منادیں پھر داتے ی طرف برحیں تو کیے دی سکیل کے ؟ داور اگر بم جاہی تو وہ جہال ہی ان کی شکیں تبديل كردين بكر ووند او آ م يزه مكين اورند يجيد لوك مكيل دين وهم ب حكست والے قر آن کی بے فلک آپ رسولول ش سے ہیں ، سید عی راہ پر ہیں ، قر آن یاک غالب اور رحمت والے کا نازل کیا ہوا ہے تاکہ آپ اس قوم کو تغبیہ کریں جن کے آیاد اجداد نیس متنبہ کئے محے تووہ غالمین عمل سے ایس ہے شک ان عمل سے اکثر پر حق واضح وو چکاہے ، کس وہ ایمان فیس لاگیں کے ، ہم نے ان کی کر د ٹوں میں طوق ڈال دیے ہیں جو مُورْ يوں تک بيں پُس وومند اللهائے رو کے 1 اور بم نے ال کے آگے بھی د يوار بنادي اور چے بھی اور ہم نے افیل دھانے ویا تو افیل کھ نہیں سوجتا، گرجائیں چرے والا جائي چرے ، بر جائي چرے ، اور عظ ہو كے چرے زندہ قائم رہے والے کے سامنے اور تحقیق ناکام رہاوہ فخص جس نے تلم کاار تکاب کیا صطب م طب ◄ عست اوران كو طاديا دوايك ساتح بنة إلى اوران كورميان ايك مذ فاصل ے جس سے تواور نیس کر او دور وحم وحم وحم وحم وحم حسم و معاملہ کرم ہو گیااور ایداد آگئی ہی ہارے خلاف ان کی ایداد نہیں کی جائے گ حد ۵ کتاب کانازل کرنااللہ تعالی غالب اور علم والے کی طرف ہے ہے ، و محناموں

كا بخش والا ، تويد تبول كرنے والا ، سخت عذاب ويے والا ، بزے افتيار والاب ،اس كے سوا كو كَى لا نَقِ عبادت نبيس ، اى كى طرف لو شاب ك بسم الله شريف مهارا دروازه، سور و تبارك ماری دیواری ایس ماری حیت ب کھیعص ماری کفایت ب حمصت ماری بناه گاہ ہے پہل اللہ ان کے مقالم میں تمہارے لئے كافى باور وہ سنے ، جانے والا ب عرش كاير ده جمير بهيلا مواب اور الله تعالى كى نظر بهارى طرف متوجه بالله تعالى كى مدو ے کوئی ہم پر غلب ندیا سے گاہ اور اللہ ان کوہر طرف سے تھیرے ہوئے ہے بلکہ یہ کتاب قرآن مجید ہے اور محفوظ میں ، اللہ عی اللہ علی ال کرنے والا ہے ، جنگ میر اید دگار اللہ تعالی ہے جس نے کتاب تازل کی اور نیکوں کی مدد فرماتا ہے جمیرے لئے اللہ تعالی بن كافى ہے، جس كے سواكوكى معبود نبيس مجھے اى ير بھروسہ ہے اور دہی عرش عظیم کارپ ہے ہانشہ کے نام ہے شر وع جس کے نام کے ساتھد ز مین و آسان میں کوئی چیز نقصان میں دی اور وہی سننے جائے والا ہے ، اور سمیں بے قت اور نہ طاقت مگر اللہ تعالیٰ بلند وعظمت والے کے فضل سے اور رحت کا ملہ نازل فرمائے الله تعالى اين بہترين مخلوق جارے مردار محد صلى الله تعالى عليه وسلم ير اور آب كى آل و تمام اسحاب براین دحت میں ہے 4اے سے برے مہربان 4

التاه في سيد



الشادق سيد

﴿يَاعَلِيْ يَاعَظِيْمُ يَاحَلِيْمُ يَاعَلِيْمُ ﴿ أَنْتَ رَبِي وَعِلْمُكَ حَسْبِي ۗ فَيَعْمَ الرَّبُ رَبِّ وَيْعَمَ الحَسْبُ حَسْبِي ﴿ تَنْفُسُ مَنْ تُشَمَّا ءُوَ أَنْتَ العَرِيْوُ الرَّعِيْمُ ﴾

ار شادِ باری تعالی ہے: اور سب اجھے نام اللہ کیلے ہیں مواسکو انہی ناموں سے پکارو پکار نے کا متعمد ہوتا ہے متوجہ کرنا اور اللہ تعالی کو اس کے اماد سفاتیہ سے پکار نے کا متعمد خود کو اپنے ظاہر و باطن کے ساتھ رب تعالی کی ان صفات کی طرف متوجہ کرنا ہے جن کا نزول اطراف عالم میں ہر شم ہورہا ہے بعنی کہ اسے باری تعالی ان اساء عمل جو صفات کو شدہ میں ان کی جھی تے ہم کو محلی فراور اس کے خواس کو ہم پر ظاہر فرمادے۔

اربابِ حقائق کلینے ہیں ،اسائے حسیٰ ہے بدرے کا حضر ہے کہ ان کے ساتھ تعلق و تشیبے پیدا کرے تاکہ ان ابناء کی تجابیات کی بدولت اسٹل انتاقلین سے فکل کر اسک علیمین کے مقام کو کافئی جائے۔ ابناء الحسیٰ ہیں ہے ہر اسم معرفت الٰ کی حصول کا ذرایعہ اور رتمت الٰمی کا درواز و بے کیکن ان سے کسب فیض اسی وقت ممکن ہے کہ جب پڑھے والا ان اساء کے معلی ومفہوم ہے آگاہ ہو۔

فینج المشارخ میدی ایوالحسن شاؤلی شنه الد شدن خانید نیسی دعائے حزب المحر کی ابتداء رب تعالیٰ کے چار عظیم الضان اسماء مشاہ ہے کی جائے دیشت والے کو چاہئے کہ وہ ان اساء کے معنی ومشیوم کو انجی طرح سجھے تاکہ ان اساء کے توام اس پر ظاہر وول اور بیہ ان سے عمل طور پر فینسیاب ہو سکے۔

# (記じ部)

(بيت بلندوبرتر)

ملی . مند ے ب بس کے معنی ایں: ہر اعتبارے مطابق بلندی ، ہزرگی اور عالی مرتبد والا۔ اَلْعَدِيٰ مِنْ ذِحِلْ بِعِنْ وہ وَاتِ اعْلُی کُر جِس کے برابر یا جسے او پر کس کا کو فی مرتبد ومقام سُهُ عَانَ الْعَيْنَ الْأَعْلُ سُهُ عَانَهُ وَ تَعَالَ

پاک ہے دوذات جو مب ہے بلند اس ہے بر تربال اور عالی شان ہے اتھ بر تو ہی در 212/2 الکٹائے خاذ بینا: دواسم ہے جس ہے پستیوں میں گرے جو ڈال کو بلند کی اور قدر دومنز ات عطاکی جاتی ہے اور ذکیل کو عزت کے تامیٰ ہے سر فرانہ کیا جاتا ہے۔ اس اس کے ذاکر کورپ تعالیٰ جر مجھے پر نے دھرت اور خلیہ عطافر باتا ہے اور اس کیلئے امھی تحریف و قذ کرو کو دیا میں قائم فرماد بتا ہے۔

﴿ خواص واعمال ﴾

النافئ بنزوندن کا ذاکر نہایت معزز ، تُحوش اطوار ، دکش شخصیت کا حال اور متات آمیز و عکست سے بھر می گفتگو کرنے والا ہو جاتا ہے۔ الله تعالی اس کے عالی کو عزب خاص سے نواز تاہے۔ شخ ابر العمال بدنی نشخه الله علاقات تھیں:جراس اسم کو پڑھے گا اس بزرگ نصیب ہوگی اور مجمعی کس کے سامنے ذکیل نہ ہوگا۔ جو مجمی اسے دیکھے گا اس سے مجبت نرے گا اور ہر کام عمل قد اتعالی کی حد اسے حاصل رہے گی۔ ہر ایک اس کا مطبع ہوگا اور علم کی بار کمیاں اس پر مکشف بول گی ۔ اللہ تعالیٰ اس کے ظاہر و باطن کو بلند کرے گا اور خوش بختی وسعادت مند کی اسے حاصل ہوگی۔ (عس العدف اللہ بی)

اس اسم کو تھید کی تمازے سیلے ۱۱۰ مرتبہ پڑھنے سے عزت و مرتبہ میں اضافہ ہو تاہے۔ دائلۂ میں فرد آ تھیے مُحبِظ کے باطن شن اس اسم کی جلوہ کری ہے اوراس کے باطن میں اسطے والک الملک کی طرف اشارہ ہے۔

عَسلِيّ كا عداد و التي جور جاب كداس اسم كر فواص كا حال بوادراس اسم كى صفات سے متعف بوء قواس جائي كد مندوج ويل طريقة پر اس اسم كى ديا ضت كرست تاكه كمالات ولقىر فات اس اسم كر اس كوماصل بول-

| اصغر الصغائز | ا اسغر | مغير | اكبرالكباز | كياز      | اکبر   | کیر   |
|--------------|--------|------|------------|-----------|--------|-------|
| 101          | r.ta   | 7.0  | FF72       |           |        |       |
| 1011         |        |      | تھتیں روز  | چاليس روز | چھ روز | נפגפנ |

گلی عدوی کے خواص: فیخ ایوالمهاس بونی دشته دند شدند بند قربات بین ۱۱ الاق ا اگو خی پر کنده کر کے خود و عمر کی دحونی دے کر میتبنا چاہئے۔ قام طفاع ماہدا ان الله کو کیا کرتے ہے۔ تاریخ کی کتب میں درج ہے کہ شابان فارس نے جب، مون پر لفکر کئی کی قرصی نے امون سے بچ چھاکہ تم نے خالفین سے مخت کیلئے کیا تیادی کی ہاس میں مامون نے اپنا باتھ آئے کیا جس میں اسم علی کی اگر میں تھی ادر کہا کہ جب تک یہ مارے پاس ہے ہم پر کوئی خالب نیس آسکا۔ اس کو کلف کیلئے مطاب، وقت شرف قرکا

#### ﴿ الْعَظِيمُ وَالْهُ ﴾ (انتالَى عقب وبزالَ والا)

انْمَقَلَمْ مَوْدَ مِن الْمِحْدَدَ وَالْمَدِينَ عَلَيْتِ عَلَيْلِ اوْرَكِيمِ إِلَّي كَيْ مِا حَدِيدَ إِلَى كَن بَرَانَى كَن بَرَانَى كَن بَرَانَ مِكَانَ سَاسِ مِيرَانَ إِلَى اللّهِ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّم

ترجہ: تم نے الله رب العزت کی عظمت کو کماحقہ شیس پیچانا اور اس کی مقلت یہ ہے کہ تم کسی مجی تھوق کو اس کے ساتھ کسی بھی چر بیس برابری ندود مند میں الفاظ عمر اس طور پر ( کہ تم کم کو) اور جو اللہ چاہ اور جو تو چاہے ، اور شدی عجب و تقییم اور شدی بزرگی واطاعت بھی۔ حکوق میں کسی کیلیا بھی ہیہ جائز ٹیش کہ دل وزبان اور اعضاء ہے کسی کی ایکی عظمت بھالا ئے جیے اللہ تعالیٰ کی عظمت کا تق ہے۔ اللہ تعالیٰ کمیر و عظیم ہے کیریائی اس کا وصف اور عظمت اس کی صفت ہے۔

﴿ خُواص واعمال ﴾

رکات نساب عر (در دور قش بزل خم الامراد الامرا

کے دل پر اس کی عزت و دیہ ، مبدال وو قدر قائم ہوگا۔ محلوق کی نظروں میں بزرگی اور قبولیت خلائق نصیب ہوگی۔ جس کو اس کی قابلیت کے مطابق روز کار نہ بھا ہو اے اس لوت کو شرف آفاب میں میاندی کی انگو علی پر کندہ کرا کے پیٹمنا جائے اور اگر انگو علی پر کندہ کر اکر اویر سرخ يا توت كالحمية لكواكر يبني توداكى عزت نعيب مواور تجى ذلت يس كر فمارنه مو

لوح تسخير خلائق: في ايوالعباس يوني ف ن ال ک ع ق ک ع د ا د ا د ا د ا f. 1. 9. 2. 1. 2. 6. 10 9.0 20 0 6 5 6 6 J & 5 8 2 5 0 5 5 5 20 0 0 6

الدائد المناب فرمات بين كداس اسم مي ايك رازے كداسم العقائم والدائد است خواص كوكال طور پر تب ظاہر کرتا ہے کہ جب اے اسم ألفائ خدونون كرماتحد الأكريزها جائدان اساء كا ذاكر باعزت و بادست ، نكاد خلق مي

الفت و محبت كا ميكر ، صاحب لعمت اور بميث خو شحال رہتا ہے۔ جو کوئی بوقت شرف قر سفیدریشم پران دواساہ کے وقع عددی و حرنی

کو لکھ کر اپنے یاس رکھے اور ان اساء کی مداوست کرے تو اسکی ذات مرجع خلائق جو جائے اور پر تخیر کیلے کی اور عمل کی حاجت ندر ہے گی۔

لوح معفير امراه: اثر كوئى جاب كهباد شابول، حكر الول امراه وسلاطین کے نزدیک معزز و کرم بے تو شرف قرر، شرف عمس استليث عمس وقرك وتت اسم ألفيل خداد خدن ے مرابع میں اسم الفظ نے باتھ اللہ الدہ اللہ کووضع کرے اسے یاس کے۔ امر اود سلاطین کے نزدیک معزز و کرم مو جائے گا۔ نیز اگر یہ لوح لکے کر ولین کے ملے میں بینا دی

جائے تواسكے حسن على اضاف مو جائے اور شوہركى لكاويس بميشه محبوب و معززر بے كى ۔

ر شنول کی روکاوٹ دور کرنے کیلیے : اور دیاہ میں بعد نماز عشاء ۱۰۰۰ مر جہ ۲۱ روز تک بد دواساء البیدیائی این اینظائی پڑھنے ہے رہے عمل آنے دائی اتمام رد کا و ٹیس دور ہو جاتی ہیں خواہ ان کا سبب کوئی بندش سحر ، نظر یہ ہو یا کسی مجس طرح کی کوئی روکاوٹ ہو۔ رشتہ دیکھنے آتے ہیں کمریکٹ کرکوئی جو اب نیس دیتے تواس کیلئے مجی بدوظیف نہایت جرب ہے

> ﴿ الْمُعَلِينَمُ اللهُ ﴾ ( نهايت بروبار وبزے قمل والا )

حلم سے معنی نر دہاری ، آبھی و معنی ، دور اندیثی اور حلی سر ایش کے ہیں۔ امام زین العام ہے ہیں۔ امام زین العام ہی ادارہ میں العام ہیں نہذا ہوں العام ہیں نہذا ہے کہ جب کتابھار اس کی ہارگاہ میں آبھائے ہیں: خلیات ہے کہ جیسے بندائے کے لوگ کاہ کیا تی انہ ہو۔ اس اس اس کے باطن میں اس العام کے العام ہیں۔ الدین نہ ہوائی اور رحم بیاتی و دور اس کے ماج کے دور کرز کا معاملہ فرمان ہے۔ قربان باری تعالی ہے۔

وَاعْفَتُوا آنَّ اللَّهُ يَعْفَمُ مَا فِي أَنْفُسِكُمْ فَالْمِنَّ رُوُكًا ۚ وَأَعْفَوا آنَّ اللَّهَ عَفُولٌ حَلِيمُ اور جان لوكر الله جانائي جركي تهارت ولول شرب يكن اس فريق ربود اور جان لو الله يزاقضُ والاروبار بسرورانيّر والتربي و ١٣٥٨

وہ ملیم صفت اپنے بندوں کو اس صال جس دیکھتا ہے کہ بندے اس کی ذات کا انگلا اور اسکن نافرہا نیاں کر رہے ہوئے ج<sub>ال</sub> بیکن اس کے باوجود دوہ اپنے بندوں پر اتنام پریان ہے کہ ان کورزق ویتا ہے ، ان کی مختلات کرتا ہے ، لیک فلوش کے حصول میں ان کیلئے آسانی پیدافرہا تاہے ، دو سرول کی نظروں ہے اپنے بندے کے عیوب کوچہاتا ہے ، ان کومہلت ویتاہے، بندوں کو توب کی توفق عطا کرتے ہوئے ان کی توب کو تبدل کر تاہے اور ند معرف تبول بلکہ توبہ کی تبدیات کے ساتھ ساتھ ان کے مماناہوں کو بھی تیکیوں میں بدل دیتاہے۔

### ﴿ خواص واعمال ﴾

النكيفية بين ك و كرے روح من قوت جاؤبة الا موقى ب - ظب كو قوت بعيرت عطا بوقى ب تاكد حقائق ك اظهار اور ميد ان معرفت كه مشابدات سے مقتل جران ند بو اور مين من قوت بر داشت پيد ابوقى ب تاكد اسرار الهيكواس من فوشيدور كما جائك اس اسم كى بركت سے حاكم ، اسرا و افسران بالا كا فقتہ تحتم بوتا ہے - ظلوق كو عاج كرك والكرك طرف رجوع كر اتااس اسم كا ادفى كمال ب -

اسم النفلينية بيني كاهداد ٨٨ إلى - بر نماز كر بعد ٨٨ ح تيد ورد كرنے سے مزت دم تيد عمل اضاف بور تاب اور طبيعت عمل حام وجو دامتح اور پيدا بوق ب

جوبہ چاہے کہ اس اعم کے خواص کا حالی ہواور اس اسم کی مفات سے منتصف ہو ۔مندرجہ ذیل طریقتر پر اس اسم کی ریاضت کرے تاکہ کمال اس اسم کا اس کو حاصل ہو۔

| امغ<br>الصغائر | امغر | A.CO | اكبرالكبائز | - باز  | اكبر  | بير  |
|----------------|------|------|-------------|--------|-------|------|
| AFP            | 1974 | TALT | PADTIT      | IFF4-F | F-976 | LLFF |

لوح مهارک : النفینیة والا کاون کوچاندی پر فرقت مثلیث یا ل ل م م ک ل ل ح آ تدیس قرو مشتری میں تیاد کر کے اپنے پاس کے تو فود میں م ک ل ل ح آ نیب و فریب اثرات طاحظ کرے شرح ایم کاون کھے مہریان ہو۔ اس سے قرض ما کے دوالکارنہ کرے۔ مزان میں قری اور کتام ل م م ح ل ل م ح ک ل ال م م ک ل ال م م ک ل ال م م ک ل ال م

#### وُمُوذُ النَّصَ إِل شَهِ جِزْبِ الْبَحَ

میں عاجزی و انکساری پیدا ہو۔ ایسا شخص جس پر سے کلوق کا اعماد شخم ہو چکا ہو اس کیلئے ہے لوح بہت مفید ہے۔

العَلِيمُ عَنْ لَهُ

كافرماناب كه برمرض بيل بيا نقش مفيد ب-

(بيت وسيع علم والا)

وہ ذات جس سے علم نے کل کا خالف ایک ظاہر ویا طمی واؤل و آخر ہر شیح کا کا اس اصاط کیا ہوا ہے اور وہ ہر لیمہ ہر آن اپنی مخلوق کے ظاہر کی ویا طبق جیچ احوال و افعال سے واقف ہے۔ وی اپنی، القاء، البام، طاب کے تقویہ کو علم و معرف و مکارم اطاق سے زندہ کر ناای اسم سے متعلق ہے۔ جس کو اس اسم کا تصرف عطا کر دیا جائے کل عالم کی مطلب اس کیلے مطبع کر دی جاتی ہیں۔ آفات سے متناظمہ اور مخلوق کے شر سے بنادو سے دی جاتی ہے۔ اس اسم کے پڑھے والے کو اللہ تعالی الی یا توں کا طم عطا فرباتا ہے جو غیر حق سے بچ شیر وی سے اور اس وعات حزب البحر کے ایتدائی اسان کی ترجیب بھی اس دعائے کمال کو عاہر کرتی ہے۔ جیسا کہ اسم العظیم یہ کی تعریف میں فیج ایو العماس بونی نششہ فندن نشد کا قول دور ج ہے کہ العملی بیڑائے کے کا کی خواص جب خاہر ہوتے ہیں کہ جب اسے العظیم بیڑائے کہ ساتھ ما کر چڑھا جائے۔ اس کی وجہ یہ ہے کہ پڑھنے والے کو ایک بلندی عظا ہو جس میں عزت و عظمت شامل ہو۔ ای طرح اسم العطب ہ بیٹی العلیم بیٹی کا تعلق ہے کہ پڑھے والے کو ٹروباری و دور اند کئی کے ساتھ علم میمی عظا ہو تاکہ ہر طرح کے حالات سے واقلیت و رہن کی رہے اور رب تعانی کی عطا کی ہوئی صفت جائم و علم کے ذریعہ نہ صرف حکالت کو برواشت کرے بلکہ ان کا آسمان ترین حل نگال کرزندگی کو ٹر سکون میں بین باشکے۔

## وخواص واعمال

الفینسیة بیزاً کاذکر حصول خمره صوفت، حصول کشف و حقائق میں تا تیجے کا کن مکتاب بیو خشخص اس اسم کو پزشخے ،اللہ تعالی اے د قائق اسور و خفیات طوم پر مطلع قرما دیتا ہے۔ اے ایس علم مطابوج جد طارہ کو عاج کر دے۔ جو شخص اس اسم کاؤٹرے کا، قلب اس کا بیدار ہو جائے گا اور اس پر مغیر لوگوں کے مختشف جوجائی گے۔ مختف القلوب، کشف اراد داری محفف الغیب کیلئے اس کی ریاضت اکیر کا ورجہ رمحتی ہے۔ اعدادا س اسم کے ۱۵۰ بی اور ریاضت کا طریقہ ہے۔

امنز اکبر البرالکیات صغیر امنز المنظار المنظار المنظار المنظار المناز البرالکیات المناز المن

| 44 | ٨ | ۳۲ | 171 | فتی پرای اول کوشر نب<br>کے سے دیاتی علم و<br>رشرف مشتری میں لکھ | ومشترى: پارەبىتەك   |
|----|---|----|-----|---|---------------------|
| ~~ | J | 3  | 4   | کنے ہے و نیاؤی علم و  | تش کر کے اپنے ماس   |
| 4  | - | ی  | 41  | 1 0 4 - 40 - 4  | 7 10.1              |
| 9  | 4 | FA | 61  | ر مرب مسترى على لله   | ن جاس ہونی ہے اور ا |

#### دُمُودُ النَّصَرِقِ شَرِجِوْبِ الْهَتَ

کر رکھیں تو علوم شرعیہ میں کمال حاصل ہو۔ یہ لول ایسے افراد کیلئے بہت مجرب ہے جو حصولِ علم کے شائق ہول۔ اس لوح کو پاس رکھنے والد استحان میں بھیشہ ایقے درجہ سے کامیاب ہوتا ہے اور انٹرویو میں کامیالی کیلئے بھی اس لوح کو پاس ر کھنا چاہئے۔ جس مجنس کا نام جیسی پاسلطان ہو اس کیلئے یہ لوح بہت فائدہ مند ہے۔

|     |      |    | r. |
|-----|------|----|----|
| r.A | FY   | ro | rı |
| -~  | ٠ ١٩ | 14 | 14 |
| ۵۳  | m    | rr | 44 |

رائے پر لگایا جائے توہاں طلباء میں علم کا حوق زیادہ ہو۔ کی میں پہنانے سے رجعت کے افرات رفتہ رفتہ محم ہوجاتے ہیں۔

افترض یہ چار ایان درب تعالی کی ایک سفات کا ایک عیاج چی کی جن میں بندے کیلئے علاق چیں کہ جن میں بندے کیلئے عروق ورقی ورقی و مقلت و وجت و قار و پر دیاری اور من مرفان کے فترانے پوشیدہ چیں ایک انداز اسام کے مختصر خواس کو کھنے کے جد پر منظ والے اللہ کا طاوت کرے لو پائے کہ جب وہ ان اسام کی محالت کرے اور کہتا ہوئے اس انسور کے ساتھ ان اسام کو پڑھے کہ کو یا کریم رہ بات کیا ہے اس کا انسان کے ساتھ ان اسام کو پڑھے کہ کو یا کریم رہ بات کیا ہے گائے اس کو میں ماضرے اور زبان حال سے اسے درب کے حضور اسطر ح اور قبان حال سے اسے درب کے حضور اسطر ح اور قبان حال سے

اے بلند و برتر ؟ جو زوال میں پڑے ہوئے بند وں کو بنند کی مطافر ہاتا ہے۔ تیم اسے پہتوں ٹیں گرا ہودا غلام اپنے آتا کی طرف لوٹ آ بیا ہے جمیل عروری و بلند کی مطافر ہادے، اے مقصق و بزر کی والے ! تیم ایا منظم و والا بندہ تیم کیا بارگاہ میں حاضر ہے ہم پر ایکن مقلمت کی لگاہ فرباکر واگی عزت و بزرگی کے تاریخے سم قراز فربادے۔ اے بدد بار ! تیم ا صلم کا تابی کرنے والوں کی سزاؤں سے مقلیم ترہے تو وہ ذات ہے کہ جس نے بھٹ ہماری نافربانی پر مفود در گزر کا معالمه فربایا اور اپ فضل و کرم سند مجمی تهارس میبول کو کرم سند مجمی تهارس میبول کو کلار بود که دادر تم میبود کی دادر تم میبود است محمل کا معالمه فربا اور تم کل کاو فرباد سدات علیم الآوی و والت کی افزاد میمانی و رحت کی تگاه فرباد سدات علیم الآوی و والت ب به جو تمارس حال و افعال سے خوب واقف ب رقبی تمارس تمام معمائی کو جانبا به ادار ک حل کی تدامیر سے کائی طور پر آگاه به ابدا است کر کیم تمارس معمائی کو حل فرباد سالیت کو حل فربات کرایم تمارس معمائی کو حل فرباد سالیت کو حل فربات کرایم تمارس حصائی کو حل فربات کائی طور پر آگاه به فربات کرایم تمارس حصائی کو حل فربات کائی طور پر آگاه به فربات کرایم تمارس حصائی کو حل فربات کائی خود کی خربات کائی خود کرایم تمارس حصائی کو حل فربات کائی خود کرایم تمارس کائی خود کرایم تو کرایم تمارس کائی خود کرایم کرایم تمارس کائی خود کرایم کرایم تمارس کائی کرایم تمارس کائی کرایم کر

## ﴿ يَاحَلِيْمُ يَاعَلِيْمُ يَاعَنِيْ يَاعَظِيْمُ ﴾

یہ اساءالہید واقع رغی والم ہیں اور شارہ زہرہ سے منسوب ہیں لینٹی الفت و عجت پید اکرنا، خوشحائی کے امیاب میں کرنا اور بلندی و مقت مطاکر تا ان کا وصف ہے۔ ان اساء کا نصاب چار ال کھے۔ جے 240 دوڑیں اواکیا جاتا ہے بینی ہر روز دس بڑ اوسر تیز پڑ حاجائے۔

ختم برائے چیچ مقاصد: کمی مجی شکل مہم کو حل کرنے کیلیے ان اساء الہے کو بلور فتح 151000 مرتبہ پڑھا جاتا ہے۔ ترکیب اسکی ہے کہ اپنے 10 افراد کا انتحاب مجیح کہ جو مسلس چار دوز کا 10 دوز تک وقت مقررہ پر حاضر ہو شکل ۔ تہام خضرات اس فتح کوایک بی مقصد کی نیت ہے پڑھیں اور دوز مرد کی تعداد پرد کی آگر نے کے بعد ان میں ہے ایک فضل دعاکر ائے اور باتی سب آئین کھیں۔ اگر ایک دوز میں پڑھتا چاہی تو بھی پڑھا جا ملک ہے۔ لیسا ہی منظر ہو یا کوئی بھی پریشانی ہو واقد تعالی ان اساء کی برکت سے عل فرما دیتا ہے اور سبکام حسب شاہ انجام بار برج و جاتے ہیں۔

کچھ عرصہ قبل ایک خاتون میرے پاس ایکن اور کہا کہ میرے بیٹے کو پیائی کی زاہو گئے ہے۔ وہ بے تصورے اس کو کسی لڑگی کے عظل کے مقدمہ میں پیشاد یا ہے اور وہ کی خود مجی زیر حراست ہے۔ میں نے ان سے کہا کہ اگر آپ کو چین سے کہ وہ بے قصور ہے تو آپ پریشان ند بول۔ آپ ان اساء کا فتم پڑیں اور اعظی دائر کردیں۔ انشاء اللہ آپ کی اجل منظور ہو جائے گی اور جب اعظی منظور ہو جائے اور فیثی کی تاریخ الل جائے تو اس تاریخ کی جائے۔ ابد الارائ فتم پڑھ کر مدالت میں جائیں۔ بنداا نہوں نے ایسان کی ااور جب اعلی منظور ہوئی اور دوبارو فیش پڑائی اللہ علی میں جش ہوئی ہواتو وہ اور کی جس نے اے مقدر میں پوشنا یا تھا تو دی بول پڑی کہ یہ نے تھمور ہے اور دیگر کو ابان نے بھی چی کی کہا کہ یہ لاک کو جی کے جی کی کا کہ تا کہ لاک کو بری کر دیا۔ انجد نشدہ کے اس لاک کو بری کر دیا۔ انجد نشدہ کے اس لاک کو بری کا دیا۔ انجد نشدہ کے اس لاک کو بری کر دیا۔ انجد نشدہ۔

تعلق دوالکتاب: ان اناء کے بہت سے خواص ادارے مشاہدے ش آئے ہیں۔ جو معنادت ان کو پڑھیں آئے ہیں۔ جو معنادت ان کو پڑھیں گئے وہ ان انا البید کے خواص کا مشاہدہ خود می کر لیس کے۔ اگر معنول میں رکھنا چاہیں قوروزاد ۱۹۰۰م تبدید نماز عشاہ یا تجروب کی محتول میں رکھیں۔ جی مقاصد حاصل یو کے ادر اگر ان انام البید کا تحق بناکر لیخ پاس کی ادر اگر ان انام البید کا تحق بناکر لیخ پس کے حاصل یو کے دول کے ساتھ وہ کتی ہے۔ تحق یہ

﴿ اَنْتَا رَبِّ وَغِلْمُكَ حِسْمِي ﴾

تو عادامر لی مرارا پالتبارے ، ایسامر لی جوهاری بر کیفیت سے آگاہ اور عاری بر مر اوکیلئے کافی ہے۔ روز مروز مر وزیدگی هم جم دیمجھتے ہیں کہ بہت ہے ایسے لوگ ہیں، جو مسائل بی میسے ہے۔ بوے لوگوں کے حالات سے تو واقنیت رکھتے ہیں حمر ان کے مسائل کو حل کرنے کی
استعداد جبیں رکھتے اور اس کے بر تکس بہت سے ایسے لوگ بجی ہیں جن کے پاس مشکلات بیس میسے لوگوں کی مدد کے وسائل و اساب تو ہیں حکم مشکلات بیل محر سے افراد کی ان تک رسائل بی حمکن تبیس۔ اس لئے اس مقام پرانت بیل کے ساتھ علم کسسسے کہا گیا جس کا
ملہوم کچھ اس طرح ہے کہ اسے دب تو ہمارا پالئے والا مجی ہے، تمارے سائل کو جانے والا

### 食でいまり

یہ اسم اپنے متنی و مقبوم کے اختیادے بہت وسعے ہے۔ اللہ اتعالٰی نے اپنے کام بی اپنی سب سے میکی صفت جو بیال فرمائی وہ کہی ہے۔ العسد الله دب العسالدین بینی تمام تعریفیں اللہ کیلئے جو پالنے والا ہے تمام عالمول کا۔

دبﷺ: : تربیت کرنے واللہ پرورش کرنے واللہ ایسی کی چیز کو انگی استعداد وصلاحیت کے مطابق آہستہ آہستہ درجہ کمال تک پہنچانے واللہ والدین واستاد اور چیران عظام میں پرورش وتربیت کے جو انٹر اپنہ رپو ہیت ہیں وہ اسی اسم کے سبب جاری ہیں۔

رب ﷺ: الله تعالى كى دومغت ہے جو تمام سفات كى جامع ہے ليتنى كہ جس نے الله تعالى كو اس نام ہے بكارا كو يا اس نے الله تعالى كو اس كى تمام مغات كے ساتھ پكارا۔ اس لئے انبياء كر ام بدؤن الله تعالى خانية؛ انبينون جن كو الله تعالى ئے تمام عكو ق شي افخشل اور اپنے قرب كے اللى مقام پر فائز كر كے واقعت رموز واہر او كہا۔ ان بر كزيرہ بستيوں نے بھى اكثر ليتن مناجات على الله تعالى كو اى تام ہے بكارا ہے بھے كہ دبنا ظلامت الفسنا اسدال خود دبنا ن مغلوب فائت مير در و دونى عليا اور بيرت كى كتب ش ہے كہ جب طاكف كے مقام پر لوگوں کے مظالم سے تک آگر دسول اللہ من نعاتص بندہ دیدونسٹر نے اللہ تعالیٰ کی بارگاہ بیس اپٹی پر بیٹانی و کمزودرکی کا ذکر فرمایا تو عرض کی انت رب السستند سعفین کینی توبی محزوروں کارب ہے ، حتی کہ رب تعالیٰ کا جلال ظاہر ہوا اور چرا انکس نیے استان کا اور فرمایا کہ اگر آپ سل امنا شعال مذنبہ وجونسلہ تھم فرمائس تو اس کستی کو فاکر دوں۔

الیمش مرقاء فرمائے ہیں کد اسم دب یکا اسم اس معظم ہے کے تک جب بندہ اس اسم سے اللہ تعالیٰ کو پکارتا ہے تو فورا اس اسم کی تجلی پکارنے والے کی طرف معوجہ ہوتی ہے۔ حضرت عائش معدیقہ رض اللہ عمل عندے دوایت ہے کہ جب کو کی بندہ یساؤپ ہاؤپ کہتا ہے تو اللہ تعالیٰ ارشاد فرماتا ہے کہ اسے بھرے بندے میں حاضر ہوں ما تحویجے مطاکیا جائے گا۔ (عزو ابن بی جنیا در اسروساد مودول)

وخواص واعال

یہ اسم خواص میں جیب ترب نے خزانہ فیب کی تئی ہے ، توسیلی ، منایتیں در حمیں سب اس اسم میں پوشیرہ وہیں۔ حاجات کا پوراکرنے اور مقاصد کے جعبول میں سرحی الاثرے ۔ اس کا پڑھنے والا آفات و بالیات سے محفوظ رہتا ہے۔ وہشول کو ڈیر کرنے اور خریت و افلاس کو دور کرنے میں اس کا دورہ بہت جرب ہے۔ اس اسم میارک کواس کے اعداد کے مطابق بینی ۲۰۲ مرتبہ وقت مناسب پر معول میں رہنا جائے ہے۔ جس کانام محمد علی او اس کیلئے بید اسم، اسم اعظم ہے ۔ اس کی ریاضت کرنے والا سیف زبان و مستجاب الدعوات او جاتا ہے۔ ریاضت کا طریقہ رہے :

| اصغر الصغائز | امنر  | مغير  | الكيزالكيائز | YEL   | اکبر  | 15    |
|--------------|-------|-------|--------------|-------|-------|-------|
| 01-1         | 1+2+1 | r-r-r | rraper       | וזרוז | AIT+A | r.A.r |

|    | _  |     | ره زفع افلاس و قوت اعضان د فع نوست زخل کیلی ر   |
|----|----|-----|---|
| or | 99 | ٥١  | ل باه برد طی از طی و قری مطیعه یات بی سر  |
| 1  | رب | 1.1 | ں : رفع افلاس ، قرب امضا ، دوفع نوست زحل کیلئے<br>ل یا اون زعل یازعل و قمر کی حثیث یا تعدیس کے<br>ح سید کی گول محتی پر کندہ کرنی چاہئے۔ جن احباب<br>ارتبی احتکام نہ آتا ہویا ہر کام میں نقصان کا سامنا ہو |
|    |    |     |   |

اخیم لازی اس لور کو تیار کر کے اپنے پاس دکھنا چاہئے۔ لوح بناتے وقت مود کا بخور مسلسل جلاتے رہیں اور کند و کرنے کے بعد ۲۰۱۳ مرتبہ یارب پڑھ کر لوح پر وم کر کے اپنے پاس رکھ یس۔ اس لوح کی بر کت ہے روز گاریش استخام پیدا اور کا اور ایشہ کر کم وولٹ لازوال عطافریائے گا۔ ان شاوانشہ

عددی گفتش کے خواص: آفات دبلیات سے حفاظت ، دہمنوں سے نبات اور ہر کام مالخصوص دشتوں کی دوکارے دور کرنے کیلے نوجیدی بفتہ کو طاوع

| 4 | 4  | باسط | 10  |   |
|---|----|------|-----|---|
| 4 | ٥  | 14   | 4.  |   |
| 1 | .1 | 71   | AF. | i |

آ آب کے دقت برل کی جمل پریہ عش کلد کر پاس دکھنا چاہے۔ بلنہ پر بیچر ، خرافی معرد دور دیاتی اسراض کیلئے چاندی پر کلد کر پائی

کے برتن میں ذال دیں جب مجی بیاس کتے بھی پائی پیشر۔ چوری شدہ یا کم شدہ کیلیے: اگر کسی کا کوئی سامان بال جوری ہو جائے یا کوئی کمرے ہماک

بائے توچوری یا فراروالے مقام علی مشرقی و لوار پر شیادت کی افکل سے بیار بدھوسی پیارب کلید تھی مرتبہ تعسیس اور ۲۰۴ مرتبہ پڑھیں بارب موسی بارب کلید بسد اللہ الدھون المسر حید ۔ افٹاداللہ تھی روز کے الدر پاسات روز علی بال سروقہ بل جائے گا اور مفرور یا کمشد دواہی آجائے گا۔ کمشد دواہی آجائے گا۔

### والخسيب عالم

المام فزالی زنند فائد تندان مذہبہ شرح اسادالحنی عمل فرماتے ہیں کد اُلتنسینیٹ بڑا کھ ووستوں عمل خار کیا کم ایسے ایک میر کہ حساب لینے والا مینی اللہ تعالیٰ ایسے کا کل علم اور بعر پور قدرت کے ساتھ ہر کمی کا احتساب کرنے والا ہے اور دو سرا سطلب اس اسم پاک کا یہ ہے کہ سب
کے کائی جو جانے والا۔ خد اتفائی کے سوااور کوئی خیس جو خہا تمام چیزوں کیلئے کائی ہو
پیال تک کہ وہ اس جس کا دودھ اسحے بچے کو بھوک بیس کظایت کرتا ہے وہ جھی کائی کہلانے
کی حقد از خیس کیو تکہ مال تو خود دودھ کہ اتر نے بیس رب تعالی کی مختاج ہے اور وہ الشہ بی
ہے جس نے اس مال کو بید اکیا بھر اسمال جمائی میں دودھ اتارا اور بچے کو دودھ پینے کی ہدایت
کی اور مال کے دل میں شفقت و محب ڈالدی بہال تک کے اس نے بچے کو دودھ پینے ویا۔ یہ
مفت صرف اللہ تعالیٰ جی کیلئے مخصوص ہے کہ دوج وقت اپنی ہر تکلوتی کیلئے بغیر کی سب و

حزب المحريث السماس مع مراد كفايت كرية واللاب اورة عِنْ المنتخفي يعنى اور تيراعلم عى المارك ليم كافى ب- حطرت شادول الله محدث والوك وتند فاله تصاف منازيد فرمات جين : بد نقرود و نسيتول اور تين مقامات بر مشتمل ب-

ا یک نبت بین بوکر آلب کا مقام بدج به قاری کہتا ہے آئے تن آری تو گوادہ اپنے قلب کورب تعالی کے حضور حاصر کرکے کہتا ہے کہ میں نے کالی فیمن کیا اور جروسہ کیا اس بات پر کہ تو جی ووڈات ہے جو بیر اخالق ومالک میں ایالنمار اور میری حاجات کو پورا کرنے والاہے۔

دوسری نبیت معرفت را پریت و نبیت آوگل به جو کد دون اور نفس کا مقام ب اور اس حال کا مناب جملد و هلسك حسیق به بین هیمن قلب کے ساتھ میری دون میں یہ معرفت پید ابو ئی کہ میر ارب آنام صفات کا جائ ب اور اسک علم نے میر ااصافہ کیا ہوا ہے اور وہ جج سے بہتر میرے مطافات کا علی جائی ہے۔ اس کے علاوہ یہ جلد نفس کو مقام توکل کی طرف سے جاتا ہے بیتی بو کیفیت معرف ابراہیم منسب است در کو چیش آئی کہ جب بر طرف سے خالفت کی بودا تال بی کی اور نمروونے آپ مدیسہ است در کو چش من والتا جا باتھ حضرت جر ائتل سدید اسده حاضر ہوئے اور مدد کی ورخواست کی ہے اہرا ہی مسید السداد نے یہ کہہ کر مستر دکر دیا کہ اما الیک فیلا یعنی اسے جر ائتل سدید اسداد مجھے آپ کی اعاقت کی کوئی ضرورت نمیس ہے۔ پھر حضرت جر ائتل مدیدہ السداد نے کہا اے اہرا ہیم مدیدہ السداد المینی درسے اپنے کے بھاؤ کی دعاتو فرما ہے۔ اس وقت حضرت اہرا ہیم مدیدہ اسداد نے جو الفاظ اوا کے وہ یہ تقد حسیق میں سوائی علمہ ہی الی جب وہ میرے حال کو جانا ہے تو بھی عرض کرنے کی کیا ضرورت ہے۔ اس مقام پر آگر بندہ اپنے درسے ای مدد کا طلیکار ہے جو تھی امداد اللہ تعالیٰ کی طرف سے حضرت میں ناہرا ہیم مدیدہ السداد پر نازل ہوئی اور آگ

اس فقرہ کو پڑھنے وال در حقیقت اپنے دب کے حضور اس طرح عرض گزار جو تا ہے کہ اے تعارب دب ! ہمیں ہر طرف سے پریٹائیوں، تکلیفوں ، پیار بیاں اور مشکلات و عموں نے تگیر لیاب اور ہم ہر طرف سے اپنی امید یں منتقلیم کر کے تیرے واسمی رحت سے آچئے ہیں اس بھین کے ساتھ کہ تو ہی تعاراب ہے، تو بی سب بھی مطاکر نے والا ہے۔ اے تعارف وب تیری کئی ہے، ہی ہمیں ہر معالفے عمل کافی ہے کیو تکہ تو تعاری منرودیات اور حاجات کو ہم ہے بہتر جانے والا اور انجین بڑی تحکمت کے ساتھ عل کرنے

﴿ خواص واعمال ﴾

الُنے بنے بُ ﷺ فَالَا کَ وَکُر کرنے والے کی ہر حاجت پوری ہوگی، جو خداتعالی ہے ماتے کا عطا ہوگا، و قمن اس کے بیشہ متاب میں رہیں گے۔ مختسب افراد یا آگاؤ نمس کا کام کرنے والوں کیلئے اس اسم کا ورو بہت مغیر ہے۔ جس پر کوئی تہت لگ جائے اور بدنای کاؤر جو اے چاہئے کہ اس اسم کو ہر نماز کے بعد اس کے اعداد کے مطابق ورد کرے اور ہاتھوں پر دم کرکے چہرے پر چمیر کے۔ ان شاہ اللہ ہر طرح کے الزام ہے تجات حاصل ہوگی۔ اس اسم کواس کے اعداد کے مطابق مینی ۵۰ مرجہ ورجہ رکھنا چاہتے تاکد اس اسم کی جیچ برکات حاصل ہوتی رویں۔ اس اسم کی ریاضت کرنے والے کو وست فیب حاصل ہو جاتا ہے، زندگی شابانہ انداز میں گزرتی ہے۔ اگر کوئی اس کا عال ہونا چاہے تواسے چاہتے مندر جہذر فیل طریقہ سے اس اسم کی ریاضت کرے۔

| امغ<br>الصغائر | امغر | سغير   | اكبرالكياز | 340    | اکبر | کیر  |
|----------------|------|--------|------------|--------|------|------|
|                |      | FF 100 | (Allyaute  | Garria | 31r  | ١٣٠٠ |

قضائے صاحبات کا عمل: جس کو کوئی حاجت چیش آئے، اسے چاہئے کہ بدھ، جعر ات اور جعد کاروزور کے اور بوت چید مسل کرے ۱۳۳۰م تیہ شرعی انتقالی نئیسنین پڑھے۔ کیسی مجی حاجت ہو اللہ تعالیٰ غیاب پری فرمادے گا۔ اگر دھمن اور حاسدوں سے کوئی خوف ہو تواللہ تعالیٰ اے مجی دور فرمادے گا۔

| ب  | ی  | 5  | 2  | العباس بونی روناند تدن مدر فرمایت این اگر<br>بروش اس نوخ کو سرخ میشن پر کنده کر |
|----|----|----|----|---|
| 4  | 29 | 11 | 1. | مره على ال لوح كو سرح مقيق يد كنده كر   |
| ır | ~  | ۲  | DA | ن میں پہنے اور روزات اعداد کے مطابق اس  |
| 04 | 4  | -  | 11 | جس پر اس کی تکاو پڑے دواس سے محبت   |

کرے ، اطاعت کرے اور ول ہے اس کی طرف اکل ہو۔ بیب، عزت، مقلمت و مرتبہ اس کونصیب ہو۔ ماکم وافسر ال بیشہ اس سے بیشٹ خوش رہیں۔

جكد كى بندش وب بركى دود كرنے كيليے نيد مك بير ب شيخ حضرت موفى محد اسلم طاہر ايوالطائي ترويد رقد مكاہد روز كارش بركت، كاكم ميں اضافد ادر بر مك ك بديركى دور

#### دُمُودُ اللَّصَهِلِ شَهِ جِوْبِ الْهَحَرِ

| بنه کا تجرب البح ب و آزمودو ہے۔ عود کی 🖳 🖳  | تعاتى |
|---|-------|
| 1 1 A   | Q     |
| دی کا جرب الجرب و آزموده به مود کی الا ۱ می است می این الا ۱ می است کا این الا الا الا الا الا الا الا الا الا ال | ,     |
| 1 1 " (3 6 6 5 1 6  | 0     |

| rr | 19 | 11 | PY  |
|----|----|----|-----|
|    |    |    | IA  |
| ٨  | 10 | 14 | FIS |
| 14 | rr | 14 | 10  |

## ﴿ فَيَعْمَ الرَّبُ رَبِّي وَيْعُمَ الْحَسْبُ حَسْبِي ﴾

غَیْف الزَّنْ رَبِیْ: پس مارارب مارا پر ورد گار تمام تربیت کرنے والوں بے بڑھ کر اعظم طور پر پالنے والا بے ۔ وَ نِفَا الْحَسْنِ حَسِّیں: اور تمام کاایت کرنے والوں بے بڑھ کر احس طریقہ سے ماری کایت کرنے والا اور خیال رکھے والا بے ۔ کیو تک جن محاطات و حکالات علی ساری محلوق بیال تک کے اپنے مجی ساتھ مجود جاتے ہیں۔ ان محاطات عمل مجی مارارب جمس مجی تجا جیس چود تا اور حکالات کے بعنورے ماری زندگی کی محتی کو مجی وسالم منزل تک بھواتا ہے۔

یہ مقام ہو ہے کہ نگد انسان کی قطرت عمل ہے کہ وہ فھر کر تا ہے اسے حسب و نسب پر اور اپنے ظاہری اساب پر لیکن بے تمام اسباب ایک دن فاہوجائے والے ہیں لہذا

#### رُمُوزُ النُّصَرِقِ شَرِجِ حِرْبِ الْبَحْرِ

انبان کو چاہے کہ اگر افر کرتا ہے تو اس ذات پر کرے جو بید رہے والی ہے اور جس کی کفایت اے نہ مرف دیائل بلکہ آخرے میں مجمی کام آئے گی۔

یہ مقام ، معرفت ر پریت اور مقام تو گل سے لطف افعائے اور اور آر کرنے کا بھی ہے کہ ہم ایسے مظلیم مالک کے بندے ہیں جو ہمارے طالات کو درست کرنے والا اور ہمارا معاون و در دگارے - وہ تربیت کر تاہے ہمارے ظاہر کی اپنی نعتوں کے ساتھ اور ہمارے پاطن کی لیٹی رصنے کے ساتھ ۔ ہمارے گئاہول کے پاوجود نہ وہ ہماراساتھ چھوڑ تاہے مند ہمیں رسوافیس کر تاہے اور نہ ہی ہمیں شائع کر تاہے طالا تک ہم اس کے مستحق فیس ہیں۔ ہمارا ہیر قدم اسکی تافر بائی عمل المثنا ہے تکر اس کے باوجود وہا کید کو کیلئے بھی وہ کر یم جمیں ایڈی پروش سے الگ فیش کر تا اور نہ ہی اسٹانے کو اس استان کو جمیر پر گم کر تاہے۔

معاونت كرنے والا بے لہذا يہ تيم الى حق بے اور يہ تير بي شايان شان بے كه تعريف و

#### ومود اللترق شريعين البع

جال کے سب سے اور محکر بحالایا جائے تیر اتیرے کمال کے سب سے۔ الحدد الله دب العالميون-

### ﴿ تَنْصُرُ مَنْ تُشَاءُو النَّتَ الْعَزِيزُ الرَّحِيمُ ﴾

شنفن می قدد کرتا ہے۔ مدد کی کا اقسام ہواکر تی ہیں۔ بعض ان بیس سے غاہر آبوتی ہیں اور بعض یاطنا ، مجی رب اقعالی کی سب کے ساتھ اپنی بندے کی مدد فرماتا ہے اور مجی بغیر اسب کے محتال کی تعلق کو دور اسباب کے محتل اپنی افغال محقول کے دور سے سے بندول کی تطابق کو دور اور حاجات کو پورا فرماد بھا ہے۔ متن آشا آنا ۔ جس کو تو چاہتا ہے۔ بینی اے اللہ تو اس قدر اور حاجات دوائی کا ارادہ فرمالے تو کوئی جرے ماردے کو بدل محتال محتال کا دور دور حاجت روائی کا ارادہ فرمالے تو کوئی جرے اردے کے بدل محتال محتال اردہ کوئی تجرے کے اردہ کوئی تھے۔ دوک سمال ہے۔ کیوں کا کے تک محتال اللہ فین الدونین اللہ وین الدونین اللہ وین الدونین اللہ وین کا کہ اللہ کا دور اور کے اور کا اللہ کا کہ تو کا دائی کا دور اللہ کا دور کی دور کا دور

### ﴿ العَنِيزُ اللهُ ﴾ (ب برغالب)

یہ اسم بوزے بنایا کیا ہے۔ مؤرکے تھی معنی ہیں : تو بی ، قبر و غلیہ اور مؤرت۔ اس اسم مبارک کے تحت عار قبر بیشن بیان کی جاتی ہیں۔

آلفون بن الفون المجان و وذات جوابية و محمنون القام لينه على سخت ترين ب به وه كى كومزا و بينا كااراده فرمال التوكون طاقت المن فيس جواسكى مزا كوروك سكد ( باترابيون مدار) الفون في الفون المجان المستلف عن كافل الدوشان و هوكت ، قوت وطاقت سب پر اتن ما وات ب كدكون جزام عالاند كرسكه ، كون الهار كان من تدوي محكم ، الس كي قدرت وطاقت ب كوكن جزام و و واس كرفيف كوكن الهارة تي التي تحراف محكم الدواس پر كوكن المايد ف

الفیونی پیشان : دو ذات ہے جو قوی او ، زیر دست بواور کوئی اس کا مثل نہ بو ، نہ ذات میں اور نہ ای سفات میں ۔ ہر کوئی اس کا محتاج ہو اور ہر کسی گوا کمی حاجت ہو۔ اسک ہستی کہ جس کے مقالے میں کوئی سرنہ افعال کے ، جس کے فیصلوں کی عز احمت گرنا کسی کے بس کی ہات نہ ہو۔ جس کے آگے سب ہے بس اور ہے زور جو ل۔ (۱۰۰، نہ ۲۰۰۶)

## وخواص واعمال

النعوز فرق برو لا تریزی ، مخفیت می قوب جانب مستجر القلوب وظی اعداد کیلئے اکبر

المحد اساسم کی خاصیت کے مال کے عالی سے بعض یانداور رکنے والداور سحر کرنے یا

کرانے والداز فرو آفات و معمائی بھی محر کا آر ہو جاتا ہے ، فی ایو العباس احمد بن علی بوتی ہے۔

زخته ند فعل علنہ فریاتے ہیں کہ اس اسم کے واکر کو ویں و دیا تیں عزب مال موتی ہوتی ہے۔

حاکم ، امر او و سلاطین وقت اس کے معر ہوتے ہیں۔ بو فیض اس اسم کے اسراد کو مجھ کیا

اللہ کریم اس کے باطن کو اسراد عزب ہے آرات فریادے گا۔ اس کے واکر کے سامنے ہر

شنے اپنی حاجت طبل کے واسطے ذکیل ہوتی ہے۔ اس اسم کے باطن میں اسم قوی ، ملک اور
علیم کی تی چھید وہے۔ حضرت شاہ عرب العزب حد مد والوی زخته اللہ فندن فید قدید نائید فریاتے ہیں۔

عزب حرصت کی حفاظت کیلئے بوقت میں اسم رہے پڑھ کر چہرے یہ دم کر نیا کرنا چاہتے اور

جب کی حاکم یا آخر ان کے سامنے جاتا ہوت میں اسم کی باطن علی ہے ۔ جرب ہے۔

## وْمُودُ النَّصَرِ لِ شَهِ جِزْبِ الْهُحَر

| اصترصفاز | اصغر   | مغير | انجركياز | كياز   | اكبر   | بجير |
|----------|--------|------|----------|--------|--------|------|
| 11-0     | rr • 4 | MEIA | ITTAGET  | rrrrry | AF-0AF | AAFY |

چرے پر دیبیت و جال کے آجار ظاہر ہوں۔ جو دیکھے مظوب ہواور اطاعت کرے۔احد اد عزیز کے ۹۲ میں جیکہ فلش عدوزائدے بحر آگیا ہے۔الل فن اس کو خوب تھتے ہیں۔ ﴿ الرَّحْمِیمُ مِثْلًا لَٰهِ اللّٰهِ عَلَيْهِ اللّٰهِ اللّٰهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّٰهِ عَلَيْهِ اللّٰهِ عَلَيْهِ اللّٰهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّٰهِ عَلَيْهِ عَلَيْ

ر بہت رحم کرنے والا)

انزجنهٔ عظماً : رحم سے ب- ب صد عنبولان ترس کمانے والا۔ رحیم وہ ب جو بندول پر النفات کرنے والاء ان کی مجر کی بناوینے والا اور قلمتہ خاطر کو جوڑ دینے والا ہو۔ رحمت المی لی دواقسام این: پہلی عام رحمت: یہ رحمت تمام کلو قات کیلئے ہے۔ اس رحمت نے ہر شنے کا احاط کیا ہوا ہے۔ جس میں ان کو پیدا کرنا ، ان کی تربیت کرنا ، انہیں رزق دینا، لیکی نفتوں اور عطایا ہے ان کی مد د کرنا دغیر وشال ہے۔ جیسا کہ قر آئن جیمد میں ہے:

﴿ رَبُّنَا وَسِعْتَ كُلُّ عَنْ وَحْمَةً وْعِلْمًا ﴾ (مرة الافرار)

اے مارے دب اونے ہر چے کورحت اور علم سے محمر رکھا ہے۔

دو مری خاص رصت: بدر حست مرف الل ایمان کیلئے بداللہ اتفاق ان ان برونیا شان رحم کرتا ب کد اخیس راوید ایت اور صرا اور مستقیم پر چلنے کی توفیق دیتا ہے، اخیس عابت قد مرد کھتا ہے، ،ان کی هناظت فرماتا اور الحیس العرت دیتا ہے، الحیس یا کیروز داد کی عطاکر تا ہے، معائب کے وقت میر اور چین کی افوت سے ٹواز تا ہے، ان پر آئے والے مسائب کی وجہ ہے ان کے کناہ معاقب فرماتا ہے اور آخرت شن مجی ان پر تھواسی انعام واکرام فرماتا ہے۔

﴿ وَكُانَ بِالْمُؤْمِنِينَ رَجِينَ ﴾ (سررة (دعرب ده)

اورووا يمان والول پر تهايت مهريان ہے ..

امام عُزال انتفاقت شعل منتفید فرات میں : اسم رجم سے بندے کا حصر ہیں ہے کہ 
حسید وسعت میں کا پہیٹ بھرے ، اسپنے پڑ دس یا خبر میں فقیر کی صابت ہوری کرے اور
اسکی مختابی دور کرے خواہ مال سے یا اسپنے اثر در سورخ سے یا کسی دو مرسے سے اس کیلئے
سفارش کے در یعے ۔ اگر ان ساری بالوں سے مالی ہو تو ایک شفقت و عمایت کے ساتھ وعا
اور انجہارِ عدر دی سے اس کی مدد کرے کہ گویااس کی تکلیف و معیبت میں شریک ہے۔
در انجہارِ عدر دی سے اس کی مدد کرے کہ گویااس کی تکلیف و معیبت میں شریک ہے۔
در انجہار عدر دی سے اس کی مدد کرے کہ گویااس کی تکلیف و معیبت میں شریک ہے۔

آفٹ الفونیز الزمینیة : حضرت شاہ دولی اللہ محدث وبلوی تنبغة شبر تفعال منتینه اس مقام پر قربات ایل : بید فقر وزیر وے نسبت رکھتا ہے۔ ای لئے اسم عزیز کئے ساتھ الب میم کور کھا گیا ہے کہ فکہ جو کزئت زیر وے منسوب ہے وہ رحم و لفف، مهر افی ووو کی ہے ہند کہ قمرو فکست ہے۔ (یوزی فیری)

اس قول کو اس طرح مجھے کہ تلاق ش کمی کی خزند دد طرح سے ہوتی ہے۔
ایک اس کے رعب بیب یا اگر ورسوخ کی وجہ سے بجیور ہو کر نہ یہ ظاہری مجت ہے اور
دو سری عزت دو ہے جس میں تلوق کے دل کس کیلئے مجت و جاہت سے محر ہو جا کی ادارہ اس
تلوق اس کی عزت و تو تیم کرنے گئے ۔ حضرت شاہ دل اللہ زند اند شدند ند ناد اللہ اندارہ اس
دو سری تھم کی طرف ہے کہ ان اساء سے تلاق کے دل جس قاری کیلئے جو عزت بید ابوتی
ہے اس کا تعلق لفاف معرانی در حمود عبت سے ہے۔ جسے تحفیر طاکن تھی کہا ہاتا ہے۔

ب ان اساء به محمل و حرب ميد العربية و بالتصفيف المنطقة المنطقة في الماسية و الماسية و الماسية و الماسية و المس كما آغاز ش الله تعالى كم دواماه و كرك كم في العربية و بالألا اوراك في المراك في جبك الموروس من الماسية و اس فقره میں اشارہ ب رب تعالی کی تائید فیجی اور قوت و قدرت کی طرف جو اپنی رحت کے ساتھ سادی کلو آپ ہو اپنی رحت اس کی الفت و سبت مطاب ہو کر محیح جیں اور ایداو فیجی پڑھے والے کی طرف رجوع کر تی ہے لہذا کے جو الے کہ طرف رجوع کر تی ہے لہذا تصور رکھے کہ اس مقام پر اللہ تعالی ہے اس کی فیجی ایدا کہ طلب کرے اور سے تصور رکھے کہ ایسے کہ اس مقام پر اللہ تعالی سے اس کی فیجی ایدا و کہ طلب کرے اور سے تصور رکھے کہ ایسے کر جم رب کی ارکاہ میں اپنا سوال جیش کر رہا ہوں جوعظا و بخش میں کس کے مشورے یا کی چکہ یا وقت کا تھا تا تھیں ہے گیا دوج ہے چاہتا ہے اور جہال کی ہر کے مشاب کے در جم رب کو اور دیتا ہے ، ووالیا از بروحت کا کہا ہے کہ در جم رب کو اور در تاہم ، ووالیا از بروحت کا کہا ہے کہ در جم میں کی ہر اسال تعالی ہو کہا ہے کہ در جم اس کی ہر اسال تعالی ہو کہا ہے کہ در جم اس کی ہر اسال تعالی ہو کہا ہے کہ در جم اس کی اس کا تعالی کی ہر اسال تعالی ہو کہا ہے کہ در جم اس کی اس کا تعالی کی ہر اسال تعالی در اس کی اس کا تعالی کی جم اسال تعالی در اس کی اس کا تعالی کی ہر اسال تعالی در اس کی اس کا تعالی کی ہر اسال تعالی در اس کی اس کا تعالی کی جم اسال تعالی در اس کی اس کا تعالی کی جم اسال تعالی در اسال کیا در اسال کی جم اسال تعالی در اسال کی جم اسال کی اسال تعالی در اسال کی جم کی کی در جم اسال کی کر کیا تھا کی دو جم کی کی کی در جم کی کی کی کی در جم کی کا تعالی کی کی کی در جم کی کی در جم کی کی در جم کی کر در جم کی کی در جم کی کر در جم کی کر در جم کی کر در جم کی کی کر در جم کی

## وخواص واعمال

الزمينة علا كه ذكرت وحت خداوندي بزعة دال كي طرف الك كاطرف الكي موتى ب- جم كي يرك به ذاكر كو تطوق كيلية اور تطوق كو اس كه لته حد دو اور تثبق بناد يا جاتا ب- اصلاح على اور غليه شهوت كو دور كرت كيلية بها اس كافؤ كر مغيد بها امراض قلب و ميز كه مريض كو يازمينة بيلا اعداد كم مطابق من كه وحت بالى يروم كرك بينا چاہئے - ارواح ب اسمار با يش اور كاف القلوب كيلية بها اس مربح الله الله جهر - دومانيت كے طالب كيلية

| اصتر الصقائز | اصتر  | صغير  | اكبرالكيائز | کیاز    | اكير   | 15.   |
|--------------|-------|-------|-------------|---------|--------|-------|
| APPI         | ושרדו | PTTAP | r15 FA      | 1-40-16 | PATEST | TTOTE |

لورِح زہر و عمل خب: اپنے نام ، اسم عزیز در تیم کے اعداد کھڑی و ملتو تی جع کریں۔ جس وقت زُہر د، شرف یاادع پر آئے تواس جمور اعداد کولوح مخس میں چاندی کی مختی پر کند و کرنا چاہئے۔ رجو ی طلق مع الفتومات ، تعفیر مستورات کیلئے یہ لوئ افر مظیم رکھتی ہے۔ ۔ جس مخص کے پاس یہ لوج ہو کی لوگ واقت ، ناواقف ، بزے چھوٹے سب کسی نامعلوم کشش کے باعث اس کی طرف متوجہ ہوگئے، شہرت ، عظمت و متعدلیت حاصل ہوگی۔ خالف بھی دوست بن جاکیں کے۔ یوں مجھے کہ جیشے تو اس تحفیر طلق کے تزب الحریمی پوشیدہ ہیں دو تمام اس لوج میں موجود ہیں۔

اگر مطلوبه جكه شادى كرنا چابتا مو تو مجموعه اعداد طالب و مطلوب اور اسامالهيد

|    |    | *  |    |    |
|----|----|----|----|----|
| 17 | 1. | 1  | ir | 79 |
|    |    | 14 |    |    |
| 10 | н  | A  | 10 | 10 |
| ٥  | ٧  | rr | re | 4  |
|    | 14 | rr | P  |    |

اور ہر کر ہر کر رو کر دانی نہ کر سکے گا۔ او ح کو او پر دی کئی چال کے مطابق بحر ما چاہئے۔

للل عدوى مے خواص: وسعت رؤت ، ال من بركت اور قرض كى اوا كى كيليد مفيد

| rrr | 11  | 10  | 1   |
|-----|-----|-----|-----|
| 11- | r   | 111 | Ir  |
| ٣   | 17  | 9   | rr. |
| 1.  | 779 | ۳   | 10  |

ہے۔ جو بچ رو تاہواس کے کلے میں پہتائے ہے کچ کارونا بند ہو جاتا ہے۔ امر اش سے نجات کیلئے سفید چیٹی کی پیٹ پر کئے کر نیچ ۱۱ مرتبہ یار جم تکسیس اور می نجار دند پی لیاکر ہیں۔ ہر حم کے امراض اور یا نخصوص مید و معدد کے امراض میں مغیرے۔ تیا <u>قباع سے العقامة الرحید</u>م <del>تک کے خواص: جو مختص یہ چاہے</del> کہ اسکی مشکلات میں آسانی ہوں، روکاو ثین دور ہوں، تمام کام حسب منشاہ سر انجام ہوں اسے چاہئے کہ اس فقرہ کی تحرار کرے۔

وہ تمام حضرات جن کو اللہ تعالی نے صاحب اقتدار کیا ہے (مثلاً کام بالا ، وزراد ،

ڈائز یکٹر ز ، ی ، ای ، اور د فیر و ) اور وہ چاہیے ہوں کہ ان کے طاقت تمام
حضرات ہیشہ انگی موافقت کریں اور مخالفت سے اجتناب

حضرات ہیشہ انگی موافقت کریں اور مخالفت سے اجتناب

کریں تواخیں چاہئے کہ حزب الحرکی طاوت کے وقت اس الا ۱۹۰۳

فشروکی ۵ عربتہ محرار کریں اور اس عمل عبارت کا فتش

﴿ اللّٰهُمُّ الْثُنَّ رَبِّي وَعِلْمُكَ حَسْبِي ﴿ فَيَعْمَ الرَّبُ رَبِّي وَيْعُمَ الحَسْبُ حَسْبِي ﴾ تَتُصْرُ مَنْ تَشَاءُ وَانْتُ العَرِيْرُ الرَّحِيْمُ ﴾

نصاب اس فقر وکا 15000 میں۔ جے نوچندی برھ ، جسم ات اور جعد کو اداکیا جاتا ہے پیش ہر روز 5000 مرسیہ پڑھیں یا آسان طریقہ نیہ ہے کہ 40 روز 275 مرسیہ پڑھ کرز کو قاداد کریں۔

ہر مقصد میں کامیابی، طلب استعداد، تائید بنتی، شفائے امراس اور جمج عاجات کے حل کیلئے کافی ہے۔ یافضو مل کی کو قرض دیا ہوا اور وہ واپس نہ کرتا ہویا ہے افراد جن کے بیے یا تخوالیں الکان حضرات روک لیتے ہیں ان کے لئے نہایت مجرب عمل ہے۔

دوطریقے جو بیرے اپنے تجریہ شن آئے ہیں افاد کا جاکہ کیے بعد کنٹس کے بہال درج کئے دیتابوں ۔ مختش اس مہارت کا جبتا مقاصد کیلے اور باقصوص رشتوں کے حصول کیلے نہایت بجرب آزمودہ ہے۔ اگر صرف فوجدی جعرات کو ساعت مشتری میں مختش

| -ar  | Irai | 100  | 041  |
|------|------|------|------|
| IFAF | 104  | 914  | 1114 |
| LTT  | IDAI | 1114 | 971  |
|      |      | 414  |      |

وات الله علا يعشيده ب

ر ق<mark>م کی واپسی کا عمل: قر</mark>ض کی واپسی یا کوئی رقم روک لے یا تخواہ کاسٹنے ہو تواسکے لئے وو رکعت نشل اس طرح اواکریں کہ پنگی رکعت میں بلط فاتھ ہورہ تھر 20 مرتبہ اورود مرک رکعت میں 21 مرتبہ پڑھیں اور بعد سلام 313 مرتبہ مند دجہ یالاعجارے کی متلاوت کریں ۔۔۔ دود یاعدے عد 7 روزش کا مہوجاتا ہے۔۔۔۔

حسبی عظام شادی عمل: ایک صاحب تشریف لا کے اور کہا کہ کی کو پہند کرتا ہوں محر اسٹے تھر والے نمیش بائے اور کہتے ہیں کہ فہر دار جو خود آئے یا اپنے تھر عمل سے کسی کو بیجیا۔ جس نے کہا آپ سے تھر سے جو مجل دشتے گیاہت کرنے کیلئے جناجا ہے اس سے کہیں کو نظفے سے پہلے 2 رکھت نظل ای ٹینٹ سے اواکریں اور چرد کھت بھی 21.21 مرجہ مورد تو ہے کی آیت لقد جان کھ ۔۔۔ دؤف وحید تک اور پھر سال 410 مرجہ مندرجہ بالاعمارت کو پڑھ کر تھرسے نظیس اور داستے بھی ارب بازب پڑے جاگی۔

الله پاک کے فقل ہے اتھے ہی ہفتہ دہ صاحب مشانی لیکر آئے اور کہا کہ بیری والدہ اور بڑے ہمائی، جو ترکیب آپ نے بتائی تھی اس پر عمل کر کے لڑی کے تھر گئے۔ ان کے والد نے پہلے تو کہا کہ ہم سوچ کرتائی کے بھروہی پٹھے ہوئے کہتے گئے کہ ہم کل آپ کے تھر آتے ہیں لہٰذا الحکے دن وہ آئے اور رشتہ نکا کر گئے اور کہد کئے ہیں کہ ہم چاہتے ہیں کہ جلدی تکانی و چھتی ہو جائے۔ المحد شد لوح كفايت: يه لوح ببت برك و سعادت والى ب ... رب سيب الزيز ارتيم سعادت زبره ك وقت بب زبره الرف ، اوج يا قر ك ساتي مثليث يا تديش كي نظر پر جو تو مين اس وقت حرب الحرك عال سيد لوح يالدى پر تياد كر داكر ياس كه ليس الحرك عال سيد لوح يالدى پر تياد كر داكر ياس كه ليس الشرك عال سيد لوح يالدى پر تياد كر داكر ياس كه ليس الشرائد تمام بركات عال لوح كو عاص يول ك

لوح شرق فر در والمدود الوح وعا ع بون المحرش في ك اول القر عش آن وال بحج الماداليد كي مدوى قوت وعا ع بون المحرش في كان المحرف المواد و كان المحاسبة كالم و تعلق د بتا به مثل الأول من محيم ، وكل الأاكر اور وكانداد و في و كو جائي كسال لوح كو مرود بالضرود بنواكر البينة باس دميم والمحمد المحمد المحمد

چانوں سے امون و محفوظ کر دیتی ہے۔ شرف زہرہ اس لون کے بنانے کا اصل وقت ہے لیکن چونک شرف زہرہ کا وقت سال میں ایک بار آتا ہے لہٰ ااگر یہ وقت میسر آجائے تو بہت خوب ورز حثیث یا تعدیس قمر وزہرویس مجی اس لون کو چاندی پر یا بھالت جیوری برے ریٹم پر یاسفید کانفر پر ہرے رنگ سے بنایا جاسکا ہے۔

طازمت کے حصول کیلیے: جس فیض کو حصول طازمت میں د شواری کا سامناہ ویا اخر دید میں ناکاری کا فوف ہو۔ اے چاہئے کہ انست دبی ۲ السوجیم تک روزانہ می مهمر جبہ پڑھا کرے۔ ان اللہ کامیانی نصیب ہوگی۔

﴿ نَسْنَلُكُ الْمِعْمَةُ فِي الْحَرَكَاتِ وَالسَّكَمَّاتِ وَالْجَرَّيَاتِ وَالْإِرَا وَاتِ وَالْخَطَرُاتِ مِنَ الْكُنُونِ الشُّكُوكِ وَالْاَوْمَامِ السَّاتِرَةِ لِلْقُلُوبِ عَن مُطَالَعَة الْغُيُوبِ ﴾

الله تعالی کی تعریف ہوتوں کے بعد دعائے جیب المحرس اس فقرے سے دعائے جیب المحرس اس فقرے سے دعائیے محمل کی ابتداء ہوتی ہے۔ ان القاظ کی شرن سے تجل بہاں ایک بات کی و صاحت کرنالازم مجمعت ہوں کہ بڑے والا و واحد بھی ایک بال ہے لیک بیات کی و صاحت اختمام محک نقر بیا ہر مقام پر داعد فیس بلہ شمخ اصیفہ استعال کیا گیا ہے۔ اس کی وجہ ہے کہ طلب فیر اور فررسے حفاظت و بناہ میں پڑھنے والے کے الل و عمال، مزیز وا قارب، ووست احباب، محمین و معتقد بن اور وہ قمام افراد جن سے قدی کا قبی لگائے ، سب شائل ہو بیا کی ۔ بیل وجہ ہے کہ اگر محمر کا ایک فرو بھی اس دعا کو اپنے معمول میں رکھ کے وہ کمر کے تام افراد اس دعا کی ایک محمد کا ایک مقر کا ایک مقر سے تیں اور جمع تقوق و جنات کے شرسے محمد طارح ہوں۔

نَسْنَدُنَاتَ: ہم تھے سے طلب کرتے ہیں ، وعا کرتے ہیں یا سوال کرتے ہیں۔ البعث بنة:
عصمت کا الغوی اخترارے معصمت "ع ص م" کے دادے ہے اسم معدد ہے جس کے
سختی تنہ بانی مخاطب ہا کو اور الاس کو گناہ ہے بوائے کے ہیں۔ بی الفح گات : حرکات
بح ہے حرکت کی اور حرکت کہتے ہیں ایک حالت کا دو سری حالت کی طرف مختل ہونا۔
حرکت دواقسام پر بخی ہوتی ہے۔ حرکاتِ قاہر کی اور حرکاتِ باطنی۔ حرکاتِ قاہر کی سے
مراد جسمانی حرکت اور حرکاتِ باطنی ہے مراد تھی، قاہر کی اور خرکاتِ باطنی۔
وصدیت قلس و فیرو ۔ وَ السُکناتِ بِنے حرکات کی احباد ہے بینی قرر اور سکون، دُرکنایا فاسو کی
دولیت بنا تھی البالفظ جس ہے ہی حرکات کی احباد ہے بینی قرر اور سکون، دُرکنایا فاسو کی
کام کا قصد، چاہت، جذبہ یا مرشی ۔ وَ النَّفِظُ اِن وَ حَطَر وَ کہا جاتا ہے۔ یہ خطرات چار حم

تطرؤنف أنى بي خطرونف كى جانب ، و تاب ، هي بُوادِس محى كميتم إلى اس شى لذات منومه كاموق أجرتاب اور شهوت پر آباد كى پيدا بو ل ب بيد خطرود په باوتا بي مكد نفس ضدى ب اور لذات نفسانى پرائن رست كى كوشش كرتاب ..

خطرۂ شیطائی یہ شیطان کی جانب لے ہوتا ہے، جے دساوی مجی کہتے ہیں۔ اس میں کناد کی خواہش دل میں پیدا ہوتی ہے۔ یہ خطرات دیریا نہیں ہوتے کیونکہ شیطان کا کام بندے کو معمیت میں جمال کرتا ہوتا ہے۔ اس کو اس سے بحث فیس کہ بالتحمیص کوئی معمیت ہو۔ اس لئے وہ کیے بعد دیگرے متحد و خطرات چیش کرتار ہتا ہے تا کہ ایک میں شیس تورد سرے میں اور دوسرے میں فیش اق تیمرے میں بندہ جمال ہو۔

فطروَ مُلِي يد فرشتد كى جانب سے ہوتا ہے ، ضے الهام مجى كہتے إلى - خطروً مكى عبادات وطاعت سے متعلق ہوتا ہے ۔ بعض سے نزد يك بدور يا فيس ہوتا۔ بس آتا ہے ادر

### وُمُودُ اللَّمَارِ فِي شَرِيجِوْبِ الْهَاسَ

چلا جاتا ہے۔اس لئے جب مجمی کو ٹی خطر و تکی دار دیو قبیر طرف سے توجہ دینا کر اس کی جانب فورآر جرح کرتا چاہئے درنہ دہ جاتا رہتا ہے۔ اکثر اداقات وہ خیلات جو ننگی کی طرف ماکل کرنے کیلئے آتے ہیں ان کا تعلق اس حسم سے ہوتا ہے۔

فظر ورحانی سے حق تعالی کی جانب ہے ہوتا ہے۔ یہ اس شان سے دارد ہوتا ہے کہ پندے کو مغلوب کرلیتا ہے اور اس کا دفیعہ محال ہو جاتا ہے حالا تکہ دو سرے خطرات میں بید امر لازم نیس سے خطرہ میت الی دہکانے، عمر فان کا شوق آجار نے اور مشاہدہ حق میں رہنے کا شوق پید اگرنے آتا ہے۔ جب بید خطرہ مہارک آجائے تو مستقل دل میں قیام کرلیتا ہے اور ول کو قیر کی جانب متوجہ نیس ہوئے دیتا ہے۔

دعائے حزب المحریش جن خطرات سے پیناہ و تفاقت ملاب کا تئی ہے، وہ خطرات نفسانی و خطرات شیطانی ہیں، چن کی دجہ سے لئس میں بکاڑ پیدا ہو تاہے اور انسان ہدایت کا راستہ چھوڑ کر کم ابھی کی طرف جل پڑتا ہے۔

بین انظینین : ظنون جی بے علی کی ۔ علی کیج بین ممان کو یعنی شہ یا اندازہ ۔
انسان کا افتیاری طور پر اپنے قس ش کی چیزیا کی کے مالات کی حقیقت کو جائے بیٹیر اپنے
علم کے مطابق اندازہ کرتا گمان کہلاتا ہے۔ کمان کا سیب طقیقت نے نا آخا کی ہے ہے۔ اس کا
انسان کو سیح اور غلا دونوں طرف کے جائے ہیں۔ و انسان کو سیح ہے ۔ اسکا
مطلب ہوتا ہے کی کام می ترود یا تذہیب کا شکار ہوجانا۔ یعنی کی کام سے متعلق دو متعاد
ہوتا کو اول میں آجانا اور انسان کا ان دونوں یا توں کی طرف ر بھان کیاں ہوجائے۔ میسے
مجع اور غلایا حق ویا طل میں فرق تد کریانا۔ فلک بھین اور معرفت کی صد ہے۔ واؤڈ هار :
او عام بھی ہو معم کی۔ دماغ کی وہ قریت جو قاسد خیالات پیدا کرتی ہے اے دھم کہا جاتا
ہوا سیک ہی ہے۔ لفظ قسب دو سعتی پر

پہلا معنی: یہ ایک منوبری شکل (یعنی طافورہ کی طرح) کا گوشت ہے، جو بیٹے کے بائیں جانب ر کھا گیا ہے اوراندر سے کھو کھلا ہے، جس میں ساو خون ہو تا ہے۔ یہ قلب کا ظاہری معنی ہے اور ای شکل میں یہ گوشت جانوروں اور فوت شدہ لوگوں کے پاس بھی ہوتا ہے۔

دوسرامتنی: ید ایک روحانی رجانی اطیفه (یشن حقائق داسرار کی معرفت کا محل) ب اوراس کا جسمانی قلب سے تعلق ہوتا ہے اور بھی لطیفہ الله مزام من کی معرفت رکھتا ہے اوراس چیز کا اوراک کرنے والا ہوتا ہے، منے خیال ووائم خیس مجھ سکتے اور بھی حقیقت انسان ہے، ای کو خطاب ہوتا ہے، ای معنی کی طرف اللہ مزار مار کے اس فرمان عمل اشارہ کیا گیا ہے۔

إِنْ فَالِكَ لَذِكُرُى لِمَنْ كَانَ لَهُ عَلْبٌ

یے فک اس میں تعیوت ہے اس کے لئے جو دل رکھتا ہو۔ (پ، 3، 1 ہے: 17) یہاں قلب ای دو سرے معنول میں استعال ہو اس کیو تک بھی قلب ، عالم ہے اور عالم کا اوراک کرنے وال بھی ہے و خطاب و حماب بھی ای ہے ہو تاہے اور انو ارو اسرار کا نزول بھی اس قلب پر کیا جاتا ہے۔ عن مُشالَقة فائد خطابدہ۔ انْفَیْنُوبِ: فیب کی تہتے ہے۔ ہروہ شخ جو انقہ تعالیٰ لینے بندے سے پوشیدہ رکھے وہ فیب ہے۔ بھیے کہ جنت و دوز ن اور وہ رسوز واسرار اورانو ارات جن کا مشاہدہ ظاہر کی آگئے سے جیسے کیا جاسکا۔

انسان کے دو ہی د خمن ہیں ایک داخلی اور ایک خارجی - خارجی د خمن تو کا نیشن و حاسدین دغیر دویں اور واخلی د خمن ہے ہمارا لاس - دعائے حزب الحریش خارجی و خمن سے پہلے اندرونی و خمن لیخی نئس کی شرار توں سے بچاواور اس کی اصلاح کو مقدم ر کھا آگیا ہے کید کلہ لیعن او گاست کا میازیوں کا سفر سطے کرتے ہوئے یا ابتداء سفر میں ہی انسان سے پکھ ایسے افعال و کلمات صادر ہو جاتے ہیں جو اس کیلئے ڈوال کا سبب بن جاتے ہیں اور ساری محت ان افعال وکلمات کی وجہ سے ضائع ہو جاتی ہے۔ ایسی حرکات کا صدور در حقیقت اللس کے بگاڑی وجہ سے ہوتا ہے جس کا ایک
سب تو یہ ہے کہ انسان یا تو کس کے بہادے شم آگر محکوک و شبہات کا شکار ہو جاتا ہے اور
نادائی میں کو کی نشاط فیصلہ کر جیشتا ہے یا بعض مرجہ شامین انسان کے دل میں وسوسہ ڈال
دیتے ہیں جس سے تقس میں ہے الحمینائی و بے چینی کی کیفیت پیدا ہو جاتی ہے اور چو تک
کامیابیوں کا دات رب تعالی کے فضل و کرم ہے ہے بندا بندے کے دل پر وہم و دکوک کا
پروہ آجاتا ہے اور وہ فیب ہے آنے والی ہدایات کو چو مسلسل اس کی دہنمائی کیلئے قلب پر
نازل ہوتی رہتی ہیں ان کو مجھ خیری پاتا جس کے خوا مسلسل اس کی دہنمائی کیلئے قلب پر
پاتا کا میانی کی طرف چیا بھا گیا گیا اور انسان کی است الفیاد کر لیتا ہے۔ وہ کے ذک شاف انبیف شاف
ہیں گیا گیا گی وہ اصلاح کی کا حوال کیا گیا ہے تاکہ تقس و شیطان سے محفوظ ہو کر ہدایت کے
ہیں یا گیز گی وہ اصلاح کیل کا حوال کیا گیا ہے تاکہ تقس و شیطان سے محفوظ ہو کر ہدایت کے
ہیں اور دان ہو جائیں۔

اصلان فقس کیلے یہ نہایت جرب دُعاب ۔ اس مقام پر آاری کو چاہئے کہ اپنے اسکان پر آاری کو چاہئے کہ اپنے کہ اپنے اسک کو رب تعالی کے ہر در کر کیا آئی ہا اور شاخت کا سوال کرے کہ اسکان پرے کہ شامل رہے ہی افضل کہ اسک میں اور خلات مارے تمام افضال میں اور خلات مارے تمام فضات میں اور خلات مارے تمام فضات میں اور خلاق کی اور مارادوں کی کروری سے میں اور خلاق کی رہے مارے ارادوں کی کروری سے کہ بھی در ہو جائے مارا کے خطرات بدے جس سے کرور ہو جائے مارا کی میں اور ج بد کمان کروری میں اور ج بد کمان کروی ہمیں ہی تی تی کی درجے ہے جکہ معرف پاک میں جنسے اللہ میں انگر نواری کو اور ایک میں ہے جارات ہو ہے ایک میں بے خشن اللہ فاقد آن الا فات اللہ کی اللہ میں اللہ کی الوں (بدایات) کو میکھنے نوار میں اللہ کی اور ایک وجموں ہے ہو حوام کردیں میس ہیری فیکن باتوں (بدایات) کو میکھنے نوار میں اور ایک وجموں ہے ہو حوام کردیں میس ہیری فیکن باتوں (بدایات) کو میکھنے نوار میں اور ایک وجموں ہے ہو حوام کردیں میس ہیری فیکن باتوں (بدایات) کو میکھنے نوار میں ایک اور ایک وجموں ہے ہو حوام کردیں میس ہیری فیکن باتوں (بدایات) کو میکھنے نوار کی کھنے اور ایک وجموں ہے ہو حوام کردیں میس ہیری فیکن باتوں (بدایات) کو تکھنے کی میں میں میس کی باتوں (بدایات) کو تکھنے

# وخواص واعمال

تمام ظلمتوں کو دور کرنے ، آسانی بلاؤل کو رو کرنے ، قوب ارادی و قوت فیصلہ کو برحانے اور كيولى ماصل كرنے كيلي مجرب ب-اس فقره كى مداومت سے باطن كى ياكيزى ، وساوس شيطاني اور خيالات فاسدوے نجات مامسل ہوتی ہے۔

ا اے حضرات جو ہر کام على ترود كا شكار رہے جى يا حديث نفس ، تلبى كرورى ، بنل، كثرت شهوت، فسق و فجور، نشه وزناكي عادت يا ان جيسے ديكر ظاہر ك و باطني امر اش

میں مبتلا ہیں ان کیلئے اس کلہ کاورد کر نایازہ کریائی پروم کر کے پانا مجرب بے۔

اس عبارت کی ریاضت 🤻 معشر باطن وروحانی ترقی کیلئے نہایت مجرب ہے۔ ثیز اس کے عامل کو باطنی در جات میں زوال ہے حفاظت رہتی ہے۔ جو حضرات ظاہری حاضری یا بمزاد میے المال کا شوق رکھتے ہیں۔ ان کیلئے اس فقرے کی ریاضت بہت مفید ہے۔ حاضرات الارواح ياسمي جبي حسم كے حاضرات ہے تبل اس عبارت كاير هناعمل عيں تا ثير كا سببوتا ہے۔ اس فقرے کی ریاضت کے تمن طریقے درج و ال الل

تركيب الال: اكيس روزي روزه واعتاف كي حالت يس بدر كوة اداكي جاتى بدروران ز کو ق کم کمائے ، کم سوئے اور جہاں تک ممکن ہو کام کرنے سے بھی پر بیز کرے۔ لباس و جكه ، ياك و معطر ر كليس \_ بوقت تنجد و ظيفه اداكرين ادر جو اسرار بصورت خواب يا بيدار ك میں ظاہر مواں ، سوائے اسے مرشد کے کسی پر ظاہر نہ کریں۔ پڑھنے کی تعداد میں میں کی یا زیادتی ند مو درنه عمل باطل موجائے گا۔ جنتی زیادہ احتیاط ویر میز کاری اختیار کی جائے گ اتن عی جلدی اس عمل کے مؤکل عامل ہے مانوس ہو کر عمل کے اسر ار اس پر ظاہر کرتے ہیں۔اگر کمی مزار پر یہ عمل کیا جائے اور ہر روز عمل کے بعد لطائف پر توجہ کی جائے تو صاحب مز ارکی روحانی توجہ ہے ان شاہ اللہ عامل کے تمام لطا نف مباری ہو جائیں گے۔

| ساتواں<br>روز   | چيناروز        | يانچوال<br>روز | چو تھاروز        | تيراردز         | دومرا<br>دوز   | پېلاروز          |
|-----------------|----------------|----------------|------------------|-----------------|----------------|------------------|
| 4.              | -              | r.             | r.               | 1.              | 1.             | ۵٠               |
| چود حوال<br>روز | تير وال<br>روز | ياريوال<br>روز | حیار ہوال<br>روز | دسوال<br>روز    | توال دوز       | آ خوال<br>روز    |
| ۲               | r              | ۸              | Α.               | r               | ۴.             | 4.               |
| اکیسوال<br>روز  | پیسوال<br>روز  | انيسوال        | الخماروال<br>روز | سرّ بوال<br>روز | سولہوال<br>روز | پندر ہوال<br>روز |
| 1               | ٥              | E-M            | Whints           | 000             | 7              | ٣                |

دومری ترکیب: مندرجدبالا فرائلا کم ماتھ ایام عمل على بردات اساسم جديد ميس. يه طريقة تشخيص امرائل دامكاره كيك منيد به يا كيادورد مندرجد بالا فرائلا كم ماتھ بر فماز كر بعد عمر جداس فترك كويز ميس.

تیسر کی ترکیب: ساند دود تک بر نماز کے بعدے مرجہ ای فقرے کو پادیں۔ یہ زکوۃ مغیرے۔ پرمیز اس میں کوئی ٹیس میں کوشش کریں کہ ایام ریاضت میں غیر مزود دی کلام نہ کریں۔ یہ زکوۃ مجل تشخیل امراض واستخارے کیلئے مغیرے۔

|        |         | oirr     | عددی ملتش کے خواص: ایسے افراد جن میں خود اعرادی            |
|--------|---------|----------|--|
| oirr   | oir.    | AIIA     | كى كى بويادساوى قلبى، كارت شهوت ياعادات بديم جلا           |
| 0114   | orr     | 0119     | مول توان افراد كيليخ اس عبارت كا فتش بناكر ان كے مكلے      |
| ک برک  | ے وال   | ) جانب ر | میں پہنادیں یابائیں بازو پر اس طرح باند هیں کے نقش اندر کا |
| وتعويذ | كرم يفخ | ائے گی۔ا | ے رفت رفتہ انشاء اللہ تمام برى عادات سے نجات ماصل مو م     |
| 77     | , FILS  | Ser      | پیشی و لکه کرد حوکر دایمی بالاری عدارت 7م = رو کر بانی     |

ا ممینان تھی سے حصول کا عمل دولوگ جو کسی بھی کام کی ابتداء کرناچاہیے ہوں لیکن مجھ نہ آتا ہو کہ کیا کریں ان کو چاہئے کہ حزب المحرکی علاوت کے وقت 20 مرتبہ لیٹن اسم حادی سے اعداد سے مطابق اس فقرو کی تحراد کریں افشاہ اللہ اس کلمہ کی بر کت سے خود نخودانکاول اس کام کی طرف سائل ہو جائے کا جس عمل ان کیلئے کا میابی ہے۔

مستی م کافی و خیالات فاسده سے حفاظت کا عمل: کر سالکین و عالمین حضرات کافی ہے۔ کا تا ہمین حضرات کا خلیہ بہت ہوتا ہے۔ کا ایک کر دوران شہوت کا خلیہ بہت ہوتا ہے اور پانصوص جب و کلیے ہیں ہوتا ہے۔ اور پانصوص جب و کلیے ہیں ہوتا ہے۔ اور پانصوص جب و کیئے ہی کہ اس اس حضرات کو چاہئے کہ جب بھی عمل شروع کریں اس قرے کو قابار پڑھ کر شہادت کی انگی پر دم کریں اور 7 بار دل کے مقام پر باتھ و کا کر پڑھیں۔ انظاء اللہ یہ تا ہی ہاتھ و کا کھی اور 7 بار دل کے مقام پر باتھ و کا کھی اور کے اس اس اس کی طرح اس کے حالی ہوجا تا ہے۔ اس طرح آکر بانی ہوجا تا ہے۔ اس طرح آکر بانی ہوجا تا ہے۔

﴿ فَقَدِ انْتُبْنِ الْمُؤْمِثُونَ وَزُلُولُوا ثِلْوَالْا شَهِيْدًا وَاذْيَقُولُ الْمُتَافِقُونَ وَالَّذِيْنَ فِي ثُلُوسِهِمْ مُرَضِّ مَّا وَعَدْمَا اللَّهُ وُ لَسُولُهُ الْأَعْرُورُ وَا﴾

فقدانشلین النؤمذق بہتا کردیے کے ، جور کردیے کے ، استمان کے کے ایمان والے۔ وَوَنْوَلُوا رِنْوَالَا اور حِرکت دیے کے ، بادیے کے ، جنبور دیے کے ۔ شدیندا : شدید ترین طریقے ہے ، ایک شدت ہے جو قاہر دیاش کو بالکر مکا دے ۔ وَا ذَیْفُونُ الْمَانَّةُ الْفُونَ : اور کہتے کے بایول پڑنے وہ لوگ جواظاہر ایمان کا و لوی کرنے والے کم اندرے کا قریل یعنی منافی۔ والدِنْ فَنْوَیْ فَنْوَیْمِی مُنْ مُنْفَی : اور جُن کے دلول میں شک وہ مار مول اللہ نیش معقدہ والمان کی کوری ہے۔ شاؤمذی الله فائد اور سول اللہ نیش

## زُمُواُ اللَّصَرِقِ شَرِحِينُ الْهُعَى

الله تعدل عليه والله وعدد كيا فقع و العرب وكامياني اور سربلندى كا وو كيد تين سوائ في ذا : مجود يا باطل قول ك ( نوو بالله ) ..

مور ما احزاب کی اس آیت کو پہال ذکر کر نے کا متعمد اس دشواری کو ظاہر کرنا ہے جو فروہ محتدق کے موقعی پر مؤمنین کو چیش آئی تھی جب بظاہر تمام اسباب اس کے خلاف ہو گئے اور مسلمانوں کو محت آزمائش کا سامنا کر مائز اس کے جو لوگ حضور میں شافیف نافید ذات بنسند کے ساتھ متے ان مثل ہے مجی اکثر نے یہ کہنا شروع کردیا کہ ہم ہے جو لگا وعد و الشداور اس کے رسول میں شافید تعین میں ذکت نے کہا تجاوہ مجونا تھا (نعوذ باللہ )۔

ان آیات ، ان مقام پر قاری کی دو کیفیتوں کا اظہار کرنامقعدو ب ایک پد کا نسبانہ کرنامقعدو ب ایک پد کرنستان کا اظہار کرنامقعدو ہے۔ ایک پد کرنستان کا مصدال اس لئے کرنستان کا مصدال اس لئے کرنے ہیں کہ کمیس فقس و شیطان یا منافقیار کی اور دیے ہم بھی ہے اطمیتانی کا فیکار نے دو ہم میں نہ جو جائیں اور فیکوک و شیبات میں پڑ کر اپنے پرورد کارکی فیجی انداد کی طرف ہے وہم میں نہ ذال دیے جائمی یا صاحب کم والم کی شدت میں کمیس ایسے کھات و حرکات کے مرتکب نہ دوالی جن میں مرب کی رحمت ہے ہا ہو ی دفک یا کئر ہو۔

دوسری کیفیت امید دجت کی ہے اور دعائی اصل بھی بھی ہے کہ بندورب تعالی کی بارگاہ میں ہمت کے بندورب تعالی کی بارگاہ میں جت کے مالیو دعاگرے اور اس سے رحمت کی امید درکھے۔ یہ واقعہ جمیل جت والا تاہے ایسے سخت طلاح کے ماما خاکر نے میں جب اسپنے بھی ساتھ تھوڑ جائیں، طرح کی یا تھی میں اور پر طرف سے تخالفت کی جو اجلائا شروع کی جوائے ۔ اگر ان مالات میں ہم رب تعالی کی بارگا کی طرف صدتی دل رجوع کریں اور دین تمام ترقوجہات و اس میں کی بارگا کی طرف صدتی دل رجوع کریں اور دین تمام ترقوجہات و امید میں تحقیق ہے باکر خالق سے والے تعلقہ کر لیسی توجس طرح ہم ہے پہلول پر شدید ترین عملات میں رب تعالی نے اپنا کرم فریا تھا، اس طرح ہماری مجمی تمام پریشانیان رب تعمل کے شانی درج شانی کے شانی کے شانی کے شانی کے شانی کے شانی کے شانی درجوع کی تمام پریشانیان رب

# ﴿ خواص واعمال ﴾

یہ سور و احزاب کی آیات ہیں۔ ان کی تاثیر جنابی ہے۔ کا افعین پر ذلت و زوال مسلط کرنے اور ان کے در میان میں اعتقاد پید اگر نے کیلئے جرب ہیں۔ لیکن اس طرح کے اعمال معمولی تنازع کی صورت میں فیمیں کرنے چاہئے ورند آخرت میں سخت پکڑ ہوگی۔

و همن کوسے و طل کرنے کا عمل : آئس یا تحذیث کوئی ایسا محض ہو کہ جس کی بد زبانی یا عادت بدے سب عاجز ہوں تو چاہئے کہ اس پورے فقرہ کو \* کسم تیہ اسلاس پڑھا جائے کہ جب افغانسہ دید اپر پنجیس قواس محض کی عادات بداور جب غزز ڈا پر پنجیس قواس کی عمل کا تصور کریں۔ انشادہ اللہ و محض اس جاسے کل جائے گا۔

| 1 | 175 | 10Y  | IYM | فالح و لقوه كاعلاج: جمم كاكونًى حصد الرفائج . فقوه يا ثون كي  |
|---|-----|------|-----|---|
| İ | 141 | مانع | IOA | اروش بند ہو جانے کے سب بیکار ہو جائے تو اس کے علاج  |
|   | 104 | CFI  | 14. | لروش بند ہو جائے کے حب بیکار ہو جائے تو اس کے علاق ا<br>لیلے وَدُنْولُواوْلُوَلَا فَسَرِيْدُ 101 مرجہ زيتون کے على دم |

کرے متاثرہ جلّہ کا مساخ کریں اور چیٹی کی پنیٹ پر مندرجہ ذیل تھٹن کلے کر اے و مو کر مریف کو پایلس اور ایک تقتق مریفن کے گلے میں پہنادیں انڈ کر دش خون روال ہو جائے گی۔ تعش کے بیچے یہ عمارت تکعیس االہی منعق د ڈلالو از لوالا شدید ا

و همن پر والت و تواری مسلط کرنا: و همن پر والت مسلط کرنے یاد بنی ملاجت کو ختم کرنے کیلئے یہ عمل جر ب ہے۔ وَزُلْوِرُ وَارْلَدَ وَالْدِرَ اللّٰهِ مِنْ وَالْتَحَدَّى اللّٰهِ مِنْ اللّٰجِيْتَة بھی بخالفین ہوں انکے تاموں کے احد او شامل کر کے بھار عدو تعش مر لاح مفکوس بھال ہے بھریں۔ ایک کو دور پر انی تھروں کے در میمان مدوم ایک جگہ جہاں کو داکر سر بھیا جاتا ہو، تیمر اکسی چورائے میں اور چوقا کسی اند جری جگہ عمل وزن کے بیچے ویا دینا جا ہے۔ بہت جلد تمام کا لفین آئی بی ایک دو سرے کے مخالف ہو جائیں گے، ڈیمل در سواہو ملے اور ذین مطاحیت انگی اوف ہو جائے گی۔ یہ فقش پوقت کر بن، قرور عقرب یا قر تحت الشعار ع عن لکھنا جائے۔

# ﴿ فَتُبِثِّنَا وَ انْصُرْنَا وَسَخِّرَلْنَا لَهُذَا الْبَحْرَ ﴾

فَقَیْتَشَنَا: طلب استفامت یعنی فهل به کو ظاہر و باطن میں ثابت قدم رکے وہ اداری طبیعت میں خمر اقتید آگر۔ و انشٹن شنا : اور احادی مدد فرما استخد اسباب اور ایٹنی قدرت و قوت کے ذریعہ ہے۔ و سنبق نشا: اور قابو کر و سے بیا تائی کر و سے فیح کر درسے باآسمان کر درے ادارے لئے۔ خدفًا اذب نشر: بید سمندر۔ بحر کہنچ ہیں سندر کو سینی ملاء الحلٰ کی تمام تر تو تھی اور وہ تمام اسباب ظاہری و بالحق جن سے بھم اسنے مقاصد کے حصول میں کا میابی حاص کر تھیں۔

حضرت شادولی اللہ محدث دبلو کی زشائد نقوں منیہ قریاتے ہیں کہ عالم فیہ ہے جو نعت و مدد اس عالم دیا بھی ہم بھی مبھی ہے اس شما اللہ رہے العزت کی قدرت و ملا تک سمیت 1360میاب کا دفرہا ہوتے ہیں اپنہ ایسال دَ سَبِقِی اَمْنَا اَمْنَا اَمْنَا اَمْنِ مَنَا مِنَا اِمْنَا اِمْ رہے کریم ہماری حاجت کو پورا کرتے ہیں جو بھی اسپاپ کار فریا ہیں ان کو ہمارے کئے تالع فرمادے۔

استقامت سب بن بن كرامت ب ادر دليل به مقبولت كى اسايل كا داز استقامت ميں بنياں بے۔ و بني مقامد بول يادتيوى حس نے مجى استقامت كارامت القيار كياكام إلى بوار موفياء كرام كى اقوال ميں ہے كہ جو مختى ابنى مضات بر استقامت القياد فيس كرے گادوا ہے موجد دومتام ہے بائد مقام كل بر كرّز باعج كا استقامت كا مجوب جانار ب قوانى كى رحمت كودور كرديا ہے جيسا كر موركا النون ميں ہے كہ وَانْ لُو اسْتَعَامُوا مَنْ اللهِ ال اگر دوراورات پر قائم رہے تو ہم افیس کوت کے ماتھ یر اب کردیے استفامت کا حصول بی دہ کئی ہے جس سے باپ کرم کشادہ ہوتا ہے اور حت خداوندی بندے کو اپنی آخوش میں لے لیتی ہے جس سے اسکے تمام رہنی و غم، خوشی و مسرت میں و حمل جائے ہیں۔ اس کے افذین مینی مددی طلب سے پہلے استفامت کو طلب کیا گیا ہے کیو تک استفامت سے نہ مرف مدد آرتی ہے بلکہ اس پر قائم رہنے سے فوت میں مجی اضافہ ہوتا ہے۔ جیسا کہ اللہ تعالی قرآن پاک میں ارشاد قرماتا ہے کہ

ے فک دولوگ جنیوں نے اقرار کر لیاک تارارب اللہ بے گارائ پر قائم رہے الن پر قرشتے اقری کے کہ تم ندائدیش کروندر نگر کرواور تم جنٹ پر تمو گل رادوجس کا تم سے وعدہ کیا گیا قال

در حقیقت و عائد حزب الحركاب قره الی آیت كا تر بنان ہے چونك الفقی استفاحت كا فيضان حق تعالى جاك جانب سے بدائد هذه والمدل كو چاہئے كداس فقره كو مندوج بالا آیت كے تناظر ش اس تصور كے ساتھ بين ہے كرات دب انسسندان العصمة ش جم ياكيز كى و حفاظت كا سوال تيرى باركاد ش كيا ہے اس پر بمسى استفاحت نصيب قربا دے كہ مكم جائے تيرا باب كرم بم پر اور اپنى رصت كى چادد ش بم كوائے و خسانب كم تيرى تاكيد شال بوجائے بمارے تمام كاموں شى اور بمارے كے تاكی كردے وہ سادى سعاد تي جو حاجات كوچ داكر نے ش بمارى معاون و دو كار ہى۔

﴿ فَحُواص واعمال ﴾

یہ فقرہ جیج کلوق کو تالع کرنے ،ایسانکام جیکے عل کی کوئی تدبیر ند ہوتی ہویادو خاند انوں شی مسلح کرانے ، شوہر مابع می کو راوراست پر لالے ،وین و نیاوی امور پر ٹابت قدم رہے اور اولاد کو فربانیر دار کرنے کیلے جرب ہے۔ عالمین و سجاد گان حضر ات اس سے بہت فائدہ افعا سکتے ہی جر میں مقصود بوار ساتھ و لمڈ البّہ بخد پر کریں۔

﴿ فَشَيِتُنَا وَانْصُرْنَا وَسَجِّيلَنَّا لَمُذَا الْبَحْرَيَا مُسْجِّن ﴾

ایے افراد جن کا تحقق اُ تفاق امور سے اور جو بڑے بڑے مضعوبوں پر کام کرتے ہیں یا کول ، کا مجر اور بوخور مشیریا کی اصلامی ادارے کے ناظمین ہیں افیس چاہئے کہ اپنے اداروں اور منعوبوں کے دورے کے دقت اس عبارت کو کمڑت سے پڑھتے رہیں کیونکہ اس کی برکت سے تمام امور منظم طریقے سے چلتے رہتے ہیں اور دیگر احباب کی معاونت میمی عاصل رہتی ہے۔

نسبت (متھی) ٹوسٹے سے ہوائے کا ( آز مودہ و تجرب) کل انہیں سے ہونے کے بعد اگر فوشے کا اندیقہ ہوا اور لڑکا، لڑکی باان کے تمر دالوں عمل سے کوئی رشتہ کرنے سے الکار کروے قواس خلالے عمل یہ عمل نہایت بجرب اور آز مودہ ہے۔

جور فتے ہے الکا کہا ہے اس کے نام مد والد و کے اعد او یکی مند د چال عمارت کے اعد او شال کرکے تھیں مند د چال عمارت کے اعد او شال کرکے تھیں محمل مجلسے ہاں کہ کی لیس ۔ اس دونان مزیب الکر میں الکر میں اور جب اس مقام پر آئی تو مند د چالا عمارت مجموعہ اعداد کے مطابق پڑھ کر حزب الحر ممل کر دیا کریں اور اپنے مقصد کیلئے دعا کر ہی ۔ 7 روز یا دون میں دو خود آگر رہنے کی بات کریں گے۔ (اگر کوئی تقتی نہ بنا تھے تواس مقام پر مین کم مجموعہ اعداد کے مطابق یا محمل کا مند د چالا عمارت کا ودد کرکے حزب الحر محمل کر لیا کریں گئی ، مجموعہ اعداد کے مطابق یا کسی اور سے تعلق بنوا کر اپنے یا رہیں کہ میں دور کرکے حزب الحر محمل کر لیا کریں لیکن ، مجموعہ ہے کہ خود یا کسی اور سے تعلق بنوا کر اپنے یا رہیں کہ میں کہ اس دری کا سے اس دری سے کہ خود یا کسی اور سے تعلق بنوا کر اپنے یا رہیں کہ میں کہ اس کے اس کی اور سے تعلق بنوا کر اپنے کے اس کے میں کہ سے دری کی میں کہ سے دری کی سے بیا سے دری کی دریا کی دریا ہے۔

مستنقل ملازمت و حسب مثار تبدیلی کیلئے: ایس افراد برد کائز یک م کرتے ہیں اور پاہنے ہیں کہ کمپنی مستقل طور پر اکو ملازم رکھ لے یا وہ حضرات جو کی اور ڈیار فسنت عیں تید پلی کر انا چاہیے ہیں مگر افسران بالا مخالف کرتے ہیں تو افسیں چاہئے کہ قبر کی نماز کے بعد 101 مرتبہ اس عمارت کو اور اقال و آخر درود شریف 11 مرتبہ پڑھیں ۔ ان شاہ اللہ 21 دن ش آئی ولی مراد اوری ہوجائے گی۔

﴿ كَمَا سَخَنَتُ الْبَحَنِ لِمُوسَى عَلِيْهِ الشَّكِمُ وَسَخَنَتَ الْمُارَكِمُونِهُمَ عَلَيْهِ الشَّكَمُ وَسَخَنَتُ الْمُرَكَّ الرَّيْحَ الشَّكَمُ وَسَخَنْتُ الرَّيْحَ الشَّكَمُ وَسَخَنْتُ الرَّيْحَ وَالشَّكَمُ وَسَخَنْتُ الشَّكَمُ وَسَجَنَ لَقَاكُنَّ بَعْنِ هُولَكَ فَي الْأَرْضِ وَ الشَّكَمُ وَسَجَنَ قَاكُنَّ بَعْنِ هُولَكَ فَي الأَرْضِ وَ الشَّيْعَ وَيَحْنَ الذَّبِيَّا وَيَحْنَ الْآخِنَ وَيَحْنَ الذَّبِيَّا وَيَحْنَ الْآخِنِيَّ وَيَحْنَ الْأَنْتِيَا وَيَحْنَ الْآخِنِيَّ وَيَحْنَ الْآخِنِيَّ وَيَحْنَ الْمُنْتَى وَيَحْنَ الْمُنْتِيَا وَيَحْنَ الْآخِنِيَّ وَيَحْنَ الْمُنْتَى وَيَحْنَ اللَّهُ عَلَيْكُونُ وَيَحْنَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَيَحْنَ اللَّهُ عَلَيْكُونُ وَيَحْنَ اللَّهُ عَلَيْكُونُ اللَّهُ وَيَعْنَى اللَّهُ عَلَيْكُونُ وَيَعْنَى اللَّهُ عَلَيْكُونُ اللَّهُ عَلَيْكُونُ وَالْعَلَى عَلَيْكُونُ اللَّهُ عَلَيْكُونُ وَالْعَلَقِيْنَ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْكُونُ وَالْعَلَقِيْنَ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْكُونُ وَالْعَلَقِيْنَ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْكُونُ وَالْعَلَقِيْنَ عَلَيْهِ السَّعَالَ عَلَيْنَ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْكُونُ وَالْعَلَقُونُ وَلِيْعُونُ وَالْعَلَقُ عَلَيْكُونُ وَالْعَلَقُ عَلَيْكُونُ وَالْعَلَقِيْنَ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْكُونُ وَالْعَلَقُ عَلَيْكُونُ وَالْعَلَقُونُ وَالْعَلَقُونُ وَلَيْنَ عَلَيْكُونُ وَلَالِكُونُ وَاللَّهُ عَلَيْكُونُ وَاللَّهُ عَلَيْكُونُ وَلَكُونُ اللَّهُ عَلَيْكُونُ وَالْعَلَقُونُ اللَّهُ عَلَيْكُونُ وَالْعَلَقُ وَاللَّهُ عَلَيْكُونُ اللْعَلِيْكُونُ وَالْعُلُونُ وَالْعَلَقُ عَلَيْكُونُ اللْعُلِيْلُونُ وَالْعُلُونُ وَاللَّهُ عَلَيْكُونُ وَالْعُلُونُ وَالْعُلُونُ وَلَيْكُونُ وَالْمُنْكُونُ وَالْمُعُلِيْكُونُ الْمُعْلِقُ وَالْمُعِلِيْكُونُ وَالْمُعِلِيْكُونُ اللَّهُ عَلَيْكُونُ الْمُؤْلِقُ عَلَيْكُونُ اللَّهُ عَلَيْكُونُ اللَّهُ عَلَيْكُونُ الْمُعْلِقُ وَلِيْكُونُ الْمُؤْلِقُ وَالْمُعَلِيْكُونُ الْمُعْلِقُونُ وَالْمُنْتُولِكُونُ اللَّهُ عَلَيْكُونُ الْمُعَلِيْكُونُ الْمُؤْلِقُ وَلَالِكُونُ الْمُعْلِقُونُ الْمُعْلِقُ وَالْمُنْعُلِيْكُونُ الْمُنْعُلُونُ الْمُعَلِقُ وَالْعُلُونُ الْمُؤْلِقُ الْمُعْلِقُ وَالْمُعُلِيْكُونُ الْمُعَلِي وَالْمُعِلَى الْعُلِيْلُونُ وَالْمُونُ وَ

دَ سَنْ مُنْ السَّارُ وَالِيَوَالِيمَ عَلَيْهِ السَّلَاءُ : اور تالع كردى آگ الح ير كريره في حضرت ابرائيم نشيه السُند كيك جب غمرود في آن ختيبه السُند كو بلاكس كي نيت سه آگ شي پهيكاس محى آگ كه اس ورياكواند تعالى في آن منتيبه السُند كيك محر كرديا اوروه آگ جمى كى حرارت بر شخة كو جلاد في به آپ منتيبه السُند كيك محمد كى اور هاظت كاسب بن كي -

و تفرات العبدال والحديث الداؤ و تقليد الشدائر: اور الا الروح يهاذ اور الوالية في محدث واوونيف النفري و بالية في حضرت واوونيف الشدائر: الن الا محدث و تاب توالله معشرت واوونيف السند المسترا والمسترا المحدث و تاب توالله المقال في آب مناف المسترا المحدث و تاب توالله القال في آب مناف المسترا المحدث و تاب المسترا 
ؤسَدُنْ الرَّبِّعُ وَالشَّيَّةِ عِلَيْنَ وَأَلْمِي لِسَنَيْنَانَ مَنْفِيهِ السَّدَةُ : اور تالُّ كِانِوا مثياطين وجنات كو حضرت سليمان منن منشئز كے جہاں چاہتے تھے أبوا المجبل لے جاتی تھی اور جس كام كا حتم فرماتے تھے جن دوئيواس كو مراتجام كردياً كرتے تھے۔

ؤ سُبَدُ اِنَّا كُلُ بَعَيْنِ : اور مخر كروب جارے لئے اتمام اسباب و تمام تعتیں اور تمام ذرائع۔ هُوَلَدَ فِي الْأَرْضِ وَالسُّنَا فِي : ووسب بكھ جو تيراب، زشن ش لين تمام تر تلوق اور جو يكھ آمانوں میں ہے مینی برون وسیار كان اور جو اسراد ان ش بوشیدہ وہی وَالسُّدُن اندائیا : اور عالم ملک مینی اجسام کے عالم میں ہے وَالْمَدَنَّ وَاور عالم علوت ، عالم عَیْب، عالم برو مر الاسراد۔ وَ بَهُنَ الدُّنْيَا وَيَعْنَ الْآخِذَةِ : اور تمام منطاد تمین و نیاكا او تمام معاد تمی آخرت كار حسنون مَنْ ا كُنْ شِيءِ : اور عماد سے لئے مخر كروب برشتے لين جن مقالمت كا تجھ سے سوال كيا ہے مرف ووق فيل بلك ان على موجو و برشتے كوئى جن مقالمت كا تجھ سے سوال كيا زیمن پر بختے دائی تمام کلوتی ادر ان کے قلوب، آسان اور ان آسانوں کے تمام امر ار، بروری وسیار گان وغیرہ، عالم جس اور اس پر محسوس کی جانے دائی تمام تو تھی، عالم مکلوت اور اس سے تعلق رکھنے دالے طائکہ ، اردواج اور نفوس قدسیہ ، و نیااور آخرت کی سعاد تھی اور ان کے حسول میں معادن و مدد گار تمام اسباب کا حصول تھے سے چاہتا ہوں۔ یا من پیڈیوہ مذکہ نوٹ گی تھڑید : اے دوذات کہ جس کے دست قدرت میں ہر محصی کی حکومت ہے۔ ہر شئے تیرے جال کے آگے مرکم کول اور تیرے بھال میں تخویہ۔

کاکام جانا کا حادث سلا کی وہائی ہو گی ۔ سفوی سریف سی ہے کہا۔
چوں تخو احدثین خیری شریف سی ہے آزادی شود
جب وہ چاہتا ہے قو شم شرق میں جانا ہے (اور) خود پیاؤں کی بیزی میں آزادی میں جائی ہے
گفت چوں شاہ کرم میدال شو سین بیر آگئی، آلت شود
جب شاہ کرم میدان میں لکتا ہے تو ہر ہے سرومانانی میں ہے سامان پیدا ہو جاتا ہے
اس متام پر پڑھنے والے کا چاہتے کہ دب تعالیٰ کی قدرت پر کالی بھیں دیکھ کہ
میر ادب ایک زیروست قدرت واللہ ہے کہ اگر وہ چاہتے تو میرے مخالف می کو میر احد کال

اس فقره کو پڑھے وقت قاری کا تھوریہ ہو کہ اے میرے رب! ہارے لئے سخر کردے تمام سعاد تیں اور دور کردے ہمارے رائے کی ساری روکاو ٹیس جیسے کہ تونے مخركر وياسمندركو حصرت موى نبيب النيزز كيليح كدوريان راسته چهوژ وياان كي اوران کے اصحاب کیلئے اور نجات ال من ان کو ظالموں سے اوراے بھارے رب سلامتی پیدا كروب مارك لئي مر خالف في من جي كرتون سلامي وي عفرت ابراتهم منيه الله و کو مینی جس آگ ہے و همن ان کو تکلیف دینا چاہتے تھے تونے ای کو ان کے لئے سلامتی والا كرديا اوراك كريم آسان كردك امارك المح اساب معيشت كوجس طرح آساني دى تو ئے حضرت داود دنید الشیاد کو کہ آپ ملید الشیاد کے باتھ میں آتے می اوب کی سختی، تری میں بدل جایا کرتی تھی اور اس سے آپ نہنے انسازیر آپ کی اولا و کو اشیاء معیشت تیار کیا كرتے تھے اور ايے ہى موافق كردے حارے لئے طبيعوں كے اختلاف كو يعنى مرووشئے جو ہمارے نتصان میں ہو اے ہمارے لئے نفع کا باعث بنادے جیسے کہ مسخر کر دیا تو نے ہُوا اور شياطين وجنات كو حصرت سليمان بن داؤد مندنيم النديز كيليخ كدجهال جاب تقيم مواليجاتي تقی اور جیبا تھم فرماتے تھے جنات وشیاطین سر انجام کردیتے تھے۔ اور ہمارے تالع كردے تمام اساب كشاكش كوزين و آسان بي سے اور عالم ملك يعني اجسام كے عالم بي ے اور عالم ملوت یعن وہ عالم جو مختص بے طائکہ ،ارواح اور نفوس قدسیہ میں سے اور تمام سعاد تنی د نیاد آخرت کی اور ہر وہ شئے جو ہمارے لئے دین ود نیااور آخرت کی جملائی کاسب ہو۔ ہم تھے ہے اس بھین کے ساتھ ما تھتے ہیں کہ تو ہی دوذات ہے جس کے دست قدرت مں ہر مے کی بادشاہی ہے۔

خواص واعمال ﴾ بيه فخره تمغير اربع عناصر، تصرف عالم، متبوليت، توقير، غلبه اعداء، تمغير خلائق مح الفقوعات، تعنير ملوک وامراه اور بگزے کام سنوارنے میں خاص اثر کھتاہے۔ ایک بندش جس کی سفاد کی کیلئے کوئی تدیر نظرند آتی ہو اور ایسی بیاری جس کا طائق ند ہو سکے اس کیلئے بھی اس فقر وکا ورو نہایت جر ب ب ۔ اپنے افراد کیلئے جو مظوک الحال ہول، آرو ڈِس نمائد سے قل ند پارے ہول، ایک کے بعد ایک پریشانی یا تکیف دامن کیر ہو۔ان کیلئے اس فقرے کا فقش نہایت منید ب ۔

سرے مل انہا ہے سلید ہے۔ طریق فصاب: داسط تعین طلائی دارج عناصر کیلئے زگوۃ اس فقرہ کی مادر جب الرجب میں اداکی جاتی ہے۔ باشر انکا و عوت دے گا اے تعین و فقوات حد درجہ حاصل ہوں گی۔ ہر رخیس۔ جو مختص اس کی دعوت دے گا اے تعین و فقوات حد درجہ حاصل ہوں گی۔ ہر ایک کی نظر میں معزز و محرم ہو گا۔ امیر ، غریب برنا، چوٹا، رئیس و امراء س اس کے جاہئے تاکہ کاور کار مخان ان کی طرف زیادہ ہو اور مختوق ہمین اس فقرہ کی زگوہ الزی اداکرتی چاہمی المغت و محبت کیلئے : اگر اس فقرہ کو 70 مرتبہ بڑھ کر جیٹی الالیگی پر دم کر کے اس علی الفت و محبت کیلئے : اگر اس فقرہ کو 70 مرتبہ بڑھ کر جیٹی الالیگی پر دم کر کے اس علی ویا شربت تیار کیا جائے اور اے محر کے تام افراد عاصلات مرید بن کو کھا یا بایا یا جائے تو تمام حضرات تالی جوں اور باہمی محبت و دوادادی آئیں بین کاناتم ہو۔

گاہوں کے چوم کمیلیے: جس کی دوکان عل گائید أتب بول اے چاہئے کہ اس فقرہ کی 9 بار محرار کرے اور پائی پر دم کر کے حزب الحر محل کرنے اور اس پائی کا محج وشام دوکان میں چیز کاو کر ہے۔ انشاء اللہ تعالیٰ کا کہ بہت آئیں گے۔

تسخیر، فقوطات و محبت کا مجرب عمل: یه عمل ایک بهت بزے خانواده سے حاصل اوا ب- فرمات بین که ہمارے خاندان میں جمنیر ای عمل کے بدولت پیلی آری ہے۔ انجی کی اجازت سے اس عمل کو یہال درج کیا جارہا ہے۔ ترک جوانات کے ماتھ اس مہارت کو 125000 مرتبہ چاہیں قو4 دوذ میں یا 21 دوز میں پڑھیں۔ بعدہ 20 مرتبہ دود میں رکھیں۔ تینجر طلعیم پیدا ہوگی پر وقت لوگوں کا بچوم رہے گا۔ تھارتی افراد، تیمیم ، عالمین و سجاد گان کیلئے چرب عمل ہے اور اگر بغیر نساب کے معمول میں رکھنا چاہیں تو مشاہ کے سنت ووڑ کے در میان 400 مرتبہ معمول میں رکھیں۔ وظیفہ ہے۔ شینج لکا گئ تھی جہنے چاہئی ڈوٹ

عبت میں کمی کو تالی کرنے کیلئے یادہ می محمر جائے پیغے کی ہویا شوہر لینے نہ آتا ہو لا استحد کے ابعد تھیدیا مشاہ 1000 مرتب اس مہارے کو 7 روز تک پڑھیں۔انشاہ اللہ 7 روز میں ہی جس مقصد کیلئے پڑھیں کے دو حاصل دوجائے گا۔

قریت تعظیر پیدا کرنے کا عمل افواجہ حسن تقالی: خدف ندی کانید فراتے ہیں کہ یہ عمل ذائق تعلی کہ یہ عمل ذائق تعلی کہ یہ عمل ذائق تعظیر کا جائے ہیں کہ یہ عمل خالق تعلید کا جائے ہیں۔ اگر عال دخالدات ہو جاتا ہے بعنی دو مرے لوگ فود عفود عالی کے مطبع و تالی عمون اور خالم بالا کی نظر وال عمل انجا اللہ عمون اور خالم بالا کی نظر وال عمل انجی عرف دو قال علی خوب اضاف ہو جاتا ہے اور اگر تارک دنیا ہے جب بھی مرجع ظائق ہو جاتا ہے سال کو ایک طرح کا دست ہے اور اگر تارک دیا تاہے ہیں آئے ہے مہارت یہ خیب ماصل یو جاتا ہے ہیں آئے تھی خالف اور جاتا ہے۔ عمارت ہے مہارت یہ عمارت یہ

اس کا نصاب موالا کھ ہے 40 روز کیں۔ دن رات کی کوئی قید فیش مینی دن اور رات یام رف دن یا معرف رات میں جب چاہ پڑھ سکتا ہے۔ پر بیز اس میں سخت ہے گذ معرف جو کی رو ڈلی اور بغیر تھی یا تمل کی وال یا بیز ی کے اور کوئی معرفن غذا کھانے کی اجازت خیس ہے اگر جسمائی کزوری معلوم ہو تو دودہ کا استعمال کیا جا سکتا ہے اور بغیر ضرورت کے کسی سے شدلے اور شرکھیں آئے جائے۔ یا من میدبا مسکون کی می میدید این من طافز شن و فیر و کو قیف بی میرا نے کیا یا تیدی
کی رہائی کے لیے اس کا کھ کا تحق بہت بحر ب ب بر کیا ہد ہا کہ و بات قر اس جمعہ تک
پر معاہوتا ہے بار معنی کا تعداد 16340 ہے۔ آر پہلے جل بافت کا ماہ و بات قو میک فیس اقت
بر معاہوتا ہے بار معنی رقت پر میس جس دفت پہلے جمد کو پر معا تعداد دائ طرح سات جمع
بر میں کریں ہے تھی ہر کہ ہے گئی ایے لوگ بوکر اے دادوں کی وجہ تھی تھے
اللہ تعدالی نے اس فتم کی برکت ہے انہیں کرائے دادوں کے قیفے نے بات مطافر بائی۔
ایک طاقوں نے کہا کے اکی صاحبرادی کو طال بوگئی ہے گئر اوک دالے سالمان
دائی فیس کر دے۔ میں نے بھی ختم انجیں بڑھنے کو کہا فید تھی تھے۔ تھی جب کے لیے لاک

خاص الخاص محل نيه كل جي حاجات كيلية موثب دونيات بركام مثلاً حب و يغش، تمخير و فتوحات ، ترقى و هروج ، امتمان و مقدمات ش كاميابي، شادى و سطح زوجين و فير وش يجرب الجرب ب

والوں نے کہا کہ آپ اپناسامان لے جامیں۔

ترکیب قمل تیاد کرنے کی ہے ہے کہ معبد رہیا الا حرارت ، نام مع والدہ ، مقصد لیتی شادی ، دولت یا تعقید لیتی شادی ، دولت یا تعقید لیتی شادی ، دولت یا تعقید کے مطابق کی استخاب حزب الحرش آنے والے اسام کا انتخاب حزب الحرش فالی الوسط میں مجرس اور چاروں کو ٹوں کے موکلات کو استخراج کرکے خالوں کے اوپر کھیں۔ حاصل شدہ کالی اعداد جن سے تعقی ہجر اب ان کے حرف بنائی اور ان حروف کا محرب فقش کے چاروں طرف وسط ش کھیں۔ فقش کو ہرے کہڑے میں لیت کر کے شاروں کر الے کی ایک کرکے خالوں کے اوپر مرکب فقش کے چاروں طرف وسط ش کھیں۔ فقش کو ہرے کہڑے میں لیت کر کھے ش بھی کہا تھی اور ان جروف کا مقبل اور اس جو مجی مقصد ہو گا انتخاب الاس مرتبہ حمارت اور ہر شازے کے ایک

#### ومود الشمرل شرجيزب البحر

مجدے مدد ہوگی جس سے متعلق آپ کے وہم د کمان میں مجی ند ہوگا۔ یہ عمل بارہاۃ آزمایا جو اے۔

طلمماتی انگو تھی: کاروباری و تولد تی افراد کیلئے صغیرے۔ ایے افراد جن کی ترتی زکی ہویاج بہت محنت کرنے کے باوجود آ کے فیل بڑھ پاتے یا جن جس خود اعتادی کی کی ہو وہ ضرور بالنسرور اس عمل کو تیار کرکے قائدہ افعانیں۔

تركيب يرب كد مندرج بالاعبارت ك حرر حروف بناكرايك سطر على عليده عليده

|   |    |      |     |   |   |     |     | 1A  |    |     |   |
|---|----|------|-----|---|---|-----|-----|-----|----|-----|---|
|   |    |      |     |   |   |     |     | روی |    |     |   |
|   |    |      |     |   |   |     |     | 計   |    |     |   |
|   |    |      |     |   |   |     |     | 7   |    |     |   |
|   |    |      |     |   |   |     |     | 2   |    |     |   |
|   |    |      |     |   |   |     |     | 50  |    |     |   |
|   |    |      |     |   |   |     |     | ;7  |    |     |   |
|   |    |      |     |   |   |     |     | 0   |    |     |   |
|   |    |      |     |   |   |     |     | =   |    |     |   |
|   |    |      |     |   |   |     |     | 211 |    |     |   |
|   |    |      |     |   |   |     |     | 2   |    |     |   |
| 0 | :7 | 17.3 | مثم | 7 | 睛 | دوی | يدا | نيد | 20 | ارح | 1 |

#### ومود المقرل شروجوب البحر

ر کھ کر اوپر اپنے نام سے متعلقہ تھینہ یا سرخ تعین بڑوا کر چھوٹی انگلی بھی پی کیں۔ انشار اللہ تعانی دن برن ترقی ویلندی، فزت وشہر سے ماصل ہوگی، تحوست کا اثر نہ ہو گا۔ ناپاک کی حالت میں اس آجو نکی کو خود سے دور رسمیں۔

| rrra  | PPAP | FFAF | FFFT | 110- | rrol | TTAO |
|-------|------|------|------|------|------|------|
| rrea  | FFDA | rrer | FFDT | rros | 7727 | TTA. |
| ****  | rroz | FFYF | FFTA | 2741 | 7741 | PPAI |
| TTAA  | FF44 | rryr | rryr | rryy | rrar | rrr. |
| 77.74 | 7740 | PFYZ | rry. |      | rror | rrri |
| PFAY  | rror | rras | 7727 | PFTT | 114. | rrrr |
| rrrr  | rree | rrro | FFAF | FFLA | FFLL | 774  |

﴿ كَهٰيَ عَتَى الْمُصْرَنَا فَإِنَّكَ خَيْرُ النَّاصِرِيْنَ وَافْتُحُ لَنَا فَإِنَّكَ خَيْرُ الفَاتِحِيْنَ وَ اغْفِرْلَنَا فَإِنَّكَ خَيْرُ الغَافِيْنَ وَ ازْحَبْنَا فَإِنَّكَ خَيْرُ الرَّامِينِيْنَ وَارْتُهُفَّنَا فَإِنَّكَ خَيْرُ الرَّائِقِيْنَ وَاخْفَظْنَا فَإِنَّكَ خَيْرُ الْحَافِظِيْنَ وَالْمِينَا وَمَجِّنَامِنَ الْقَوْمِ الظَّالِينِيْنَ ﴾

كَلْمَاتِعْس: حروف مقطعات ميں سے ہے۔ جو بعض سور اول كے شروع ميں آئے ہيں۔ بيراز ہیں الله تعالی اور اس کے رسول منی الله شعال منتبه وجد وسلم کے ور میان کیکن بعض عار فین نے ان ير كلام فرمايات ميساكد حصرت طاؤالدين سمنا في دلدة الله فعال عليه فرمات إلى كد رسول یاک سنل اللهٔ تُنعال مُنفِه وَهِ وَمَنْهُ کی تیمن صور تیم این رصورت بشری ، صورت ملی و صورت حقى الله تعالى في برصورت من است مجوب صل الله تعال منيه والدوسل مد في عبارت میں کلام فرمایا ہے لہذا صورت بشری میں سر کب کلمات کے ذریعے خطاب فرمایا، مبیا کہ قل ہواللہ احد ۔ صورت ملکی میں حروف مغروہ لین حروف مقطعات کے ذریعے كلام فرمايا: كهيمس والم اور صورت حتى من رح وكناب ك وريع: خاوس الى عيده ما اوسی لیتی این بندے کی طرف جود حی کرنی علی و کردی ( تنبیر اسین) رحروف مقطعات ور حقیقت تمام الله تعالى كے نام ي اور بعين الله الله الله تفال منيه وابد و شار ك اساع مبارك ہیں۔ حروف مقطعات کے امر ارسوائے نی اور ولی کے اور کوئی نہیں جانیا۔ تحمیر ام اورالیاف صع عجم الدين رازي زمنة أند تعال منيه فرمات بين: الم اور تمام حروف مقطعات مجین کے در میان باہم رموز اور حرفی معمد ہیں جو ان کے سواکوئی نہیں جانیا۔ مقطعات کو الله تعالى نے اپنے حبیب مل الله فعال مندود و داللہ تعالى النے وقت مي ترتيب وياجس میں کوئی ملک عقرب اور نبی مرسل نہیں سائٹلا تاکہ ان حروف ہے جر ائٹل کی زبان پر حضور منه انهٔ تغال مَنیّه وحد زنید کوالیے اسرار و حقائق بیان کئے جانمیں جن کی خود جبرا تمل

مع ابرا ایم بن شیران زند ذاید فاصل میشد قربات فی انک مین الله این اطلاق کی الله این طلقت کیلئے کافی ہے ، یہ لین الله این محلوق کا ہادی ہے ، کی لینی الله کا ہاتھ این محلوق پر رزق اور مهر یائی کیسا تھ دراز ہے ، ن مینی اللہ کو ان کی مسلحت کا علم ہے اور میں لینی الله اپنے وعدے میں صادق لینی جیا ہے تھے مراض ایمان

نفر: نفرت ، مدد ، کامیابی - فتح: آسود کی ، تنجیر ، غلبه ، محلاه کی ، محونا - ففر: ؤ هانها ، بخشق ، خیات ، دہائی سرحم: سخا، مطا، کرم ، مهریائی ، مدر دی سرزق : همته ، ترقی ، اشیاء ضرورت - حفظ : کلبهانی ، خیر دادری ، سلاسی ، حفاظت - خیر : بهتر ، مبدائی ، بر کمت - بدایت : راوراست ، رہنمائی ، دہبری کے ظالم : بدیاطن ، سیاه دل ، جابر، سیدر حم۔

حعرت شاه ولى الله محدث والوى رَحْنة الله تَعال عَنْيَهِ قرمات الله

الى مدد جو ناأميدى كودت عالم فيب الطور برآء كرجكا آنابندك كو دم و كمان يش بجى شهودات لعرت كيترين اور بكرت دو كامول كافود به خود فيب ورست بوطانا الله في كمانا عليه اور جيت كا دور بوطانا كه تاريك مفلي س بيزارى بيد ابوطانا الله منفرت كيترين اورطام قدس كشش وألس كااسطرح آناكه جيج امور من خود خود بجرى بيدا بوطائ الله حرقم كيترين اور جرود لعت جو بندك كو در کار ہوا سے رزق کیے ہیں اور دور ہو جانا مب خراہیوں اور برائیوں کا اسے "حفاظت" کیے ہیں۔ شرعہ ان

أنْصُرْمَا قَائِلَتَ عَيْدُ النَّاحِيرِيْنَ: جارى فيبى مدو قرما - جارے ظاہرى و باطنى وشمنول كے خلاف، ہماری مشکلات کو عل کرنے میں اور ہماری مراووں کو ہورا کرنے میں کیو تک توب ے برد كر تمارى محلائى جائے والا تمارا مدد كارے - وَ افْتَتْحُ لَنَا فَالِثُكَ عَنْ الفَاتِحِيْنَ : اور بم يركشاده كروب ابواب نعرت وكاميالي ، بم ير فراخ كر اينا وست رحت و وست كرم، كحول دے ہم يرابواب رزق و يركت ، منخر كردے مادے لئے اسباب راحت ، آسانیاں پیدا فرما ہمارے لئے ہمارے تمام امور ٹس کہ توس سے بہتر کشادگی ووسعت دیے والا ، الجینوں کو سلجمائے والا ، آسانی پیدا کرنے والا ہے۔ و اغذی نَا فائلاً عَدْرُ العَافِريْنَ: اور جاري خطاول كو بخش دے ، جس نفس و شيطان كى قيد ہے رہائى عطاكر ، ہمارے باطن کی تاریکیوں کو دور فرمادے اوئی کرم کامالک اور بیٹیے والا ہے۔ وَ ارْحَدُنْ اَ مَالُكَ غَيْرُ الرَّاحِينُ يَنَ اور جميل الني لطف وعزايت كے وامن سے وابسط ركا، بم ير جود و حاك دروازوں کو کھول دے کر تیری عطاسب بڑھ کر ، تیر الطف سے سے اعلیٰ ہے۔ وّازْنُر قُتْما فَيَانَّكَ خَيْرُ الوَّالِيَّةِ بِينَ: اور ليكي نعتول كي جم ير كثرت فرماء اورجو عطاكيا ب اس من جميل ترتی دے ، حارے جان وبال و اولاد میں برکت دے کہ توسی ہے بہتر اور لازوال عطا كرف والا ب- وَاحْقَظُتَا فَإِنَّكَ غَيْرُ الْمَافِظِينَ: اور بهيس سلامتي مطافرما، برحال مِن جاري خر گیری کر، جمیں اپنی بناہ کے قلعہ جی داخل فرمالے ، تو بی ہمارا اور ہمارے الل وعمال کا سب سے بڑا محافظ ہے کہ جس کی حفاظت کے حصار کو کوئی توڑ نہیں سکی اور جو تیری بناہ میں آكياوه شروبرائي سے دور ہو جاتا ہے۔ وَالْمَيْثَا: أور داورات كي طرف حاري رہنمائي فرما، اليارات جس من كوكى دين وونياوى ضررت او - وَتَجَمَّامِنَ الْقَوْمِ الطَّالِينَ : اور جسي

نجات دے ایسے افراد والی جماعت اور ایسے گرووسے جو ظاہر یا باطن میں جارے دھمن اور ہم سے نفاق کے والا ہول۔

لہذا جب قاری اس حصنہ کو پڑھتاہے تو کو پایار گاہرٹ العلاء میں بوں التجاکر تاہے كداك ياك يرورد كار مدو فرماهاري، هارك تمام سائل كے عل عي الى مدوجوك ناأمیدی کے وقت عالم غیب ہے اترے کہ جسکا اترناد حم و مگان میں مجی نہ ہو کہ توسب ہے بہتر مدد کرنے والا ہے اور سلحما وے ہماری ساری الجمنیں کہ بنن جائیں ہمارے سارے مرت کام اور کشادہ کردے ہم پرائے فضل وکرم کو کہ توسب سے بہتر کشاد کی کرنے والا ہے اور تو بخش دے ہماری خطائمیں کہ دور ہو جائیں وہ ساری روکا وشیں جو ہمارے اعمال کے سب بھارے رائے میں آگئی ہیں کہ قوس ہے بہتر بخشنے والا ہے اور وراز کر اپنی رحت کی حادر ہم پر کہ مائل ہوں تیری محکوق کے دل جاری طرف کہ توسب سے بہتر رحم کرنے والا باور نواز جميں اين وائل تعمقول ہے كه تو الى سب سے بہتر تعمقول كا عطاكر في والا ے اور ہم کو اپنی حفاظت میں کے حصار مین واخل فرما، نفس و شیطان اور ہر محلوق کے شر اور برائی سے کہ تو بی بہتر حفاظت کرنے والاہے اور ہر مقام پر بھاری رہنمائی فرمانور بدایت ے اور نجات دے ہم کوانے لوگول کے شرے جو ہمیں تیزی رحت سے دور کردی۔

﴿ خواص واعمال ﴾

یہ فقر واحد او فیجی، ہر کام میں کامیاتی، فقوحات، جلب بال وجلب رزق کیلیے خاص ہے۔ ایک انسان کو انھی زندگی گزارئے کیلیے جو بھی آسائشی در کار ہیں وہ تمام اس فقر وہیں موجود جیں۔ متوایت، بمال و کمال، روز گار کا حصول، کاروبار میں ترقی، انھیار شیح مالیجنوں میں سلیحالی، بھڑے کاموں میں نیجی اعداد اور فیج اعداد و فیرو سب اس عمارت میں موجود جیں۔ اس عمارت کا فتض اگر تمام شرائعا کے ساتھ تیار کیا جائے تو تو تخ نامہ کے اثرات رکھتا ہے۔ الفرض حزب الحرکار فقر وانسان کی جیچ حاجات کیلیے کائی ہے۔ نصاب: اگر کوئی چاہے کہ نصاب اس فقرہ کا علیمدوے اداکرے اوراسکا عال تو اس کو چاہئے کہ 21روز ترک جوانات کے ساتھ 313 مرتبہ اس عبارت کو می طلوع آ فاب کے وقت پڑھے اور ابتداء لوچندی جمعہ سے کرے۔

ایسا فخص ہے ہر طرف ہے پریٹانیوں نے تھیر لیاجو اور نظفے کی کوئی صورت نظر نہ آئی او اے چاہئے کہ اس عمارت کا نصاب اداکرے ۔ اس کی برکت ہے ہر طرح کی آسائش میسر آئے گی اور جو فخص یہ چاہے کہ اس فقر و کے قبام تواس اسکو صاصل ہوں اے چاہئے کہ حزب الحریز ہے وقت جب اس ہتام پر آئے تو اپنے نام کے اعداد کے مطابق اس کی مخراد کرے۔ اگر ٹام کے اعداد فیادہ ہوں توان کو استشفاق کرے یاعد و تھی نکال کر اس کے مطابق اس کو پڑھیں۔

نیمی انداد کیلیا نیماز تیم کی سنت و فرض کے در میان اس مبادے کو 41 مرتبہ پڑے تو تشخیر حاصل ہو ادر دوزگار بھی مجی ہے شار بر کرت حاصل ہوگی ادر تمام کاموں بھی فیب سے احداد حاصل ہوگی۔

کھیسس افسہ ہنا : نساب اسکا 1100 ہے 11 دون تک ہے۔ ترک حیوانات کریں ۔ وختوں پر غلبہ حاصل کرنے ، کمی سے اپنی بات منوائے ، دوحائی قوت حاصل کرنے اور غیب سے اساب مہیا کرنے جس یہ عمل بہت کام ویتاہے۔

میرے ایک دوست نے کہا کہ جمن کے فات کو 3 سال ہو گئے ہیں کم لاکا اہر ہ وہاں اسکے پھھ سائل ہیں جس کی دجہ ہے آئیس پارہااور ہم رفعنی کیلئے پر بیٹان ہیں کہ لڑکا آجائے لؤیمن کور خصت کریں اور یہ بھی خواہش ہے کہ یمن کوساتھ تل لے جائے ہم بہت پر بیٹان ہیں آپ وعاکریں عمل نے ان سے کہا کہ آپ بمین سے کمیس کریے مبارت 1100 مرتبہ پڑھیں اور وعاکریں کمر پڑھنے کے بعد بات کے بخیر سوجائے۔ اللہ رب العزیت نے کرم فرایا لائے کا لیبر کورٹ میں کوئی کیس تفاوہ ختم ہوگیا اور دوست نے آگر بتایا کہ سرال والوں کی کال آئی ہے کہ لاکا آرہاہے آپ دخصتی کی تیاری کریں۔ میں نے کہا آپ رخصتی کرویں مگر بہن ہے کہا بہر نہ پالی رخصتی کرویں مگر بہن ہے کہیں کہ وظیفہ کی ایک تشخ جاری رکھیں جب تک بابر نہ پالی جائے ۔اللہ تعالیٰ کا فضل ہوا اور دخصتی کے تمن ماہ بعد لاکا و نہن کو اپنے ساتھ و دئی لے کیا اور اور محصق کے تمن ماہ بعد لاکا و نہن کو اپنے ساتھ و دئی لے کیا اور اور محصق کے تمن ماہ بعد لاکا و نہن کو اپنے ساتھ و دئی لے کیا اور اور محسق کی کوئی شکل چئی آئی ہے غیب سے دو آجائی ہے۔

ای طرح میرے ایک دوست کا ذائظ کا کام ہے انہوں نے کہا کہ جب بھی کپڑا رنگنا ہوں خراب ہو جاتا ہے حالانکہ سب بگھر ضیک ہے ان کو بھی بھی و ظفیہ بتایا کہ اب جب آپ کپڑا مشین میں ڈاکس تو یہ وظفیہ بلاقعداد پڑھتے رہیں۔ اللہ تعالیٰ کا کرم جواکپڑا باکش مسجح رنگ میں رنگاہوا آیا۔

شیں نے خود میں کئی پاراس کو پڑھااور ہر بارکامیائی حاصل کی ہے۔ ایسے افراد جو کر دشوں میں کر فارو سے ہیں اور کوئی کام خیس بٹا اخیس چاہیے کہ اس و کھنے کو چلتے کھرتے پڑھیں یا کم از کم تکھرے تکلئے ہے پہلے یا طلوع آ آناہے کے وقت ایک لتبی ٹو الازی پڑھا کریں۔ غیب سے تمام کام ووست ہو جائیں ہے۔ نہات آسان وظیفہ ہے کہ ہر صحص اسکو پڑھ مکتاہے اور پُڑ تا ٹھرا تناکہ ہرکام اس عمل ہے لیا جا سکتا ہے۔

|   |   |   |   | -      |
|---|---|---|---|--------|
|   |   |   |   | 2      |
|   |   |   |   | 3      |
| 5 | 0 | 2 | ی |        |
| 2 | ی |   | 5 | م<br>ی |
|   | 5 | 0 | 2 | ی      |

### وُمُوذُ النَّصَرِقِ شُرِحِ حِزْبِ الْهَحَ

کرے تو بہت جلد مقصود حاصل ہو گا۔ شفاہ امر امن کیلیے ساعت قبر میں لکھ کر مریفن کے محلے میں بہنائے سے شفاہ حاصل ہوتی ہے۔

حسية و جين ور شتول كا عمل: جس لا كاكار شدند آتا بوياكي وجد الكار بوجاتا بو

| واقتح لشا فائك<br>غير القائمون | r4.r | 17-0                       | 1220 | الصرناقاتك<br>عيرانشامرين     |
|--------------------------------|------|----------------------------|------|-------------------------------|
| 1277                           | 1444 | TIIA                       | 24.  | 14.V                          |
| rc                             | 14.4 | وارز قافانک<br>فیرالفاتمین | IZAY | FIIA                          |
| 1449                           | FIIT | F4.F                       | 1701 | UIZPF                         |
| دارحمنافاتک<br>خیرالراحیین     | 1211 | ILAL                       | riiq | واغفرانتافانک<br>خیر الغافرین |

حب زو بیکن ور مشتول کا س جو خورت یہ چاہ کہ اسکا شوہر اس سے بے بناہ مجت کا بر تاؤ کرے اسے چاہئے کہ جعد کے روز ساعت اول میں اس فتش کو برے ریٹم کے کیڑے پر کھ

#### ومود النسرق شريعيب البع

کر اسینے پاس رکھے۔ شوہر کے دل بیں بیوی کی حد درجہ مجت پیدا ہوگی ادر درجہ بال جھے مقاصد حاصل ہوئے۔ کھتے وقت کھے بعض تا خسید السر احدیین تک کوسات مرجہ پڑھناچاہیئے۔

اُنْ شَرِیْکَا فَالِکُ عَیْدُ النَّالِیمِیْتُ : جب سی طخص پر کوئی آفت آجائے یاسی مشکل شی میش جائے اور اس کے سرباب کی کوئی راونہ لگتی ہو تو اے چاہئے کہ محرے تمام افر او ملکر رات کے اند میرے میں 11000 مرتبہ اس میارت کو پڑیں۔ انشاء اللہ ای روز مصیب میں جائے گی۔

پیشد کی شادی کرنے کا عمل : اگر کوئی پندگی شادی کرنا چاہتا ہو محر رشتے وار وغیروند بائے ہوں تو یہ اپنانام می والد واور لزی کا مع والد و کے اعداد میں اس فقر و لینی انسد بنا تا الناصوبین تک کے عدوشال کرے فقش مرنی ٹر کرنے کی بازو بیں پائزو میں پائین ہے۔ ۲۱ روز تم بوقت عمر دونوں کے اعداد کے مطابق اس فقرے کو روزاند وقت مقر رپر پڑھا کرے۔ انظام انشدا ۲ روز میں انشکی عدو بے جہاں امیدر کتاہے وہاں رشتہ ہو جائے گا۔ اول و آخر یہ ورود بڑ صناسے: الله، صاباعلی محتمد سیدا انشاہ ہے:

دردود پڑھنا ہے: اللہ ما علی صحند سید الفاعد ہے: وَ الْحَتُمُ لِنَا الْمُلِكُ عَلَيْمُ الْمُلَا الْمِرِيْنَ عِنْواجِ حَن اللّائِ فَرَاحَ فِيلَ كَدِيهِ عَبارت رزق كى ترق ، روزگار كے حصول اور فينى بركت مير آنے كيكے بہت مند ہے۔ اس و قينہ كو ميح كى نماز كے بعد ہے سورج تظفے تكرين الكے روز مغرب كى طرف، تيرے روز جنوب اور چیتے روز شال كى جانب منہ كركے پڑيں۔ چارون عيل اسكانساب پورابوجائے گا۔ چوتے روز پاؤم مر منتمث، ياؤ بحر چھے ہوئے چنوں بر نیاز حضرت خواج تحقوظ السلام كى دائى۔ ہے سختم اور چے تھوڑے تحورے كوك عالى خودى كھالے۔ انشاء الله مالوس ون وندانے چاہائ كررزق عن كشائش ك آثار بديد ابو جاكي كي يافواب عن كشائش رزق كرراسة بتا د ع جاكي ك-

مندرجہ بالا ترتیب سے رشتوں کے سلط میں یہ عمل میر اتجربہ شدہ ب اکثر ایسے لاکے لڑکیاں جن کے رشتے تیس آتے یاد کھ کے جلے جاتے ہیں ان کیلئے یہ عمل بہت کارآ مدے اور کی بار اسکا تجربہ دو پکائے۔

بسمالله الرحين الرحيم يافتاء يافتاء يافتاء وَاقْتُمُ لِنَاقِالِكَ عَيْرُ القَاتِمُونَ ؤی کی تیز کی کیلئے: کند ذین بچل یا ایسے افراد جن کونسیان کامر منی ہو کمیاہ وال کیلئے دوزانہ یہ تنش 1 2 دوؤ تک پلیٹ پر کھو کر دھو کر بلاگیں۔افشاء اللہ حافظ سیخ ہو گااورنسیان سے نجات حاصل ہوگی۔

وَالْمَغِينُ لِتَمَا لَوَالِكُ مَوْ الْعَلَمِينَ فَا تَشَرَّ مُعِبَ لَو مرد كرف اور گناہوں كے سب جو توایات و فوشش آجال جي ان كے روكيكے بہت ناف ہے۔ ١٧٢ مرفيه غروب آفاب كے وقت پڑھنے سے اس كى بركات كا خليور بوتا ہے۔ جس كے دل على كى كى جدائى كا فم بوا سكو پڑھنے سے اللہ ياك مبر مطافر او جا ہے۔

وَ ارْحَدَثَتُ الْحَدِيَّ اللَّهِ عَلَى مُرْالِسَ الْمِيسِينَّ : يه عُمِارت حَسَد كُو صَدَّ اَكُر فِي اللَّفَ وعيت بيد ا كرفَ مُثَنَا عُنَا امر اللَّ اور جوزول كے دروكو دور كرفے میں كام مجر ہے ۔ ايسا مر يش جس كو ذاكر نے لاطارح قرار دے ديا ہو كھڑے كے ساتھ اس كلے كا ذكر كرے پھر رہ تعالى كى قدرت كا كر شد ديكھے كركيے چند واول ميں وومر من جسكوذاكر ول في اللاح قرار دے ديارب كى رقت ہے باكل عشم ہو جاتا ہے الحرك كم موت اس مرض ميں شاك كو دى كي بور ا **من و محبت کا عمل: ای**سے ہی جن کے تمر ول بیں ہر وقت لڑ انگی جھڑے کا احول رہتا ہے یا ایسا مخص جس کے حرائ میں تختی ہو اس کلہ کا ورد کریں ظاہر و باطن میں رب تعالیٰ کی رحمتوں کو مشاہدہ کرے گا۔

وَادْ رَهُ فِتَنَا فَلِكُ مَدِيُّ الوَّالِيقِيْنَ : يه عمل تمام نعتول ك حصول كيك يرصاجا عب- تواد تى حضرات كيك بهت مفيد ب- 122 مرتبه روداند 21 روز تك يرضنا جامية خود البي لك يا كي دومرك كي ريشاني كيك بحي يزد يحتين-

وَاحَقُطُكُ الْعَالِمُكَ عَمُوْلُ الْمُعَالِمُ فَيْ يَهِمُ وَوَى شَدِ مِنْ هَا عَلَيْهِ مِنْ اللهِ عِلَامِ الله مرح روزان پر هن سے بر شخ مثلاً خوری، حاوث ، افتر بدوغیرہ سے تفاعت رہتی ہے۔ ایک اولاد و تھری خانفت کیلئے 11 بار می شام پڑھ کر کھی پر دم کریں اور تصور میں پورے تھرکا حصار کریں۔ افغاد اللہ بر طرح کی خانفت رہے گی۔

کا تغین کو خالفت ہے روکئے کا عمل : کی گروہ کی خالفت کو دور کرنے کیلئے جرب ب آفس یا محل میں اگر کی افراد خالفت پر انر آئی آئی آئیا ہے اگر 29.28،27 ماری خاتری پاجب قرور مقرب ہو تو آئی ماہوار مقام پر چھر کی ریت ہاتھ میں لیکر 500 یار مقدر جد ذیل کلمہ محرے ہو کر پڑھے اور تصور دشمنوں کا رقعے۔ پھر اس ریت کو اس مقام پر جہال مخالفین جمع ہوتے ہوں ذال دے۔ ان شاہ اللہ اس عمل کی بر کت سے خالفین منتشر ہو جائیں گے۔ اور خالفت میں چھوڑو ہیں گے۔ عیارت ہے ہے : داخدیشا ورک انتقاب میں القور الظائوليون

اور خالات می چورد می سے میسرت بیے اور اهدیان و دنجیا اون افور العالیون افعال با جائز مثلاً چری ردناء شراب خوری می میتلامید چین انہارت پر تا تیر به میکن دوافر او چونلم الفق ش سے داقف نہیں ہیں ایک کے قدرے مشکل شاہت ہوگا ہے۔

| Se    | 3 1    | 125  | اعراز  | طریقہ یہ ہے کہ کر جس کیلئے عل کرنا ہواس کے نام مع والدہ کے   |
|-------|--------|------|--------|--|
| وركيا | ارو تص | = 60 | ر محتم | كري معلوم كرير - جوبرج فط اعك متعلقه شارك كوى الا  |
|       |        |      |        | جائے۔ جس وقت اس ستارہ میں اور ستارہ قرمیں نظر سٹلیٹ قائم   |
|       |        |      |        | دَنَجْنَايَاهادى يامنيى ك اعداد مي اس فحض ك اعداد مع   |
| 11    | ۸      | 1    | 10     | والدوطاكروى كى جال = 1 ا نقش بنائي _رواندا يك نقش يانى   |
| ۲     | 11     | 15   | 4      | یاشر بت بین محول کراس کو پلانمی اور اگر مریعن نقش پکن سکت  |
| 14    | r      | 4    | 9      | ہے آوا یک فتش زائد تیار کریں اور اسکے ملے میں بیناویں۔ کوئی  |
| 40    | ده عمر |      | مراج   | بھی عادت ہو انشاء اللہ اللہ اللہ کل مر کت سے چھوٹ جاتی ہے۔   |
|       |        |      | 3      | آپ حضرات کی نظر کر تاہوں۔ آزمای اور دیائی دیں۔   |
|       |        |      | 0.00   | THE COURSE WAS A SECOND OF THE COURSE OF THE |

ع الفین وید کو کی قرات کا عمل: بعد نماز عمر، عشاء اور فیر یا اگر ایمان بو تو فیر ع بعائد تبديد من 1000 باريد مرارت پرتي \_اشاء الله مخالفين كه ول مخالفت سه خالي بو جامي كه يا ان پر اس طرح كي معين و وقت طاري بو جائد كي كر پر هند والا ان سه نميات بال كار مرارت برس، زب اختري مقل الفتور الظاليدية

﴿ وَهَبْ لَنَا مِنْ لَكُنْكَ رِيْحًا طَيِّبَةَ كَتَاهِئُ فَعِلْمِكَ وَانْشُرُهَا عَلَيْدًا مِنْ خَوَائِنِ رَحْمَتِكَ وَاخِمُنَا بِهَاحَمُلُ الْكُرَامَةِ مَعَ السَّدُ مَةِ وَالْعَافِيَةِ فِي الدِّنْنِ وَالدُّنْكَ اوْالْاَحْرَةِ الثَّكَ عَلَى كُلِّ شَى قَدِيْرٌ ﴾

. خَنْ لَنَا: اور بم كو بخشش و يعنى تعاريب الحال ويد افعال كى طرف و وكي يكد استهاكر م كى طرف و يعيمة جوئ استها ثنايان شان بم يدكارون بد فعنل فرما اور بم كو عطاكر سيمن \* ذَنْك: استي باس سد حضرت شاه ولى القد محدث والوى زندة دند ثنان مذنبه فرمات في كد ان الفاظ على اختاره به حظيرة القدس في طرف بدينها طيّنية: پاكيزه دوا ، تائيد فيمان في الفاظ على اختاره به من الفاظ على الفرق من الفرق الله محدث والوى زخه به شعال غليبه قرمات جيل : عرف على الله محدث كا بقابر كو في سبب معلوم ند يوسطه ، ود بطريق القال دو جاسة اور بميشه جارى رب اسبب و استجة جيل - فيما قرمات جيل : ممكن به كديمال بتواست مراوعالم فيب كي تائيد دو جس كه سبب طاء اللي ساح عالم شباوت على المبام يوج عنده والسبح تقلب براس كي دو كيات روح كي بركتي مسخر دوتي جيل تاكد بزعت والسلم كو دوكوس كدول كا عال ، المن تجور كا حال و اتخاص الا والقاسات كا حال جائا آسمان كودكوس كدول كا حال ، المن تجور كا حال ، آخر دوت المسلمة والسبك والمساعة والقاسات كا حال جائا آسمان كودكوس كدول كا عال ، المن تجور كا حال ، آخر دوت عاصلي دوجات المساعة والقاسة كا حال جائا آسمان

(ميد الله المالا ، إب ذكر خاو الا على السم ١

مقام و مگریم فرمات میں ان الشیع عبد القاد در اند اساسات صار بھیستة البلاء الاعلی ان میں سے ضخ مید القادر جیائی زندگائی فقائی مذکرہ میں جو کہ وفات کے بعد طاء الاعلی کی شکل افتیار کر گئے تھے۔ اسمید میں ۸۵) عربية أرباتي المقول ماهذا بشرا ان هذا الااله كريه و العق انه عبد من البلاء الاعلى معبور لايستطيع تعولاعها امريه

ملاء اعلیٰ جس سے بعض کو جب عوام و کیے لیے جیں تو بول اضحے جیں کہ یہ تو خدا ہے حالا تکد وواس کا عمید ہے جو اس کے حتم سے ذرو چبر مجس سر تالی ٹیس کر تا۔ عمید اس ۲۰۰۰ ان مقر جین کی رہائش گاہ، جہاں یہ ملا تکد اور کنوس قدمید جمع ہوتے ہیں، اس

مقام كو خطيرة القدس كهاجاتا يدجواندا بالدرسوم كَمَا هِيَ فِي عِنْهِكَ : حِيساكه ميرے لئے بيتر او تيرے لائحدود علم مِن \_ يعني جس وربعه كو تو میرے لئے بہتر سمجھ اس واسطے بجہ پر عظاکا معالمہ فرمادے۔اس یات کو اس مثال ہے مجے کہ ایک فخص کہتاہے کہ اے اللہ مجھے رزق دے فلال باغ سے بعنی اس نے محدود کیا لین مر او کوایک ذریعہ سے جبکہ اسکویہ بھی نہیں معلوم کہ اس باغ سے رزق منے بیں اس کیلئے خیر ہے یاشر جبکہ ایک دو مرا مخض یہ کیے کہ اے اللہ مجھے رزق دے اس جگہ ہے جو تے ہے علم کے مطابق بہتر ہو میرے لئے۔ حضرت شاوولی اللہ محدث ولدی زینیڈ ند زندال مذنبہ فرماتے ہیں کہ بہ طریقہ کا ملین کا ہے۔ جب کا ملین کوئی مر اد طلب کرتے ہیں تو اسکو سلامتی اور عافیت کے ساتھ طلب کرتے ہیں اور اپنی طلب کو مقید و معنین نبیں کرتے کسی خاص سب یا طراق کے ساتھ کو تک یہ جانتے إلى کر اکے رب کے علم نے احاط کیا ہو اے ہر شے كا اور وى خوب بهتر جانك ب كركس شئ على جارى فير يوشيده ب- وَانْشُنْ هَا عَلَيْنُا اور پھیادے اس فیضان کو ہم پر ہر طرفء۔ مِنْ عَوَائِن دَحْسَتِكَ لَيْ لا محدود رحتول كے لا تعداد خزانوں ہے۔ رب تعالیٰ کی رحت کے بے شار خزائے ہیں جیسے کہ خزانہ وعلم جو و كماتا ب راست بدايت كا اور كاميالي كانتخذات قديت جس بندے كو قوت مطاكى والى ہے جیے کہ خیبر کی فتح اور اکھاڑ مچینک وروازہ خیبر کا اور فزانہ برزق جس کو نفقة الغیب مجی كهاب تاب يعنى غيب ، دورى كالمختار واخبلتا بهاخنال الْكُرّامة : اور جميل طاء اللي ب

مینی والی این تائید فیمی کے جمراه آ کے بڑھاوا کی بزرگ وعزت ساتھ۔مَدَةُ السُلَامَةِ: اسن، صحت ، قيام ، هناظت - وَالْعَالِينَة : مجلائى ، اطمينان ، سكون ، آساكش - في الدِّنين وَالدُّنيُّ وَانْ يَعْرَةَ : جارے و بني اور و نياوي معاملات اور جنري آخرت ش- كيونك اكثر وولت و جاويا متبول علق شر کا باعث موجاتا ہے۔ اس سب سے کہ نفسانی خواہشات بید ابونے لکیں یا لوگ حسد کریں اور کینہ رکھیں یاں کہ بندوخود ایسے انمال کامر تکب ہو جائے کہ جسکی وجہ ہے دین و دنیااور آ فرت میں پریشانی کا سامتا ہولہذا اس صورت میں دین کی سلامتی اور عافیت تویہ ہے کہ نفس ایسے کاموں عل نہ بالے کہ جس سے قرب الی علی بندے کارتبہ کم ہو جائے اور دنیا کی سلامتی وی ٹیت کا مطلب ہے کہ مال و دولت ، جاوو عزت جس زوال نہ آئے یا کوئی رقیج و سختی و کالمی ، بدن ولکس پر طاری شد ہویا و نیاوی افر امش کی وجہ ہے عزیز و ا قارب یا باجم احباب میں رمجیش نه جو اور آخرت کی سلامتی اور عافیت بید که وینی و دنیاوی معاملات میں ایسے اعمال وافعال مرزونہ ہوں جن کے سب آخرت کے حساب میں مشکل جين آئے يا حضور ضل الله تفال خانيه والله وَسَنْمَ كَ شفاعت سے محروم كرويا جائے - إذات على كُلِّ شَني قَدِينِينَ الوهر شيخ يرطات، قدرت وغلبه ركف والاب

پڑھنے والا اس فقرہ میں اپنے رہ الم المحتول کا طالب ہے کہ جس ہے نہ مرف اسکے دین وو نیا سفور جائیں بگد آخرت کے جمعی قام مراحل فیر وعافیت کے ساتھ سے پاچائیں۔ بندا پڑھنے والا اپنے رہ ہے ایوں کا طب ہے کہ اے اللہ ! ہمارے ساتھ کر دے اپنی تائید ہمارے سے کاموں میں آس طریقے پر جو بھڑ ہو ہمارے لئے چرے علم میں اور سایہ فلس رہ ہر وقت تیری عطاکا ایر، جس ہے ہم پر تیری رحمت کے فزانوں کی مسلسل پر سات ہوئی رہے اور اس کے ذریعہ جمیں ایسا معزز کرکے آگے بڑھا کہ اس من وظائمی سلسل پر سات ہوئی رہے اور اس کے ذریعہ جمیں ایسا معزز کرکے آگے بڑھا کہ اس و خاتھت میں دیس ہمارے دین و دنیا اور ہماری آخرت بیشک اے اللہ یہ سب مطاکمی حتے ہے دریتہ جمیں دست قدرت جس مطاکمی

### وخواص واعمال

متیویت خلق ،وست فیب ،زوال نوت سے حفاظت، کشف و محیر العقول واقعات، روحانیت میں اضافہ ،صاحب مزار سے فیض لیت، ارواح سے رابط کرنا، عمل حاضرات میں ترقی اس فقر و کے خواص ہیں۔ بھی وہ مقام ہے جس کے ذریعے حزب الحرکے عالمین وور وراز رہنے والے پر بیٹان حال افراد کی اپنے مقام پر جنے کر روحاتی مدو فرماتے ہیں۔ جو حزب الحرکے اعلی عالی ہیں وہ اس تصرف کے طریقے سے خوب آنگاہ ہیں اپذا ایمال اس راز کا ظاہر کرنا مناسب نبیس۔ (مقلد کیلئے اشاد کائی ہے)

بندوستان کے ایک بزرگ دیکا تعلق سلسلہ قادر یہ ، جمید سے قن حزب المحر شریف کے عال تح ان کے دورہ پاکستان کے دوران ان سے ملا قات ہوئی تو دیکھا کہ اللہ رب العزت نے ان کے ہاتھ میں بہت شفارر تھی ہوئی ہے جو بھی سریفن آتااس کو ایک بی تعویٰ پہنے باہمے کیلئے دیے اور عارے کہتے کہ بیاشاتی پڑھا کر داور دوسری کو کی حاجت ہوتی تر فریاتے کہ یاوصاب، یا علیم یا کوئی بھی اور اسم بتادیے کہ یہ پر حاکر و چندروز بعد جب ان

تر فریاتے کہ یاوصاب، یا علیم یا کوئی بھی اور اسم بتادیے کہ یہ پر حاکر و چندروز بعد جب ان

تعویف دیے ہیں اللہ تعالی اس پر کھنٹل فرمان یتا ہے تو فرمانے کئے کہ ای عبارت کا عالی بول

اور ای کا تعین و یتا بھول فرمانے کئے کیا تم نے قور فہیں کیا ہے ان رحبت کے تو شمالی بول

پوشیدہ ہے ۔ اس میں بیار کیلئے شفا ، مفلس کے لئے دولت ، متکدست کیلئے تو شمالی ،

پوشیدہ ہے ۔ اس میں بیار کیلئے شفا ، مفلس کے لئے دولت ، متکدست کیلئے تو شمالی ،

پوشیدہ ہے ۔ اس میں بیار کیلئے شفا ، مفلس کے لیے دولت ، متکدست کیلئے تو شمالی ،

موجود ہے ۔ جو مفتص جس مر او کا طلبے گا ہور ب تعالی دہ تمام تعینی اس عبارت کی برکت

موجود ہے ۔ جو مفتص جس مر او کا طلبے گا دیور ب تعالی دہ تمام تعینی اس عبارت کی برکت ب اسکو لین

موجود ہے یہ توالے بیش و چاتا ہے بول بارے تج اس تحول واقعات کی است ہے اور پڑھے والا

| B   | ب  | 실   | 2  |
|-----|----|-----|----|
|     |    | r4  |    |
| r•r | ~  | ۵   | FA |
| 4   | 14 | r.r | r  |

نیک نامی کیلیے: اگر کی پر کوئی تہت وغیر ولک جائے تواسے چاہئے کر روزاند می وشام 1 ، 1 مرتبہ حزب المحرکی حلاوت کرے اور ہر باد اس مبارت کی محراد 15 مرتبہ کیا کرے۔ انظاء اللہ تعالیٰ نیک نامی نصیب ہوگی اور تنجیف سے برکی الذمہ ہوجائے گا۔ اگر اس فقرے کے اعداد عمل اینے نام کے اعداد شال کر کے فقش چیئے سے بھی بھی خواص ظاہر ہو تھے۔ حصولِ اولا و کیلیے :بعد نماز عشا، دو رکعت نفل حصولِ اولاد کی نیت سے اوا کریں۔ ہر رکعت میں بعد فاقعہ صورہ کوٹر ۳ مرتبہ اور سلام سے قبل ۲۱ مرتبہ مندرجہ بالا فقرہ پڑھیں۔ سلام کے بعد حصول اولاد کیلئے عاجزی سے رب تعالیٰ کے حضور دعاکریں۔ اس نماز کی ایک خاصیت یہ مجی مشاہدے میں آئی ہے کہ اولاونہ ہونے کا سبب اگر کوئی عارضہ ہو تو وہ میں دورہ و جاتا ہے۔

تر آگر روز گار کیلیے: دو حضرات جو زوال فعت کا شکار ہو سکتے ہوں یا چہا ہو اکار دبار زک ممیا ہو تو بعد نماز چر طلوع آ قباب سے پہلے اس مجارت کو 41 بار پڑھیں۔ اللہ تعالٰی کی ذات سے امید ہے کہ کار دبار نہ مرف جال بڑے گا مک ترقی مجی خوب ہوگ۔

﴿ اللَّهُمَّ يَبِينَ لَنَا المُورَنَامَعَ الرَّاحَةِ لِقُلُوبِنَا وَ الْهَدَّائِنَا وَ السَّلَامَةِ وَالْعَافِيَةِ لِي وَيُبِنَّا وَكُنِّنَا وَكُنُ لَنَا صَاحِبًا لِي سَقِينًا وَقَلِيْقَةَ فِي الْهِينَا ﴾

النفية: اے اللہ النب بقائم وقا : آسان کردے، مجدات کے ساتھ بغیر مشقد اعسابی و

الله الله النب کردے عمارے سارے کا مے معالا المقا الفائد بنا اللہ النب دارات کے اللہ

المی حوقی، جس سے ظاہری و باطنی دولوں سکوان بھیر آئی۔ یعنی المی آسائی جس سے

میس دل سکون کے ساتھ بدنی ترو تازگی میں میسر آئے کی حک جب کوئی فیمس کی مقدد کی

طرف سوج یو تا ہے اور اس کی طلب میں بہت کو حش کر تا ہے واس کو جار چیزیں شقرت

می چیش آتی ہیں جس میں بھلی چیز رفع ہے ، دوسری الکیف بدنی، تیسری قلر اور چوقی چیز

مقدل ہے۔ ان حالوں کی دجہ مقدد کے حصول میں محت کے اوجو دکام کانہ بنائے جس کی

وجہ ہے بندے کو دل رفع بین تھی ہیں کے اللہ بدید بدیا امور نسا کے اللہ بدید المادور نام کانہ بنائے ہوں وار بھر
دل میں مقل والا می بیدان کے اللہ بدید المور نسا کے ساتھ معادال المور نسا کے ساتھ معادالراحیة

القنون او ایس ان اکا ذکر کیا گیا ہے۔ و الشہ کا مقد و افعال بند فی جنیف او دائیا آن اور جہال است و حل اور بدن کوراحت کیتے وقی ویں وہ نیا کے ضاو و تقسان سے مجی سامتی وعافیت کئیں دیں۔ و گئی ن فیا مار نقسان سے مجی سامتی وعافیت کئیں دیں۔ و گئی ن فیا ہم کی وعافیت و باطنی ، دو مائی و جسانی سفر میں۔ و گئی نیف قبی افعال اور ادارے الحل وعیال ، مزرو و قارب است دو و مشان اور ہم روہ مختل جو ہم سے انسیت و عبیت سے قوائی کا معاون و مدو گار ہوجا۔

اس تقروه کو پڑے منے والا اس تصور میں ہوتا ہے کہ اسے انشد ! آسمان فرما و سے مارے مائی و میان فرما و سے مارے مائی و میان کو سکون و سے اور ہم میں و دنیا کے تعمان و ضاوے بھی سلامتی وعافیت میں و کھ اور زندگی کے سفر و میں تعمان سامیادا میں جا کہ جو ہوا میں اور مارے الل و میان کا می تعمان سامیادا میں جا کہ جو ہوا میں میں میان کا میان و میان کے سفون و دیا کے تعمان و ضاوے ہے تعمان کی وعافیت میں و کھون ہے اور مارے الل و میان کا می تعمان دور کا جو جو

﴿ وَاطْيِسْ عَلْ وُجُوواَعْدَائِنَا وَامْسَخُهُمْ عَلَى مَكَالَتِيْهِمِ فَلَا يَسْتَطِيعُوْنَ الْمُعِنَّ وَلا الْمَجِيَّ الْيُدِيِّ الْمُعَلِّيِّ وَلِيَالِهِمْ اللَّهِ عِلَيْكِمْ اللَّهِ عَلَيْهِمُ وَلَا

وَاطْبِسْ عَلَى وَهُرُود : اور بِكَاوْد بِ وَمَعْ وَقَعْ اور برادی و وَلا تَ بِ آثار مَا بر كر ادار به و وَخْتول كَ آثار مَا برك ادار ب برك و خُتول كَ چروال بر - وَالْمَسْدُ فَلَهُ عَلَى مَحْسَنَتِهِمْ \* لَحَيْمَةٍ قِيل الْجَكَ صورت ب برك صورت بنائ كو يبال مر او ب حركات كو مسكر نافتي به پقر كي اند مشجود كرج جا يمكن المنتخب مقال ان كاحنير اور عقلين اؤقف اول كر عقل المنتخب مقال ان كاحنير اور عقلين اؤقف اول كر عقل و فعل المنتخب اور عقلين المقالم على المستخبر اور عقلين المقالم المنتخب المنتخب المنتخب المنتخب المنتخب المنتخب المنتخب عنها المنتخب المنتخب المنتخب على المنتخب المنتخب المنتخب المنتخب المنتخب المنتخب المنتخب على المنتخب على المنتخب المنتخ

اس بے پہلے مقد میں و کر میں افغی و شمور الاس کا اب بیمال خار تی و قمن کا و کر کیا جارہا ہے کہ بعض مرجہ جب انسان کامیابی کی متوانوں کوسطے کر رہا ہوتا ہے یا گرنے کہ بعد ﴿ وَلَوْنَكُمُ أَوْلَكُمُ مِنْكُمُ مِنْكُمُ مِنْ فَاسْتَبْقُوا القِمْدَاظُ فَالْ يُبْصِرُونَ۞ وَلُوْنَكُمُ أَوْلَمَسَغُنَاهُمْ عَلَى مَكَاتِهِمْ فَمَا اسْتَظَاعُوا مُفِينًا وَلاَيْرِ هِفُونَ﴾

یہ سورہ کیس کی آیات ہیں۔ جو رب تعالیٰ کی معنت تھاریت پر والت کرتی ہیں۔اس مقام پر ان کا ذکر کرتا اس لئے ہے کہ پڑھنے والا ان آیات کو اپنے و شخوں کے خلاف رب تعالیٰ کی بار گاہ ش بطور وسیلہ اختیار کرے۔

 کیفیت کی طرف متوجہ کرتی ہیں جس سے تہر کی تاثیر ظاہر ہو۔ ان آیات کی طاوت کا متعمد بہادری اور شخاصت ، جو نفس میں پوشیدہ ہے اس میں حرکت پیدا کرنا ہے جو ظالفین کے مقابلہ علی سعادن ویدد کار ثابت ہوتی ہے۔

وخواص واعمال

جھے امور میں آسائی، مشکلات میں خاتمہ ، ہر کام کو قیر وعافیت سے انجام کل بھٹیان ، تحفیر کو آکب، دشمنوں کی زبان بندی، حریف مقائل کی تحفیر ایسے حضر است جن کو اسپنا ادارے، تحریمیس یاکاروبار کیلئے سرمایہ کاریا سواد میں کی شرورے ہوئی ہے ان تمام امور کیلئے ہے وعا بہت مجرب ہے۔ حضرت شاہ ولی اللہ محدث والوی زشانہ نہائی تناف فرماتے ہیں کہ سے عمارت پڑھنے والا جم کام کی ظرف سما جہو تاہے اللہ تعالی اس وعاکی برکست سے اس کے لئے اس کام میں فیب سے آسائی بیدافرہاد بتاہے۔

محتم برائے مجولت جینے امورہ جب بھی کوئی محض بیاکام فرد م کرے اے جاہئے کہ پہلے اس عبارت کو بلور ختم 1001 مرجہ پڑھیں تاکہ اس کیلئے اس کام میں آسانی مو اور انجام بھی اس کا تنے ہو۔

و ان وو نیا کی کامیانی اور سیف زبان موف کا عمل : خواجد حسن طلای زخته اله نشان خذید فرات این که که بعض انصرنات و السلامة و العافیة فی دینشا و دنیاان اسک مے صح یس حزب الحرکی روح موجود ب اور اگر است مصر کو فیل کے طریق کے مطابق پڑھ لیا جائے تو دین و و نیا کے مقاصد عمل فائیوہ ہوگا۔ یہ عمل عروق او عمل سات روز تک پڑھا جائے تو نساب اور زکو قاواء و جائے گی۔ صفار کی تھاؤٹ بعد روزاند 70 مر تیہ پڑھا جائے ہے۔ ۔ 70 بادام کے دائے مطواکر رکھ کے جائیں اس پرشار ہوجب سات دن پورے ہو جائی تو دہ بادام میسل کرر کھ لئے جائیں اور ایس جگہ چھکوں کو دبایا جائے کہ بدادلی ند ہو اور گریاں 70 دفوں میں روز ایک ایک کر کے کھالی جائے اور پھر سوتے وقت سات مرتبہ ہے عوارت پٹک پرلیٹ کے پڑھی جائے۔اسکے عالی کی زبان میں تا تھر پیدا ہو جاتی ہے۔

عی افقین کی زبان بندی کا عمل: اگر کہیں خالفیں کے اجہاع میں جائے کا اتفاق ہو یادہ دھرات جو مناظرہ دو فیرہ کرتے ہیں اوہ دھرات جو مناظرہ دو فیرہ کرتے ہیں یا دہ اور چرب و کیل سے جرح کرتی پرائی ہے یا بحث و مباحثہ ہو رہا ہو اور مخالف فریق نہایت دلیر اور چرب زبان ہو تو اسک صورت میں چاہئے کددا طب علی دہندہ جسون محک قبار پڑھ کر نمائشین کی طرف مجو تک ویں۔ انشاء اللہ خالفین کا مند بند ہو جائے گا اور ان پر جراتی و عالم کی کیفین کی مند بند ہو جائے گا اور ان پر جراتی و عالم کی کیفین کی طرف کی کا در ان پر جراتی و

امداد تھی کھیلے: فین امداد کیلئے کہ اداروں بٹل امداد آئی رہے یا سرمایہ کاری ہوتی رہے اللهم بسیدنداے اهدنہ تکسیم فماز کے بعد 3 بار پڑھنا جائے۔ ال شاہ اللہ کمیں جانے کی حاجت ندرہے گی۔ اللہ پاک فیب سے مدد فرمائے کا اور حواد ٹین خود جل کر آپ کے دروازے پر آئیں گے۔

وماوس کیلیے : دماوس کو دور کرنے کیلئے آخری آیات دلو نشاء لطسنا ۔ ے۔۔ لایرچھون تک ہر نمازے بعد 3 بار پڑھ کر دل پر دم کریں اور ہاتھے پردم کرے مر پر پھیر لیا

ریں۔ قے مسلسل وید میشی (معدوکی خرابی) کیلیے: خواص القرآن ش خدکورے کہ اگر کئی کوتے ذیادہ آربی ہویا اسے قوانج یا معدہ کی خرابی ہوتو اسے یہ آیات لکھ کرد موے بھائے سے شفاہ وجاتی ہے۔ولہ ونشاء لطست مست کیر چھون تک معدہ کے کیئر کیلئے مجی یہ آیات تجرب طابق ہیں۔ تریان بیند کی با بھا گئے ہے روسکے کیلئے: کسی کی زبان بندی مقصود ہو یا جس کا ڈر ہو کے تھر سے جماگ جائے کا تو ان آیات کے اعد او نکال کر اس میں احد او نکالف صد والدہ کے تھ کر کے مشلف فاک چال سے بھریں۔ افتیل کو کسی کرز گاہ کے مقام میں وبادیں۔ زبان مخالف کی بندہ و جائے کی اور اگر تھر کے سامنے و فن کردیں تو مطلوبہ کھنی تھرے نہ بھائے گا۔

ا متحان و انظر و یو شک کامیانی کیلید: بعض حضرات جو مسلسل محنت کے باوجو د استحان پاس فیمیں کر پاتے بااظروع میں کامیانی کیلید مندرجہ و بل عشق لکھ کر وائیں بازو پر باندھ لیس اور جب استحان یا اعروم کیلید جائیں تو یا تلیم بڑھتے رہیں۔

﴿ لَيْ سَنْ (٤) وَالْعُوْنُ إِنْ الْحَصِيْفُ جِرَى إِنْ الْدُوْتِ الْدُوْتِ بِيْنِيْرَ (٤) حَسَلَى جِرَاطٍ مُسْتَقِيفِيهِ (٤) تَنْبُولُ الْعَرْفُوالرِّحِيْهِ رَدِي اللَّهُ وَلَا عَلَى أَكْثَرِهِ مَا هُمَا أَنْ أَوْ مُ غَافِلُونَ (٤) تَقَالَ حَقَّ الْقَوْلُ عَلَى أَكْثَرِهِمْ فَهُمْ لَا لَكُوْمِ مُعَلِّمًا إِنَّا مَعْلَمُنَا فِئ الْفَتَاقِهِمْ الْفَلَالُا فَعِي إِلَى الْأَذْقُانِ فَهُمْ مُقْتَمَحُونَ (٣) وْجَعَلْمُنْ امِنْ يَيْنِ الْمِيْهِمُ سَدًا وَمِنْ عَلَيْهِمْ مَسَدًا فَأَقَدُومُ وَقَلْ عَالِ مَنْ حَمَلُ ظُلْمًا ﴾ وَعَنْدِ الْوُجُودُ وَلِمُعْنَ الْقَيْمُومُ وَقَلْ عَالِ مَنْ حَمَلُ ظُلْمًا ﴾

ینیت: حضور کا اسم کر ای ہے۔ حضرت المام جعفر صادق زشنة الله فعال نفید قرماتے ہیں: الله اتعالی نے اسپتہ ہی صل الله تعالی النب واجد و شائد کے قاطب ہو کر قرمایا اس بینی اسے سیر۔ اس کے صفور صف الله فعال خانیہ وجد و شائد نے قرمایا انا سید۔ اس میں حضور حف الله فعال خانیہ وجد و سندنے ایکی تحریف فیش قرمائی انگذائیہ نے کے بار کاوالی سے سلنے والے تحطاب کی خیر دی۔ عادف ریائی مجمع عبد الکر کے جیائی شائد شائد خلا منظر میں کہ کس حرف ندا ہے۔ اور سے سم اور میں آئی، متر قرآنی مشیم اور انسان کا ال مینی مشور سائد اندا فعال خانیہ وجہ وسئد

### دُمُوذُ اللَّصَرِقِي شَرِجِ حِزْبِ الْهُحَى

مر ادیں۔ یعنی اے انسان کا ل آپ سنل منت تصان منتیہ دیدہ تنا ہی سر الی اور سر قر آن محکیم جی۔ نیز قرباتے ہیں کہ س افظ انسان کا قب ہے۔ یعنی اے محبوب نس امنا تُصال مناشہ اللہ ، وشانہ آپ انسانیت کا قلب اور جان عالم ہیں۔ المعدور الرقم

بعض عارفین فرماتے ہیں کہ قرآن پاک کی ابتداء ادوائیا حرف س ہے۔ دواس طرح کہ قرآن کریم ہم اللہ سے شروع ہوتا ہے۔ اس می حرف بلور استداد ہے۔ دواصل پہلا جرف س بی ہے اور قرآن پاک کا اعتقام لفظائل پر ہوتا ہے جمکا آخری حرف میں س ہے۔ لہذا قرآن اول تا آخر سروحد یہ متر ایجی، انسان کا مل حصر سے محدر سول اللہ ضارت عائد مندید دید بنسند کی کی تحریف و قوصیف، محرت و قوتی کا بیان ہے۔ اس کے حضرت عائد صدیقہ ذہن من تالیان عنوائے آپ سار مند تالیان اللہ باشانہ کے علق کو میں قرآن قرمایا ہے۔

### ﴿ خواص واعمال ﴾

خوف وہز دلی دور کرنے ، تھرات و پریشانیوں سے نجات، دھمن کو مفلوب کر کے تابع کرنا، مجا کے ہوئے کو دائیں بانا کیلئے ان آیات کا در کرنا بہت خوب ہے۔

ان آیات کانعاب یہ ہے کہ یسس سے شدافعون تک چانوے گروٹے 4 اون تک دن کے دقت ان آیات کو 41 مرتبہ پڑا چائے اور 15 سے آخر ماہ تک دات کے دقت نقدمت القول سے ظلما تک دوزاند 41 مرتبہ پڑا ہیں۔

لے۔۔۔ بنن : جس کا ما فقد کر دو ہواہے جائے ٹیٹ ٹیٹر لیٹن ٹیٹر اسٹر ٹی پانچ مرتبہ گاب و ز عفر ان سے لکھ کر روزانہ 2 کہ روز تک پہلے۔ انشاءاللہ عا فقد مصبوط ہوجائے گا۔

سیده نا پیش شدل طاق کال خلاید و دوبرت شائد میجوابر العمل عمی ب کراس کاورد انسان کو جمیع حمروبات سے محقوظ و مامون رکھتا ہے۔ جو تھمل یہ جائے کہ عزیز الخلائق ہو، عنوم معرفت حاصل ہوں، رخی و تم ودر بول مال شک تی و در کست ہوا ہے جائے کہ ووز اند 215 و مرتب 40 روز تک پڑھ کراس وروپاک کا فصاب اوا کرے بعد و 70 باراسیے ورد عمل رکھے۔

وَالْتَكُنْ إِنِي الْعَسَجِينِيمِ: برائ فراوانُ نوت وملفرت كيليج (وزانه سونے سے قبل نازووضو كركے ايك فتح اس آيت كي پڑھ كر بلنجر بات كئے سو جاكس۔

اِلنَّكَ كَيْسِنَ الْمُرُوسَدِيْنَ : جنون ، سِنْمِ يا كَ مر يَعْنَ ياايدا خَفَق جَس كو سَر كَ وَريد يا كُلُّ كرد يا كيا بود است من وشام يه آيت بالى ير دم كرك پائے سے بہت فائدہ ہوتا ہے۔ مرجہ مریشن خود پڑھے باپڑھ کردم كركے چا يا جائے۔ عَلَى جِدَ الحا مُسْتَحَيْقِيْنِهِمَ، عَمَا مَكَ كُور حَلَّى ، حَسَر كَبِهَا بِدا ور ناداض احباب كوداش كرنے

ھنگی چوڑا اول شہتیلیونی ہے؛ ملکا ندن اور می معمول ہوا ہے۔ کیلیے اس آیت کو ۱۳۰۰مر جبہ بعد نماز تجرپیز منا چاہئے۔ " فی<mark>نیا اُلگین الرسیمیم :</mark> خوف و قمن کو دور کرنے اور مقدمات میں فتح کیلئے اس آیت کا در د گڑب ہے۔ فتح الرجال و تعنیر خاص کیلئے جس سے کام لیما ہو اس شخص کے اعداد میں آیت کے اعداد طاکر مخس پُر کریں اور دائیں بازد پر باعدے کر اس کے پائی جائیں۔ان شاہ اللہ آپ خالب رہیں کے اور جو حاجت ہوگی ہوری ہوجائے گی۔

| ڙ ۽۔ج | آيت مؤ | الم كيلة ي | يتتنيدَ تلومًا مَا أَدُيْدَ الهَ آؤَمُهُمْ مَهُمْ عَالِمُدُقَ : تَخْيرِ اللَّهِ |
|-------|--------|------------|---|
| Irgr  | IFAC   | IFA9       | حضرات درس و تدریس کے شعبے مسلک ہیں یا تقاریر                                    |
| PAT   | IFAA   | 1791       | و غیر و کرتے ہیں انہیں چاہیئے کہ جاندی کی اگو تھی پر                            |
| IFAL  | Irar   | IFAD       | ساعت عطارد میں کندہ کرواکے چھوٹی انگل میں پینیں                                 |
|       |        | 5/3        | تاكداس كام يس شهرت ماصل كرير-   |

لورح مشتر کی بعضرت شاہ ولی الله محدث و اوی زعند فارد تعدان علقید قربائے ہیں کہ سور و اس کی ہے ایند اقبال علی ہے کی ہید ابتد الی آیات سعادت مشتری سے تعلق رکھتی ہیں اور مشتری کے اتمام اقبال علی ہے آیات کام و بی ہیں۔ لیش اگر کوئی ریٹی والم میں مبتلے ہے کسی اسکی کیفیت میں مبتلا ہے جس سے قس میں ہے اظمیمائی پیدا ہوگئی ہو شاخو ہی، فصد ، کیت یاکوئی مجی و نیاوی پر بیشائی ہو تو چاہئے کہ ان آیات کو ہر نماز کے بعد شن بار طاوت کیا کرے۔

اگر کوئی بچہ وکیل یا کسی بھی پنچائیت کا بڑانہ چاہے کہ اس سے سمجے فیلے صادر بول یا کوئی سفتی یا مدر س بے چاہے کہ درس و فقادی اسکے شریعت کے غین مطابق ہوں اور بیان اسکے عوام پر اثر انداز بول تو اسے چاہئے کہ ان آیات کی آخد خانوں کی تخسیر کر کے اپنے پاس رکھے اور ہر فماز کے بعد ان آیات کو یا ہم جید دور عمل رکھیں ۔ اللہ تعالیٰ اس تحمیر کی برکت سے اسے ججح سعاد توں سے نوازے گا۔ یہاں ان آیات کی عددی تحمیر دی گئی ہے لیکن بہتر ہے کہ ان تعمل آیات کی تحمیر کی جائے اور در حقیقت ان آیات کی تعمیر کی تعمیر کی

| irgr | 1-01 | ומרז | 911  | 1-4- | 4.F  | 144  | يس   |
|------|------|------|------|------|------|------|------|
| يس   | irar | 1-01 | IDTY | 911  | 1.7. | 4.1  | M94  |
| 794  | يس   | 1797 | 1-01 | IDET | 119  | 1.4. | 1-r  |
| 4.5  | m92  | يس   | irqr | 1-01 | IDTT | 911  | 1070 |
| 1.4. | 4.5  | m94  | یں   | IFAF | 1-01 | IDET | 411  |
| 911  | 1.4. | 4-1  | 194  | يس   | irar | 1-01 | IDET |
|      |      |      |      |      |      | IFAF |      |
| 1-01 | IDET | 911  | 1-4- | 4.5  | M46  | يس   | IFAF |

و همن کی نظر بندگی: اگر کوئی دشمن کے در میان بھش جائے ادر دہاں سے نظنے کی کوئی تدبیر شہو تو چاہئے کہ لقد متی القول سے لابیت دن تک ان آیات کو 7 مرتبہ پڑھ کر وشخوں کی طرف وم کرے اور ان کے در میان سے کزار جائے۔اللہ تعالی تفاقعی کی مقدن اور اسکے اور تا لغین کے بائین شجی پر دومائل کروہے کا کہ دواسے ندد کچے تھیں ہے

بھا مے ہوئے کو بلائے کا عمل ڈاکر کی بھائے ہوئے کو بلانا چاہیں کہ متیم ہو کہ واپس آئے تو چاہیئے کہ ان آیات کو لقد سن القول سے لابصہ بون تک روزاند 4 مرتبہ پڑھیں اور اسکانام کیکر دعاکر ہی یااسکے پر اٹے کپڑے یا کاغذ پر اسکانام میں والدہ لکھ کریہ آیات دائرہ کی شکل میں اسکے کرد تحریر کریں اور جہال وورات کو سوتا ہو وہال فکا ویں بیاا یک ہانڈی ش رکھی اور موم سے ہانڈی کا ذشکن بند کردیں اور اس ہانڈی کو اندھری کی گھریر دفن کردیں تو بھا گاہو اجران ویریشان ہوکر واپس آ جائے گا۔

ایک صاحب نے کہا کہ کی اعضت کو صود ہے کا ویزددگات کیلیٹے 4 الاکھ دیے تھے وہ روزانہ ٹال مٹول کر رہا ہے اور اب تقریبا 15 ون نے رابطہ بی جیس کر دہا استکے تھر جاتے ہیں قوکمر والے کہتے ہیں کہ فیصل آباد کیا ہوا ہے تا جیس کر آتے گا۔ جس نے کہا کہ ویجنٹ کا نام معد والده یا والد اور اگر والده یا والد کا نام تین معلوم تو اس کی دو کان کا نام یا کوئی اور شاختی سامت بینا کی۔ سامت بینا کی۔ سامت بینا کی۔ سے ان ان سامت بینا کی۔ سے ان ان کا نام مینا کوئی والد اور اس کے محرکا ایڈر لیس بینا ہے۔ یس نے ان آیا ہے کے امر کا فار کی انداز میں ان کی تحق کی جام مع والد کے اعداد خاکر اکتام معکوس چال ہے ہیر کے دیا گوں ان کی تحق کی محاری وزن کے نیچ دیا گیں ، ایک ہو ایش فکا دیں ، ایک کو بائدی میں ان کا حرف کا دیں ، ایک کو بائدی میں ان کا حرف کا دیں ، ایک کو بائدی میں رکھ کر پر ان تجرش و قراد کی اور جب زوال کا وقت آ یا کرے ان آیا کہ ان کو الا یا دی میں مور تحال ہے۔ آپ پر خوص کوئی کی ان آئی کہ ان کوئی آ گا ہے ، آپ ایک کو بائدی کو ان کی کی ان آئی کہ ان کوئی کا تی کو ان کوئی کی ان کوئی کوئی ان آئی کہ ان کوئی کوئی تھا ہے ہیں ہو کہ کی کی ان کوئی کوئی کی ان کوئی کوئی کوئی ہو گئی ہو گئی ہو ہو ہے ہیں گئی ہو گئی ہو گئی ہو ہو ہے ہیں گئی ہو گئی ہو ہو ہے ہیں گئی ہو گئی ہو ہو ہے ہیں گئی ہو 
محر سے چھنگارا: اگر کو نی محر میں جلا یو آیا ہے چاہئے کہ بعد اماز فجر 41 مرجہ یہ آیات پڑھ کرہا تھوں پر دم کرکے بدن پر چھر لیا کرے۔ان شاہ اللہ تعالیٰ کیسا می محر ہو گیار دود ز میں نجات ال جائے گے۔

د فع محرة اليه الحرج و كلا يا يا يا يا يا يا ويا الر حرك وجه عدم ين كو يبوى كدور عد پڑتے ہول قو مندرجہ ذیل تنش پلیٹ پر لکھ كر پائی ہے وحوكر مح تا نهاد مر ميش كو بلاك اور ايك عدد و مزيد فقتل لكھ كرم مريش ك كلے بش افكاد برا الثين آيات كو سات روز تك مسلس 60 مرجه پڑھ كر پائى بردم كريں اورجب مجى بياس كھے بيكى بائى چيس ۔

| قاقشيناهم قهم<br>لاييمرون | ومنعلقهمسدا | وچعلنامن بین<br>ایدیهم سدا | ناجعنناق اعناقهم<br>اغلالا لهي ال<br>الاذقان فهم<br>مقدون |
|---------------------------|-------------|----------------------------|---|
| ۳۳۲                       | r-10        | r                          | 112   |
| F+14                      | IMM4        | 910                        | 1999  |
| 410                       | 1994        | P+14                       | rra   |

وَهَنَتِ الْهُوْ وَلِنَامِي الْقَلِيْرِهِ الرِن عَلَى مِوسِقَى جِرِ ، بهيش رَنده ، بيش وَنده بهيش وَنمُ دامُ ريخ والے رب كے سامنے ليخ الى رب بم اپنے و شنول كے خلاف هجي ايخار كلى و هـ و كار بناتے ہيں كيو كل بم جانتے ہيں كہ ہم اپنے و شنول كے سامنے اليخ بن كم تورد كو ل نہ بول محر جب تو جمارى مدوكو آتے كا اور صفت تهاريت ظاہر ہوكى تو برت بائے ارشاد ، فاتحان عالم ، مرسم روساد امراء كى كرد نين تيرے سامنے جمك جائيں كى اور اسكے چرول پر عابرى و وربائد كى كے آثار نمووار ہو تكے و قائم قائد من شكات قائد اور ووقام او ہوا ، ہر كرا اپنے مطلب كونہ بہتا ، جس نے ظلم كابار الفايا۔

اس متام تو اس تصورے پر میں کہ (اب اللہ) تیری بارگاہ میں ان آیات کا وسید بیٹل کر آئے ہیں۔ اس کا تاہت کا وسید بیٹل کرتے ہیں۔ وسید بیٹل کرتے ہیں۔ بیٹل الکا متغیر اس کے چیرے بیٹی حال الکا متغیر ہیں و جاکس اس کے چیرے اور ڈکیل و خوار بول تی الی کے سید بیٹل جاکس ہمائے اور ڈکیل و خوار ہول تی گرنے والے کے سامنے اور ہمائے در سے متاب کی تعییر کرنے والے کے سامنے اور ہمرکے (ہمارے) محلم کی کرنے مطاب کو تد بیٹھ وہ جس نے (ہمارے) محلم کی کرنے در سے ہمائے در ہمائے در ہمائے کی سامنے اور ہمائے در ہمائے

### ومرؤ الكترل ترجيزب البت

## ﴿ خواص داعمال ﴾

ید فقرہ ز طل سے مناسبت رکھتاہے، کا افغین کو رو کرنے، و قمن کو تباہ حال کرنے ، ان کے محمر کو ویران کرنے اور دفع کرنے اعد ام کے بجر ہے۔

لا الى مدوكة كيلية: اكر اجائك لا الى واقع بوجائد ياكونى مخض ناحق لاس تو لقد حق سه ظلما تك سات مرتبر يزح كراس كا طرف مجونك دي ووالو الى سابارة جائد كال

فکست اعداء اور حبید ہے معزول کرائے کیلیے: ای طرح دھن کو فکست دینے کیلے اور اس پرمایو کی فکست دینے کیلے اور اس پرمایو کی طاری کرنے کیلے اس کے پرائے کیوے پر کلیو کر پرائی قبر میں یاویر ان حکم چینک دیں اور دیاں سے ایک ہفتر افغا کر بھی آیات اس پفتر پر دم کر کے و قمن کے محکم چینک دیں یا اعداد ان عمارت کے فکال کر اس ٹیں اعداد و قمن کے شامل کریں اور فقص شلت خالی چال ہے جو کر دو فکت قبر دل کے در میان وفاع ہیں۔ حال محالف کا اجر جو جائے گا اور ان پر برطرف سے محروی تھاجائے گی۔

ا شراح اعداد کا عمل بیسی شهر رطاق بگریاد فتر و غیره سے کی کو نکالنام تصور بو تو بعد نماز عشاہ دور کعت لنل اداکریں ہر رکعت ہی بعد فاتحہ سات سات بار سور وکٹل پڑھیں بعد سلام وعنت الوجوہ سے ظلما تک 41 بار پڑھیں اور دھمن کے لکل جانے کیلئے وعا کریں۔ انشاہ الشد بہت جلد دھمن اس جگ سے نکل جائے گا۔

﴿ طُسْ طُسْمٌ صَعَسَتَ مَرْمَهُ الْبَحْرَيْنِ يَلْتَظِيمَانِ بَيْدَهُمَا بَرُوَّ مُ لَّحَيْدِينِ ﴾ طس، طست، حروف مقطعات شروي الوريد مى حضور مشل المدفق المنتب وبدو منالم كالمستنب وبدو منالم عظمت وقدر ومنزلت كى طرف اشاره ييل و عسر الحلى اور ماسم تي الكرم محد من المدفق المنتب وبدو منطب عد مرفاه فرمات يل كر طرد كو الف اس بات کی طرف اشاروے کر اللہ نے آپ سل الله ثان ادائید و بدوست کو پاک و طیب حدن المحصیت بنایا ہے اور ند ساب اور تاج کی طرف اشارہ کر تاج ۔ سی پر تدے مر او ہے کہ آپ نسس الله ثفال مذہبہ و بدوند آم اسانیت کیلیے سابیر حصد ہیں اور م پر دے مراو ہے کہ اے تحد ضل الله ثفال خذید و ابدوست تم لے آپ صل الله ثفال خذید و بدہ و سالہ پر توت اور کمالات حتی و فقتی کا تاج رکھا ہے سنت سنتی رح سے مراو طلب بحدی ضل منت م سے مالک کون و مکان ، ع سے علم الی کان و مکان ، ع سے علم الی کان و تا اور کمالات علم سے سرائی اور ت سے مراو طلب محدی ضل منت تعالی کون و مکان ، ع سے علم

دو دریان کا مطلب بیال بن آدم کی متعداد طبیعتی سر ادبی میے کہ کوئی ترم مراح بوتا ہے توش کو میضا ہو لئے والد چیکہ کوئی سخت سراج ہوتا ہے تُرش کو جس کے لیج یس کر داہد و تُرس پائی جا کی صورت میں ان کا ساتھ چیانا مشکل ہو جاتا ہے اور برزش کیتے ہیں ایک آڑجو دو چیزوں کے در میان اس طرح عائل ہو کہ دو متعداد اشیاء ایک دو سرے سے ملکر رہیں محران کی طبیعتر کا افتقاف ایک دو سرے پر اثر انداز نہ ہو۔ نبذااس کا ملبوم ہے او گا کہ اے بیرے رب تیری باز گاہ میں گیر تیرے محبوب شداران نفسال منتب و عبدو شدائہ کا وسیلہ لائے ہیں کہ انجارے سب مخالفین جو اندے سم انج کے خلاف ہیں۔ ان میں اور ہم میں الفت کی امکی لطیف آڑ ہائم کردے کہ جس سے عزاج کی مخالفتوں کے باوجود دو اندارے ساتھ الفت و عمیت سے میلئے رہی اور کوئی فتنہ و فساد پر بائے ہو۔

﴿ قُواص واعمال ﴾

میاں بیدی میں عبت اوردو لو گوں کی ٹارائشی فتر آئے کیا مفید ہے اور ای طرح دو لو گوں کو جدا کرنے میں میں استح اٹھال کام کرتے ہیں۔ اس عجارت کی خاصیت بدو متعاد طبیعتوں کو بغیر تنازع کے ساتھ چانالہٰ اما کم وقت الشرال بالاء پیران عظام، مدرس معفرات کیلئے اسکا دو بہت جرب ہے کیونکہ اکثر ان کے ماتھے طبیعتوں کے افتداف کی بنام پر آپس میں لڑ پڑتے ہیں اور تقصان صاحب اقتدار کا ہوتا ہے لیڈ استے وروے ماتھت آپس میں صن سلوک ہے رہیج ہیں اور دو کرز کا حالمہ کرتے ہیں۔

نعماب: جو مخض اس فقرے کا نعماب اوا کرناچا ہے اسے چاہئے کہ ۴۰ شعبان العنظم ٹاکیم شوال کی رات تک خلوت اختیار کرے اور ہر رات ۱۹۰۵ مرتبہ اس عمارت کا ورد کرے۔ ان ایام بٹس ترک حوالات کریں۔ ووران چاہ گائیات کا شنا پرو ہو گا اور کئی روحائی مقامات کی میر کرائی جائے گی۔ شاہدات کا ذکر ہر کز کسے شکرے۔

مرگی کا علاج : مندرجہ بالا کلبات عربی گلاب پی زحفران عل کرکے اس سے سنید کا فذ پر تکسیل اور تاہے کے سبے ہوئے تحوید بیں وال کر اسکامتھ موم ہے بند کر دیں اور مر یعن کے گلے میں وال دیں اور انہیں کلبات کو باد شوسات بار پڑھ کر میج شام مریش کے باہیں کان بیں وم کردیا کریں۔

### ومود الكترل شرجيزب الباع

سداوت كا عمل : اثر دوا داهام ش جائز جدائى كرائى موتراس آيت كو 400 مرتبه اجاريا كى بعى ترش يا كروى چزيد دم كرك ان ش س كى ايك كو مسلسل 3 يا 7 روز تك. كلايس انشادالله دونول ش جدائى وجائى كى جرب و آزمودد بــ

محیت کا عمل : 450 مرتبہ اس آیت کو فکر پر دم کرکے جن کے در میان محبت قائم کرنی ہوان کو استعمال کرائیں آگر دوافر او ہو تو ان کے نام کے اعد او شال کرکے عورت النے بازہ میں اور مرد سیدھے بازہ میں بائدھے اور ایک تعویز پانی میں محمول کر تعوزا پانی خو و اور تھوڑا دو مرے کو بال دیں۔ دو مرے کو بال دیں۔

محبت زوجین کا عمل: زوجین می موافقت یادو خریجوں کے در میان کسی حسم کا جھڑا ہوتو ان کلمات کو شیر ٹی پردوم کر کے کھلانے سے جہت پیدا ہوتی ہے اور تقرف دور ہو جاتی ہے۔ دو سری طریقہ الفت و مجت پیدا کرنے کا یہ ہے کہ مند رجہ بالا جہارت کو ۲۰۱۰ مرتبہ بائی پر دم کر کے اس مقام پر چھڑ کاؤ کمیا جانے جہال مخالفین رہنچے ہوں ۔ افشاء اللہ تعالی اس کی جرت سے اس مقام پر جھے والوں کے در میان خالاعات محمۃ جو جائیں گے اور باہمی الفت و مجت بدو ابو جائے گی۔

طلس جمیر خاص بچوں کے ضد کرنے ، روئے، شادی دواقع سحر کیلئے بحرب ہے۔ کھنے دجیہ الدین مجر اللّی زخت دائد شکسان مذہب فرماتے ہیں کہ ظبور کر است کیلئے ان حروف کاور و کیا جاتا ہے۔ اس کے عال سے طرح طرح کی کر امات کا ظبور ہوتا ہے۔

فعالب: نظش کا نصاب اوا کرنے کا طوابقہ برہے کہ می طوع آ فاب سے پہلے مشرق کی طرف مند کرکے یاطا میں 100 امر تیہ آ تکھیں بند گرکے پڑھیں۔ 11 روز میں زکو 1 اوا ہو جائے گی۔ بعد زکو 697م تر ہو اپنے معمول میں رکھیں۔ کی ہمی کام کیلئے اسکا عال اگر 3

#### دُمُودُ النَّصَ في شرج بيني البّع

روز طلوع آ قآب سے پہلے مشرق کی طرف مند کر کے 69 مرتبد اس عمل کو پڑھ کے دعا کرے گا۔ انشاداللہ دوکام او جائے گا۔

ہو اور خلاصی پائے۔ اگر یہ اور علم کے عال سے لکھواکر کو ٹی پاس کے تو یہ وہ فیب سے اسکی حفاظت و نصرت ہو گی اور کا میابیاں تدم تدم پر اسکا استقبال کریں گی۔

مطالبہ منواتے اور رہنے کیلئے بھی سے کوئی مطالبہ منوانا ہویار شر کیلئے جانا ہوار امید ہو

کے دو منع کر دیں گے آوال کیلئے یہ علی نہایت بھر ب بے بہ جس فردیا افراد سے متعلق
اندازہ ہو کہ آپ کی بات نمیس ما نمیس کے ان کا نام من والدہ ایکر علیدہ حروف میں تکعیس۔
اب ان حروف کو طب میں اس طرح احزان دیں کمہ خروجات طب سے کریں۔ احزائی مطرکے فلات بنا
سطرکے عدد نکال کر تعشق نام کے شارے کے مطابق بھریں اور احزائی سطرکے فلات بنا
کر تعش کے جادول طرف تکھیں۔ یہ نعش قرزائد التوریش کی سعد ساعت میں تکھیں اور
مطلوبہ جگہ جاتے ہوئے سامنے دائی جب میں یا سرپر رکھ کرلے جائیں۔ ان شاہ اللہ اس کی
برکت سے سامنے دائی انہیات کرت سے چیش آئے گااور آپ کا مطالبہ بھی منظور ہو گا۔

حب کیلے طالب و مطلوب و نواں کے نام مع والدولیں اور فتش مطلوب کے ستارہ کے مطابق میریں۔ چار عد و فتش تکھیں اور اراقی مناصر پر استعمال کریں۔ یہ عربت پید ا ہوگی۔

### دُمُودُ النُصريل شرح جزب البّعر

اللہ منظم کے شوامی: تمخیر طائق ود شمن کو مفلوب کرنے کیلئے گرب ہے۔جواہر العمل میں ہے کہ اس کاور دروعائی وجدان، صولی نورانیت اور بلندی کیلئے کیا جاتا ہے۔

نعماب: ان حروف کی زکو 10 اروزہ ہے۔روزانہ طلوع آفآب کے وقت موریخ کودیکھتے ہو ہے1090 مرج ان حروف کو پڑھتاہے۔ اس کے عال بھی زبروست تحفیر پیدا ہو جاتی ہے اور لوگوں پر اسکار عب قائم ہو جاتا ہے۔ مخالفین کی زبائیں خود مخو و بند ہو جاتی ہیں اور عالی کے طلاف ان کی ہر تم بیرالٹ ہو جاتی ہے۔

لوح قمر: اگر اس انتش شرف قریم گفته کرانجو بخی بنی رکیل ادر اس پر طبین کاایس تلینه جس پر طبیعت کنده بوج تزواکر پیشین تو تنفیه خلائن هاصل بود بر مختص الات و توقیر سے جیش آئے۔ جمع مشکلات آسان بوقی اور در قرایمی و سست بوکی۔

جیع تظول واعد ام کو مطبع و جائے کرئا: اگر کوئی چاہ کدلوگ اس کے مطبع اور اند اما اس کے عظم اور اند اما اس کے خاخ ہوں کہ اور دخی اس خان کی چال کے خاخ ہوں خال کر کے تعش ششاف آئی چال کے تعقید فیار کی جائے ہوں کا کہ ہوں کا کہ اس کے اس کو بیائی میں معاول کر کئی ہو جہ ہوں کے اس کے اس کے اس کا کہ بیائی اس کو اس کے اس کے مقتد و مطبع بن کر دیوں گے ۔ جو محفی طرح کی کدورت دور جو جائے گی اور بیش آپ کے مقتد و مطبع بن کر دیوں گے ۔ جو محفی

| r2   rr   r. | سحرو نظریدے مستقل نہات: مربہ اوی بیرے دون طسم<br>کا نقش مددی ز مفران و عرب کاب ہے بران کی جلی پر تکسیں۔ |
|--------------|---|
| F9   F7   FF | كا تتش عددى ز مفران و عرق كاب سے برن كى جلى پر الميں-   |
| FF (1   F5   | اس فقش کو چاندی کے تعوید بی رکیس اور بند کرنے سے پہلے اس  |

#### وموذ الشقريل شرج جؤب البتح

ر 109 مرتب مسببی خورد کردم کریں بعد و موس بند کرکے ملے شن مین ایس بہت کی۔ بیا تعش پاس رے گا۔ کی بھی طرح کا حریا نظر بدکا الله ند ہوگا۔ ایسے افراد جن کے مگر والے اکثر نظر یا سح کا مختار رہتے ہوں اور اس وجہ ہے آئیں میں افرانی جنگزا مجی ہوتا ہو۔ ان تمام افراد کو یہ تعش تیار کرکے ویتا چاہئے تاکہ زندگی باہم پیار و محبت سے گزرے۔

﴿ حُمْ حُمْ حُمْ حُمْ حُمْ حُمْ حُمْ أَلَّا هُرُو مَا أَوَ النَّصْرُ فَعَلَيْنَا لاَيْتُصَرُونَ ﴾

حُدُّا الْمُورُّدُ مِنْهُ اللَّفِينُ : كَرِم مِوكِي معالمه اور أَكُل هره ، كائد الله - فَعَلَيْقَا الْاَيْفَة وَقَ : لِيسَ البِيهُ الرب ظاف ال كي يخي عند به شخول كي و رضي كي جائة كي-

تغییر این کیمیریس ہے کہ حظرت ائن عباس دخن دن نشان شنب فراتے ایس کیم ہر چیز کا دروازہ ہواکر تاہے اور قرآن کر کیا کا دروازہ تو ایم ایس دخفرت این مسود نے تم کو باغ ہے تغییر دی ہے لہٰذا افرائے ہیں کہ جب میں المادت کر تاہوا ہم والی سور قول پر پہنچا ہوں تو تفاقت و غلیہ بھی ہے جیسا کہ حضور منز اندا شان منزیہ ہو زشند نے جہاد کے موقع پر سحابہ کرام سے فرمایا تھا کہ حد لا پنصدون کا ورد کریں۔ شاود کی اللہ تحدث والوی زشنة اللہ تعالى شاہد فرماتے ہیں کہ اس معدیث مباد کرسے معلوم ہوا کہ بے کل و مشوں کو مظلم اور دوستوں کو غالب و محفوظ کرتا ہے۔ (شرباد)

اس مقام پر سات سرتیدان کلد کی محرار دود جدے باقل بدکلسر آن آن پاک عمل سات سور تول کی ابتداء عمل آیا ہے اور دوسری دجہ یہ ہے کہ حم رحمت کا دروازہ، نعتوں کا پائے اور جرشرے حفاظت کا حصار مجب ہنا جب پڑھنے وال اس کلر کو سات پار دجراتا ہے تواس سے مرادا یک تو تر آن پاک کی بچروی ہے اور دوسرا ید کہ تمام جہات سے بندہ ابنا دو اپنے الی و عمال کا جرشر سے حصار کرتا ہے اور چر المرف سے رب تعالی کارجمت کے دروازوں کو خود پر کھولا ہے اور طلب کر تا ہے فضل و انعام ہر طرف سے ان خواصم کے طفیل سے الاصو اشارہ بے فیش اہی کے ظہور کا این خشنے کے طفیل ہم رب تعاتی کے حصار میں ہیں اور داخل ہو گئے ہیں اپنے رب کے فضل واحسان اور نعیقوں کے باغات میں۔ لہٰذا عالم غیب سے ہمارے دب کا فیضان ہم پر جاری ہو کیا ہے اور اسکی مدو ہمارے ساتھ ہوگئی ہے اور اب ہمارے ظاف کسی کا زورنہ جاتی گئے گا۔

وخواص واعمال

انت حصار عظیم ہے ، و شمنول پر کھیائے اور ان کے وال بھی جیت ڈالنے ، فیمی الداد کے حصار عظیم ہے ، و شمنول پر کھیائے۔ حصول ، امیر دائے میں الداد کے حصول ، امیر دائے میں الداد کے در مرد و در در در الدائے الدائے الذہ ہے ۔ بیدا ایک الک الذہ دب الدائے الدائے الدائے الدائے الدائے میں الدین الدائے میں الدین الدائے الدائے الدائے الدائے الدائے الدائے الدائے الدائے الدائے میں الدین الدائے الدائے میں الدین کے حرد الدائے میں میں مدائے الدائے الدائے میں الدین کے حرد الدائے میں مدائے الدائے الدائے میں مدائے الدائے میں مدائے الدائے الدائے الدائے الدائے الدائے الدائے میں مدائے الدائے ا

عاملین کیلئے خد کی ریاضت کا ب سے زاقا تدویہ ہے کہ وہ تو داور ان کے افل و میال ہر حسم کی رجعت سے محفوظ ہو جاتے ہیں اور عال کے افحال کوئی ووسرا عال سلب مجی میس کر پاتا۔

اگر بوری عبارت کانصاب اداکرتا چاہیں تو کسی بھی ادک ایندائی وس دوز میں اس کی زکو قاس طور پر اداکر بی کد ہر روز تھی ہز اوس حرات کے وقت محمل عبارت پڑھیں یا ایام بیش میں روزاند وس ہز اوس حربہ پڑھیلیں۔ آگھیاں دنوں قمر در عقرب ہو تو بہتر ہے۔ ودران نصاب خنے کی تحرار ہر بارسات مرتب فی کرنی ہوگی۔

| قعلينا<br>لاينمرون | وجاء<br>التعن | حمالامر | حم  |
|--------------------|---------------|---------|-----|
| FIG                | 64            | 144     | TAT |
| ٥٠                 | rrr           | FA.     | 141 |
| FAI                | 740           | 01      | FFI |

شرف مرخ : دخمنوں پر غلب ، قوت اعضاء ، رمب و جیت کیلے شرف مرخ میں الاب ک حمی پر اس مرارت کا فتش مراح ذوالکتاب لکھ کرایئے یاس کھنا جائے۔

قوت مروا کی کیلیے: جو فض کی کزوری کے سب عورت پر قدرت نه رکھتا ہو اسے پاہتے کہ اس عبارت کے اعداد میں الربّھال قوامُونَ عَنَى البّسّاء کے اعداد شال کر کے بوقت شرف من کا چوفی می لوئ تیار کر کے بوقت شرورت پائیں بازو پر باعد ھے۔ اس لوٹ کا باعد صابر ادکت جات سے بجتر ہے۔

مشاد گیروز گار کاو قلیفی ناجس کا کاروبار نہ جہاں و پاسٹانٹی جو جاء قوات چاہیے کہ طلوع آقب کے وقت 101 حرجہ خنہ اول و آخر ورود خراجہ کی اور اور خروب آقب میں مغرب کی نماز کے بعد ایک فیلی حسیق کی پڑھے۔ انشاءاللہ کا کاور کا جوم وہ گا، دوز گار جس مشاو کی حاصل ہوگی اور اللہ کر کے غیب سے رزق حطا فرمائے گا۔ یہ نہایت جرب و آز مودہ عمل ہے۔

مخالف کو جمہریان اور ظالم و جابر کو قابو کرنے کا مکل: ظالم د جابر کو مفلوب و حکام کو مہریان کرنے یا کسی مخالف کو خالفت ہے روکئے کیلئے دور کست نقل اس طرح پڑھیں کہ ہر رکعت میں سود ڈافاقح کے بعد سود ڈھر 7 مرح ہد اور سلام کے بعد مندوجہ بالا عمادت 341 مرتبہ پڑھ کردھا کریں۔کیسا بھی خت دل ہو ترم ہوجائے گااور مخالفت چھوڑو یگا۔

قوری مجات کا عمل: اگر کسی مخالف سے سامتا ہویا دفتر میں افسران سے نارامشی ہویا کسی مادے کے بیش آنے کا اندیشے ہو تو فوز اسات مرتبہ خسے پڑھ کر اپنے بیٹے پر ام کر لیس اور حد الاصر برده كرساست والے كى طرف چونك ويں۔ آپ خود مشاہده كريں مے كرساست والا چاہے بضتے خصر على ہو فورا اسكا خصر خند ابو جائے گا اور آپ پر مهريان ہو جائے گا۔

سلب اعمال سے حقاعت: ایسے عالمین جو دومروں کے اعمال سلب کر لیے جی ان سے حفاعت : ایسے عالمین جو دومروں کے اعمال سلب کر لیے جی ان سے حفائف پڑھیں توان سے پہلے 7 مرجہ اس عبارت کو پڑھ اُس اور جب وظائف ختم کریں قواس کے بعد مر مجدوش رکھ کر 7 مرجہ کیمیں نے ایسال ۔ اس عمل کی برکت سے آپ کے وظائف کی تاخیر پیط تائم رہے گی اور کوئی عال آپ کے اعمال سلب مجی ند کریائے گاہے۔ کار میں ایسال سال سال سال سلب مجی ند کریائے گاہے۔

حسول اولاد: بيا عمل خواجه حسن نظامي زندة النه تعال منذ الارتهايت مجرب ب- جو اولاد کی نعت سے محروم ہو یا اولا و زندہ نہ رہتی ہو یائریند اولا و شہو تواس عمل کا نصاب اوا كرين - يه عمل 9 دن تك بعد تماز مغرب يزهاجاتا ب- ايك سيب اين سامنه ركه لياجات اوراس مبارت كو900 مرتب يزده كرسيب يردم كرديا جائ ييسيب يغير وصل آدها آدها خاوند اور یوی کھالیں البیتہ 🕏 وغیرہ زکال نئے جائیں۔ ای طرح 9 دن تک 9 سیب کھائے جائیں۔ عمل کے دوران تصور اے متعمد کے مطابق رکھیں کہ اگر اولاد میں بے تو اللہ کریم اولا دکی فہمت ہے نواز دے ، اگر اولا در ندوندر ہتی ہو تواللہ کریم کمبی عمر والی اور معحت مند اولا دعطا فرمائے اور اگر اولا و نرینہ نہ ہو تو یہ تصور ر کھا جائے کہ اللہ کریم نیک اور مسالح بیٹاعطافرہائے۔نہایت مفید و بحرب عمل ہے۔ حضرت نے اسکی عام اجازت عطافر مائی ہے۔ عليه اعداء و فتوحات كيلي : وهمن كومفلوب اور روز كار ش تائد فيبي وتر في كيلي جعرات کے روز ساعت اول میں اپنے نام کے اعد او اور اعداد اس عبارت اور سور و تفر کے لیکر فقش مر لع بنائے اور دائمی بازو پر باعدہ لے۔ ان شاءاللہ ہر معالمے میں کشادگی تعیب ہوگی۔

نظيم المنافع لكلِّن: يه نقش محبت، تنخيرخاص وعام، آسيب و بحر، عمل الشكايت، مقدمه،

| معسق | -     |      | حم    | ~   | -   |       | دباری روکاوٹوں<br>دور کرنے ، ترتی |
|------|-------|------|-------|-----|-----|-------|-----------------------------------|
|      | حبعسق | ~    |       |     |     | حم    | حسول اور                          |
| ~    | -     | حعسق | حم    | -   | -   | حم    | ا ام اش کیلئے                     |
| -    |       | -    | حبعسق | -   | حم  | حم    | 37 6 -                            |
| حم   | حم    | حم   | حم    | معت |     | حم    | ے کر کریا<br>د۔ غلیہ اعداد و      |
|      | -     | حم   | 601   | حم  | حسق | حم    | 275                               |
| حم   | -     | -    | حم    | ~   | -   | حبعسق | وظ رہے کیلئے                      |

مجرب ہے۔ ایسے افراد جو جاہتے ہیں کہ کوئی ایک فقش انیاہو جو ان کیلئے کافی ہو مائے تو انبیں جاہے کہ اس فتش کو اپنے پاس ر تھیں۔

سخت سے سخت جادو کا لوڑ: یہ عمل بھی خواجہ حسن نظائی زنید اند ثنان شنبہ کا ہے اس کی برکت ہے ہر قسم کے حادد بااور نظر کے اثرات ہے سات دن میں مکمل نحات حاصل جو ماتی ہے۔ طریقہ یہ ہے کہ مرین کو سیدھا اس طرح کنا دیں کے اسکا سر مغرب کی طرف اور یاؤں مشرق کی طرف ہوں۔ عامل خود شال کی طرف پشت کر کے مریف کے سامنے بیٹ بائے۔اب عال فت کے اور وائس ہاتھ کی شباوت کی انگل سے مر یعن کے سر کی طرف اشارہ کرے ، وومری مرتبہ مجرخة کے اور یاؤں کی طرف اشارہ کرے ، تیسری م تد خة كے اور مريفل كے واكي طرف، چو مقى مرتب خة كيدكر باكي طرف، يانج ين م تیدخة كه كرباته مريض كے اور لاكرا الى الله ف اور جمنى مرتبدخة كه كريرين کے اویرے بی زین کی طرف اس طرح اشارہ کرے ہاتھ مریش کے اوپر دے اور انگلی کا

اشاروزش کی طرف ہو۔ پار ساتوں مرجہ خیر کر کر تالی بھائے۔ اس طرق سات روز تک روزاند سات بار یہ عمل کیا جائے۔ ای دوران سریفن کی حالت پہتر ہونا شروش ہوجائے گی دورسات روز میں تممل صحتیاب ہوجائے گا۔ اگر اس عمل کے بعد بھی مریفش فیک نہ ہو تو مجھ لینا چاہئے کہ مریفش پر سحریا نظر کے اثرات ٹیس ہیں بلکہ اے جسائی مرش الاش ہے کے داس عمل سے سحرو نظر کا تتم ہونا چین ہے۔

﴿ حُمْ (1) تَنْزِيلُ الْكِتَابِ مِنَ اللهِ الْعَزِيزِ الْعَلِيمِ (2) غَافِرِ النَّانْبِ وَقَابِل التَّوْبِ شَدِيْدِ الْعِقَابِ ذِي الطَّوْلِ" لَا اللهَ إِلَّا هُوَ" إِلَيْهِ الْمَعِيْدُ (3) تَنْفِيلُ: الله الله الْكِشَابِ: كَتَابِ يعني قرآن ياك كار مِينَ اللهِ: الله كي طرف \_\_ الْعَنْ إزروست، عَلِيه والأيني سب يرخالب، جمكا برفيمله نافذ ، وكرربتا ، وادكوني مجى اس كى كرفت سے نكل كيس سكيا۔ انقلينيہ: ہرشے كا جانے والار قباليرال أنب: كناموں كو معاف كرنے والا - وَقَالِلُ التَّوْبِ: تَوْبِ قَيل كرنے والا - صاحب مراكس البيان زئدة الله ثفال مَدَّنيه ان اسماء كي شرح على فرماتے ہيں كه وواسية بندے كے ممتا ہوں كو مثاكر اوراس پر اپن ساری کا ایسا پر ده ذات بے کہ ساری محلوق اس کے بیبوں کو بھول کر اس کی تعریف کی طرف اكل عو جاتى ب- شينيد المعقاب: سخت سزادية والا يعنى بندكى كى راوا متيار كرف والول كيف رب تعالى بقناشفق ومهر بان ب، بغاوت وسر مشى كرف والون كيل اتناى سخت كرفت كرف والا ب- في الظَّوْلِ: كشاده وست، عنى دفياض بي يعنى لنام علوقات براسكى نعتوں اور اس کے احسانات کی ہمر گیر بارش ہر آن ہور ہی ہے۔ بندوں کو جو کچھ بھی ال دبا بای کے فضل و کرم ہے مل رہا ہے۔ دائی ہے آگے رب تعالی نے دو حقیقوں ہے آگاہ فرمایا ہے ایک یہ کہ معبود فی الحقیقت رب تعالیٰ عی کی ذات ہے دوسری یہ کہ بالآخر لوث کر اى كى طرف جانا ہے ۔ بعض عارفين كا قول ب كر غالم النَّدْف اسكاكرم، وَقَالِل النُّوب

اكافض ، شَدِيْدِ الْعِقَابِ الكاعدل، فِي الطُّولِ الكانعام، لاَ إِلْهَ إِلْاهُوا كَل وحداثيت اور إِلَيْهِ الْتِعِيدُ أَن كَل الصديق ب

همنرت شاہ ولی اللہ محدث والوی اُنتیا ابنا تعدان مذابہ فریا سے بھی کہ یہ آیت صفات الہدی جاتے ہیں کہ یہ آیت صفات الہدی کی جاتے ہیں کہ یہ آیت صفات الہدی کی جاتے ہیں اگر کا تر اس کی جاتے ہیں اور کا ترکی ہیں ہی جاتے الکری کی طرح اس میں مجی صف وف ایک کی صفات بیان ہوئی جی ۔ مند بزار میں ہے کہ جس نے آیہ الکری اور صوف المبدی ہیں ہے کہ جس نے آیہ الکری اور صوف ہی ہی ہیں المبدی کی حالے اس میں ایک کی ایک کی ایک کی ساتھ کی ایک کی ایک کی ساتھ کی ایک کی ایک کی اللہ سے محتوظ ہو گیا۔ اس ایک کی ساتھ کی ایک کی اتحال کی اللہ کی اللہ کی ایک کی مقات جی جو اسام باری تعالی کی امبات جی اور اسام باری تعالی کی امبات جی اور اسام باری تعالی کی استعال کیا ہے ہے۔

# ﴿ خواص واعمال ﴾

فرا فی رزق، جن وائس کے کر و فریٹ ہے بچے ، جادود نظر پد کے توڑ، مہمات میں کفایت، علم لدنی کے حصول، صد کو محم کرنے ، شہرت و بڑے مرتبے کو حاصل کرتے کیلئے بہت مجرب ہے۔ نصاب: نصاب اس آیت کا چالیس روز پوقت تجد ادا کرناچا بند \_ پز سف سے آلی طسل کریں ، بیاس پاک اور حصل کریں ، بیاس پاک اور حصل پیشیں۔ جس جگر وظیف کرنا ہو ای جگد آ تھ رکعت تجد اس طرح ادا کریں کہ چکل رکعت جبد اس مطرح ادا کریں کہ چکل رکعت جب بیں بعد فاتح سام جبہ آیة الکری اور دوسری میں سورؤ نصر پر حص سے جگل آیت اکری کا حصار کان محتفی ہیں اور افتقام پر سام جب سورؤ نصر پڑھ کر شہادت کی افکار پروم کریں اور حصار کا بابر تعلیمی ۔ اگر یکی دکھائی وسے تو تھی ائیس نہیں جو کچھ ہوگا حصار سے باہر عصار کان کی انداز کی کھائی کر شاہدت کی افکار پروم کریں اور جب کو کا حصار سے باہر ایس کریں کر کان اساد کے کار

علم و حکمت کا حصول: اگر کوئی فخض 40 روز روز ہے رکھے اور اس آیت کے کلمات کو مقروات میں چیٹی کی سفید چیٹ پر عمل گا اس مقدون میا بارش کے کو مرز مرم بابارش کے کو مقروات میں چیٹی کی سفید چیز میں گا اس بال بار اس پائی پر دم کر کے روزہ افطار کرے تو اللہ کر کم اس محل کی براکرت ہے اللہ و حکمت مطافر بارے اور مختلف علوم اس پر محصف کر حے بایس بیشن اکار بری کافر بالا ہے کہ اگر کوئی اس طور پر اس آیت کا چلہ محمل کر لے تو اللہ کر کم اس کو جر دھم کی جمائی ہے کہ اگر کوئی اس طور پر اس آیت کا چلہ محمل کر لے تو اللہ کر کم اس کو جر دھم کر جمائی ہے جیاہ عطافر بادی تا ہے اور اس قدر روحائی قوت عطافر بادی ہے کہ جانت اس کے وجو دے والے تی ہیں اور چیز جانت کی شر ادت اور سحر وبندش کے انگرات اس کے وجو دے والے تی ہیں اور چیز جانت کی شر ادت اور سحر وبندش کے انگرات سے تاکیا در مضان المبارک تک 40 روزے کمل ہو جائیں۔

سحر و جادو کا ایک روز شیل خاتمہ: اس آیت کو تانے کی سختی پر ککو کر لوہان اور کندر گوند کی د صوفی ویں۔ پھر ایک بڑے لائے چی پانی فال کر تکھی ہوئی تانے کی سختی کو اس پانی شدر د مودیں تاکہ آیت اس پانی شد شائل ہو جائے۔ اب اس پانی کے تین ھے کر لیں۔ پہلے ھے میں کیزا بھٹو کر تھر کی دیواریں اور دروازے صاف کریں۔ اس کے بعد صاف پانی ے نہالیں اور دو مرے تھے میں کپڑا میگو کر پورے جم کو اس سے صاف کر لیں اور پھر آخری نیچ ہوئے تیسرے تھے کو 3 روز تک پیٹا ہے۔ اس عمل کی ہر کت ہے جمہ حسم کے چاوہ جنات، حس ، نظر و خوصت کے اثرات ہے تھم پاک ہوجائے گا اور اگر اس عمل کے بعد اس کا تعویڈ تھر کے دروازے پر چہاں کر دیاجائے قود وارد بھی اس تھر بھی اس طر ت کے اثرات واعل ند ہو تھے۔ یہ عمل نہایت مجرب حجربے شعرہے۔

لوي شرف مر في: مندرج ذيل الوسط المرف كانفيايرن كي جل بر مرخ ديك بي الت المرف ريك بي الت المرف الله عامل رب، المرف من الله عامل رب،

### دُمُودُ النَّصَيِلِ شَهِ حِيزَبِ الْبَحَر

مقدمه میں فتح نصیب ہو گا، مقابل اسکا ڈکمل و خوار ہو گا، مشکلیں اس پر آسان ہو گئی، وہ مصائب جوانسان کی ایک چے ووستیوں سے پیدا ہوتے بین ان کا خاتمہ ہوگا، حادثات، مہلک امرانس، سحر وجنات اور ہم حسم کی خوست سے ہمیشہ محفوظ رہے گا۔ ان شاءاللہ تعالی

| اليه   | الااله | ذى    | شىيد   | وقايل | غافر  | العزيز | من   | تنويل  |      |
|--------|--------|-------|--------|-------|-------|--------|------|--------|------|
| البصور | الاهو  | العول | العقاب | التوب | الذنب | العنيم | الله | الكتاب | -    |
| 100    | 101    | oro   | r-40   | 34    | r.A   | ۵۸۳    | 1.0  | 41     | 900  |
| 415    | r.4    | r+41  | ۵۳     | 40.   | 111   | P49    | DAI  | ort    | امدا |
| rir    | r-09   | mq    | 900    | 440   | 100   | 1+9    | ďП   | ٥٨٥    | ori  |
| r•4r   | 24     | 901   | ٨٨     | orr   | r-9   | 10+    | 1•4  | mir    | ۵۸۰  |
| or     | 404    | 104   | Gr.A.  | r+4+  | ۵۸۳   | orm    | 241  | 1.4    | • اس |
| DAF    | rir    | 1-4   | ior    | en    | or.   | ZAF    | 909  | ۵٠     | 1.4. |
| ۸۱۵    | ٥٧٧    | m10   | 1+4    | 104   | ۷۸۰   | 900    | ۵۵   | r.4r   | -1-  |
| ior    | orz    | 049   | MIA    | 1.0   | 902   | ٥٢     | r-42 | ۳.۳    | 249  |
| 900    | ZAI    | -1-   | 044    | سالما | ۱۵    | r+4A   | 019  | IDA    | 100  |

﴿ بِسْمِ اللهِ بَالِمُ اللَّهِ مَا لِمُعَالِثُنَا لِيسَ مَعْفُنَا كُهِيعَسْ بِقَالِتُمُّا لَحُمَّا لَهُ عَلَيْتُما ﴾

بنيم الليد الله ك نام عدر يهال بهم الله عدم الاحفاظت و بركت والله بدي كد قرآن كريم ش آتا ب: وقال از كينوا فيقها بيتيم الليه شغريقها و مؤسسفاد (مرماء وايدا) حضرت في النام أن في النام كثي ش مجد جاوالله الى كتام ساس كالجانا اور همرتاب ائن کے رفت دان شدند اس آیت کی تغییر میں فریاتے ہیں: آقاس سٹی میں سوار جو جا آ اس کا یاتی پر چلنا اللہ کے نام کی برکت ہے ہو اور اس طرح اس کا آخری عظیر او میں اس پاک نام کی ہے ہے۔ شخ ایو العباس یوتی زشناند شدائد شائد فریاتے ہیں کہ سارا جہان جس کلہ کی برکت سے کھا تا، چیتا ہے۔ وہ ہم اللہ ہے۔

ای طرح سے دعائے انس رف اند تعال مد کی ایتداء میں بھی لیم اللہ انجی معنوں میں آیا ہے۔ بہتم اللہ علی نقیدی ویؤنی لین تفاظت انتخابوں اور بٹاالیتا ہوں نام خدا کی اسٹے نقس پر اور اسٹے وین پر۔

این مر دوید زخته فالله تک الد تنبه بدیجی روایت کرتے ہیں که رسول عشرت لی اعدُ تندال ئىنىيە ۋايىيە ۇ ئىسلىزىنى قىرمايا جىپ ھىغىزت ئىيسىي ھايالىرى كوان كى دالىدەتے معلم كے ياس بىلماياتۇ اس نے کہالکھتے ہم اللہ عضرت عینی ئے اللام نے کہا ہم اللہ کیا ہے؟ امتاد نے جواب ویا میں شمیں جانیا۔ آپ ملہ السام نے قرمایا"ب" ہے مر او اللہ تعالیٰ کا" بہا" یعنی بلندی ہے اور "س" ہے مراد اس کی سنا لینی نور اور روشنی ہے اور "م" ہے مراد اس کی مملکت بینی بادشای ہے اور "الله" كتے ہيں معبودول كے معبود اور "رحمن" كتے ہيں ونيا اور آخرت میں رحم کرنے والے کو "رحیم " کہتے این آخرت میں کرم ورحم کرنے والے کو۔ حفرت چابر من مند تعالى عند فرمات جي جب بيه آيت "بيم الله الرحمن الرحيم " اترى بإدل مشرق كي طرف جیت گئے۔ ہوائی ساکن ہو میش ۔ سمندر تغبر کمیا جانوروں نے کان لگا گئے۔ شیاطین پر آسان ہے شعلے گرے اور پرورد گار عالم نے لیٹی عزت و جلال کی قشم کھاکر فرمایا کہ جس چیز پر میراب نام لیا جائے گا اس میں ضرور برکت ہوگی۔ ویگر روایت میں ہے کہ حضور صَلَ اللهُ فَعَالَ مَنْيَهِ وَمِهِ وَسَلَّة فَ فرمايا: بعم الله كي بركت ع شيطان وليل ہوگا۔ (تغیراتن کئیر)

بَائِيًّا: جارا دروازو\_ بيني جارا ظاهري و ياطني ، جسماني وروحاني داخلي ياخروج كامقام\_ جبال ے فیر وشر ، برکوں وسعاد توں کے اثرات ہم تک ویٹنے یا ہم سے خارج ہوتے ہیں۔ بم الله ك ساتھ وروازے كو ذكر كرنے كا مطلب يہ ب كه ہم اللہ كے نام ك ساتھ الى خاهت میں آگئے ہیں کہ اب کسی طرح کا کوئی شر، کوئی ناکای ہم تک نہیں چھے علق۔ تَبَادَكَ: لعنى موره ة الملك مورة تبارك ك متعلق مديث من آياب كديد مورت نجات وے والی اور شفاعت کرنے والی ہے۔ ابن مسعودر شی افذ مدے مروی ہے : جو محتص سورة الملك بررات يزهے تواللہ تعالى اس سے عذاب تيم كوروك لے كا، اور بهم رسول الله خال اللهٔ تُعَالِ مَلْيُهِ وَلِهِ وَسُلْمَ كُو رَمَانِ عِمْ السِي مانعه [ليني روكنه والى إكبتے تھے ، اور بيہ قر آن مجيد میں ایک الی سورت ہے جو اسے ہر رات بڑھ لے تووہ بہت زیادہ اور اتھا ممل کرتا ہے انال ۱۰۳۷۹ \_ حيطانتكا: جارى ديواري ياهارى جبار ديوارى ديواري مراد حصار ب یعتی سورہ الملک کاحصار و برگت جاری جیار جانب ہے۔ الیا حصار جو ہماری طرف آنے والے ہر ایسے شرکو روک دے جو ہمیں ونیایا آخرت میں نقصان پیچانے والا ہو۔ ند صرف ہمیں دنیامیں ہر شر و گناہ سے محفوظ رکھے گابلکہ اس کی برکت ہے ہمیں قبر کی کشادگی اور آخرت میں مجوب کی شفاعت نصیب ہوگی۔ نیسی: سورہ لیس مراد ہے۔ سختیوں میں کشاد کی ، مشکلات میں آسانی اور غم کوخو شی میں بدلنے کی خامیت رکھتی ہے۔ حضرت عطاوین الی رباح (جليل القدر تابعي) زخنةُ منه تُعال مَنيْهِ قرمات إلى كدر سول الله صَلَى الله عَلَيْهِ وَاللهِ ز منذ نے ارشاد فرمایا: جس مخص نے دن کے شروع میں سورة ایس پر حی تواس کی حاجات ( و بنی ونیوی یا اخر وی یامطلقاتمام ضرور تنس ) بوری کی جائیں گی ۔ (مر 55 الفاتح شرخ، ۱۳۵ المائح. تناب فضائل الرآن) - معشرت كي بن الم المراتشر المنتة الله تعال مَلنِه عددايت ب كدجس محض نے میج کو سور وکیس کی تلاوت کی تودوشام تک اور جس مخف نے شام کو(سورت) ایت کی تلاوت كى توووم يحك خوشى شررب كا- دندانل القرآن،

ين حفرت محد من النه تعلى مند والبه وسنة كالمم مبارك مجى ب- اور فيول من آسانی اور رحم آپ کے بی مختل ہے جیما کہ رب تعالی فرماتا ہے" اور ہم نے آپ سدات تعال عنيه وبدونشة كوتمام جهانول كيلي رحت بناكر بعيما" - سَعُفُنا: هاري حيت ي- جس طرح جیار دیواری جاری طرف آنے والے زینی شر کا حصار ہے ای طرح تھت ہمیں آ سانی آفات وبلیلات سے محفوظ ر کھتی ہے۔ یعنی سورة میں کی بركتوں كی جادر اور حضور كا وست شفقت جہت کی طرح ہم پر ساب قلن ہے۔ جس کی برکت سے آفات و بلمات سے ہم محفوظ ہیں۔ کھیتھنن : حروف مقطعات میں سے ہے۔ فتح العلی البرشر حرب البحر میں ہے کہ اس سے مر او اللہ کر ہم کے اساء میار کے کائی ، حادی ، تی ، علیم ،اور صد مر او ہیں۔ کِفَایَتنکا: ہم کو کافی ہے۔ لین ہماری حاجات کو بورا کرنے کیلئے ہمارارب کافی ہے جو ہمیشہ ہاری کفایت کرنے والا مہارار ہیر ،ایدی حیات والا، تمام کا نکات پر جس کے نغم کا اعاط ہے اوروہ ایسائے نیازے کہ جب کسی کی بھلائی کا ارداہ کرلے تو کوئی اسے روک نہیں سکتا۔ ختتنق: یہ مجی حروف مقطعات میں ہے۔ فتح العلی البرشر م حزب البحر میں ہے کہ اس سے مر او الله كريم كے اساء مبارك حتان، منان، عالم، سي وقيم على بين بيت التكا: بهارى پناہ ہے۔ یعنی ہم ہمہ وقت اس رحمت والے ، احسان کرنے والے ۔ سب جانے والے ، ہر حال میں جاری فریاد کو سننے والے اور بھیٹ رہتے والے رب کی بناہ میں ہیں۔ جب بندواس فقره کو پر هتا ہے تو کو یا اے کا مفہوم یہ ہوتا ہے کہ جارا دروازہ اللہ تعالیٰ کا اسم بابر کت ہے جہاں سے تمام جہان کی نعتیں ہم تک پہنچی ہیں اور سور ہُتارک ہماری ڈھال ہے جس نے نجات دی جمیں تمام مصائب سے اور شفاعت والی ہوگی ہمارے لئے آخرت میں اور ہماری حیت رحت الی ب جو محر من الفائفال منه واله وسل حد وست رحت كي صورت على جم پر سایہ قلن ہے اور کانی ہے ہمارے لئے رب تعالی کی کفایت جو ہماری طرف ہمہ وقت متوجے۔ تمام حامیوں سے بڑھ کرہے ہمارے رب کی حمایت ہمارے لئے۔

### وخواص واعمال

چور، ظالموں وشر پیندوں، آگ کلنے یابر آفت محسوسے تھر، دوکان، اداروں اور ٹیکٹریز وغیر وکو محفوظ رکھنے کیلئے بڑا حسارہے۔

نصاب: صورج یا چاند کرئین کے موقع پر ۱۱۰۰ مرجه اس عبارت کو پڑھنے ہے اس کی زکات ادا ہو جاتی ہے۔ یہ زکات ہر سال اداکرنی ہوگی ادر اگر مستقل پانچ کر ہیں میں پڑھ لی جائے قزکات کیر ادا ہو جاتی ہے۔

**تاحیات حسار کا عمل:** یوقت گربمن سفید چونے پر ۵۰۰ مرحیه پرند کر ایسانگر جوزیر تغییر جو اس کی بنیادوں میں ڈال دیا جائے تو جب بنگ میہ قائم رے گا مجمی اس نکمر میں نہ چور آسکے گا، نہ حشر ات الارض پیدا ہونگے اور نہ اس تھر میں بے ہر کی بوگ ۔ یہ تھر، دو کان و گیکڑی و فیر و مب کیلئے موٹرے۔

تسخیم افسران کا عمل ، کھیدس سیدھے ہاتھ کی چنگل ہے بند کرنا شروع کریں اور انگوشے پر فتم کریں اور کئیل کھاہت اور ای طرح حصص کے جر حرف پر بایاں ہاتھ اس طرح بند کریں ہے چنگل ہے شروع کرے انگوشے پر فتم کریں اور کبیں صابت اور جب کی حاکم یا افسر کے سامنے جائیں تو بند ہاتھوں کو کھول ویں اور بلند آواز سے سلام کریں۔ انظاما اللہ افر محربان ہو جائے گااور اسکاسارا قصد تحرج و جائے گا۔

محر کی حافظت اور آسیب دور کرنان کے کونوں کے موافق کیل لے کر ہر کیل پر مندر جد بالا عبارت 3، 3 مرتبہ پڑھ کر وم کریں۔ان دم شدہ کینوں کو مکان کے ہر کونے میں اسطرح لگائیں کہ شروعات میدی طرف ہے ہو اور پھر بائز تیب لگاتے جائیں لیکن لگائے ہے پہلے اپنا حصار ضرور کرلیں۔ آخری کیل لگائے ہے پہلے بھی عبارت لوبان پر ک مرتبہ پڑھ کر وم کریں اور دعونی دیں۔وحونی کے تقریبالیک محنفہ بعد آخری کیل لگائیں۔

| J | U | 2 | 1 | i | لوم مغيس معسق: الى توارتى جكد جبال كاكون  |
|---|---|---|---|---|---|
| 2 | ق | 5 | ن | 1 | لوج منس حصق: الى تبارق بكه جال كاكول<br>كي آمدورنت كم دو دبال اكريه مس لكاديا جائية اس                  |
| 2 | 0 | 2 | 3 | 1 | عَد كِيرِونْ عِي إضافه إدر آمرني من رقي عو طاقي ہے۔   |
| 5 | ٤ | 0 | î | J | جگد کی رونق میں اضافہ اور آلدنی میں ترقی ہو جاتی ہے۔<br>اگر اس مخس کی پشت پر انہیں حروف کاعد دی تعش لکھ |

کر ہاتھ پر پاندھ لیاجائے تو تمام عالم کی زیان صاحب فقش کی ید گوئی ہے بند ہو جائے۔ کوئی بھی مخالف کمی طور پر بھی اس کا مقابلہ نہ کر سکے گا۔

تحده خاص (ناياب عمل) : نوچندي شب ي ليخياده دات جوچاند يراهن برجر بها اتوار مزار کر آئے۔اس دات کا یہ عمل ہے۔ مہینہ کوئی بھی ہو کوئی مخصیص شیں۔اس دات کو ۳ یجے اٹھ کر عنسل کریں اور احرام کی ایک جاور بدن پر اوڑھ لیس جو سنید رنگ کی جو اور کی ہوئی تخطعی نہ ہو۔ دو دور کلت ٹماز نظل بنیت تہجد پڑھیں اور چھ ر اکست محتم کریں۔اس کے بعد ۱۲ مرتبہ ورود شریف پرجیس اور پھر ۱۲۵۳مر جد پرطیس آثر میں پر ۱۲ مرجد ورود شریف پڑھیں۔ سارے محن میں بہات لازی ہے کہ نماز اور وروو شریف کے علاوہ وظینہ پڑھتے ہوئے زبان تالوہے تکی رہے۔اگر شروع میں عادت اور مثق نہ ہونے کی وجہ ے زبان جانوے علیحہ وہ و جائے تر کوئی حرج نہیں لیکن کنڑے کے ساتھ ایہا ہونا ممل میں خلل کا باعث ہو گا۔ نماز فجر تک مصلٰ ہے نہ انھیں بلکہ فجر تک درود یاک پڑھتے رہیں پھر نماز فجر اداکر کے ایج مقعد کیلئے خوب دعاکریں۔ چردوروز کا عمل بردواند ایک عی وقت یر کرنا ہے۔ کامل بھین کے ساتھ کہا جاتا ہے کہ چے دوون کے عرصہ میں خداو تد کر یم خیب ے کوئی نہ کوئی سامان پیدا فرمادے گا ادر سائل ہر کر ٹاکام نہ جو گا۔

یہ عمل ہے روز گار، مقروض یا چی مقدمات بھی مجینے ہوئے حضرات ، اچھے رشتوں وحصول اولاء کے طالب ، ناراض کو بلائے ، مائی معاونت کے انتقام اور و جمنوں ہے نجات وغیر وو غیر و کیلیانے نہات مجرب المجرب ہے ۔ منر ورت مند افر او ضرور بالضرور اس

#### وُمُولُ اللَّصَرِلِ شَرِحِوْبِ الْبَحَر

ے فیش ھاصل کریں۔ جن احباب نے بھی یہ عمل کیاالحد نشد دواہیے مقاصد میں کامیاب ہوئے۔

لوچ سعاوت: جب مشتری برخ سرطان عی داخل جو یاجب قر کے ساتھ نظر مثلیث یا تسدیس قائم ہو اور قمر خوشحال و سعد حالت میں ہو قواس وقت یہ لوح برن کی مجلیا یا کا فغر پر تکھنی چاہئے۔ جس وقت تکسیس ای وقت اس پر خوشہو لگائے اور موم جاسہ کر کے کلے میں یا سیدھے بازو پر مجتن لیں۔

اس اور کا حال ہر مشم کے فار الم ۔ دور رہتا ہے۔ طبیعت میں سکون مال میں برکت اور روزی میں اصافہ ہوتا ہے۔ جمع مشکلات عل جو آیتیں اور ویائی و میلک امر اض سے تفاقت رہتی ہے۔ خوف سے اس اور اکار و علام میں یا گزت و معزز رہتا ہے۔ ہمہ تھم کی آفات دو بلیلات اور جادثات ہے ہیشہ محفوظ رہتا ہے۔

| وهو<br>السياع<br>العليم | فسیکفیکهم<br>اشه | معسق<br>ماياتنا | کھیمس<br>کفایشا | يس<br>عقنا | الالم | تهارك | سماشه<br>پاینا |
|-------------------------|------------------|-----------------|-----------------|------------|-------|-------|----------------|
| TEF                     | rra              | FY.             | 1874            | 414        | 404   | r.A   | FAF            |
| 434                     | 44.              | FAS             | 5.4.            | ac RIMU    | 470   | 114   | 104            |
| IFA                     | ron              | F+4             | 45000           | - F4.      | FFT   | 44.   | 644            |
| PFA                     | 114              | 117             | roc             | 411        | LAF   | F90   | r.0            |
| 1797                    | L.L              | 441             | LAF             | IFF        | FOT   | rre   | AIF            |
| raa                     | iri              | 411             | rr.             | r.r        | 1-91- | LAY   | 445            |
| 400                     | 245              | 17.01           | 44r             | 11.        | rri   | rar   | IFF            |

اگر لوہ بے کی مختی پر کلیو کوئے ہے۔ دا طی رائے پر لگاویں تواس تھر میں نہ مجھی چور داخل جو بھے گا اور نہ شریر جنات وہاں اپیر اگر علیں گے۔ تھر والوں میں باہم الفاق واتھا۔ پید ابو گا۔

#### وُعُودُ الشَّمَرِقِ شَهِ يَعِرْبِ الْبَعْرِ

# ﴿فَسَيَكُفِيكُهُمُ اللَّهُ وَهُوَ السَّمَيْعُ الْعَلِيمُ

مورة اليقروكي آيت ١٣٤ ب الى آيت مهاركه هل معنور من المنتقف الدخلية وجه استاكه الم بشارت وي تقى كم الله تعالى و محنول كم شرعة آي كفايت فردائ كا - قد مي تحقيد كفية ألفة : مفتريب ال وهنون كرمتنا لي هم الله آي كيلنا كافي ب - وهدوال المستنبأة : الن كرمالات كوخوب جائة والله ب -

اس مقام پر دعائے حزب المجر بھی مندرجہ بالا آیت کو پڑھے والے کیلئے بلاہ بالمجر بھی مندرجہ بالا آیت کو پڑھے والے کیلئے بلاہ بالمحیان لایا محیاہ کے تم اپنے مخالفوں کی تریادہ فلس نا اللہ فلس اللہ مخارجہ بھی ان شخصہ کے گا۔ حضرت شاود فل القد محدث والو کی زشندہ لا شعال منبئیہ فرمات جا استمال کے اور ملائی ہا استمال سے جہان و نیاز بالال اور اس سے سے ایسا استمال سے جہان و نیاز بالال اور اس سے سے ایسا اس کے درخشوں براس طرح تھو فر اس آیت کے پڑھے والے کا جر الحرف سے محقی لاق اور اس کے درخشوں براس طرح تھو اس کرتا ہے کہ وہ ناکام براں اور اکی کوئی مراد پڑھے والے کے خلاف تفعال بری شدہ کرتا ہے کہ وہ ناکام براں اور اکی کوئی مراد پڑھے والے کے خلاف تفعال بری شدہ کے لیا اس مقال کی اس اور اس کرتے ہا کہ ہر جاجت اواد لاخشوں کے شرح ہے بیتے کہا ہے اسے تا کہ بر جاجت اواد لاخشوں کے شرح ہے بیتے کہا ہے اسے تا کہ بر جاجت اواد لاخشوں کے شرح ہے بیتے کہا ہے اسے تا کہ بر جاجت اواد لاخشوں کے شرح ہے بیتے کہا ہے اسے تا کہ بر جاجت اواد لاخشوں کے شرح ہے بیتے کہا ہے اس

﴿ خواص واعمال ﴾

کفایت کیلئے، و شمنوں کو بہا کرنے ، ان کے شرکو انٹی پر لوٹانے ، مخالفین کے امداد کورو کئے اور ان کو مغلوب کرنے کیلئے ہے آ بیٹ بھٹے مغیرے۔

نصاب: اس آیت کی زکاب کیبر جو لا کھ چالیس ہز ارب، زکاب و سیاد دولا کھائی ہز ار اور زکاب مغیر افعائیس ہز ارب۔ و ممنول کو مظوی کرنے اور فتو مات کے حصول کا عمل : اگر کوئی فض اپنامعول بنا معرف بنامعول بنامعول بنامعول بنام کی منافع کی جا کا دورد در فید ، ایک بار کل طبیہ پھر ایک اس کے اس کے اس کے اس کے اس کے خوات کی اس کے خوات بر اس کے خوات بر کرکے چیرے پر پھیر لے قواس کے دھن بیش مغوب رہیں گے ، اس کے خوات بھی کوئی شر پھیانے کی کوشش کرے گا تو وی اپنی چال میں کر فار ہوجائے گا ، بر فضی خوت و اکرام سے چی کوئی شر پھیل ہے گا اور دوز گار میں مجمی کی واقع نہ ہوگی ۔ جرب المجرب و آراد دور المجرب و المجرب و المحرب و

| العليم | السيع | 100                | الله        | فىيكنيكه.<br>رور |
|--------|-------|--------------------|-------------|------------------|
| ٣      | PTA . | 129                | F-9         | 3237             |
|        | 200   | And in contraction | 1 1 1 1 1 1 | IAP              |
| _      | IA.   | 1                  | -           | CF CF            |
| واحد   | 11    | rre                | VIAT        | F-A              |

کا غذیر لکھ کر پاس م کھے اور روزاند سمج کے وقت ۸ ہر تیر پڑھا کرے۔ اس کے قبام بند کام کمل جائیں، رائے کی روکاو ٹیمی دور ہول اور جمج مر اوارے و مقصود با آسانی حاصل ہو گئی۔

وا فع اعداء: اگر کا نقین و حاسدین نے پریشان کرد کھا ہو تو بر دزیدہ بساعت عطار دیا بر دز

الآن المسيم المسيم المسيم المسيم الله المسيم الله المسيم الله المسيم ال

#### رُمُودُ النَّصَرِقِ شَرِحِيْنِ الْهَعَر

کے ذکیل و خوار رہیں گے۔ ہر چال ان کی ٹاکام ہوگی اور طائل اقتش سے ہر محض مر عوب و مقلوب رہے گا۔

شرف مشتری: جو مخض یہ چاہ کر زوال نعت سے محقوظ دے بھی مقاصد حاصل بوں ماسکور است و اور اور معزز و کرم ہوں ما کمو ماسکور و است رفت و حادثات و حادثات ، جادوو نظر بد سے محقوظ دے ، خادوو نظر بد سے محقوظ دے ، خادوو نظر بد سے محقوظ دے ، خادوو نظر بد سے محقوظ دے ، خادو و کا کیفیت سے نکل جائے تو اے چاہئے کہ جب مشتری خاند مشرف میں آئے اس وقت مونے یا تالیہ پر اس تحقق کو کلدہ کروا کر اپنے پاس رکھے ۔ خواص اور بر سختی اس لوٹ کی خواکد است پاس رکھے ۔ خواص اور بر سختی اس لوٹ کی خواکد است پاس رکھے ۔ خواص کا دوخود اس کے اسراز ملا دی کر برے باہر ہیں۔ جو مختص اس لوٹ کی خواکد است پاس رکھے ۔ کو اس کا کو دخود داس کے اسراز ملا دی کر برے باس دی کا دوخود اس کے اسراز ملا دی کر ایک کا در کری کا نافت اے کو کی خور دار کے بابی کے گی۔

| _      | - 2       | 100   | _        |          | 1 19/3  |                       |        |
|--------|-----------|-------|----------|----------|---------|-----------------------|--------|
| , 40   | 180       | 181   | وقءامان  | دخلت     | وتركلت  | واعتصبت<br>بنرى العزة | منت    |
| السبيح | اسيكفيكهم | كهيعس | اشمن     | لى حرد   | علىالحي | والعظية               | ہدی    |
|        | الله      | حبسق  | شرالبرية | اللهوق   | الذي    | الكساء                | لبلكو  |
| العليم |           |       | اجمعون   | حفظ الله | لايموت  | الجبوت                | لملكوت |
| PA-1   | rrio      | room  | rra.     | FAF      | 1744    | r-A                   | rar    |
| AFTI   | F40       | TAG   | F.4      | ren      | rar.    | FFFL                  | roor   |
| FFFA   | roor      | rriz  | PA.F     | F4.      | r.1     | IFYA                  | 74     |
| PPIA   | FLLA      | rror  | root     | 174:     | FYA     | F40                   | r.5    |
| F14    | (4 · (4   | 1121  | MAN      | room     | 100.    | PF19                  | TLLL   |
| rara   | rrai      | r     | rer.     | r.r      | rer     | 127                   | IFEF   |
| r4.    | IFZF      | r.r   | rar      | F449     | rrrı    | rara                  | rror   |
|        |           |       |          |          |         |                       |        |

شرف میس: حضرت مهدالعزیز برباده ی زند فاند تفسان دنید مرکوم می تصفح ایسا که بد مراح شرف میس میس کس کا ساعت می تکعید عزت دو جابت کیلیا اکسیر کا تقم ر کمتاب.

| العليم   | السيع  | اشدوهو    | فسيكفيكهم |
|----------|--------|-----------|-----------|
| فيكفيكهم | اشهوهو | السيع     | العليم    |
| السيح    | العليم | فسيكفيكهم | اللهوهو   |
|          |        | العليم    |           |

هو سنگو النعزش مشبول عَلَيْهُ الا عَمَّى اللهُ كَالَطِّرَةُ اللَّهُ عَلَيْهُمَّا اللهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّ سِنْهُ النعزش: جَنَّت شابق، جَنَّت سلطت في طرف ب يردويا أثر - منسئول : سل ب ب معنى الكاموا ب سفليكا : جمرير- وغَنْ اللهُ : اور الله تعالى عاللم رفعت، وهناعت، الطف و معنايت - عَالِيْدَ وَالْفِيْدُانُ مَوْجِ لِي جمارى يعنى مارت عالم وياطن االله ويول، الحب ورفعا،

مال واسباب اور حارے تمام حالات کی طرف بینخول الله الله الله تحال کی مدو مهر یانی ہے۔ لائینگید رُ عَلَیْدُ نَا کَو کَیْ هُم پر قابع یافلہ نیا سکے گا۔

پر دوے مر ادیمال فور حفاظت ہے اوراللہ تعالی کی آگھ سے مر ادیم الفر حفت ۔ لیٹن پڑھنے والا اس مقام کو اس تصور عل ڈوب کر پڑھے کہ عرش سے لیکر فرش تک بم پر فور حفاظت کیسل کمیا ہے اور اللہ تعالی کی نظر رحت ہماری طرف متوجہ ہے تو اللہ کی قدرت سے اب کو کی بم پر غالب نہ ہو سے گا۔

# ﴿ فُواص واعمال ﴾

مندرجه بالا عبارت وشمنول كو مغلوب، نافرمان كو تابع اور ابناحق والحل لين كيل مجرب

#### وُهُوزُ النَّعَم إلى شَم حِرْب الْهُحَم

نعماب: نساب اس ممارت کا ۵۰۰۰ ہے۔ اگر ااروزش ادا کریں توروزاند ۵۰۰۰ مرجیہ ۲۱۰ روزش ادا کریں تو ۲۰ روز تک ۲۲۰۰ اور ایکسویں روز ۲۰۰۰ مرجیہ اورا گرچالیس روز عمل ادا کر ناچاہی تو ۳۷۵ مرجیہ روزاند پڑھیں۔

رفیق فسوال: حفرت تو اجہ حسن نظائی دَنسة داند دخسال خانسہ سے معقول ہے کہ یہ عمل عور توں کیلیے مخصوص ہے یعنی اگر عورت کو کسی قسم کی تکلیف چین آئے تو دو یہ عمل کریں، خدانے چاہاتو کا میابی ہوگی خطانا کی عورت کو اپنے شوہر کی طرف سے تکلیف ہے یا ال باپ کی طرف سے تکلیف ہے یا سسر ال والے شاتے ہول یا اولاد کی طرف سے دکھ ہو کہ نافرمان ہوگئ ہو یا خادند کے اقتال کے بحد دار قوں سے تکلیف ہوتی ہے عمل مفید ہے۔

مِنْ الْعَرْشِ مَسْهُوْلُ عَلَيْمًا

اس عبارت کوروزانہ بعد قماز مطاوا ۱۰ مرجہ اکیس دوزیک پڑھنے سے اس کا نصاب اداہو جاتا ہے۔ دو میان ٹیس نافرند ہونے پائے اس کئے ایسے ایام ٹیس ابتداء کی جائے جن ٹیس اکیس روز مسلسل وروچاری رکھا جائے کیونکہ جن وقول ٹیس خواتین نماز نہیں پڑھ سکتیں ان دقول ہے عمل مجی نہیں پڑھا جاسکا۔

دوران عمل کھائے پینے کی کوئی ہر جیڑ خین ، بس یہ پابندی ہے کہ ایکس روز تک وقت اور جیست تبریل نہ ہو۔ وقت اور جیگ گیا تبدیلی لیے عمل یہ بتید رہے گا اور محنت ضائع ہو جائے گی۔ اس عمل میں رجعت کا کوئی اندیشہ فیس ہے اگر چدید عمل بامو کل ہے، عال عور توں کو یہ موکل خواب میں نظر مجی آتے ہیں اور مذید مشوروں ہے مجی ٹو ازتے ہیں۔ عمل پڑھنے ہے پہلے تازہ وضو کریں اور خوب خوشبوکا استعمال کریں۔

جب الیس روز پورے ہوئیائی اور نصاب ادا ہو جائے تو پھر اسے کی بھی مقعد کیلئے افعارہ مرتبہ پڑ سناکا فی ہے خدا تعالٰی نے چاہاتو بھی مرادیں پوری ہو تھی ہر دعا آبول ہوگی ۔ تمام خواتین کواس کی اجازت ہے۔ و قمن سے مجات، قرض کا حصول اور قبضہ چھڑائے کا محل نب عمل ایے وقت میں کرنا چاہئے ہوں ہے وقت میں کرنا چاہئے ہوئے کرنا چاہئے جب کسی سخت و همن نے پر بیٹان کر رکھا ہو اور آبروریز کا کا تعلم ہو یا کسی نے زرد می ال یا آپ کا حق د ہائے ہو گئے ہے ۔ زبرد می الل یا آپ کا حق د ہائے ون شروع کیا جاسکتا ہے۔ ہے ورند کی جمی ماہ میں کسی جمی ون شروع کیا جاسکتا ہے۔

مشاہدة حق وبالمنى ترقى: يد عمل مجى حضرت خواج حسن تفاى زخت فالد فصال خنس ب سے معتول جدر يد عمل صرف باطنى ترقى كيك جدد نيادى كوئى فائد والاس سے حاصل خيس كيا واسكار عمل برے نفيذن الفقاقات المائية

اس محل کے پڑھنے کی تعداد سر وسو میں اے سر ہون تک۔ تبجد کے وقت نمازے فارغ او کریے عمل کھڑے ہو کر آواز بائند اس کے مطلب و معالی کا انسور رکھ کر پڑھا جاتا ہے۔ روزانہ کی تعداد خص کرنے کہ بعد بھالت مر اقبہ یہ تصور کرنا چاہئے کہ میرا رب تجے دکے رہا ہے۔ تقریبا چاہیں سائس تک یہ تصور کرنے کہ بعد تجاریہ تصور کرے کہ ميرارب يحيد د كيور باب ادرية تصور بهي چاليس سائس تك چارى د كفناچائية - سرّ وروز ك بعد نصاب اس كا مكل بو چائ گا- اب بعد عشاه يا تبجد سرّ ومرتبه عبارت كو معمول بين رئيس ليكن دونون تصور بعد نصاب بهي اى طرح جارى د يس مح

دوران عمل چھم باطن سے مشاہدات شروع ہو جائیں گے۔ ستر ودن تک کھانے پینے سے پر بیز کریں اور صرف دودہ کی لیاکریں تاکہ معد مابکار ہے اور اطافت حاصل ہو۔

﴿ وَاللّٰهُ مِنْ وَ دَا آیصة مُصِیْطٌ بِلْ هُوَ قُرُانُ مَعیدُنْ فَالَوْمِ مُحَفُوطِ ﴾ وَاللّٰهُ اوراللهُ جَو كه تهادارد كارېج بيسن وَرَاتِهم : ان كو، تهارت كالفين وحاسدين كو برطرف - مُعِيدِينَة و تُحريب بوت به بين هُوفِيْهِ مَعَيدٌ: (يه كولَ مِن النَّمِينِ ) بكرير قرآن برى بزرگى والا به بينى توصف في الاستمنوط عشر العابوا به ب

سے سورۃ البرون کی آیت قبر ۲۰ ہے۔ اس آیت سے قبل اللہ تعالیٰ نے ایسے کی اللہ تعالیٰ نے ایسے کا فرص اللہ تعالیٰ نے ایسے کا فروں کا ذکر قربان اور شحوو کی کا فروں کا ذکر قربان اور شحوو کی کا فروں کا ذکر کیا ور ایک خوات کی کردیا۔ اس آیت میں اللہ تعالیٰ، حضور میں اندائی کی نے اس کی بالک کردیا۔ اس آیت میں اللہ تعالیٰ، حضور میں اندائی کی بھیارے بھی ہے اور کی اس آئے ان پر میر میجئے۔ آپ کے رب کی گرفت نے ایس کی بال کے اس کی رب کے ان کا میں کا کہ اس کی رب کے اس کی بال کے رب کی رب کے اس کی میں کا کہ اس کی میں ان کی جہ طرف سے کیے راب کے دور جس قرآن کی ہے کی گھارہ وال قرآن کی ہے کھی تھی لیا ہے۔ اور جس قرآن کی ہے کھی ہے۔ اور جس قرآن کی ہے کھی تھی کے اس کی کھارہ وال جس قرآن کی ہے کہ کے دور کی میں کھارہ والے ج

اس مقام براس آیت کالانا پہلے کلیات کی تائید اور یہ استحباط کرہ ہے کہ اتمام حماوق پر علم و کفایت اور حفاظت کی جہت سے اللہ تعالی کا احاط ہے اور جو اللہ تعالی کے حفاظتی قصد میں آئیاوہ ہر شر سے خفاظت میں آجاتا ہے۔ لبذا اس مقام پر پڑھنے والا بید لیمین کرنے کہ اب ہم اپنے رب کی بناہ میں ہیں اور کسی مخلوق کا شر ہمیں کسی بھی طرح کا ضررت دے سکے گا۔

### وخواص واعمال

یہ آجت مجی علیہ انعداء بیاری مسلط کرنے ، حب وسلب افعال کیلیئے استعمال کی جاتی ہے۔ فعماسیہ: فعماس آیت کا ۲۰۰۰ء ہے جینے وقول عمل چاہے اداکریں عمر جکہ اور وقت کی پابندی رہے۔ اس آیت کی برکنت سے دوران فعماس ہی عالی پر سے ہر حتم کی نظر وسحر سے انزامت ذاکل ہو جاتے ہیں اور دھمن اس سے پریشان وخت حال ہو جاتے ہیں۔

عمل حب: منگل کے روز حسل کر کے پاک وصاف لیاس پیشیں۔مطلوب کے سر کا بال لیکر کسی ایسی حلیحدہ مبلّہ مبینیس جہاں کسی فتم کا کوئی شور نہ ہو یہ سامنے چو کی رکھیں جس پر ایک کڑ ای جس میں مسلسل لویان جلتارہ اور کڑ ابی ہے باہریاتی جکہ پر گلاب کے پھول رتھیں ۔اب مندرجہ بالا آیت کو آتا لیس مرتبہ یزھ کر بال پر ایک گرودی ای طرح اکتالیس مرہ و بی ہیں اور مطلوب کا تصور ر کھنا ہے۔ اگر عمل اینے لئے کر رہے ہیں تو تصور کافی ہے اور اگر کسی دوسرے کیلئے ہے تو اکتابیویں مرتبہ جب آیت پڑمیس تومطلوب کا نام لے کر كہيں ووٹى الفور طالب كے ياس آجائے۔جب اكتاليس كرو تعمل بوجائيں توب بال اس جو كى پرر کو کر کمرہ بند کر کے آ جائیں۔و تُنافُو آنا جاکر کڑ اہی ٹیں لوپان جلاتے رہیں۔مطلوب تین روز کے اندر اندر ماضر جو گا۔ اگر تین روز میں نہ آئے تا آیک ایک گرہ تینی ہے کا مجے جائي اور ايك بار آيت يزد كروم كرك كزاى عن طلق جأئي -اى طرح اكتاليس كره جلادیں۔ انشاہ اللہ ای روز مطلوب حاضر ہو گا اور اگر نہ آیا تو شدید بیار و بے قرار ہو گا اور جب تک نہ آئے گا سکون و محت ہے محرد م رہے گا۔ یہ نہایت مجرب و دوراڑ عمل ہے۔ سلب احمال كاطريقة: مفل اعال كرية والع ياخلقت كويريشان كرف والم يحى عال کا عمل سل کرتے کیلے یہ عمل مجرب برے مائل کے نام کو داشد من و رائعہ محیط کے حروف میں احتراج ویں ۔ پوری عطر کے اعداد نکال کر شلث خاکی چال سے بعرین اور

#### رُمُوزُ النَّصَرِقِي شَرِيجِ عِزْبِ الْبَحَرِ

استر آئی سطر کے تیمن تین یا پائی یا تی حروف کے کلمات بناکر نقش کے چاروں طرف لکھ ویں۔ کفٹ کے نیچے میہ عمارت تکھیں: بہتم جین اعمال و حاضرات اعمال فلاں بن فلاں بہتہ شود بہتہ شود بہتہ شود ہر گز ہر گز تا ٹیم ات اعمال فلاہرند شود تا من ند کھائم ہر گزند کھائند۔

لوح شرف مرخ : جب مرخ درج شرف میں ہویااون میں یا بحالت متنقیم قرے نظر دوسی کی رکھتا ہو تب یہ لوح لکھ کر یا ہی رکھتی چاہئے۔ حامل لوح جن واٹس کے شر سے محفوظ ، سفر وحضر میں امن اور چنگ وجدل میں بیطہ ظالب رہے۔ یہ اوح حصن حسین ہے اور اس کے حامل پر کوئی عمل وجاد دائر قبیل کرتا۔ جس کے پاس یہ لوٹ ہوگی شریرو سظی کر عال اس کے قریب ہر گزیر کرنے خبیل روسکتا۔

| محقوظ | قالوم | ميد  | قل آن | بلهو | محيط | وزائهم | من  | والله |
|-------|-------|------|-------|------|------|--------|-----|-------|
| ١٢٥   | rrz   | 727  | 119   | ror  | FOL  | 915    | 444 | 3     |
| 124   | rrq   | ron  | rrr   | roo  | 109  | 190    | rei | 192   |
| 12    | rai   | r4.  | 194   | 797  | P41  | rrr    | 242 | ırr   |
| 10-   | rry   | 244  | rrr   | 21   | 242  | rro    | ٦٣٢ | LAL   |
| على   | ror   | ryy  | 11.   | r49  | 40   | rrq    | rra | 11.   |
| 101   | ror   | TYA  | 770   | rgr  | 174  | 4A     | ۳۳۳ | rrr   |
| 1179  | 10+   | 14.  | rri-  | F92  | 749  | ۳۰۰    | ۲۵  | r.A   |
| IPA.  | rea   | كافي | rr.   | rri  | r.r  | F04    | rir | ق     |

# ﴿فَاللَّهُ خَيْرُ حَافِظًا وَهُوَ أَرْحَمَ الرَّاحِمِينَ ﴾

قَاللَهُ : لِي الله عَيْدُ : بَهِر حَافِظَا: كَبِيان، حَافَت كرف والاب قَعْدَ : اوروه - أرْحَمَ الرَّاجِيدُنْ: تَمَام مِيانُول ب بلو كرم بريان، وتم كرف والاب -

شاہ ولی اللہ تحدیث وہوی رہ وہ تن تعلق میں فرمائے ہیں اندیدو کل ہے کہ جب
حضرت ہوسف مل المحام کہ ال کے بوائی لے تھے اور حضرت ہوتوں میں المعام سے کہا آپ
پریشان نہ بول ہم آگی حفاظت کریں کے لیکن حضرت ہوتوں میں المعام نے طاہری اسباب پر
تکر نے ابنا سوالمہ اسپنے رہ کے حوالے کیا کہا سے اللہ قوی پہنرین حفاظت کرنے والا ہے۔
کر نے ابنا سوالمہ اسپنے رہ ک حوالے کیا کہا سے اللہ قوی پہنزین حفاظت کرنے والا ہے۔
لہذا قاری کو چاہئے کہ ظاہری اسباب کونہ و کھے اور سب پہلی چھوڑ کر اسپنے بیخ
رب تعالی کی طرف دوڑے اور ای سے بناہ طلب کرے اور ای کی حفاظت ش آئے
کیو کہ وہی سب رحم کرنے والوں سے بناہ وال  کیا کہا تھیا تھی ا

### ﴿ خواص واعمال ﴾

عائل کی این اور اسکے آل واواد وبال ومتاع کی هنافت کیلئے اکبیر ہے۔ ایساوقت جس ش شر آپنچ اور بیخ کی کوئی قدیر نہ ہواس وقت اس فقرے کا ورو شر اور اس کے عائل کے در میان حفاظت کا پر دو مائل کرویتا ہے، حاسدین کی بری قدیر ول کو وقع کرنے اور اسکے بر عکس مزید عمر ورج دینے میں این مثال آپ ہے۔ جنات، جادو، نظر، آبی الرات، ناگہائی آفات، ذینی و آسائی بلائی وہر آفت فیر محمور سے حفاظت اور نجات کیلئے اس فقرے کا ورد کرنابہت مجرب ہے۔

فعاب: نصاب اس آیت کا سوالا کھ ہے۔ بلّد اور وقت کے علاوہ کھانے پینے کا کوئی پر ہیز فہیں۔

ظالم حاکم سے تجامت اور نمیاں وہ کی کے بایین اعتماقات وور کر نے کا عمل: اگر کی جگہ کا عالم ظالم ہویا افسے شخص مراق ہو اور قعد والا ہویا شہر بالدیسید، کالم گاری کر تا ہویا بیچی بدنیان و بدتمیز ہو تو پوشور عقر ان کو حرق گارہ بیں کھولی کر اس سے مندر جد ذیل تعویر تعمیں۔ اس تعویز پر کالا کیز البیت کر اس کا کے چڑے جس سلوا کر مر وسیدھے بازہ اور عورت النے بازہ پر باندہ لے۔ نہایت مجرب بے بالخصوص شوہر بیچی کے معاطم میں کئی

فَسَيَكُفِينَكُهُمُ اللهُ وَهُوَالسَّمَيْعُ الْعَلِيمُ سِتُرَالْعَرْشِ مَسْبُولُ عَلَيْنَا وَعَنَى اللهُ فَاقِرَةً إِلَيْنَا بِحَوْلِ اللهِ لاَيَقْدِرُ عَلَيْنَا ﴿ وَاللهُ الصِّلْوَقِ فَا إِلَيْهِ مُجْمِئَةً

اللهم استن بسترك الجبيل الذي سترت بم نفسك فلاعين تراك حَسِيع الله المَعْلِيم الله وَالله وَالله عَلَيْه تَوَكَّتُ وَهُوَرَبُ الْعُرْضِ الْعَظِيم

قتم شريف برائے شفائے امر اض و مقاعت: دشتوں پر فتح پائے قرض کی ادائیں، عادوں کی شفایابی، تمام عاجوں کے عاصل ہونے اور بزرگی کے طلب کیلے 1303 مرتبہ ایک بی فصت بھی ہے آیت بنیت فتم پڑھی چاہئے۔ بزرگوں سے مناہے کہ اس آیت کے فتم کادم کیا ہو ایائی بیاد کی شفایابی کیلئے فوری اشکر تاہے۔

و همن کے خوف اور اسکے ظلم سے نجات کیلئے: اگر کسی شخص کاد شمن نہایت کا لم ہو اور مختلف طریقوں سے ستاتا ہو توالیے و شمن کو زیر کرنے اور استکے ظلم سے نجات کیلئے ہے آیت ایک می مجلس میں 3333 مرتبہ پڑھیں در میان عمل افتا بایات کرنا منع ہے۔ ان شاہ اللہ ای روز د خمن ظلم سے باز توبائے گا اور خودودی محی گروش کا شکار ہو جائے گا۔

پرائے وقع مسان: جن لوگوں کے بچے چو ٹی تریس می انتقال کر جاتے ہوں ان کیلئے ہے۔ تعویذ بہت جرب و فائدہ مند ہے۔ باوضو لکھ کر 7کافذ کے کھڑ دل پرالکھیں اور پھر سات کپڑے سے تکووں میں لیسٹ کر موم جامہ کرتے ہے کہ کھ جم انکا ویں۔ بارہ سال تک کھی میں می انکار رہنے ویں۔ لکتان ہے یادر ہے کہ ہر سال محرم کی چکی تاریخ صب تو لیس دو ، جار دوسے کی خریب کو صد تد دیں۔ 12 سال بعد انہونے کو پہنایائی میں ذال ویں۔

ياحفيظ ياحفيظ ياحفيظ ياحفيظ ياحفيظ ياحفيظ

قَاللَّهُ عَيْرُحَالِظَاوُهُوَا دُحَمَ الرَّاحِمِيْنَ فَاللَّهُ عَيْرُحَالِظَاوُهُوَا دُحَمَ الرَّاحِمِيْنَ قَاللَهُ عَيْرُحَالِظَاوُهُوَا دُحَمَ الرَّاحِمِيْنَ - قَاللَهُ عَيْرُحَالِظَاوُهُوَا رُحَمَ الرَّاحِمِيْنَ قَاللَهُ عَيْرُحَالِظَاوُهُوَا رُحَمَ الرَّاحِمِيْنَ - فَاللَّهُ غَيْرُحَالِظَاوُهُوَا رُحَمَ الرَّاحِمِيْنَ قَاللَهُ عَيْرُحَالِظَاوُهُوَا رُحَمَ الرَّاحِمِيْنَ - وَمَا لِلَّهُومِينَ الرَّمِ الرَّكِمِ الرَّيْ

آ سی امر اص وافرات کیلے: مندر بد ذیل فقش لکے کرموم جار کرے مر یس کے ملے میں لفائیں اور کیارہ فقش بائی ہر طرح کی نظر و آسی اڑات سے نجات ال جائے گی۔

#### بسم الله الرحين الرحيم دادي ١٤٤٥ م. و يا ١٠٠٠ ٢٠٠ مُروك يا مه كام يا شيرة عدد ما

|        | عور ال حييان و |        |        |
|--------|----------------|--------|--------|
| ياحقيظ | ياحقيظ         | يحفيظ  | ياحفيظ |
| ياحقيظ | ياحفيظ         | ياحقيظ | ياحفيظ |
| ياحقيظ | ياحفيظ         | ياحقيق | يامقيظ |
| ياحفيظ | ياحفيظ         | يأحقيظ | ياحقيظ |

### فالله فيرحافظا وموادحة الزاجيين

| الراحمين | 1   | 200        | حانقا | Må. | فاشد |
|----------|-----|------------|-------|-----|------|
|          |     | ADM TO THE | FFI   |     | -    |
|          |     |            | P.    |     |      |
|          |     |            | A-1   |     |      |
|          |     |            | ror   |     |      |
| A+A      | 914 | rm         | 107   | IA  | FOF  |

ہے۔ صاحب مقباح القاصد تھے ہیں کہ حال اوج ہیشہ اس تعالی کی بناہ میں رہتا ہے کوئی و شمن یا موذی جانور اس کو نقسان فیمی پہنچا سکنا اور اگر اس لوٹ کے گر و مگر د آید الکرسی مجھی کھول جائے تو یہ اکسیر کا تھم رکھتی ہے۔

### ﴿إِنَّ وَلِينَ اللهُ الَّذِي نَوْلَ الْكِتَابَ \* وَهُوَيَتَوَلَّ الصَّالِحِينَ ﴾

جب حضور من الفائلدانية وكبونسلد بيكاركونول كام وادت مع فر ما ياقوا فهول في الموادت مع فر ما ياقوا فهول في الم آب من الفائلة المفارعة ومن ومن الماكر آب ي ميمين الول كي موادت و در كاقوير بت آب من المنافذة المعالمة ويدونسلة كوافعهان بيني من عمد الروقة الشرقفاني في يكر حضور ن من انتائضان منظب وجب و نسلة كوام فرما ياكداس سه تنظم فرمايش أن كفار كو ال الدين قلب من الك مرائض المن المناف الشهب مير سه تقام المورد تناف المناف الشهب الله في المناف 
هیقت این مقام پر اس کل کی ہے ہے کہ اپنے خالفین کی چالوں اور مالات کی گرفت میں چالوں اور مالات کی گرفت ہے کہ اپنے مالات کی مرفت میں برجان شدیوں بگا ہے خالق و مالک کی الجرف متوجہ ہو کر کو ش کریں: اسے اللہ ایم برطرف النے دوڑ آئے ہیں کہ جسے بچہ معیست و پر بطانی کے عالم بیں ابنان حاصل کرنے کیلئے دوڑ کرماور آٹھوش میں جہت جا تاہد اور آئی موروزات ہے کہ جس نے بھی خلوص کے ساتھ ایک قدم تیری طرف برحایا تیری رصوف بیک کرا کے ایک قدم تیری طرف برحایا تیری

## وخواص واعمال

قرب حق ، حضوری مجلس انبیاء واولیاء، عالم اروان سے فیض طلب کرنے ، مز ارات اولیاء سے استفادہ کرنے ، دفقتہ انفیب، تھر اور شہر کے فطام کو چلانے کیلئے یہ آیت بہت اثر رمکتی سے۔

نعاب: نصاب اس آیت کا ۸۳۷۷۲ ہے۔ دومز رات جن علی موجود صاحب مز ال کی ولایت مشہور ہو۔ ایسے تمی مشہور و معروف مز ارپر روزانہ ۱۹۸۱ مرتبہ باروروز تک پڑھنے ہے نصاب ادا ہوجاتا ہے۔ اس کا عالیٰ صاحب مز از کی زیارت سے بمی مستثین ہوتا ہے۔ ایسے افراد جو کمی صاحب حز ارت کسبت بالمئی گائم کرتا چاہیں اقبیس اس آیت کا نصاب ای عزار پر ضرور اداکرتا چاہئے۔ عتم برائے اکتساب فیل :اس آیت کا فتم 581 مرتب بے کھر میں بڑھنے ہے برکات و انوارات کا فزول ہوتا ہے اور اگر کسی صاحب مزاد کے بین کے روبرو پڑھیں آو صاحب مزاد کی آجہے نیشیاب ہول بہال تک کہ شرک نیازیات مجی حاصل ہوں۔

کمی بھی پریشائی سے قوری مجات کیلئے: آپ سنر شدیوں یا مقیم ادر کوئی مشکل آبائے یا کوئی بھی ایک پریشائی یا خطرہ کر جس کا فوری مل ور کار جو تو فوزاوضو کریں اور اس آیت کی حلاوت شروع کر دیں ابھی ایک تھیج بھی ممل نہ ہوگی کہ آسائی دکشاد کی کے اساب پیدا جو ناشر دیا جو جائیں گے۔ یہ ممل بیر اخود کا آز مودد ہے اور جن جن نو کو کو ریا سب نے اس کی تعریف فرمائی کمی محلی کا فوری عل ہے۔ اس آیت کو زبائی یاد کرلیس بہت بہت منید ہے۔

صلوٰۃ السّعادت: اس آیت کو نماز میں سلوٰۃ اسّیح کی طرح کرنہ ہنے ہے حوقِ عبادت بڑھتا ہے، علاوت ایمانی محسوس بوتی ہے ۔ روحانی مداری میں اشافیہ بوتا ہے اور نور ایمانی ہے۔ ...

قلب محلیٰ ہوتا ہے

| 4 | 1. | 11 | 70 |
|---|----|----|----|
|   |    |    | П  |
| ۲ | 10 | ۸  | ۵  |
| 9 | ~  | -  | 10 |

ورخت پر لفکا دیں اور 7 نکش مزید لکھ کر روزاند ایک پیا دیا کریں۔ انشاء اللہ جلد ہی دولوں جس شان مجت پید ابو جائے گی۔ پہلے خاند میں طالب ومطلاب کا نام تکھیں۔ بیال ہے ہے۔

ید حراج بی می احد بر کی اصلاح کیلے: اگریوی بد حراج بو قد و بر یا مل کرے اور اگر شوہر بد حراج بو توبدی کو یا عل کرتا چاہئے۔ سب سے پہلے تو طالب و مطلوب اور آیت کے اعداد کو مربع اقتص میں آئی چال ہے بھر کر کسی نہر ، دریایا ٹی والی چکہ طلا باغیجہ و فیرو میں و فن کریں تاکہ دونوں کے مزائ ایک دو سرے کیلئے نرم ہو چاہی۔ فجر کی فماز کے بعد ایک تشیع مندرجہ بالا آیت کی مطلوب کا تصور کرکے پڑھیں۔ ان شاہ انشد ایک ہفتہ میں آئیں کے افتحاف ختم ہوکر یاہم عجب قائم ہوجائے گی۔ مجرب و آزمودہ عمل ہے۔

﴿ حَسْبِينَ اللهُ آلِ اللهُ إِلَّا هُو " عَلَيْهِ تَوَكَّلْتُ " وَهُورَبُ الْعَرْشِ الْعَظِيْمِ ﴾

یہ سرد و تو یک آیت ہے۔ جس میں حق تعالی آ مجتمرت بنسل انتفاقال تانیہ والبہ و تسلیه کو تعکم

کرتے ہوئے فرماتا ہے: "پی اگر کا فر ان گ مند چیر لیں، حق کی جانب ستو چہ شہوں اور

اس کے قبول کرنے ہے پہلو تھی کریں، تو اے تھے سنے الفقافال منتیہ و بو تمانیا اے مجوب ا

اس میرے محموظ و معصوم ا آپ مل ان سے ، سم کہد دین، خشیب یا الفقاف کا فی ہے بھے اللہ ا

میرے تمام معالمات ہیں، ای لئے شمس کی ہے اپنی امید دن کو وابط کر تاہوں اور شبی کی میں میں کوئی میاد شبی کی فی ہے جائے کا اگل میں میں میں میں کوئی اس کا تائی میں اپنے اللہ کی میں کہا ہے وابط کی اس کا تائی میں اپنے ا۔

میر دو وات کہ جس کے کمالات و تعرف ان تو تو و قدرے میں کوئی اسکا تائی میں اپنے اس میں کوئی اسکا تائی میں اپنے ا۔

میٹی ہے ان کی مجبوویر حق پر دی تو گئی ہے تھی اور دورب اناک ہے۔ العقربی کی طرف ایک تمام تر میں میں کہا میں کہ سے مالوں و ساتوں نے میں کا ماط کیا ہو اے۔

عضرے دالے تحت کا مجس نے مالوں آ سائوں و ساتوں نرمینوں کا اعاط کیا ہو اے۔

شادولی الله محدث و اول رئنة الله تفال منذبه فربات فی کدرب تعالی کی کفایت عام ہے اور انسان کے سب معاملات میں شامل ہے محر اس کے حصول میں جاتیر کا سبب عدم تھین ہے۔ ابدا حسبی الله کے بعد الاله و علیه توکلت کا قرمان ای لئے ہے کہ حسی الله فاہر ہے اور الاالمہ الاحو علیہ توکلت اس کا باطن یعنی اکر بندو اسٹے باطن میں میر بھی کرلے کہ فیس کوئی معبود کر اللہ اور ایے باطن کو توکل کے چے ارشے سے دوشن کرلے تو اس پر رب تعالی کی کفایت جو تمام محاملات میں بندے کیلئے کافی ہے ظاہر ہوگی۔ نیز فرمات ہیں کہ حسیق الله لااله الاهو میں تیرے لئے ٹور حفاظت، ٹور کفایت، ٹورامداد جاری ہے اور نفقة الغيب يعنى اليارزق جوتيرے لئے غيب سے اتارا جائے -وهودب العرش العظیم سے مراد ہے کہ وہ پرورد گارہے عرش عظیم کالینی ودابیارب ہے جس کی صفات كالمدنے كل عالم كو تھير ابوا ہے۔(بواح ،شرح دن الحر)

اس مقام يريز هن والے كويہ تصور ركھنا جاہئے كه ہم ير عرش اعظم سے رب تعالی کے انوارات کانزول ہورہاہے اور اسکی بھیشہ رہنے والی برکات نے ہم کو گھیر لیاہے۔

﴿ خواص واعمال ﴾

جعیت واستحکام پیدا کرنے، طبیعت میں کھراؤ، توسیع رزق، دمشنوں سے حفاظت اور جمع اموركلي به آيت كافي عـ

في سنوى دخت الد تف لا عليه فرات يل كرجو فحف اس آيت كوير ح كااس كى تمام دینی ود نیوی مہمات پیچروعافیت انجام کو پیچیں گی۔ جاہے یہ سیحے ول ہے بیٹنی توجہ ہے پڑھے یا جھوٹے ول یعنی بے تو جی ہے۔ تم دیکھویہ آیت کیاؤر عظیم ہے کہ جس کے واسطے صدق ول کی بھی ضرورت نیش بعتی تصور و مقصد کا خیال درنہ آکٹر اعمال کی کامیابی صدق ول پر موقوف ہوتی ہے۔ یہ آیت تمام ذکر کرنے دالوں کے واسطے بزی رحت ہے اور تمام ونیزی وافروی تظرات وجموم سے اس ش کفایت ہے۔ اس کو پز سے والا اگر چہ تو کل ش قدم نہیں بھی رکھاتب مجی یہ لعت الی ہے جس كا شكر اداكر ناانسان سے ممكن نہیں۔ نساب: نصاب اس آیت کا ۵۰۰۰ م ب- دوران نساب شرعی پر بیز کری مثلاً نماز کی یابندی کریں اور جھوٹ و کینہ پر وری دخیرہ ہے اجتناب رکھیں۔ دور حاضر میں اس آیت کا نساب ہر محض کیلئے لازم ہے۔ کوئی ایس ماجت اور کوئی ایساکام نہیں جواس کی برکت ہے

قتم پرائے بلندی مراتب، حصولی حزت و روز گار: اس آیت کا خم برائے بلندی مراتب، عزت، روز گار میں اضافہ ، رعب و دید به ، عجت، قرت اور اس و امان کیلئے بہت عجر ب بے - ترکیب ہے کہ بے خم ایک گفتی یا تعروکتی و غیر و کے تمام افراد لل کر مجی پڑھ کئے ہیں - پڑھنے کی تعداد 3699 مگر بہ تعداد مجور کی مخطیاں یا دو سرے دانوں پر پوری کی جائے بر جھن اپنی افرادی تسجی و غیر و پڑنے پڑھے۔

و فقع شدائد: مصانب و مختوب سے بچنے کیلئے منج وشام دس، دس مرت اس طرح پر میں کدوس باراس آیت کو پڑھنے کے بعد دس مرتب پر پڑھیں۔ بحنسبی اللّٰه النَّويد حسّسية اللّٰه المعالية القولي المتان بي فاق عمل حسّمية اللّٰه الشّديد دين كافل بالسّو

میر هم سے هم و تکلیف کو دور کرنے کا عمل : تغییر در در العانی میں علامہ آلوی زشند ذائد تف ال مفئد ، فرمات میں کہ ایود اور شریف میں ہے کہ اگر کوئی فیض اس آیت کو می وشام 7 ، 7 مر جہ پڑے لیا کرے اور النہ کھائی پڑھنے والے کیلئے و نیاد آخرے کے ہر تم مو پر بیائی کیلئے کا فی جو جائے کا سلامہ آلوی زشانی ایش فیصل منزیہ فرماتے ہیں کریے بیر انجرب و ظیف ہے۔

و حمیوں کے شرسے حفاظت: جان وہال کی جفاظت ، و شمیوں کے شرکو وفع کرنے کیلئے عشاء کے فرض پڑھتے ہی 41 بار اس آیت کو پڑھتا معمول بنالیں۔ ان شاہ اللہ تعالیٰ و همن ذکیل و خوار اور ناکام ہوتے رہیں گے اور بُرے ادادوں میں ہر کز کامیاب نہ ہوتئے۔

کارو پار میں استخام: روز کارش استخام اور جعیت کیف عشاه کی نماز کے بعد اس آیت کا ایک صحیح ورد کریں۔ ان شاداللہ کاروبار میں مجمی زوال ند آئے گا۔ ایسے افراد جن کو کمپنی نکانا چاہتی ، و اس آیت کو اس ترتیب سے پڑھیں انشاء اللہ آپ کو کوئی بھی نہ نکال سکھ گا۔ بارہائی آزما یا ہوا مجرب ترین د کھینے ہے۔ کاروبار خوب چلے: کاروبارہ تجارت میں ترقی کیلئے ہے عمل آز مودہ ہے۔ نی العباح بیدار ہو کر وضو سیجئے اور فیر کی منتیل پڑھ کر فرض سے پہلنے 141 مرتبہ اس آیت کو پڑھنا اپنا معمول بنالیس۔ اس عمل کو جن دوستوں نے بھی پڑھاا کمدندہ وہ کامیاب اور تو شحال ہوۓ

ہر اللہ کے دورول کا طلاح: یہ تحق ہر اللہ کے دوروں بالخصوص سحرے ذرید جنات کو

| رپالعوش<br>العظيم   | توكلت رهو           | الاهوعليه          | حـيى الله<br>اله  |
|---------------------|---------------------|--------------------|-------------------|
| حسبى الله لا<br>اله | رب العوش<br>العظيم  | توكلت رهو          | الاهوعليه         |
| الاهوعليه           | حسيى الله لا<br>اله | رب العرش<br>العظيم | تركلت و هو        |
| توكلت رهو           | الاهوعليه           | حسبى الله          | رپالعرش<br>العظیم |

مریش پر ڈالے جاتے بیں ان کا مجرب علاق ہے - لکھ کر مجلے میں پیٹائس - انشاه اللہ تعالی کسی مجمی طرح کا دورہ مریض کونہ پڑے گا۔

پرائے جیچ حاجات و دفیع اعداہ: جو مخص بیا ہے کہ مصائب نے نمات حاصل ہو، اعداہ فکست نے دوچار ہوں اور جج حاجات اسکی پوری ہوتی دیں تواسکے لئے اے جائے کہ دوزانہ 146 مرتب حسیق اللہ پڑھا کرے۔ ہرمیدان ٹمس کامیاب ہوگا۔

عمیت نو چین کیلیے: او چندی شب جد کوشر دع کریں۔ آد می رات کر رہائے کے بعد تازہ وضوکریں اور دور ایک عن طل حاجت کے پر حیس۔ بعدہ 30 مرتبد یہ آیت پر حیس اور اس کے بعد اگر مرد ایک یو کا کیلئے پڑ حتاب ترین کیل: اللّٰه شائف الدون شنبی (یوی اور اسکی ال کانام) آغیطف قلبَها ایک و و گلگها ایک اور اگر یوی این خاند کیلئے پڑھ رہی ہے تواسطر سے کیے: اللّٰهُ اُلْتُ الدُولِ شنبی (خاوند کانام مع دالدہ) الفیفف قلبُ اِنْ وَ قَلْلُمْ اِنْ

جح ماجات مل كفايت كرف والاعظيم المنافع تعنى: جندالعرش حزب الحرش ہے کہ مین احداد وق رضة الدون ال منائد فراتے إلى كداس آيت كا تعويذ عجيب خواص ركمتا ے ۔جس کے پاس بید فقش ہو گا اللہ تعالی اسکو جمع آقات و حادثات سے محفوظ رکھے گا۔ مشک و عنبر اور عرقِ گلب وز عفران سے سے تیار کر دوسیای سے طالع عقرب کے وقت لکھ کریاس رکھنے سے مکوار ، کولی یا کسی مجلی فتم کا ہتھیار اڑ نہیں کر تا۔ اس تعویذ کو لکھ کر اس رکھنے والا لو گوں میں معزز جو جاتا ہے ، و شمنوں کی زبانیں بند ہو جاتی ہیں، خو فاک مقامات پر حفاظت رہتی ہے ، جن وانس پر ہیت پڑتی ہے ، جنّات صاحب نکش سے دور ہو ماتے ہیں، اگر کسی عورت ہے زناکے صدور کا اندیشہ ہو تو لکھ کر طاعمی ہر گز ہر گز زنانہ كر كى، لكه كراساب من ركه دياجائ تواساب آك لكنه وج رى سے محفوظ رہيں عے ۔ لكم كر بارش كے يانى سے و حوكر باغ ض ڈالا جائے آت كھل زيادہ بوں اور كر كر ضائع مجى نہ بول ، جسكو خوف محسوس ہو تا ہو لك كر د حوكر ياؤخوف دور ہو جائے گا ، دلبن ياجو بھى اسكواپ یاس رکھے اس پر نظرید و جادو کا ہر کر اگر نہ ہو، قیدی کیلئے وقت سعید میں لکھ کریاس ر کھنا نجات كاسبب، اكركى ير جادو بو تولك كرد حوكر اسط بانى الصصور كو عسل كراياجات تو جادو کے اثرات فتم ہو جاتے ہیں ، لکو کر مکان کی حیت پر دبادیا جائے تواس گھر میں مجھی چور واخل نہ ہو سکے گا، مختوں کے وقت لکھ کریاس رکھتے سے مختیاں زی میں بدل جاتی ہیں، کی قوم کا سر داریا فوج کا سربر اہ لکے کریاس رکھے تو مجھی دہ قوم یافوج فکست سے دوجار ند ہوگی، کی زہر خوردہ کو دھو کر پایا جائے تو وہ اچھا ہو جائے ،جو کی عورت سے تکاح کی نیت سے لکھ کریاس رکھ توبہت جلدوہ عورت اسکے فکان عن آجائے، جعد کے روز لکھ کر جواے ہے اس کابدن ہر طرح کی بیاری ہے محقوظ اور تندرست رہے گا، جس کی شادی نہ ہوتی ہو خواہ بندش کی وجہ ہے جی کیول ندہو اے چاہئے کہ سات جعد اس فکش کو دھو کر اس کے پانی سے عشل کرے، سات جعد کے اندر اندر اسکا لکاح ہوجائے۔ ملتش بیہے:

### وُمُودُ اللَّقِينِ شَهِ حِزْبِ الْهَحَ

| لعظيم | الله      | עונג         | الاهو       | عليه         | توكلت        | cáe          | رپ        | العرش     | لعقيم  |
|-------|-----------|--------------|-------------|--------------|--------------|--------------|-----------|-----------|--------|
| العرش | حسين ا    | يالمؤمنين    | رعوف        | رطيم         | فان          | تولوا        | UE S      | حيق       | اشه    |
| رپ    | تقل       | عليكم        | عزيز        | عليه         | ما<br>عنتم   | حروس         | عليكم     | ياليؤمنين | צונה   |
| , 60  | تولوا     | عريص         | انفسكم      | رسول         | من           | انفسكم       | عليز      | رءوف      | الأهو  |
| توكلت | قان       | ماهنتم       | من<br>آگارد | لقد<br>جاثكم | لقد<br>جائكم | رسول<br>(202 | عليه      | رخيم      | حليه   |
| مليه  | رجيم      | -            | رجول        | لقد<br>جائكم | نقد<br>جائکم | <b>5</b> *   | مامنتم    | هان       | تركلت  |
| الأهو | رموف      | <u> 16</u> 2 | انفسكم      | من           | رسول         | انغسكم       | سريس      | تولوا     | وهو    |
| צונ   | پالمؤمنين | ميكم         | حريص        | ما<br>عنتم   | عليه         | <u>Lýa</u>   | مليكم     | Œ         | رپ     |
| الله  | حسيى      | 380          | تولوا       | قان          | ارحيم        | ردوف         | بالبؤمئون | حسيان     | العرش  |
| العظي | العرش     | رپ           | jas .       | تركلت        | عليه         | الاهو        | لاالم     | الله      | العظيم |

جی حاجات کیلے: حضرت شاده الله رود الله الله فرائع بی کداس آیت کو جس اسم الی کے اعداد کے مطابق پڑھیں گے یہ ای کے خواص کو ظاہر کرے گی۔ مثلا اگر کسی کو روزگار کی حال ہے جو اے چاہئے کہ اس آیت کو اسم رزاق کے عدد کے مطابق کی ہی ۲۰۸ روزانہ پڑھے اور اگر جی امور عمل کافاجے کے عدد کے مطابق اسم کافی کے عدد کے مطابق ااام جید پڑھیں۔ حصول علم کیلئے اسم عظم و دشموں پر غلب حاصل کرنے کیلئے تھا۔ اور حفاظت کیلئے اسم حفیظ کے عدد کے مطابق پڑھنا چاہئے۔

### ﴿ بِسَمِ اللهِ الَّذِي لَا يَفُنُ مَعَ اسْمِهِ شَيْ فِي الْأَرْضِ وَلَا فِي السَّمَاءِ وَهُوَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ﴾

ينيم الله الذين : ال الله ك نام ب جس كى بركت به بركت وهوندا مول عن الله الله ك نام ب ك ركت و من الله الله ك نام ب حس كى بركت به بركت وهوندا مول عن الله ك نام ب ك ك بركت به برك بركت به بالله ك نام ياذكر ك ساتحد و في الله بالله ب

ید دعا ان طقیم اذکار شن سے بے جن کی ہر مسلمان کو ضح اور شام کے وقت پایندی کرتی چاہیے تاکہ اللہ تعالی کے عظم سے اچانک بہنچے والی بلائوں، مصیبتوں اور نتصانات و فیروسے مفاقت و سکنے۔ آخصرت نیلی اعداد تعالی عالیہ و بدائلہ نے فرمایاجو محفی محج وشام تین مرتبہ ید دعایز ھے گااللہ تعالی اس کو بربلائے تا گھائی ہے محفوظ ارکے گا۔

امام آر ملی رسة الله تعان صلید اس مدیث کے بارے عمل کتے ہیں: یہ حدیث میں کے اس میں کتے ہیں: یہ حدیث میں اس مدیث کے بارے عمل کتے ہیں: یہ حدیث میں اور کیل اور ترب کے بر دو المرح الله کا مینان ہے؛ کید کلہ عمل نے جب سے یہ روایت کی تمی عمل پائندی سے یہ روایت کی تمی عمل پائندی سے یہ دعا پڑھا کر تا تماه کیر چیس یہ دعا جھ سے چھوٹ کی تو تھے مدید میں رات کے وقت ایک بھونے کا اس ایل میں نے توب سوج و بھار کی تو تھے یاد آیا کہ عمل نے ان کلمات کے در لیے اللہ تعالى کہنا ماصل میں کی حجم ہے۔ انتخاب ارد (2001)

یہ جلد بر ضرر دہر بیادی اور بر طرح کے شرکو دفت کر دیتا ہے لہذا پڑھ دالے کو چاہئے کہ جب اس مقام پر آئے تو دل جس کے ساتھ اس جلد کو پڑھے اور تھین کرلے کہ اب کوئی شئے چاہے زمین پر ہویا آ سان میں جس نقصان نہیں دے سکتی کے تک جس کی پناہ میں ہم آگئے ہیں وہ سنا ہے وہ سب جو ہم نے کہا یاج ہم نہ کہ سکے اوروو جانباہے خوب ایکھے ہے اس تدبیر کو جس ہے دفع کی جاتی ہے بروہ شئے جو ہمارے کے ضرر و تکلیف کا باعث ہو۔

# ﴿ خواص واعمال ﴾

یہ دعاد فع کرنے ہر محسوس ہونے والے ضر رکوسٹاؤ تھر وجاد وجمکا اثر ظاہری اسباب پر ہو، در دیدن ، بد آدی و در ندوں کا خوف ، زہر کی اشیاء یا غذا کے معفر افرات بالخصوص ووغذا جس پر سحر کرنے کھل یا کیا ہواس کے دفعہ کیلئے بہت تجرب ہے۔

یہ عمارت شفاہ امر اس کیلے نہارت جرب ہے۔ یمل اس کے عالمین سے طا ہوں اور ان کو ایسے امر اس کا طابع کرتے و یکھا ہے جن کو تمام طبیبوں نے لا علاج قرار وے ویا تھا۔ شفاہے امر اس کیلے اس سے ہمتر محل طابش کرنا ہے مود ہے۔ روسے زشین پر شفاکا بہت بڑا محل ہے۔ اسکے چند انحال و نصاب جو میری معلومات میں چی بیہاں ورج کرتا جوں تاکہ اپنی استعداد کے مطابق جو چاہے عمل مرکے۔

قدم شریف: اس عبارت کے فتم کی تعداد 730 ہے۔ کوئی ایک فرد یا کی افراد مگر مجی پڑھ مکتے ہیں۔ مگرو زیمن وغیرہ سے توست دید بر کی کو دور کرنے کیلئے پڑھا جاتا ہے۔ ایسانسان جو بہت محنت کے باوجود مجمی کامیاب شدہو رہا ہوا سکے لئے ہمی بہت مغیر ہے اور ایسامر بیش جس کے مرض کی مجھ نہ آئی ہوئیا جس کو سمائے نے لاعلان کہد دیا ہو اس کے لئے ختم شریف کا دم کیا ہوایائی ان شاہ اللہ علاج شائی خابت ہوگا۔ عمل دافع امراض وسيف زبان: يرم الا ايك الكه يجيل بزار مرتبه فواد عال يل

| 1-11 | 15-66 | MAN | rrr          |  |  |
|------|-------|-----|--------------|--|--|
| 1012 | rro   | 9   | ١٣٥٥         |  |  |
| ran  | 19++  | urr | ∠ <b>∧</b> 9 |  |  |
| Irr  | 444   | 014 | 1449         |  |  |

لکسیں خواہ 2 ماہ عمل ہے آپ کی مرضی ہے لیکن لکسٹاز عفران سے ہے اور تھم نیا ہو۔ اب جس دن سوالا کھ کی تعداد پوری ہوجائے ای رائے سے بعد نماز عشاہ 300 مرتبہ ہے عبارت 40 شب پڑھنی ہے۔ چالیس دن بعد جس مریش

پر دم کریں گے فوری شفاہو گی ، دواہے پہلے ہے عمل اپنی تا ثیر ظاہر کر تاہے۔ونوں کا علاج مھنوں میں ہوتاہے۔

عمل واقع امر اص : لی کاعل 737 مرتبه 40 دوزیک قبله رخ او کر ساعت عطاره بش پر هیں۔ ساعت عطاره بش می پر هنامیه دن رات کی کوئی قبله قبیس۔ عمل کے اقل و تخرید درود شریف 1 ، 13 امرت یا یاشانی پڑھیں۔ عبارت اید ہے۔

> بِسْمِ الله الدُّهُونِ الرُّحِيْمِ لاَ يَشَعُ مَمَّ اسْمِ شَيْقِ الْأَرْضِ وَلَا فِي السَّمَاءِ اَجِبْ يَادُرُ وَالنِّيْلِ مِثْنَ يَاقَافُ

عمل کے بعد کمی بھی دروکیے 3 ہار پڑھ کردم کر دیں دروای وقت مخم ہوجائے گا ۔ کمی بھی بیاری کیلئے چند کھونٹ پائی پر 7 باروم کرکے سر یعن کو پائی سر من بھی بہت فائدہ ہوگا۔ اگر سر من کی شدت ہو تو 3 دن کے وقتے ہے چھرا سے ہی وم کریں کل 21 ہوم بھی سات سر تبہ وم کرنے ہے سر من ختم ہوجا تا ہے۔

عمل سلمب امر افن: مندر جد ذل کلام بالیس دود 1364 مرجه روزانه پوهیس-اس سے عال ش سلمب امر افس کی قوت پیدا ہو جاتی ہے۔ یہال بحک کے عال کے پاس پیلیف سے بی مریض کو محسوس ہوتا ہے کہ مرض کی شدت میں کی آری ہے۔ اس عمل کاعال اگر پوری توب ادادی ہے مرض کو صرف ہے کہ دے کہ اے مرض اس مریش ہے دور ہوجا تا مرض مریش کو چھوڑ دیتاہے۔ سوائے موت کہ بدعمل ہر مرض کا طابق ہے۔ بینیہ الله شابی بینیم اللہ کافی بینیم الله متعالی بینیم الله الذین کا تیشٹر مُدَمَّ الله به شَرَقِیْ الأزْض دَرَقِق الله عَلَيْ اللّٰهِ عَلَيْهِ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ عَلَيْهُ اللّٰهِ عَلَيْهُ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ عَلَيْهُ اللّٰهِ اللّٰهِ عَلَيْهُ اللّٰهِ الللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ الللّٰهِ الللّٰهِ الللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ الللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ ال

نظر پد کا تعویذ: مندرجہ ذیل تعویذ کسی مجمی روشائی سے طلوع آقاب، زوال آفاب و غروب آقاب کے وقت ایک مرتبہ لکھ کریائی میں مکھول کیں۔ یہ پائی اور تعویذ آگ میں ذالدیں۔ سات روز کا عمل ہے مینی یہ اس فقش کی سات روز کی زکوۃ ہے۔ سات روز بعد جس مریض کویے نفتش و عفر ان سے کھی کر محمول کریا تاہم کے فائد وہو گا۔ فقش یہ ہے لا لیفر لا لیفر سے اس ماشڈ ٹی مع اسم افشہ ل ای مقر م ع اسم الل و ش کی

یرائے بد خوالی، فیند شین ڈروخوف سے تھات کیلئے: مندرجہ ذیل کلمات کلے ش پیشن یادائی بازد پر بائد میں اگر ایشانہ کر سکیں تو لکھ کر موم جاسہ کر کے سربانے رکھ لیں۔ انشاداللہ ہر طرح کے ڈرادرخوف سے نجات کی جائے گی۔

بسم الله الرحين الرحيم وَكَحَوَلُ وَكُوكُواْ وَالْإِيلُهُ الْعَلِيَ الْعَظِيمِ بِسُمِ اللهِ الَّذِينَ لَا يَشَنُّ مُنَّمَ اسْهِ شَرِقِ فَ الْآرَ فِي وَلَاقِ السُّنَاءَ وَهُوَ السُّينَةُ الْعَلِيمُ اعوذ بالله من الشيطان الرجيم وسلى الله تبعالى حلى عور علقه سيدنا معمد وعلى آله و صحيه وسلم اجتمزن لوچ میارک، نیه کنش ایواپ سعادت اس پر مفتوح بو، بمتج امرانش ، سایه و آسیب سے محفوظ رہے ، دین وونیا کی نفتین هامش بول ، زندگی میش و عشرت سے گزرے ، ٹوست از محالات حدید روال سے محفوظ میں م

|             |        |      |        | بیار کان ور جعت اکمال سے معوظ رہے۔ |            |      |      |      |       |
|-------------|--------|------|--------|------------------------------------|------------|------|------|------|-------|
| سميع العليم | السميع | وهو  | ولافي  | في                                 | مع         | Y    | الذى | الله | -     |
|             |        |      | السهاء | الادش                              | اسمه<br>شق | يضر  |      |      |       |
| **          | 454    | **   | DEA    | كافي                               | 124        | 1174 | 1-1- | 10   | 25    |
| 10          | 1-64   | arm  | 31     | OF                                 | FIT        | 125  | IIro | 775  | 200   |
| 1-1-6       | arr    | 1-17 | AF     | IN                                 | 200        | rje  | 140  | 1159 | 109   |
| ara         | على    | 14   | 3      | PHI                                | 1.00       | 200  | r.A  | 141  | HEF   |
| 1-4         | 41     | 200  | 1.00   | orr                                | HEA        | FIT  | 4    | 1.4  | 140   |
| HEA         | 144    | 4.4  | 444    | 1-174                              | FOA        | 11   | 40   | 100  | ora   |
| 707         | HEL    | 149  | 1.4    | zer                                | حو         | 4.   | 1-9  | ary  | 1. PA |
| 47A         | ryo    | urr  | 14.    | r.0                                | باسط       | 1+4  | or.  | 1.19 | 1.    |
| طس          | IP     | 1.00 | m.     | 122                                | 1.0        | ori  | 104  | 444  | 1-9   |

### ﴿ وَلَاحَوْلَ وَلَا تُوَةً إِلَّا بِاللهِ الْعَلِيِّ الْعَظِيمِ ﴾

وَلَا حَدِيلَ : اور شیس ب طاقت ، بعیرت ، مبارت شخابوں بے بیچنے کی بانیک کام کرنے کی۔ وَلَا هُونِوَّا: اور نہ تو ت بے بی بات قدم رہنے کی ، اطاعت کی ۔ اِلَّا بِسائدہ : مواسے اللہ کی مدو کے ۔ جو تمام طاقتوں اور قوتوں کا مالک ہے اور تمام صفات کا جامع ہے۔ القصیلی: بہت بلند کی والا ہے ۔ المفطیقیم : بہت عظمت والا ہے۔

مسلم المسلم الم

ا ما دیث مراد که میں اس کلمہ کی بہت فعیلت بیان کی گئے ہے چاتی و سول الله د ا انداز شان مذابہ و تعلق نے فرمایا ہے کہ لاحقول آو کھؤڈا اُلا پیانشو زیادہ پڑھا کروہ کیو فک یہ نزان جنت میں ہے ہے (بیان ترزی) کی جمی اربی و تحق باد کا چیاری میں کر قبار ہوئے کہ وقت کمیٹو سے لاحقول آو کو ٹھڈڈا اُلو پالٹھ پڑھا کرو ( مائم بالر ان فی انکہ) ہو چھٹس یہ کل پڑھے اس کمیٹے یہ تانوے 44 دکھ جاریوں کی دواج ۔ جس می سب سے جمل جاری گلرو پر بیٹائی ہے (مائم میں اید بری ا ریش و بریش میں میں شی فی زمانہ ہر حقی میٹلا ہے۔

حضرت الومريروزين الله تعالى فقف روايت بي كدرسول الله منل الله تعالى منديد ز بد وَسَلَمَ نے مجھ سے فرمایا: میں حمہیں وہ کلمہ بٹاؤں جو عرش کے نیچے ہے اتر اے اور جنت کے خزانوں میں ہے ہے، وہ ہے لاَحُولُ وَلاَحُوَّةُ إِلَّا ہاللّٰہِ جبِ بندو( ول سے یہ کلمہ پڑ متا ہے تو) الله تعالی فرماتا ہے کہ یہ بندہ میر اتابعد اراور بالکل فرمانبر دار بوگیا۔(وم ات بمبر نسبیتی) حضرت عبد الله بن مسعو درض الله تعالى عبد فرمات بيل كه بيل أيك ون رسول الله نسل الله تعالى منيه والبه وسلم كي خدمت الدس يس حاضر تما الفاتا مرى وإن يان عد كالاقو حضور صَلَ اللهُ تَعَالَ مَنْنِهِ وَهِم وَسَلَمَ مِنْ فَرِما مِا تَمْ جائعت ، واس كر كما معنى إين ؟ \_ بيس في عرض كي الله اور اس كر رسول على الله تتعالى عليد ذهد : علد على جائة إلى ررسول الله على الله على المدينة والمديد والمد وَ اللهِ مَنْ اللهِ اللهِ تعالَى كَ حفاظت على بغير كمن الخص كوالله تعالى كى نافرمانى عربيخ كل قدرت نہیں اور اللہ کی مدو توفیق کے بغیر کمی مخص کو اللہ کی اطاعت کی طاقت نہیں۔ (بزاز) بعض مشائخ طریقت فرماتے ہیں کہ عملی زندگی کو درست کرنے اور سمج راہ کو متعین کرنے بیل یہ کلمہ خاص اڑر کھتا ہے۔ یہ دعائے جزب البحر کا آخری کلمہ ہے اور مقام مجزے کہ اے رب! جن مراووں کو تجے ہے طلب کرتے ہیں ماری واتی کو کی مت و قوت نہیں کہ انہیں حاصل کر سکیں اور جن شر ور کو د فع کرنے کیلئے تیری بار گاہ میں عرض کرتے ہیں ان کو دور کرنے کی مجی ہم میں اپنی طرف ہے کوئی طاقت نہیں سوائے اس کے

### زُمُوذُ النَّسَرِقِ شَرِجِ جِزْبِ الْبَحَ

کہ اے کر یم تو اسپے فضل کا ہاتھ ہم پر رکھ دے کیو تھہ کہ جب تو فضل فرما تاہے تو بلندیاں نصیب ہوتی جیں اور عقصتیں قدم قدم پر انسان کا مقدر بٹی جیں۔

# ﴿ فُواص واعمال ﴾

یہ کلے رد کرنے رجعت ، بردعا، اور ایساسحر و نظر جو غیر محسوس طریقے پر اثر کرے اور ہر غم و پریٹانی کو دور کرنے ، امر ائن قلب و جیج مقاصد کے حصول میں اثر عظیم رکھتا ہے۔ فعالی: نصاب اس کا ۱۰۰۰ ہے۔ جے ۱۰روز میں اداکیا جاتا ہے۔

محتم شریف: اس کل کو بطور مختم 7910 مرتبه پر حاجات به فروید افاق کو دور کرنے، امر افع جی شفاء، قیدی کی دہائی، و سعت درزق، دفع سحر درجعت کیلے مجرب بے۔

چر مقصد من کامیانی کیلے: جو محض بے جابتا ہوک اپنے متعد میں کامیاب ہو جائے اس کیلئے بید عمل بارہاکا جرب اور آز مودہ ہے۔ بعد نماز مضا دابسامتام جہال روشی کم بو دوزانوں جیئے کر 600 مر تید بید کلد پڑ عیس ۔ 2 روزش ان شاہ اللہ تعالی متعد ہوراہو جائے ہو گا۔

کام شین دل لگانے کیلیے: اگر کسی کا دل کام ٹین در اگنا ہوا ود طبیعت میں غیر مستقل مزاتی جو یا روز گار میں محت و مشتقت سے دل تھا۔ ہوتا ہو آ ایکے لئے یہ طریقہ بہت مجرب ہے۔ ہر لماز کے بعد ہر بار بسب الله السوسان السوسيم کے ساتھ يہ کلمہ 20 مرتبہ پڑھيں۔ انشاء اللہ تعالى کام عمر دل کے گا اور ہم کر کام کرنے کی عادت کئی پڑنے گی۔

پریشان کن خواہوں کیلیے :جن کو پریشان کن خواب آتے ہوں یا موتے ہیں ایسالگاہو کہ سینے پر کوئی ہوجھ ہے یا بھمش محموس ہوئی ہوتو انھیں جاسنے کہ مونے سے کچل 30 مرتبہ ہے مہارت بسر پر لیٹ کر پڑھیں اور سینے پر وم کرکے موجائیں۔ ےووڈ مسلسل کرنے سے ہر طرح کے خوف وڈ رے مستقل آدام آجا تا ہے۔ پر استے عمر ولاوت: اگر ولادت عن دخواری ہو تواس عبارت کو مندر جه زیل طریقتہ ہے لکھ کر عورت کی چیٹائی پر رکھ دیں۔ فرزائیجے کی پیدائش ہو جائے گی۔لیسسلوك والیسسنوك كخول دُوكخۇ قاراتو بالله الْعین الْعَظِیْم

گلتی خاص الخاص گلتش معتر : جادو ، جنات ، نظرید و تعویذات کے تو کیا تہا تہا ہے۔ جمر ب الجرب تعش ہے۔ آسی الرات و مرکی کے دورے کیلیے جمی مند ہے۔ یہ تعش معشر بطریق جنر لا حولا و لا تو تو کے علاوہ چند دیگر عمار توں کے اعداد سے بنایا کیا ہے۔ میرے امتاد محترم حضرت علامہ نور الجدریاض صاحب و است برناتم کیا عطاکر وہ ہے اور ان کو ان کے امتاد محترم حضرت محتم مشرص الدین صاحب و رشام نے عطافی القال

جس تھریں جادہ یاجنات کے سب لا ان جھڑاد ہے برگٹی او دہاں ہر کرے میں یا داخل درداذے پر چہاں کرنے سے سکون دامن او جاتا ہے۔ اگر کوئی مریض چھوٹا یابردا خلل آسیب یا جنات نظر یدکی اوجہ ہے پریشان ہو تہ کلو کر گلے میں پہنا دیں۔ ان شاہ اللہ بالکل تحدرست او جائے گا۔ دوکان و کاردیاری جگہ پر لگائے ہے روز گار میں برکت ہوئی ہے ادر وہ مقام نظر، جادہ جنات، حاصد بن کے صدعے محفوظ ہوجاتاہے۔

امراض عیں ڈپریشن ، تلی جاری ، دحی الفاصل ، ہر مہلک مرض اور ایے امراض جور جعب اعمال یار جعب بیارگان سے پیدا ہو گئے ہوں ، ان کیلئے شاتی وکائی ہے۔ فقیر راقم الحروف تقریبا ہر مرض کیلئے اس تعقیمت استفادہ کرتا ہے۔ الحدوث نہایت تجرب و مقیم الفع گلائل ہے اسکی قدر کرتی جائے۔ لفن اسکھ مسنے پر طاحظہ فرمائیں۔

| PAFI | IZMA | 1406  | 1200  | 1200  | ITOO | IZMY | 1705 | 120  | 170. |
|------|------|-------|-------|-------|------|------|------|------|------|
| 125. | VELI | 14-4  | ודדו  | 1200  | 120  | ואאר | 12FF | 1441 | 1779 |
| 141. | IZTI | 1422  | 1244  | 1120  | 1725 | 122  | 1727 | 1764 | IZP  |
| 1744 | 1211 | 1217  | 1705  | 1410  | 1411 | PAFI | PTAZ | 1214 | IYA• |
| 14.9 | APPI | 12.5  | 12.5  | 1790  | 1796 | 1797 | 12.2 | 1791 | 1200 |
| 149- | 12-1 | ITAT  | 1445  | 12.0  | 14.1 | 14.4 | 1194 | 14-1 | 1799 |
| 1419 | IAFI | IYAE  | iZIY  | יאאר  | OAFI | 1411 | 1414 | AAFI | 141- |
| 1420 | 1721 | 1272  | 1727  | 140   | 1410 | 1421 | 1477 | IZTA | 1429 |
| 144. | ILTA | 1775  | 141   | ואאני | OFFI | 1200 | 1442 | 1471 | 14-9 |
| 1419 | 1401 | المهر | ואסדו | HOP   | 1250 | POFI | 1477 | MAKI | 140. |

موافقت زو چین: یه عمل فی زماند بهت صروری ادر جارا تجربه شده و مجرب عمل ب-ایے جوزے جن میں اختلاف بیارگان معددی نامنا سبت یا عناصر کے باعث اختلاف رہتا ہو ان کیلئے یہ عمل تیار کرنا چاہئے۔ اس عمل کو تیار کرنے کے دوطریقے ہیں۔ جس طریقے سے آسانی ہو تیار کرلیں۔

سر کیب الال: حزب الحرکی و دعمار تیمی یعنی طب واسم حدصت سے بیندیان تک اور خاشد شدید سے السراحدین تک کے اعد او تکالیس۔ بعدہ طالب و مطلوب کے وہ تام جو لکا آثا میش درج بیں ان کے اعد اواور ان کا عاد اعظم نکال کر طاصل شدہ عمار توں کے اعداد میں جج کرویں۔ مجموعہ کو دی گئی چال کے مطابق مخس طائی الوسط شدہ مجری اور کل اعداد کے حروف بناکر آئے کلے آئیل لگا کے مؤکل بنائی اور اسے خانہ خالی مش لکھ دیں۔ جس وقت

#### وُمُودُ النَّصَرِقِ شَرِحِ عِزْبِ الْبَحَر

طالب ومطلوب کے کواکب بھی نظر متلیت یا تسدیس قائم ہو اس وقت یہ تفش بنانا چاہئے یا جعد کے روز ماعت زبرہ میں لکسنا چاہئے۔ تفش طالب ومطلوب دو ٹوں کو دیں کہ اسپنے پاس رخمیں یا ایک طالب اپنے پاس اور دو مرا مطلوب کے تکیے میں رکھ و سے طالب و مطلوب کے تام کے حروف میں 14 عدد مجھ کر کے جرججوں آئے اس کے مطابق یہ آ ہے۔ شااللہ عہد حافظان و صواد معم الداسعین کو دوزائد پڑھنا معمول بتالیں۔ اس عمل کی بر کرت سے دو ٹوں میں انشا دائشہ افشتہ عظیم پیر ابو جائے گی۔

رو مری ترکیب: مندرجہ بالا بیان کی گئی عمار توں ہے اعداد نظال کر مراح جریں۔ اب طالب کے اعداد میں ۱۳۲۰ کا اشافہ کر کے ۱۳ کا اشافہ کر کے ۱۳ کا اشافہ کر کے ۱۳ کا اسافہ کی عمار اس ۱۳ کا اسافہ کر کے ۱۳ کا اس ۱۳ کا محتالہ دکا اشافہ کر کے خانہ ۱۳ کا انجریں۔ اس کر کی اداد میں ۱۳۸۸ عدد دکا اشافہ میں اور جمود کا اسفی میں ہے ۲۳ کم کر کے خانہ ۱۳ کا انجریں۔ اس محتق محمل ایو کی اس اس مصدول ۱۳ کا انجریں۔ اس احتران شرو سفر کے کا اس بیان اور آئے ہے گئے دی ۔ یہ تعق مجمل اور کے گئے دی ۔ یہ تعق مجمل میں اور آئے ہے گئے دی ۔ یہ تعق مجمل میں اور آئے ہے گئے اور کی سر کے اس کا تو استحال میں موالہ اور آئے ہے گئی اس کا تو استحال میں عالمین کہتے ہیں کہ ان کا تو استحال و مساب دی میر اس کے ان کا تو استحال و مساب دیمرہ خیرہ خیک میں جس کی دجہ ہے ان کا تواہ شکل ہے۔ ایس کئی رہتے ان اعمال کی مساب دیمرہ خیرہ خیرہ خیک میں جس کی دجہ ہے ان کا تواہ شکل ہے۔ ایس کئی رہتے ان اعمال کی مساب دیمرہ خیرہ خیرہ خیرہ خیرہ خیرہ کی ہے۔

تیمری ترکیب: یه ترکیب مندرجه بالایان کے کئے طریقوں ہے آمان ہے۔ تزب الحر کی دوعمار تیم میخی طب طب تعدید استعمال کی دوعمار تیم الفاق المورات الدامسين کے اعداد تكاليم بعدد طالب و مطلوب كے دوج مجد كال تاسد عمد درج چي ال کے اعداد مح والدہ يا والد ليكر عمار تون کے مجمو في اعداد عمل بھی کرلیم سے مصر کے دوز ساحت زيرو عمل پانچ تشک تيار كريم ايك طالب كودي اور ياتي جار ارفع متامر پر استعمال كريم ۔ الحدوثة على احملت و بنفضل سول سل دند به الدم دعائ حزب المحرك المرت مع اعتال و فنا أقف يبال محمل به و في الشرق على الناس المحمل به و في الشرق الله فنا أقف بهال محمل به و في الشرق الله فنا أقف بهال محمل به و في الشرق و عالى الهيت و الفاويت على بالمجلل على به بناس على المهام الماد و المحال الله بها المحمل الرود و فيان على الماد و المحمل الماد و المحمل المواد على بالمحمل بوقت متر و المحال كالم بي حزب المحمل المراد كا سند د ب المحمل محمل من على محمل المواد و المحال كالم بي حزب المحمل المراد كا سند د ب المحمل على المحمل المواد و المحال كالمواد المحمل المواد المحمل الم

وَصَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَى سَيِّدِنَا مُحَمَّدِ وَعَلَى اللهِ وَصَحْبِهِ وَسَلَّمَ

التاري الماسية



مسادری سے

حزب البحر سے تصرف کرنے اور مراوات کے حصول کیلئے اکارین نے اس وہا ٹس چند مقامات مختص فرمائے ہیں، جنہیں اشارات حزب البحر کہا جاتا ہے۔ حزب البحر پڑھنے والے کوچاہئے کہ جب ووان مقامات پر پہنچے قوابے مقصد کے مطابق اشارات کو منتخب کرے تاکہ اپٹی مراد کو حاصل کر سکے۔

تخیص المعارف بس عارف بالله هیخ حسن ملمی الشادی زشده الد تشاد خند بند فی احمد زروق زشت نشد نشد نشد الما خند به کا قول لقل فرمایا به که حزب الحرکانصرف نیت واراد س ک ساتھ ب چیسے کہ جلب القلب اور و خیادی براس الرائے جسول کیلئے و سخرانشا هذا البحد پ مقعد کی نیت کرنی جائے۔

وَ لُولِو اُولِو الْكُولُا فَسَيْعِيْدُا : جب اس مقام پر پنجیس او اندا فَدِيدَ ان بِحد کردا جنها آه کی ا شهادت کی افتی آ مان کی طرف بلند کرے اس طرح ترکت ویں کہ جس طرح از لالہ کی جم کو با ادیتا ہے۔ یہ اشارور محقیقت بالحق کیفیت کا اظہار ہے کہ ہم پر آنے والی پر بطانوں نے ہم کو اس طرح بالادیا ہے جس طرح از لالہ برھے کو بالکرد کا دیجا ہے اور اسے دب اس کیفیت کے ساتھ ہم تیری کی بی طرف سرچوں کرتے ہیں کیا تھ تو ہی انتہیں تا ہے واللے۔

تَحَيِّعَتُهُا وَالْمُصْمِعُا: ال مقام بِالْمُعْدِقَ الْمُوتِينَ الرَّبِي يُوحِين اور يؤجع وقت جس عاجت كيلة حزب الحريزة ورب بين اس مقصد كے حصول كيلة رب تعانی كی د وكا تصور كريں۔

وَ سَيْعِيلِكَ الْمُسَلِّعُ الْسَيْعَيْ: اس مقام ير لَمْ فَاالْسَبَعْنَ كَيْجَ وقت ابنَ مر اوكانيال ول عن لاكي مثاروز كار رشت ، تنخير فاص وعام وغيره -

و سین کشا کی ایسی در اس مقام پر اان تمام درآتی دافر ادواشیاه کا تصور کریں جو آپ کی مراد کے حصول میں آپ کی معادن و مدد کار ہو تکے ہیں۔ تخلیسی نے تین بار پر میں اور اپنی مر او کے حصول کا تصور کریں۔ بیٹل مرتبہ پر میں اور اپنی مر او کے حصول کا تصور کریں۔ بیٹل مرتبہ پر حق ان بی بر حق نے بر حق ان بی بر حق ان بی بر حق والی بری انگی اس ترتیب سے بر حمیارت کے برابر والی ای بر بی والی بری انگی اس بر حیارت کے برابر والی ای بر حمیارت کے بیان ای ترتیب سے انگلیاں بند کی بیان ای ترتیب سے بر حموف کے بیان ای ترتیب سے انگلیاں بند کی بیان ای ترتیب سے انگلیاں بند کی بیان بند کر کے برابر والی انگلیاں محول دی میں والمفعل نے بردونوں با تصول کی جوفی انگلیاں کھول دیں والمفعل نے بردونوں با تصول کی شیاوت بردونوں باتھوں کے بیٹر سے برانوں بی بردونوں باتھوں کے بیٹر کی بردونوں باتھوں کی شیاوت بردونوں بی برانوں بردونوں باتھوں کے بیٹر کی بردونوں باتھوں کے بیٹر کی بردونوں باتھوں کی بردونوں باتھوں کی بردونوں بیٹر کی بردونوں بردونوں باتھوں کی بردونو

اللَّهُمُّ يَيْمُ لَكَا أَهُودَكَا: جب استام ير سَخِيل توابي مراديس آساني الصور كرير

کا الحیاث حکمی و شود آخد کا النگا: اس مقام پراپند دشتول کا تصور کر کے داہنے ہاتھ کی مفی بند کریں اور زمین کی طرف لے جاکر کھول دیں اور کا استسد خونم کر کرہاتھ کی بھٹیلی زشن پر ایسے مسلیس جیسے و حمن کا منہ خاک پر مسل رہے ہوں اور اس کی ذلت ور سوائی کا تصور کریں۔

**شَاهَتِ الْوُجُوْدُا:** اس مقام پر تمان پر مر تبدان الفاظ کا تکو اد کریں اور چر باد دخمن کا تصور کریں کہ وہ تباہ وبر باد جو جائے اور بایال بالحق فیشن پر بادیں یا پھر دخمن کا تصور کر کے شہادت کی انگل ہے اس کی طرف اشارہ کریں۔ خسم خسم خسم خسم خسم خسم : حمری محرار سات مرتب ب ب ب اس متنام پر پینجیس اق بینت هناعت و حصار خود والل و حمیال حد نگاه تک کمل یار خنر کید کر دائیں جانب ، دوسری بار بائیں جانب ، تبیری یار آگے ، چوتھی بار چیجے ، یا ٹیجی برا بار اور آسان کی طرف ، چھٹی باریجے زئین کی طرف چوتھیں اور ساتویں بار اسپنے باتھوں پر دم کر سے جسم پر ل لیں۔

**خینیسن بِقائیتُ اسْتَ سَقَ مِینَائِیگنا** : اس منام پر کی گر کھی ابنی مر ادکا انسود کریں اور کھیسنٹ پر ای ترتیب سے دونوں ہا تو ں کی انگیاں بند کریں چیے پہلے کی تھیں اور کیں کھائِینَکا اور مُنتقد تق پر جس ترتیب سے انگیاں بند کی این بینی پہلے چھوٹی انگی ، بھر اس کے ساتھ والی ، بھر کے کی بری انگی ، بھر شہاوے والی اور پھر انگو فعاکھول کر کمیں جند یُنتُک ۔ اس کے بعد آخر تک حزب الحر مُنسل کریں۔

جب حزب البحر تعمل پڑھ لیس تو تین سر جبہ آئین آٹین آٹین کمیں اور ہر بار اپنا وایاں ہاتھ زئین پر ہاری۔ انشاءاتنہ جس سر ادکیلیٹے اس طریقة پر عمل کریں گے وہ بہت مبلد حاصل ہوگا۔

> ازافادات محدث احظم، فیخ العلماه والعلماء حغرت شاه ولی الله محدث والوی رمة مذ ته ل مد

حضرت شادولی الله محدث دالوی رمند مندان مد ، خرخ بواسع ، باب میاره می فربات بین: حزب الحركا استعال و تصرف كا طریق بید ب كه چو كديد دها مختف آیات و دها خالاره پر جن ب لهذا پر هند والے كو چاہيم كد دها كى عمار تول پر فور كرس ادر اين عاجت كے مطابق كى عبارت كو يجانے ، بعد اس كو الشف المنسوب وقت يعنى ساحت كو ديكھے - جب حزب الحر پڑھے دفت اس عبارت پر آئے كہ جس كو اس نے اپنی عاجت كے إيرا بونے كيك مختص کیا ہے تو اس کی حرار وسی ایماس یا تین یا جس قدر پڑھنے والے کی طبیعت چاہے اس قدر کرے۔ اس دوران تصورش اپنی حاجت کو رکنے اور جو آیت یا اسم اس حاجت کے مناہب جو اس کو ساتھ کر پڑھے۔ نیز فریاتے ہیں کہ پکھ حز القد خیس کو بعض مقالات حاجات سے متعلق بھم اس کے واضح کردیں اور دویے ہیں۔

- عظاو العمر وادراك اوروسوس حفاقت كيلي: \_\_\_\_ عدر ملى إلى المسالعة الغيوب تكى تكراد كريرا-
- و شنول کے ساکت کرنے اور ان کے ضرر ( چاول) کو پھائے کیا :
   واطب علی جوہ سے پرجیون کے عبارت کی گرار کریں۔
- تحفیر لوک وامر اور از ان شن نفید و رودند کام جس کی کشاد کی کیلے کوئی تدییر نظر ند آنی دو اور بروه مخت یاری جس کا طاب ندیو تا بود اس کیلئے: دشیت سے ملکوت کل شندی کی شکر انگریں۔
- نغف الغيب، كشف، طلب كرافات بي ول كامال معلوم كرايما يافي ريانا و فير وكيلي : وهب لنا حق ديد تك تحرار كرفي چائ اور ال ب مناسب آيت بي فغص الغيب كيك اللهم دينا انزل عدينا ما تح طافي چائے۔
- میان یوی شی محبت دوناراض افراد کوراضی کرنے اور دوافراد کے تناز مات کو فتح کرنے کیلیے: حدید السیریون بلت پیسان پوری آیت کی بھرار قائدہ صند ہے اور

جو فخض ایے حال میں مفلوب ہو کہ آداب شریعت کی تکبیانی اس حال میں مشکل جو دوال آیت کو بہت پڑھاکرے۔

8. بو فض بحاك بائر ك بوك ك به كاكر ل بائة ال كيل : وجعلنا من بين ب لايعمدون تك ك كراد بهت مغيب -

9. وشمنول كوساكت كرف كيلية : حملاينصرون بكثرت يزمنا جائية-

10. چوروں و ظالموں سے حفاظت کیلیے: بسیم الله ہابنیا سے حیایت انک تحرار کرفی جائیے۔

 وفع نظريده ماده وصدائل جم كيك زيش العرش صعليت على رد هذا جائية.

12. طلب علم لدنيه كيلي: حدة تنزيل --- الخ تك يزحنا جائة -

13. و فغ زېر و شر ورند گان د دردول كيليخ: بسيم الله السندى يورى عبارت كى تحرار كرين-

14. مكارول كر كرو بهانول سے بيخ كيلئے : الاحسول والاقسوة بورى مبارت بام مى بيائے-

15. صاعب متاع واساب كيلي : فالله عدر مافظا يورى آيت يرمن جائية-

16. نفت الغيب كيلية: ان ولين الله لورى آيت مغيد --

17. دفع قيدادراس ك مش ربال كيلي : حسبى الله بورى آيت كى محمرار كرنى

18. قوب مروا فی کیلیے: دهندن اساله مرتبه اوراس کے بعدیا قوی سوبار پر هتا

چاہے۔

حعرت شاہ دلی اللہ محدث ویلوی زشنہ اندہ نصال منیب فرماتے ہیں کہ یہ بہت بہت طویل ہے، جس قدر اور خواص ہیں ان کو چھوڑتا ہوں اور جو بیان کئے گئے انمی پر استقار تاہوں۔

## از افادات عارف بالله، في العرب والجم حاكى الداد الله مهاجر كمى رمة عند تول مد

- حسول مال ودولت واستقلال كيلي: تزب الحرشر وع كرنے ي قبل عن مرتبه سورة الحجر كي آيت ٩٥ انا كليدناك الست وافين آخر تك پره لياكرين.
- بری مہم کو مر کرنے اور آسانی کیلئے: جزب الحویس قرآن کریم کی جو آیات آئی ثین دوجس مودت کی آیت ہو ، وہاں ہے اس سورت کو آخر تک پڑھا جائے تو بڑی ہے بری میر می آسائی ہے تر ہو جاتی ہے۔
- و حمن كو كورد كرت كيك : حزب الحرش من كرت ب قبل تحق مرج بورة اذا زلونة الارض عمل آخرتك يؤه كروعاش وكرك ير.
- زخم چشم اور تظرید کیلئے: وان یک ادال ناین کی فدر اے لفاح بین سورة اللم.
   آیت ۵۲،۵۱، سورة الکافرون، مورة الاغلامی، سورة الفاقی، سورة الفاقی، سورة الفاقی، سورة الفاقی، مورة الفاقی تین تین مرتبه پزید کرایک مرتبه حزب الحریز طیس!

- گلب پر دم کریں اور یہ عرق کی دیدھ کی ہوتل میں حفاظت ہے رکھ لیں۔ جب مطلوب کے سامنے جانامہ و تعواماع ان گلب اتھوں اور چیرے پر ل لیں۔
- 6. وقع العداء كيلية: بررون سهام رتب تزب الحرير حين برياد جب واطسس عسل وجود به منظم برياد جب واطسس عسل وجود به منظم بن المحافظ الشديد الت الذى لا يعلق التقامع يا قاطر و كم ين المحافظ التقامع يا قال ب محقوظ فر بااور المعين المحافظ الم
- 7. سنر کی سلامی و اس کیلیے: سنر کرنے سے قبل ۱۱ سرت پر حیس اور پر بارجب اس مقام پر پیچین بحول اندلایت و علیت او سخر بار پڑھیں: یا حافظ احفظائی من جمیع الافائیت یا ارحم الراحدین
- فاعل امر اص كليك: برروز ٢٥ مرت يزعين اور جب ال مقام ير مخيل بسب الله المان عقام ير مخيل بسب الشال الذي المنتقب من الدينة على من القدار المن المنتقب من المنتقب القرآن ما هوشفادو رجية المسومنين أور كين ياشاقى فال بن فال كوشفائش كل بسب الله المنتقب ال
- 9. بادشاده مظام وامراه کی تسخیر کیلئے: تین روز تک بر روز ۲۵ مرتبہ پڑھیں۔ جب اس مقام پر پہنچیں یا مین بیدہ وصلکوت کل شین تو بیال ستر مرتبہ بداعدیونوز ف فی مین خلال این فیلال اور ایک ایک مرتبہ مود آالم تقرح ومودة القدر پڑھ لیل۔ ان مب سے تمام کرنے میں بھید اس حاکم کے پاس جاکر دورے ملام کریں۔ معزبوگا۔

10. اوائ قرض كيلية : بر روز يغدوه مرتبه يراهيس اور بربار جب ال مقام ير خينيل و ارتبقنا فانك عيد الواز قين قومتر مرتبه يدو عايز عيس اللهم اكفيني بعلالك سن حرامك واغننى بفضلك عدن سواك

11. نصيب كوسك اور روزگار كى بندش دور كرف كيلية: تمين روزتك بر روزاسهم تبد پاهيس بربارجب اس مقام پر پنجيس و افسته لنسا فاسك عديد الفسات مين توستر مرتبد اللهم مالك السلك سيديد وحساب تك پرهيس اور حرق گاب يا كويس كر پائي بر دم كرديس اس عرق يا پائي سے البيئة ووقول باتھ اور مند وحويم رانشا والله بر حم كى بندش كمل جائے كيد

1.2 تو گری اور قارفی البان کیلئے: تھی روز پر منا ہے اور ہر روزے ۲ مر جد اس طرح
پر میں کہ جب وائش ها علیت است خزائن رحبت پر میں آ بیانتی اختانی
واد نریقی در نرقا منا لا لیب واسعا باخود حساب سر مر جر پر میس اور ہر روز چار
ورویٹوں کو کھانا کھائی یا حسب قرفتی مشائی تعلیم کری۔ فدائے چاہا تو نیس فزائے نے فوجات فعیب ہوگی۔
فزائے سے فوجات فعیب ہوگی۔

المال معرفت و فليه خال كيلية : تئن دوز تك پؤهنا چائة - بر دوز ١٩ مرتيد اى طرح پخشين كه جسس كه جسس كه جسس المستقيدان بدخها بدؤ الايسفيدان پر پنجين توسخ مرح بر الااله الاانت سبحانك ال كنت من القالبين پؤهر كمكيل اللهم الناسطك كمال السعوفة وحقيقت البية من برصتنك بالاحم الراحدين -

از افا دات استاذ العلماء، فخر الصلحاء

استادی المحترم، محترت طاخد اور احروبیاض صاحب بد مداندان 1. برائے تعنیر و فقومات: رمضان البارک کی کی ہے ۱۲ رمضان تک بید عمل کرنا ہے۔ اوّل ورود پاک ۱۱ مرتبہ ، کامر ایک مرتبہ مورہ کس خریف بعدہ ۲۱ مرتبہ حزب الحوساعلى سے كھيمه من انعمى بنا تك، آخر من گر ايك بار مورة يس اور دروو پاك پڑھيں سيد اس عمل كى زكوة ہے۔ جو كه جر سال اى ترتيب سے رمضان المبارك ش اداكر فى بوكى - يعدز كوة روزند ايك مرتبه مورة بي اور سنت مرتبہ حزب الحرساعات كھيمه انعم بناتك معمول ميں ركھيں۔ حد درج تمني ولتو مات حاصل بوكلى۔

بھی ما جات و مسترات و مست رزق وانتشافات امر ارلدنی کیلئے: اقل ۲۱ مرتبہ ورود پاک بیانی ایم جاتبہ ورود پاک بیانی ب

ید ترکیب خواجہ کفر الدین والوی، مناطق بال بنے قبلند عالم خواجہ نور محد مهادوی رمناط نمان ملیا کو عطافی اور راقم الحروف کو بیر ترتیب استادی المحترم «است بری تم امال بست حاصل ہوئی۔

برکام ، بر متعد کے حصول کیلئے نبایت چرب عمل : یہ عمل دی روز کا ب - حصول روز کا ربتر قی ارد کی ارشت ، پستد کی شادی، خصول اولاد ، و فی اعداء، امر اش بے نبات ، جادود فطر بد کا خاتمہ ، ناراض فیض کو بلانے ودیگر بر متعمد کیلئے بید عمل نبایت مجرب ب --

تركيب يدب كدوس دوزتك دوزاند بعد نماز في اور مغرب اس ترتيب سے حزب المحر پر عيس كد بعد نماز في الل و آخر ورودياك ٥ مرتيد اور در ميان عي پيله او امرتيد سورة الغريش اور بعدو ١٦ مرتيد حزب الحريز عيس - بررود و فيذ فتم كرف كے بعد چهاد فل و سورة الفاقح و آية الكرى فالدون تك ايك ايك مرتبه پڑھ كر فيح ايوا لحن شاؤلى قدس م معزیز کوابیهال قواب کریں۔ بعد نماز مغرب اول و آخر دور '' مین اس سے ، در میان میں سورة القریش ا ۱ مرس سے ، ایک مرسیہ حزب البحر اور سام سید آیة اللر بی پزشیں۔ ابد و کنیذ خد کورو بالا فاقتہ شریف پڑھ کر قواب حضرے قوت بہادل حق و حضرت مید جال اللہ این بخاری رسید الد قبال میں بعین کو بخشیں۔ بید عمل امید کی کرن اور خزاند غیب کی کئی ہے اس کی قدر کرتی جائے کیو کلہ ایسے عمل اس وقت ناہیر ہو چکے ہیں۔

## از افادات بي طريقت، ربير شريعت، في الحديث والتغيير معزت مفق ابو يكر شاذلي رند الله

- اولاد کیلئے: اگر کی خاتون کو اولا دنہ ہوتی ہوتو چھ میرو چھوارے لئے چائی اور ہر
  ایک چھوارے پرسمات مرتب ہے الاصر ہے لاینصہ دن تک پڑھیں۔ جس ون
  عورت ماہواری ہے پاک ہوائی دن سات چھوارے آ دھا کا دودوھ میں ڈال کر
  ایل لئے جائیں، ان عمل ہے چارچھوارے مر واور تین چھوارے مورت کھائے،
  ای طرح آ وھا دودھ مر واور آ دھا عورت پی لے۔ سات وان تک مید عمل کریں۔
   عورو جات کی کاٹ کیلئے تسم ہے ایسے الدھ ہود تک چھی کی پلیٹ پر دعمران یا
- وادوو جنات کی کاٹ کیلئے شدہ سے الیدہ المصدود تک تینی کی پلیٹ پرز عفران یا زروور یک سے لکو کر پانی میں گھول کر چین اساس یا کس روز تک بید عمل کریں
- شرارتی و مندی پی کیلے: نیچ کی شرارت چھڑانے کیلئے یہ عمل کریں کہ جب پی سوجائے تواس کی پیشانی کے بال پھڑ کر سات مر تبدواللہ مین و رائھ معدیط ہے ادھ والداحدین تک پڑھیں۔ اس طرح سات روز تک یہ عمل کریں۔
- برائے گششدہ: وائرے کی صورت ش وجعدنا سے لاہے مدن تک آیت تعیس اور دائرے کے اندر گشدہ کا نام مع والدہ تعیس وو تعویذ بناگی ایک وزن کے بنچ اور دو سراہوا میں لفائی ۔ انشاءاللہ ممشدہ یا ہما گاہوا جلدوائی آ جائے گا۔

5. کاٹ کا مل : جس کی کاٹ کرنی ہو اس کا نام ح والدہ کافذ پر کھے کر پائی ہے بعرے ہوئے شیشے کے برتن کے بیچے رسمیں اور برتن میں دیکھتے ہوئے ممل حزب الحر پڑمیں۔جب حزب الجر عمل پڑھ لیں تو چیری ہے پائے کو کاٹ دیں اس پائی کو کسی در ہت کے بیچے یا کسیا پاک جگہ پر ڈال دیں۔

6. ایک نے زائد افراد کی کالات کا ایک علی: ایک برتن پائی ہے جمر کر چو لیے پرر کو دیں اور کافٹر پرسخوان احذ ایس سے کھید میں سے لکھ کر پائی عمی وال دیں۔ تمام مریعنوں کے خام می والدہ لکھ کر اپنے پائی رکھیں لیں، ان سب کی کاٹ کی نیت سے جزب الحر تھی مرتبہ عمل پر معیں۔ پڑھائی عمل کرنے کے بھد چولہا بند کر دیں اور پائی فیشڈ ابور نے پر کمی وزخت کی چڑھی وال ویں۔

7. جادو، نظر و بمد تشم کے آئی اٹرات سے تھانے کا طل : اگر کوئی جادہ کی بھی طریقے سے محترثہ ہوتا ہو تو مشکل کے روز استدا کے پائی ہے تین مرجہ دعائے حزب الحریزات کروم کریں اور اس دم شدہ پائی ہے مریش عشل کرے۔ یہ عمل تمن مشکل کریں۔ کیے بھی اٹرات و جادہ ہوائیا، اللہ تھم ہو جائے گا۔

8. جنات کے اثرات کو دور کرنے کیلنے: اگر جنات ملادیے گے ہوں یا مجود کر جا چھ و کا در اس کے موں یا مجود کر جا چھ و کی مر میں کر مر میں کر مر میں کے جہم میں دور باقی ہو تو اما مرجہ حزب الحر تمل پر دم کرے دیں۔ مریض تمل کو مقام درد اور مافنوں پر لگائے۔ انشاء اللہ اس محل کی برکت ہے ہدھم کے جناتی اثرات سے نمیات ماصل ہوگی۔

## ﴿متغرق اعمال ﴾

 بهر هم کی دوکاوٹ و کردش مالات کیلیے جبو خض مین وشام یعن یونت طلوع و غروب آگاب ایک ایک مرجه د حاسے حزب الحرصد اول و آخر دروہ تھیں ، ۵۵ ،۵

- م " یه " ۱۰ ال ش ، تھے۔ اس کی راہ میں حاکل ہر طرح کی روکاہ ٹیس دور ہو جائیں کی اور کر و ش بالا ہے ۔ اکل کر نیر سکون و آساکش والی زند کی تصیب ہوگی۔
- تخيرخاص كيك: حزب الحرية عند وجب السعقام ير منظير يسام سيسده ملكون كل شيئ ويبال مراجع المستراء من يرجين اور جس كو تالي كرنا چائيد ويساس كالتعالي كرنا چائيد المسترار محمل كالتعالي كرنا چائيد المسترار محمل -
- حسول روز کار والد ارئی کیلئے: جب دانشہ هاعدینا من خلائن پر پنجیں توستر مرتبہ پاخذی بامغة فی بامغة فی خومین ...

تركيب يه ب ك مودة يس شريف ايك مرجه اس طرح الادت كري كربر مين پر ايك مرجه دهائ الاب المحرية ميس - پزين كه بعد بانى اور اگر على يا تخور پر دم كريس -جس مريش پر جاده ، جنات يا بندش مو اس كے چرك پر دم شده يانى كى چينش ماري اور مريش كى پاك ميك پر اس پانى حريش كرے - اشاه الله ايك عى مرجه كرنے ت شفاع كل مطابه كى ، جس ودكان ، تحريا كيكرى شى بندش وجنات بول وہال دم شده اگر يق يا تخور دوش كريس اشاه الله بيش كيك ان فياشوں كے محفوظ وہ جائي كرے - عمل كى بعد مدقد ضرور دیں۔ نہایت نایاب عمل ہے۔ ہر ہفتہ یا کم از کم مینے میں ایک بار ضرور اس عمل کو کرلیان چاہئے تاکہ بھیشد ان شرار توں سے نجات رہے۔

- 6. مر داند کمزوری کیلیے: دروزاند حزب البحر آیک مرحبہ اس طرح پر معیس کہ جب مجی فی اس محفوظ پر محقیس قوسور و حشر کی آیت نمبر ۲۱ سے انوانسا صدا السقی آن ہے الاسسے تفکید دن تلک عمر جب پر حیس اور دما تھل کر کے پائی پر دم کر لیس سیویائی مستقل استقال میں رکھیں۔ کمزوری چاہے جادوئی ہو، بتدش ہو یا طبی ہو انشاء اللہ میت جلد دور ہو جائے گیے۔
- 7. رقم کی وائی و قیضہ چیزائے کیلے و دور کعت اللی پڑھ کر حضرت ہے ابوالحن شادل تد راح داخ یا کوالیسال اواب کریں۔ بعدہ جزب المجرا کیک مرتب اس طرح پڑھیس کہ مہ تنزیل الکشاب سے البعہ البصور تک پڑھ کرہ کا مرتب یہ آیت پڑھیس اوقل جاء الحق و ذھق الباطل ان الباطل کان زھوقا ، حورہ الاسراء، آیت الا اور حزب المحر عمل کر دیں۔ پڑھے واقت جس فے رقم و بالی او وزیمن پر تبد کر لیا ہویا اگر آپ کی کوکی مقام سے بے دخل کرنا چاہتے ہوں اواس کا تصور رکھیں۔
- ویزا، اچهارشة و شادی کے انتظامت کیلئے زرات کے ایسے چیر جب سب مو چکے
  ہوں، جہا مقام پر اگر ممکن ہو تو خسل کریں یا تازہ وضو کے ساتھ دور کست قلل
  اس طرح اوا کریں کہ چکی رکست میں صورۃ الفاق کے بعد تمین مر جب سورۃ
  الزلزلة اور دوسری میں تمین مر جب سورۃ الافلامی پڑھیں۔ بعدہ ایک مر جب
  حزب البحر پڑھیں اور جب یا کی بیدہ فکوت کل شجا پر سینچیں توا ۱۰ امر جب سودۃ
  یس کی آیت غیر ۸۲ انسا امرہ ہے کی فیکون تک پڑھیں اور تصورا پنے متعمد
  کار تمیں۔ انشاء اللہ بحق حالمات بحق و فیلی غیب پورے ہو جائیں گے۔
  کار تمیں۔ انشاء اللہ بحق حالمات بحق و فیلی غیب سے پورے ہو جائیں گے۔



مسادری سب

جس طرح حاجات کیف وعائے ترب المحرش ایف کو مخلف تر کیبوں کے ساتھ و دو کیا جاتا ہے ، اسی طرح مل الشکالات کیلئے اس محمل وعااور بعض او قات وعائے مخلف فقر ول کے نفتر ٹی مجمی کئی طریقوں سے تیار کئے جاتے ہیں۔ بر صغیر پاک وہند میں اس طرح کے نفوش بہت کم و کیفتے ہوئے حزب المحرکی مخلف الوائے تیار کرکے وی جاتی ہیں اور تاکید کی جاتی حاجت کو و کیفتے ہوئے حزب المحرکی مخلف الوائے تیار کرکے وی جاتی ہیں اور تاکید کی جاتی ہے کہ حزب المحرکی روز مود علاوت کے بعد ان نفترش پروم کیا جائے تاکد ان کی تا ثیر میں دن بدن الساف ہو تارہے۔

خواحہ حسن نظائی زندہ ناہ وقتار مذہبہ قرار کے قلی کہ قاہرہ میں سنر کے دوران ایک فضل سے میر کی طاقات ہو گی جو جزادہ کل چاہتا تھا۔ اس نے چند تھی اوراق اپنی جیب سے نکال کر چھے و بیتے ، چوارہ وی کی تھے جن سے نکال کر چھے و بیتے ، چوارہ وی کی تھے جن سے خلف حاجات کیلئے جزب اُروز بان سے تا تشکا ہوئے کے سبب ان صاحب کا یہ خیال تھا کہ ان تھی اوراق پر جزادہ کا کی کرئے کا ممل کھا ہے۔ یس نے ان اوراق کی نقل لے فی اور ان ساجب کو اس خیقت سے آگاہ کردیا۔ معربے بیا سا وراق کی کھے جاتے ہیں۔ اس معاجب کو اس کھا ہے۔ یس نے ان اوراق کی نقل لے فی اور ان ساجب کو اس خیقت سے آگاہ کردیا۔ معربے بہا سواجب کو اس خیقت سے آگاہ کردیا۔ معربے بیا سے بہا سواجب کو اس خیقت سے آگاہ کردیا۔ معربے بیا سے بہا سواجب کو اس کی کھے جاتے ہیں۔

مزید آپ زشفاند فعال عنب فرماتے ہیں کہ فخ المسائخ حضرت او لین کم کا زشفاند فعال عنب مصر کے سب برنے با اعتبار وافقیارات والے مائے جاتے تھے انہوں نے یھے کہا کہ ایک زمانے میں حفاظت کی خرض سے اسلای جہازوں پر خواہ وہ جھی جول یا تھارتی ہے عام قاعدہ تق کہ حزب الحربائي کي حقی پر کند و کرکے لگادی جاتی جاتی تھی۔ جس کی وجہ سے جہاز اورائی میں موجود سامان و مسافر ہر حتم کی آقات و حادثات سے محفوظ رجے تھے۔ وال دن المرحدہ ۲ حصرت شاده لی الله محدث و الوی نشسة الله تصال نفشید نه تحص الله طرح کی گل نقوش کا ذکر شرح ہوا من جس کیا ہے ، جیسا کہ حزب المحر کے ایک فقر سے سے محصل آپ رشنه الله تصال نفشید فرماتے ہیں کہ اگر کوئی تو تھی، صرت ، بمال و تولیت حصول کی خواہش رکھتا ہو تواسے چاہئے کہ اس فقر وکا تقش مخس بناکر اسپنے پاس کے شرع اوران

حزب المحرك چند نقرش كو عددى اختلاف كر ساتھ مختلف كتب بي ورخ إلى ليكن تا ثير كه اعتبار سے تمام نقرش مى نبايت توكى الاثر بيں۔ يهال وہ نقرش ورخ كے گئے بيں جورا تم الحروف كو اپنے مشاكم و امباقة و السام الل جوئے جو كه الحمد للله تعارب تجرب بيں شائل اور مجرب الحجرب إلى -

## ﴿ برائ وقع عمالي وبدود كارى

يد تعش حزب الحرشر يف كابراء رفع افلاس نهايت جرب ب- جس كى مازمت ند كلتي

|        | OFFIFE  |        |        | THE MOST ECTIVE                 |
|--------|---------|--------|--------|---------------------------------|
| arrira | 13      | 4      | OFFIFA | یں برکت نہ ہوتی ہو تو اس فقش کو |
| -      | orrier. | OFFIFO | 1      | all all a class                 |
| AFFIFT | ٥       | MAN    | OFFICE | 2000 - 100                      |

انشاہ اللہ عالی تعش بہت جلد صاحب روز گار ہو گا اور ننگدی و افلاس سے نجات حاصل ہوگی۔ فقیر کامعول اور آزمودہ ہے۔

## ﴿راع ففاع امراض

| ~~~19 | רררוד | רררו2 |
|-------|-------|-------|
| -     | רררוץ | FFFIA |
| מוזחי | ***   | LLLIL |

کھو کر گلے میں پہنیں۔ جوزوں کے درویااندرونی زخم کیلئے لکھ کرسیدھے ہازو پر پہنیں اور زیتون کے تیل میں ڈال کر متاثرہ جگہ کا مساج بھی کریں تؤورد زائل جو جائے گا اور انشاء اللہ اندرونی زخم ہے بھی تجاہے حاصل ہو جائے گی۔

﴿ برائے اتفاق واتحادود فع محر ﴾

# ﴿ يرائ حب ولطف وحمر مانى ﴾

مجی برکت ہوگی۔ جو اس عمل کو کرے گا انشاء اللہ اس کی برکات کا شاہدہ کر لے گا۔

| IA   | 1rr-0 | 1      | 1.    | 10     |
|------|-------|--------|-------|--------|
| rr.6 | r     | 6      | 11    | r.     |
| ٥    | 9     | 15     | 14    | 124. L |
| 4    | 10    | 19 14  | 1-1-1 | r      |
| ir   | 19    | IFFF+A | ~     | Λ      |

ھنم ان کے ساتھ ایتھے رویہ ہے بیش آئے تو اقبیں چاہئے کہ یہ تفش کیلے کر اپ پا ں رکھیں اور پنچے مقصد کی عمارت ضرور تحریر کر یں۔ مثلاً زوجین میں مجت کیلئے العسب فسالاں بسن فسلاں علم حسب فسلاں ہنت فسلاں و غیر داور ای طرح کلوق کے ایتھے رویہ کیلئے تشخیر خلاکتی کی کوئی عمارت تحریر کریں۔

それがんかり

اس تعش کو برکام کیلئے استفال کیا جاسکتا ہے۔ حال حزب الحرکے پاس اگر کو کی ایسا سائل آ جائے جو عربی عبارت پڑھنانہ جانتا ہو یا حزب الحرکی طاوحہ نہ کر سکتا ہو تو اسے یہ تعش ویا جائے۔ اس تعش کی خاصیت ہیں ہے کہ اس میں ۱۳ خانے خالی رہتے ہیں جس میں سائل کی حاجت کے مطابق حزب المحرشی ہے کو آپ بیا ایک ہے فائد اساہ الہیہ لکو ویے جائے ہیں اور سائل ہے کہہ ویا جاتا ہے کہ وہ ان اساء کا درو بحد ہر نمازیا جس قدر اس کو آسائی ہو ٹین پہنچار ہتا ہے اور جلد مقاصد عل ہو جائے ہیں۔ حظار اقم الحرف کا معمول ہیں ہے کہ روز کار کیلئے ہم خانہ شمیں از برای ورشے کیلئے سامیں ، عرص وقر کیلئے باحسیب یا خانوان الدنب کیلئے باتی باقیدور اور وقع اعداد وزیران اور نجاہ بھر و نظر پر کیلئے باحسیب یا خانوان الدنب

|        |        |       | -      | - /   |        |
|--------|--------|-------|--------|-------|--------|
| ياعظيم | PT0-1  | rroir | 170-0  | PTOII | ياعن   |
| PTT 49 | רופדו  | ياحسب | يارپ   | PTOIA | 1001   |
| rrean  | يارحيم | TTO-A | rro-4  | ياعور | 17019  |
| 17014  | ياتيرم | TTOI- | FF014  | ياحى  | rro    |
| rror.  | rrraz  | ياول  | يامسخن | FF0.F | TTOIT  |
| ياعليم | 2010   | PF0.F | Proir  | PF4.F | ياحليم |

ای طرح اگراس تعش میں حزب الحریق آنے والے اماء تحفیر لکھے جائیں تو یہ فتش تحفیر طاق کیلئے بھی جرب ہے۔ اماء تحفیر فقش میں لکھ دے سکے ہیں۔ الفرض کہ یہ نعش ہے ہر طرح کے مسائل کیلئے کائی ہے۔

# و لتش حزب الحر19 x 19 €

مندرجہ ذیل تقتش میں دعائے حزب البحر کا ہے جو دورن ادائی نصاب سامنے رکھا جاتا ہے ۔ بہتر تو یہ ہے کہ بوقت نصاب ہیں تقتش محک ، ز مقران دعر آپ گلاب ہے تیار کر دوسیاتی ہے لکھ کر رائے کہ معام ہے ادر اگریہ محک درجو تو تقتش کی کافی کر داکر میں استعمال کیا جا سکا ہے لیکن اس مورث میں پہلے کافی شدہ تقتش کو توب معظر کرلیں اور پھر استعمال میں لائیں۔
ترکیب ہی ہے کہ تقتش کی 361 فالوں پر مشتش ہے۔ دوران نصاب ہر فائد پر شہادت کی افکی رکھ کر ایک مرتب بڑنے پر نصاب ادا جو جائے گا اور اس طرح تعیش کے ۱۳۵۰ خانوں پر مشتش ہے۔ ۱۹ مرتب پڑنے پر نصاب ادا تھو ہو استعمال کر رکھ دیں۔ اس کلے روز پوقت طلوع آ آباب آ تری گئی تن ۱۳۹۱ خاند پر شہادت کی افکی ہو سنجال کر رکھ دیں۔ اس اس افکا ہو گئی گئی تا ۱۳۹ خاند پر شہادت کی آفکی رکھ کر بی کرد کر ایک بار حزب البحر پڑھیں اور پورے تھی پر اور کر گئی دو کان میں لگا تا چاہیں تو جرے دیکی کرد کان میں لگا تا چاہیں تو

جس شخص کے پاس یہ تعقی ہویا جس مقام پر آویزاں ہو، دوہر طرح کی آفات و بلیات وحاد ثابت سے محفوظ رہے۔ کی مخالف کا کمر وحاصدین کا صداس پر اثرا تداز نہ ہو۔ جادو، جنات، تقرید، تح سات و زوال لیت میں مجھی اگر قارنہ ہو۔ پیشد باسعادت و بارو فق رہے۔ قوم جنات ہر گز اس مقام میں واضحال نہ ہو جہاں یہ تعیش لگا دیا جائے۔ اس تعیش کے خواص اصافہ تحریر سے باہر ہیں۔ جو اس کو استعمال میں لائے گا وہ خودی اس کی برکات و ع انبات كامشابده كرك كا- فقير الحالف في نون في بادان ك كالات كامشابده كياب اور عجب و غريب تاميرات طاحظة فرمائي جي-

نساب کے علاوہ استعمال کرتا چاہیں تو بروز بدر یا دے زہ ویس خریر کریں۔ نقش کو سامنے رکھ کر آس پر بھن سرجہ حزب الحریزادہ کر وم کر ہے اور خات شُن المشائخ معفرت اور الحمن شاذ کی زشہ فٹ شائد کی دوس مبارک کو بدیے کر کے استعمال ش لائیں۔ افشاء اللہ فیش مقلیم حاصل ہو گا۔ تشخیر طائق و حصول مطالب میں حزب الحرکامیہ نقش اپنی مثال نیس د کھتا۔ اللہ کر بھی مسید کو آس کی برکامیہ ہے مستقیض فرمائے۔ آئین

| 6003  | UN    | 11   | 4174  | 1916   | uj-  | 101    | UPT    | 587 | "Ha  | 163   | Zelf             | 116  | 6161 | 144              | iste            | 0391 | 417    | 440  |
|-------|-------|------|-------|--------|------|--------|--------|-----|------|-------|------------------|------|------|------------------|-----------------|------|--------|------|
| 180   | 411   | de   | 1861  | 414    | 1431 | الإل   | W      | åF7 | 1077 | M     | 181              | ناء  | est  | 414              | 1590            | 411  | 140    |      |
| 400   | 1973  | in,  | 2119  | dA     | 24   | 19     | J\$º   | W   | JF:  | 18()  | e <sup>[1]</sup> | 16.  | 4-41 | 1548             |                 | 110  |        | 191  |
| 110"  | idi   | 18"7 | good. |        | 16.  | LW     | W      | .or | d),  | 573   | dri              | de   | 411  |                  | ٠.              |      | 114    |      |
| 4.12  | 110   | id;  | 115   | Lad    | 46   | 100    | W      | R.  | US*  | 40    | ,PT              | w,   | ŞΝ   | 194              | 216             | ·    | .19    | 155  |
| ott.  | 649   | 1111 | int   | 14.1   | 400  |        | 1 kile | vil | V    | الال  | di               | .f.  | 10   | e See            | €7.             | o.H  | w      |      |
| 6113  | nų    | 600  | 111   | 4      | 114  | mell . |        | 47  | de   | Ü     | _01              | 10.  | 14   | का               | ala:            | *    |        | 194  |
| 16/   | 411   | 1361 | Lang  | 1515   | .4.  | (Ų     | 14f    | 118 | 160  | كناه  | N                | .51  | W)   | ,2,              | w.              | Jil  | 1821   | 5    |
| 600   | 14.3  | 6086 | 114   | 60/4   | 6/18 | 681    | W      |     | 1    | 100   | بال              | 164  | 191  | 4th              | 6 <sup>th</sup> | 1571 | e la c | qn   |
| 181   | 40.85 | 18.1 | 6011  | 1111   | _sje | 161    |        | 141 | .15  | 4141  | 1881             | 401  | 14,1 | alf.             | 181.            | .41  | /479   | _le* |
| 422   | *1    | 414  | 1kg   | 619    | 119  | 6+31   | 14     | LAT | 187  | _+12  | غباذ             | 166  | 401  | H <sub>a</sub> S | 471             | 411  | (SP    | 117  |
| 18º   | وعال  | 187  | 2+15  | 411    | 2121 | 196    | 113    | ıŲ  | 407  | 165   | 4111             | اباذ | 181  | J١               | Nb              | .01  | 151    | 418  |
| ura   | 1873  | i)ei | 18;   | (all   | 184  | 641    | 114    | 45  | W    | j. 63 | 1871             | SHE. | أيال | 162              | ¿Ne             | HV   | 107    | H    |
| HE"   | 491   | 921  | gloß. | 41     | 4sh  | 116)   | 440    | Ü   | 17   | ·w    | (en              | ır,  | A+IL | dli              | 6200            | UN   | W      | 100  |
| 183   | 1913  | 100  | W;    | UH     | 12:  | 44     | 187    | 112 | ė    | 443   | 161              | d.   | 1971 | 4                | 410             | 600  | UP     | 195  |
| 100   | 50    | 181  | 6178  | 1021   | ₽ħ0  | *      |        | 168 | 00   | 142   | الإس             | 11   | .41  | 191              | 60fo            | 918  | fool   | SIT. |
| SPQ.  | NU    | J.   | 1821  | JH     | w,   | ji)    | W.     | d   | 145  | لوان  | 161              | .4   | 101  | .11              | 1974            | (M)  | JY     |      |
| 611.0 | 199   | -    | (E)   | 471    | 4.   | -      | 111    | Qf  |      | 1903  |                  | 1    | .431 | 164              |                 | 167  | .dl    | .4   |
| 20    | His   | 38   | An    | part . | #13a | 'n     | 167    |     | 1h°  | 643   | 1481             |      | 141  |                  | 111.            | 441  | 1501   | iom  |

یے چند نقوش جو ہمادے استعمال شی جی بہاں استفادہ عام کیلے لکھ دیے گئے جی ۔ اب بیان شروع جو تا ہے حزب الحرکی الواح کا جو شرف کو آکب کے او قات میں تیار کی جاتی ہیں۔ ﴿ الواحِ الشرف کو آکب ﴾

لوح می در حقیقت تعض بی ب مینے فاص او قات میں گواکب سے منسوب و حالوں پر مخصوص بخوص بخصوص بالدے کے خرف میں در یعت کر دی جائی ہے ۔ جس کے استعمال سے حالی اور آلو دو تمام قوائد حاصل ہوتے ہیں جو اس شارے کے خواص میں ہے ہیں۔ لیکن ان خواص کے حصول کی ایک شرط حالی اور کی پایک شرط حالی اور کی بایک شرط حالی اور کی بایک شرط حالی اور کی بایک شرط حالی اور کی پایک شرط حالی اور کی پایک شرط حالی اور کی بایک شرط حالی اور کی بایک شرط حالی اور کی بایک شرط حالی اور شرک بیا بایک میں بات بایک دور ان افواج کو ایک کی بایک میں بات کی بایک میں بات بایک دور کی ایک خور ت شاہ دی الفذ محد ہے دور کی در نشاد ندائد میں بایک دور کی دور

ایک بار شرق زیرود شرق آمری او اقات می دداگر فیمیان بنوانے کا القاق ہوا اور بید دو دو اور شدید بیار موق ہوں اور بید دو دو اور شدید بیار ہوکی ہر بید دو دو اور شدید بیار ہوکی ہر چند مارہ کر این المرد بیار ہوگی ہر چند مارہ کر این کا سب معلوم شد ہور سالہ آخر ایک دور ان دو نوں انگو فیمیوں نے ہمارے مثلات کرنا شروع کی اور حد سے زائد مخط شکرے کرنا شروع کی اور حد سے زائد مخط شکرے کے کہ ہم کو بغیر طہارت استعمال کیا جاتا ہے اور ہندی حرصت و پایٹری کا تعیال میں اور ان مور تول کی بیاری کا میں بیاری اور ان مور تول کی بیاری کا میں بیاری کا میں میں اور ان مور تول کی بیاری کا میں بیار میں اور ان مور تول کی بیاری کا میں بیاری کا میں بیاری کا میں اور ان کی بیاری کا میں بیاری کا میں اور انگو می بیاری کا کہ دیا اور جب ان سے لیکر احتمال کی احتمال میں 
کے شرف میں یہ وہ انگو سخی بنو انی جاتی ہے واس میں ودایت کر جاتی باوریہ میں ملوم، و ا کروہ فطر خاطبارت کی طرف انکل ہے۔انقل انجان فاق دادی

جس طرح دیگر قر آئی آیات واساء الہیہ ہے شرف سیار گان کی انواح تیار کی جاتی جیں۔ ای طرح حزب البحر اور حزب البحر ش آنے والی مختلف عمار توں ہے مچی کو آک کی الواح تیار ہوتی جیں۔ حزب البحر کی عمار توں سے تیار کی جانے والی الواح کا ذکر شرح شی بیان ہو چکا ہے ابدایہاں مختلف سیار گان سے منسوب حزب البحرکی الواح معد قو اس کو آک ب بیان کی جاتی ہیں۔

# 4747

| Γ | FFFIF | 11177        | דודוד  | حصولِ اولاد ، شفائے امر اص ، تعیب<br>- معالیہ اولاد ، شفائے امر اص ، تعیب |
|---|-------|--------------|--------|---|
|   | אודר  | نام معدوالدو | ATTE   | کشانی ، زراعت و باغات میں ترتی ،  |
|   | rrr!! | 111FT        | ااسلما | مقدمات مي فلق ، تسخير خلائق اور   |

حصول وست شفاکیلئے نیالورج تیار کی جاتی ہے۔ شرف قمر کا دقت بریاد آتا ہے لیذااس دوران بیالوج چاندی پریاسلور کا فغذ پر تیار کرنی چاہئے۔

### ﴿ شرف عطاره

وبا فی امراض میں افاقد ، مباحثه و مناظرہ عنی برتری ، تنخیر مکام و افسرانِ بالا ، علی مقابلہ تحریر و تقریر میں کامیابی ، بیس کی صحت و شخیر الی تھم و علاء کیلئے یہ لوح تیار کی جاتی ہے۔ اس اوح کو مثلیث قرو و عطار دکے وقت بھی تیار کیا جاسکا ہے۔

## وثربرن)

توب مرداند ، هجاعت و بهادری ، دافع نظرید ، جنات و شیاطین سے نیات ، کام کان کی صلاحت برمانے ، مکاروں ، ماسدوں و دشمتوں پر خلیہ مامسل کرنے ، توفی امراض سے نجات ، محل و فارت سے حفاظت کیلے شرف مریخ کے وقت یہ لوح الا ہے کہ محتی پر کندہ کرفی چاہئے۔ یصورت و نگر کا فذر پر مرخ رشک سے لکھ لیس۔

| ALTE  | TYPYT | 295    | 19.77        | r2590 | 111-F | PAPPI  |
|-------|-------|--------|--------------|-------|-------|--------|
| PTITA | r.YIA | PRHIP! | IFTAA        | r.grz | 1-7-4 | rr992  |
| FFFIT | IFF4F | Proir  | אררר         | TEDAP | F910  | ייסדרו |
| TADTA | 49F.  | F7179  | Ct           | IAFF9 | PHO-P | 1007.  |
| rrr•r | PAGE  | CTAPL  | <b>FA-AA</b> | MAN   | T-IFF | 1100   |
| ricii | rrirr | IFFAL  | m14r.        | ١٥٥٥  | rr49. | FIZE   |
| 10.74 | 74400 | 4174   | FOTEY        | ۳۷۵۸  | IZEET | F04-9  |

# (ثرب ص)

|       | -     | -     | -6711 | OURCHBURG | All   |        |
|-------|-------|-------|-------|-----------|-------|--------|
| rr19+ | rrrra | rriar | rrrr  | rrrr      | 27190 | بلندئ  |
| rrrr• | rr192 | rrrin | rrriz | rrr       | PPIGY | 3.6    |
| rrr•r | PPPIP | FFFIF | rrrii | rrr•r     | PPT-2 | مندی   |
| _     |       |       |       | 1         | rrr-4 |        |
|       |       |       |       |           | PPPIO |        |
| rrrri | FF191 | rrrr  | rrige | rrige     | rrrr  | ر مختی |
|       |       |       |       |           |       |        |

پرياتان پر كندوكرني چاپئے - اگر سوناياتان ميم ند ہوسط قاشيرى كاند پرياون لاء اور ال كيڑے ميں ركد كرميد ھے بازو پر بائد ھئى چاہئے -

## ﴿ ثرندنه

| rrzar | r.19. | r-19  | reann | arrra |
|-------|-------|-------|-------|-------|
| IAMLI | m-19  | FA996 | 777FZ | 11174 |
| r.29A | rrara | γt    | FATAT | airra |
| 1-170 | IFF90 | rzirz | rarra | ICTCT |
| r.44. | FFA94 | P0.41 | r-4A  | MPIA  |

ے شاکیلے یہ اوح چاندی پر یابرے ریٹم کے گیرے پر تیار کی جال ہے۔ ﴿ثَرْفِ مُشْرِی ﴾

| IAALI | THAP  | TATAL | ATER  | 14467   | PAPPE | LAPPI  | יוורון |
|-------|-------|-------|-------|---------|-------|--------|--------|
| 1442  | ATEL  | ITTEL | 11121 | 14442   | HALL  | 14455  | ITTA-  |
| OFFFI | ואארא | מחדדו | APPEI | PFFFI   | וזקרר | וחדדו  | 1774   |
| GOFFI | AGEEL | POFFI | TOPEL | IGET    | ITTT  | ITTT   | INTEN  |
| ישרדו | ואארק | -0111 | 14441 | ITTT.   | ישרדו | יימרדו | 17704  |
| •שורו | 14441 | 1447. | ואארד | ייידרו  | 17774 | ITTTT  | שמירו  |
| וזידר | 17749 | ASPE  | ואירם | וייוריו | 17740 | 1446   | 17754  |
| AAPFI | מזררו | ITTET | GAFFI | TATAL   | 14444 | 1446-  | IAPPI  |

تمام بیک د جائز مقاصد کیلئے ہے لوح شرف مفتری علی تیار کی جاسکتی ہے البتہ حصول دولت، حصول انصاف ، عدائی مقدمات علی فتح بیلی، قرض اور فربت و افلاس سے نجات کیلئے ہے وقت نہایت موشر ہے۔ جس کے پاس پہلوح ہوگی بالیقین وہ مجھی کسی کا محتائ تد ہوگا۔ انشاء اللہ تعالی

## ﴿ شرف د حل ﴾

|         | 1     |       |               |       |       | _     |       |       |
|---------|-------|-------|---------------|-------|-------|-------|-------|-------|
| 1740-   | rri.  | FAITA | r44-          | Irr.  | IAIF. | rrar. | rrr.  | AIF.  |
| r4      | Aai-  | rrr   | <b>PPYA</b> • | TAGEA | irri- | 1779· | 100   | rrr-  |
| 1227.   | r04-  | 10.4. | 444.          | rraz. | r.4.  | rezen | IPOA. | rr-0  |
| الدلدة. | HARE. | 400   | الماليم       | gra.  | r.2r. | reer. | rareA | 100   |
| 797FA   | 199-  | rr29. | 1441+         | 10    | IFA   | 997.  | 199.4 | "Al-  |
| r.ro.   | 914-  | AAA.  | 1-24-         | F017- | FA9+A | F4.   | 1014- | IAAL  |
| 4.5.    | riar. | 0004  | 74.0A         | HAC+  | roor. | 12-1- | 100.  | 1007  |
| 111-    | 1091- | 1279. | r1-9-         | ogr.  | 2000  | 100.  | rag   | r467) |
| 74FZ.   | PTTAA | Hrz.  | OTA-          | -CFFI | IPA.  | 179.  | 444-  | rimy. |

ذمد داراند سنعب، حصول توت مادی ترقی الما کسے فائد و اشتقامت واستحکام ، خوف ، وصورت و انتخاب میں اختفار ، بید وصورت و اندیشوں ہے اختفار ، بید القال اور کے خوات میں اختفار ، بید القال اور ہمد حسم کی روفاوت کو دور کرنے کیلئے یہ لوح تیار کی جائی ہے۔ اگر میہ لوح سید کی صحفی پر کندو کر کے پاس رمحی جائے قواس کے فوائد بہت جلدی ظاہر ہوتے ہیں لیکن اگر سیدر مستیاب نہ ہوقات منید کاغذ پر کال سیان سے کھنا چاہئے۔

الووضاحيت ف

الحد فلد الواح وب الحرود مع كواكب من منوب في محل بوكل - يهال الك بات ك وضاحت كرنام ودي كريد الواح وقت مقرده يرقد كرك بر فقى استعال كر مكل بديكن ا آرکوئی ان الا ان این کے مخصوص کرناچاہے تواسے چاہیے کہ حزب الحرک احداث میں اپنے استاد میں اپنے استان کی احداث میں اپنے ان کی حدد شال الدین الدین میں تکلیم و استخراف مو کان ملوی دستی الکی تاکد اگر ان کے استعمال میں کوئے ہے استعمال میں کوئی ہے استعمال میں کوئی ہے استعمال میں کوئی ہے استعمال میں کوئی ہے جہ استعمال میں 
الواح کو بین شرف کے وقت سیار گان سے سنسوب دسات پر کندہ کر کے استعمال میں لائمیں۔ جوالواح خالی الوسط ہیں ان میں سائل کانام تکسیس لوح لکھنے کے بعد بیچے متصد کی ممارت تحریر کریں سٹلاا آبی ہیر کمت و بطفیل ای لوح کے فلال بین فلائد کو عمروج و ترقی ، تسخیر خلائق ، غلبہ اعداد وکشادگی دوزگار عطافر ہاتھ میں۔

ہر ستارے ہے منسوب چند مخورات ہیں جو اس ستارے کی ٹوٹ تیاد کرے وقت جلائے میاتے ہیں۔ ان تمام مخورات بھی خود حشتر ک ہے ابندارا آم الحروف کا معمول ہیں ہے کہ کسی مجلی لوٹ کو بناتے وقت مود کا مخور جلا تا ہوں۔ آئ کل جو عود ہے تیاد کردہ اگر جیاں مارکیٹ بھی موجود ہیں ان کو بھی استعمال کیا جا سکتا ہے۔

بر لورخ کرئید پر اس کو کب سے منسوب طلع منرود کند و کریں ادر اگر کا فذیر بر بنار ب بیں جب بھی لورخ کے پیچے عظم لاز کی ککھیں۔ اس لے لورخ کی تاثیر میں اصافہ ہوتا ہے اور مقاصد کے حصول میں جلد کا ممایل حاصل ہوتی ہے۔ طلع بیت کو اکس بید تیں۔



## ﴿اختتامی کلمات﴾

رب تعالیٰ کا کروڑہ اشکر واحسان ہے کہ اس نے اسیخ فضل و کرم سے جھے ڈھرڈ النفس ہی شہر ہو بوزب النہ تھی لکنے کی توفیق مطافر مائی اور سے کتاب اپنی سحیل تھ کینی۔ فقیر اللہ اللہ سے اللہ اللہ کا موادیت و اجمیت کو موام اللہ سے الماس میں اجا کر کیا ہوا ہے۔ ای نیت سے آسان الفاظ میں دعائی شرح کھی گئی تا کہ الماس میں اجا کر کیا جائے۔ ای نیت سے آسان الفاظ میں دعائی شرح کھی گئی تا کہ کرنے۔ اعمال والواح کی صورت میں جہت سے لیٹی مار ارسے بھی واقعیت حاصل کر سے۔ اعمال والواح کی صورت میں جہت سے لیٹی مازوات متاوی عام کیلئے خالم کے لئے ماس کی دوال اور پریشانیوں میں کھر اجوا السان کروئے و ترقی کی زاہ پر گامزان ہوسکے۔ بہر حال میں سب بشری اور انسانی موسکے۔ بہر حال میں سب بشری اور انسانی موسکے۔ کہا کہ کا دوال اور پریشانیوں کی کہا کہ اس کی کہا گئی دائو پر گامزان ہوسکے۔ کے اعتبار میں ہے۔ جس کی کہا کہ کا دیا ہوں کے اللہ تعالیٰ کے انہوں کی دائوں ہو گئی۔ کے انہوں کی دائوں کی دائوں کے انہوں کی دائوں کے انہوں کی دائوں کی

اے حرق مقدم کے رہے ، سول کے کریے اور کے خطال و کرم ہے اس محت کو اپنی بارگاہ میں آجوں کے اس محت کو اپنی بارگاہ میں آجوں کے اس محت کو استقامت اور ثابت قدی عطافی اور اور سے لا عالیتری و فرود تی افتیار کرنے والا دل اور اعمال سال محلوں کو تقتوی کی دولت نے اوا اور امیس پاک و صاف کردے و تقیروا آم الحروف کی آخری وعا بی ہے کہ ساری تحریف مرف افقد رب العالمین کے لیے ایس اور ب شار صلاق وسلام تازل ہوں بشیر و این مرف افقد رب العالمین کے لیے ایس اور ب شار صلاق وسلام تازل ہوں بشیر و استخار کردے کے اس العالمین کے لیے ایس اور ب شار صلاق وسلام تازل ہوں بشیر و این بیر کے مسل النظم علیہ و سلم یر اور آپ کی آل واصحاب یہ۔

مرا قلم بھی ہے اُن کا مُعدَّقَدُ اُنگرے ہنریرے اُن کا سابید حضور خواجہ علی میں میں می کامیرے ہنر کا سلام پنج

# ﴿يادداشت﴾ سادري سعيد



كانمايال خصوصيات

تزب الحر \_ خواس پراکاریس است حضوت شاه دفی الشدهد خد بلوی، شخ ایوالعیاس احماله فی،
 شخ ابراتیم مهای شخ ایراتیم مجتلی های ایدا دانشه مها برخی، خواید حس نظامی اود علاسه عالم فقری
 رویه الشقار بلیم \_ مستقد آبوال

• تزب الحركاف بالدائر في مستدو طرية الدياضوس الني يزم تزب الجرك والديوكير الا كريف كالاباب ويحرب طريقة

• حزب البحر المرف كرف والماعال

رب الحر سمنز رفقوش برق کو کو اکب کی الوان اور رب الحرکا ۱۱ مخارف رخشن اقتل 19x19
 رب الحر ساده اصفار سلوب بینش دکشاش سلب اعال و سلب بادوگر ، عدادت ما ثیان اعداد، حب رزیش ، جداد کی کاف ، جنات کی بینش او طلس ان آگوش و فیره یعید میتن و بنایاب اتمال و حب بر ، آگر، و سیط و صفیر اور فقوش و شرف کو آکب کی ادارا و دیداد و صفیر اور فقوش و شرف کو آکب کی ادارا و دیدو و میشر اور فقوش و شرف کو آکب کی ادارا و دیدو دیدو و میشر اور فقوش و شرف کو آکب کی ادارا و دیدو و میشر اور فقوش و شرف کو آکب کی

الله تعالى م مساوا كران الله تعالى فيزن وركات، انوار و امراد اورا ظال و آثاد الم المساورة و المراد اورا ظال و آثاد الم المساورة الله تعالى عليه و آله وسلم المساورية من المساورية من المساورية المس

1.S. PRINTER: 0312-21352